

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.



Accredited By NAAC with 'A' Grade

Revised Syllabus For

B.A. Part-III

Hindi.

Syllabus to be implemented from

June, 2020 onwards.

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

जून 2020 से लागू

हिंदी स्पेशल बी.ए.-3 (कला)

सत्र-V, VI

Discipline Specific Elective

(शैक्षिक वर्ष -2020-21, 2021-22, 2022-23)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल

पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।

सत्र-V

- प्रश्नपत्र- VII : विधा विशेष का अध्ययन।
प्रश्नपत्र- VIII : साहित्यशास्त्र ।
प्रश्नपत्र- IX : हिंदी साहित्य का इतिहास।
प्रश्नपत्र- X : प्रयोजनमूलक हिंदी ।
प्रश्नपत्र- XI : भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा ।

सत्र-VI

- प्रश्नपत्र- XII : विधा विशेष का अध्ययन।
प्रश्नपत्र- XIII : साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना।
प्रश्नपत्र- XIV : हिंदी साहित्य का इतिहास।
प्रश्नपत्र- XV : प्रयोजनमूलक हिंदी ।
प्रश्नपत्र- XVI : भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा ।

सत्र V और VI : परीक्षा में एक प्रश्नपत्र 50 अंकों का होगा, जिसमें 40 अंक लिखित परीक्षा के और 10 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के लिए है। जिसमें सेमिनार, मौखिकी, परियोजना, (प्रोजेक्ट) गृहकार्य, में से एक देना अनिवार्य है।

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

जून 2020 से लागू

हिंदी स्पेशल बी.ए.-3 (कला)

सत्र -V प्रश्नपत्र- VII

विधा विशेष का अध्ययन

Discipline Specific Elective (D.S.E.-E6)

(शैक्षिक वर्ष -2020 -21, 2021-22, 2022-23)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल

पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।

पाठ्यक्रम

उद्देश्य :

- 1.नाटककार कुसुम कुमार की बहुमुखी प्रतिभा से परिचित कराना।
- 2.नाटककार कुसुम कुमार के साहित्य से परिचित कराना।
- 3.नाटककार कुसुम कुमार की विचारधारा से परिचित कराना।
- 4.नाटककार कुसुम कुमार के निर्धारित ग्रंथ का सूक्ष्म आलोचनात्मक अध्ययन कराना।
- 5.लेखिका के नाटककार के रूप में साहित्यिक स्थान को निर्धारित कराना।

अध्यापन पद्धति

- स्वाध्याय .
- व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण
- संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
- अतिथियों एवं विद्वानों के व्याख्यान।
- दृक श्राव्य माध्यमों का प्रयोग।
- संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।

पाठ्यपुस्तक

‘दिल्ली ऊँचा सुनती है’ (नाटक) –कुसुम कुमार

किताबघर प्रकाशन, अन्सारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110002

इकाई 1 कुसुम कुमार का जीवन परिचय, व्यक्तित्व, कृतित्व एवं नाटककार कुसुम कुमार का सामान्य परिचय ।

इकाई 2 ‘दिल्ली ऊँचा सुनती है’– कथावस्तु एवं शीर्षक की सार्थकता ।

इकाई 3 ‘दिल्ली ऊँचा सुनती है’– पात्र एवं चरित्र –चित्रण, संवाद, देशकाल वातावरण ।

इकाई 4 ‘दिल्ली ऊँचा सुनती है’– भाषा शैली, उद्देश्य अभिनेयता एवं समस्याएँ ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		अंक
प्रश्न 1	पूरे पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	‘दिल्ली ऊँचा सुनती है’ पर ससंदर्भ प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	‘दिल्ली ऊँचा सुनती है’ एवं कुसुम कुमार पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 4	‘दिल्ली ऊँचा सुनती है’ पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10

संदर्भ ग्रंथ सूची–

- डॉ. कुसुम कुमार एक प्रयोगधर्मी नाटककार– डॉ.दत्तात्रय मोहिते, विद्या प्रकाशन, ‘सी’ 449, गुजैनी, कानपुर–208022
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक–डॉ.रंजन तिवारी, विद्या प्रकाशन, कानपुर–208022
- हिंदी महिला नाटककार–डॉ.भगवान जाधव, विद्या प्रकाशन, कानपुर–208022
- समकालीन हिंदी नाटक– डॉ. जशवंतभाई पंडया, ज्ञान प्रकाशन, कानपुर

सत्र –VI प्रश्नपत्र– XII

DSE-E131

उद्देश्य :

- उपन्यास के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।
- उपन्यासकार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।
- रचना विशेष का महत्त्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।
- रचना के आस्वादन एवं समीक्षा की क्षमता विकसित कराना।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यास की प्रासंगिकता से अवगत कराना।

पाठ्यपुस्तक –अंतिम साक्ष्य (उपन्यास)–चंद्रकांता

अमन प्रकाशन, 104 A/80 सी रामबाग, कानपुर– 12

इकाई 1. चंद्रकांता का जीवन परिचय, व्यक्तित्व, कृतित्व एवं उपन्यासकार चंद्रकांता का सामान्य परिचय।

इकाई 2. 'अंतिम साक्ष्य'–कथावस्तु एवं शीर्षक की सार्थकता।

इकाई 3. 'अंतिम साक्ष्य'–पात्र एवं चरित्र –चित्रण तथा संवाद।

इकाई 4. 'अंतिम साक्ष्य'–देशकाल तथा वातावरण, भाषा शैली, उद्देश्य एवं समस्याएँ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		अंक 40
प्रश्न 1	पूरे पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	'अंतिम साक्ष्य' पर ससंदर्भ प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	'अंतिम साक्ष्य' एवं चंद्रकांता पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 4	'अंतिम साक्ष्य' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10

संदर्भ ग्रंथ सूची –

- चंद्रकांता का कथा साहित्य–समकालीन परिवेश तथा संदर्भ–डॉ.अमोल पालकर, विद्या प्रकाशन, कानपुर–208022
- चंद्रकांता का कथा साहित्य–डॉ.जगदीश चव्हाण, विद्या प्रकाशन, कानपुर–208022

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

जून 2020 से लागू

हिंदी स्पेशल बी.ए.-3 (कला)

सत्र -V प्रश्नपत्र- VIII

साहित्यशास्त्र

Discipline Specific Elective (D.S.E.-E7)

(शैक्षिक वर्ष -2020 -21, 2021-22, 2022-23)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल

पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।

उद्देश्य :

- 1) साहित्य निर्मिति की प्रक्रिया का बोध कराना।
- 2) साहित्य /काव्य के विभिन्न अंगों, भेदों से परिचित कराना।
- 3) साहित्य/काव्य की नवीन विधाओं से परिचित कराना।
- 4) समीक्षा सिद्धांतों से परिचित कराना।
- 5) साहित्य /काव्य के तत्वों से परिचित कराना।
- 6) अलंकारों से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति –

- स्वाध्याय .
- व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण
- भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का सैद्धांतिक एवं अनुप्रयोग की दृष्टि से।
- संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
- अतिथियों एवं विद्वानों के व्याख्यान।
- दृक श्राव्य माध्यमों का प्रयोग।
- संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।

अध्ययनार्थ विषय –

इकाई 1 काव्य/साहित्य – स्वरूप, तत्व, प्रयोजन।

इकाई 2 काव्य के प्रकार, काव्य गुण, काव्य दोष।

इकाई 3 रस – स्वरूप, रस के अंग, रस के भेद।

इकाई 4 अलंकार – शब्दालंकार – अनुप्रास, वक्रोक्ति, यमक, वीप्सा

अर्थालंकार – उपमा, रूपक, अतिशयोक्ति, विभावना।

(केवल लक्षण एवं उदाहरण अपेक्षित)

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		अंक 40
प्रश्न 1	पूरे पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	इकाई 2 पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	इकाई 4 पर टिप्पणियां (3 में से 2)	10
प्रश्न 4	इकाई 1 और 3 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10

सत्र-VI प्रश्नपत्र-XIII
साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना

DSE-E132

इकाई 1 महाकाव्य – स्वरूप, भारतीय तत्व।

प्रगीत – स्वरूप, भेद।

गजल – स्वरूप, प्रमुख अंग।

इकाई 2 एकांकी – स्वरूप एवं तत्व।

कहानी – स्वरूप एवं तत्व।

उपन्यास – स्वरूप एवं तत्व।

इकाई 3 रेखाचित्र – स्वरूप एवं विशेषताएँ।

आत्मकथा – स्वरूप एवं विशेषताएँ।

यात्रावृत्त – स्वरूप एवं विशेषताएँ।

इकाई 4 आलोचना का स्वरूप।

आलोचक के गुण।

आलोचना के प्रकार –

- 1) व्याख्यात्मक आलोचना।
- 2) तुलनात्मक आलोचना।
- 3) मनोवैज्ञानिक आलोचना।
- 4) ऐतिहासिक आलोचना।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		अंक 40
प्रश्न 1	पूरे पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	इकाई 2 पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	इकाई 4 पर टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
प्रश्न 4	इकाई 1 और 3 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10

संदर्भ ग्रंथ सूची

- 1) काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र ।
- 2) शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत – डॉ.गोविंद त्रिगुणायत ।
- 3) काव्य के रूप – बाबू गुलाबराय ।
- 4) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ.कृष्णदेव झारी ।
- 5) भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ.मानवेंद्र पाठक ।
- 6) भारतीय साहित्यशास्त्र – डॉ. बलदेव उपाध्याय ।
- 7) साहित्यशास्त्र – डॉ. चंद्रभान सोनवणे ।
- 8) भारतीय काव्यशास्त्र –डॉ.योगेंद्र प्रताप सिंह ।
- 9) हिंदी आलोचना के बीज शब्द – डॉ. बच्चन सिंह ।
- 10) पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत विवेचन – डॉ.ओमप्रकाश शर्मा, शैलजा प्रकाशन, यशोदानगर, कानपुर-208011 ।
- 11) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ.त्रिलोकनाथ श्रीवास्तव ,डॉ.गंगासहाय प्रेमी, साहित्य सरोवर प्रकाशन, जयपुर हाऊस, आगरा-282010 ।

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

जून 2020 से लागू

हिंदी स्पेशल बी.ए.-3 (कला)

सत्र V प्रश्नपत्र IX

हिंदी साहित्य का इतिहास

Discipline Specific Elective (D.S.E.-E8)

(शैक्षिक वर्ष –2020 –21, 2021–22, 2022–23)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल
पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।

उद्देश्य :

1. हिंदी भाषा तथा साहित्य की विकास यात्रा से अवगत कराना।
2. हिंदी साहित्य की विकास यात्रा में हिंदी भाषा के माध्यम से अलग-अलग विचारधारा और प्रवृत्तियों से अवगत कराना।
3. छात्रों में साहित्य समझने तथा उसका आस्वादन, मूल्यांकन करने की दृष्टि को बढ़ाना।
4. छात्रों को साहित्य के संदर्भ में विभिन्न साहित्यिक विधाओं के विकास क्रम से परिचित कराना।
5. छात्रों को युगीन सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी से अवगत कराना।
6. इतिहासकारों द्वारा प्रस्तुत काल विभाजन और नामकरण को जानने के लिए प्रेरित करना।
7. हिंदी के प्रमुख संत कवि, उनकी रचनाएँ और उनका समाजसुधार में योगदान से परिचित कराना।
8. हिंदी साहित्य के अंतर्गत गद्य-पद्य विधा और उसके भेदों, उपभेदों से अवगत कराना।

9. आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक के संत, महात्मा, लेखक, कवियों की विचारधारा और उनके द्वारा निर्मित साहित्य का सामान्य परिचय कराना।

अध्यापन पद्धति

- स्वाध्याय .
- व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण ।
- संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
- अतिथियों एवं विद्वानों के व्याख्यान।
- दृक श्राव्य माध्यमों का प्रयोग।
- संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।

अध्ययनार्थ विषय –

इकाई – 1 आदिकाल –

1. आदिकाल का नामकरण।
2. सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियाँ।
3. आदिकाल की प्रतिनिधि रचनाएँ: सामान्य परिचय –
अ) पृथ्वीराज रासो।
आ) बीसलदेव रासो।

इकाई – 2 . भक्तिकाल–

1. भक्तिकालीन सामाजिक परिस्थितियाँ।
2. भक्तिकालीन राजनीतिक परिस्थितियाँ।
3. भक्तिकालीन कवियों का सामान्य परिचय–
अ) संत नामदेव
आ) संत रविदास
इ) संत मीराबाई
ई) गुरु नानक

इकाई – 3 . निर्गुण भक्ति धारा–

1. निर्गुण भक्ति धारा काव्य की सामान्य विशेषताएँ।
2. कबीर : जीवन परिचय एवं कृतित्व।

3. जायसी : जीवन परिचय एवं कृतित्व ।

इकाई – 4 . सगुण भक्ति धारा–

1. सगुण भक्ति धारा काव्य की विशेषताएँ ।
2. तुलसीदास : जीवन परिचय एवं कृतित्व ।
3. सूरदास : जीवन परिचय एवं कृतित्व ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		अंक 40
प्रश्न 1	पुरे पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न ।	10
प्रश्न 2	इकाई 1 पर लघुत्तरीय प्रश्न (3 में से 2) ।	10
प्रश्न 3	इकाई 2 पर टिप्पणियाँ (3 में से 2) ।	10
प्रश्न 4	इकाई 3 और 4 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) ।	10

सत्र VI प्रश्नपत्र –XIV
हिंदी साहित्य का इतिहास
DSE-E133

इकाई – 1 रीतिकाल –

1. रीतिकाल का नामकरण ।
2. सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियाँ ।
3. प्रतिनिधि कवियों का सामान्य परिचय –
अ) केशवदास
आ) बिहारी
इ) भूषण
ई) धनानंद ।

इकाई – 2 आधुनिक काल –

1. प्रारंभिक हिंदी गद्य साहित्य का सामान्य परिचय ।
2. आधुनिककालीन सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियाँ ।
3. युग प्रवर्तक साहित्यकार—
अ) भारतेन्दु हरिश्चंद्र
आ) जयशंकर प्रसाद
इ) मोहन राकेश

इकाई – 3 आधुनिक गद्य विधाओं का विकास—

1. हिंदी उपन्यास साहित्य उद्भव और विकास ।
2. हिंदी नाटक साहित्य उद्भव और विकास ।
3. हिंदी यात्रा साहित्य उद्भव और विकास ।

इकाई – 4 हिंदी काव्य की विभिन्न धारा और उनकी विशेषताएँ ।

1. छायावाद ।
2. प्रगतिवाद
3. समकालीन कविता ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		अंक 40
प्रश्न 1	पुरे पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	इकाई 1 पर लघुत्तरीय प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	इकाई 2 पर टिप्पणियाँ (3 में 2)	10
प्रश्न 4	इकाई 3 और 4 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. हिंदी साहित्य का इतिहास— आचार्य रामचंद्र शुक्ल, जयभारती प्रकाशन, माया प्रेस रोड, इलाहाबाद।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास— डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास— डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य की भूमिका, डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।
5. हिंदी साहित्य का सही इतिहास— डॉ.चंद्रभानु सोनावने।
6. हिंदी साहित्य: युग और प्रवृत्तियाँ— डॉ.शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास— गणपतिचंद्र गुप्त।
8. मध्यकालीन कवि और कविता— रतन कुमार पाण्डेय, अनभै प्रकाशन, मुंबई।
9. हिंदी साहित्य का इतिहास— डॉ.पूरनचंद्र टंडन, जगताराम एंड सन्स, नई दिल्ली।
10. भक्तिकाल के कालजर्ई रचनाकार—विष्णु दास वैष्णव, कमला प्रकाशन— डीसा गुजरात।
11. हिंदी साहित्य का इतिहास : नए विचार नई दृष्टि— डॉ. सुरेशकुमार जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. सूरदास : एक पुनरावलोकन, डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे।
13. हिंदी साहित्य का इतिहास— डॉ.गंगासहाय प्रेमी, डॉ.अशोक तिवारी, साहित्य सरोवर प्रकाशन, जयपुर हाऊस, आगरा।
14. संत कबीर व्यक्तित्व एवं रचनाएं—डॉ.मो.मजिद मिया, जीएस पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, शाहदरा— दिल्ली।
15. षटकवि : विवेचनात्मक अध्ययन— खण्ड : 1 और 2, डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, 1312, शिवाजीनगर, जे.एम.रोड, पुणे— 05।

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

जून 2020 से लागू

हिंदी स्पेशल बी.ए.-3 (कला)

सत्र-V प्रश्नपत्र-X

प्रयोजनमूलक हिंदी

Discipline Specific Elective (D.S.E.-E9)

(शैक्षिक वर्ष -2020 -21, 2021-22, 2022-23)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल
पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।

उद्देश्य :

- 1.हिंदी में कार्य करने की रुचि विकसित करना।
- 2.रोजगार उन्मुख शिक्षा एवं कौशल्य प्रदान करना।
- 3.पारिभाषिक शब्दावली से परिचित करना।
- 4.सरकारी पत्राचार के स्वरूप का परिचय कराना।
- 5.जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से परिचय कराना।
6. अनुवाद स्वरूप, महत्व तथा उपयोगिता से परिचित कराना।
7. रोजगार परक हिंदी की उपयोगिता स्पष्ट कराना।

अध्यापन पद्धति

- स्वाध्याय .
- व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण
- संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
- अतिथियों एवं विद्वानों के व्याख्यान।
- दृक श्राव्य माध्यमों का प्रयोग।
- संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।

अध्ययनार्थ विषय –

इकाई – 1 पारिभाषिक शब्दावली ।

दैनिक व्यवहार में प्रयुक्त अंग्रेजी शब्दों के हिंदी पर्यायवाची रूप । (परिशिष्ट में दिए हुए 'अ' तथा 'ब' विभाग के 50 शब्द) ।

इकाई –2 सरकारी कार्यालयीन पत्राचार ।

1. कार्यालय ज्ञापन ।
2. परिपत्र ।
3. कार्यालय आदेश ।
4. सूचना ।
5. अनुस्मारक पत्र ।

इकाई –3 हिंदी भाषा और रोजगार के अवसर ।

1. रेडियो में रोजगार ।
2. विज्ञापन में रोजगार ।
3. अनुवाद में रोजगार ।
4. पत्रकारिता में रोजगार ।
5. फिल्म में रोजगार ।

इकाई –4 समाचार लेखन ।

1. महाविद्यालयीन समारोह का समाचार लेखन ।
2. सामाजिक समारोह का समाचार लेखन ।
3. प्राकृतिक आपदाओं का समाचार लेखन ।
4. दुर्घटनाओं का समाचार लेखन ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		अंक 40
प्रश्न 1	पारिभाषिक शब्दावली पर दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
प्रश्न 2	इकाई 2 पर लघुत्तरीय प्रश्न (3 में से 2) ।	10
प्रश्न 3	इकाई 3 पर टिप्पणियाँ (3 में से 2) ।	10
प्रश्न 4	इकाई 4 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) ।	10

परिशिष्ट (अ)

पारिभाषिक शब्दावली

	जनसंचार माध्यम संबंधी शब्द	
1.	Announcer	निवेदक
2.	Artistic	कलात्मक
3.	Audio-Visual	दृक-श्राव्य
4.	Banner	पताका
5.	Biographer	जीवनीकार
6.	Biweekly	अर्धसाप्ताहिक
7.	Bulletin	विज्ञापित
8.	Catalogue	सूची
9.	Calligraphy	सुलेखन
10.	Caption	शीर्षक / चित्र परिचय
11.	Cartoonist	व्यंग्य चित्रकार
12.	Choreography	नृत्य रचना
13.	Columnist	स्तंभलेखक
14.	Commentator	समालोचक
15.	Composer	अक्षर योजक
16.	Communication	संचार
17.	Creation	सृजन
18.	Correspondent	संवाददाता
19.	Information Technology	सूचना तंत्रज्ञान
20.	Interview	साक्षात्कार
21.	Interruption	रूकावट
22.	Journalist	पत्रकार
23.	Magazine	पत्रिका
24.	Source Language	स्रोत भाषा
25.	Transliteration	लिप्यंतरण

परिशिष्ट (ब)

शिक्षा सभा और संमेलन संबंधी शब्द

1.	Abstract	सार संक्षेप
2.	Academic Goal	शैक्षिक ध्येय
3.	Address	अभिभाषण संबोधन
4.	Adult Education	प्रौढ शिक्षा
5.	Agenda	कार्यसूची
6.	Anniversary	जयंती वर्षगाँठ
7.	Anthology	संकलन / संग्रह
8.	Appraisal	मूल्यांकन
9.	Attestation	साक्षात्कन / अनुप्रमाणन
10.	Audiance	श्रोतागण
11.	Autonomous	स्वायत्त
12.	Bibliography	संदर्भ ग्रंथ सूची
13.	Bachelor	स्नातक
14.	Closing Speech	समापन भाषण
15.	Conference Hall	सम्मेलन भवन
16.	Conclusion	समापन
17.	Document	दस्तावेज
18.	Draft	प्रारूप मसौदा
19.	Guardian	अभिभावक
20.	Humanity	मानविकी
21.	Hypothesis	परिकल्पना
22.	Inauguration	उद्घाटन
23.	Informal	अनौपचारिक
24.	Symposium	संगोष्ठी
25.	Viva-Voce	मौखिक परीक्षा

सत्र-VI प्रश्नपत्र-XV

प्रयोजनमूलक हिंदी

DSE-E134

अध्ययनार्थ विषय –

इकाई -1 पारिभाषिक शब्दावली.

दैनिक व्यवहार में प्रयुक्त अंग्रेजी शब्दों एवं पदनामों के हिंदी पर्यायवाची रूप (परिशिष्ट में दिए हुए 'क' तथा 'ड' विभाग के शब्द एवं पदनाम)

इकाई -2. संदर्भ स्रोतों का सामान्य परिचय :

1. इन्स्टाग्राम
2. फेसबुक
3. व्हाट्सअप
4. ट्विटर
5. ब्लॉग

इकाई-3. जनसंचार इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का सामान्य परिचय :

1. दूरदर्शन
2. इंटरनेट
3. डाक्यूटमेंटरी
4. व्हिडिओ कॉफ्रेंस
5. यु ट्यूब

इकाई -4 अनुवाद

1. अनुवाद स्वरूप और महत्व ।
2. अनुवाद की उपयोगिता ।
3. प्रकृति के आधार पर अनुवाद के प्रकार ।
4. अनुवादक के गुण ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		अंक 40
प्रश्न 1	पारिभाषिक शब्दावली पर दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
प्रश्न 2	इकाई 2 पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	इकाई 3 पर टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
प्रश्न 4	इकाई 4 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. जनसंचार और पत्रकारिता–विविध आयाम– डॉ.ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे ।
2. मिडिया कालीन हिंदी स्वरूप एवं संभावनाएँ–डॉ. अर्जुन चव्हाण, राधाकृष्ण प्रकाशन नई, दिल्ली ।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका–डॉ. कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नई, दिल्ली ।
4. प्रयोजनमूलक हिंदी– डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5. प्रयोजनामूलक हिंदी– विविध परिदृश्य–डॉ.रमेशचंद्र त्रिपाठी, डॉ.पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, कानपुर ।
6. हिंदी भाषा और सूचना प्रौद्योगिकी–डॉ. दीपक रामा तुपे, अभिषेक प्रकाशन, दिल्ली ।
7. हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर–प्रा.विकास पाटील, ए.बी.एस. पब्लिकेशन वाराणसी ।
8. मिडिया में कैरियर– पी.के. आर्य, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली ।
9. प्रयोजनमूलक हिंदी, 'साहित्य सरोवर' –डॉ.श्रीमती आशा मोहन, साहित्य सरोवर प्रकाशन, प्रभु नगर, आगरा–280101
10. मिडिया : एक अंतर्यात्रा– डॉ.स्मिता मिश्र, मंजुली प्रकाशन, नई दिल्ली–23 ।

परिशिष्ट (क)

	अंग्रेजी के हिंदी वाक्यांश	
1.	Above Mentioned / Said	उपर्युक्त
2.	According to	के अनुसार
3.	After discussion	विचार विवर्ष के बाद
4.	Age of retirement	सेवानिवृत्ति की उम्र
5.	As directed	निर्देशानुसार
6.	Effective Control	प्रभावी नियंत्रण
7.	Examine the proposal	प्रस्ताव की जाँच करें
8.	Eligibility is certified	पात्रता प्रमाणित की जाती है
9.	Facilities are not available	सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं
10.	For Compliance	अनुपालन के लिए
11.	For perusal	अवलोकनार्थ
12.	Gain Wrongfully	अनुचित रूप से प्राप्त करना
13.	Grant of permission	अनुमति देना
14.	Gross negligence	घोर उपेक्षा
15.	Noted and returned	नोट करके वापस किया जाता है
16.	Not in vogue	प्रचलित नहीं हैं
17.	Not satisfactory	संतोषजनक नहीं हैं
18.	Objection is Not valid	आपत्ति वैद्य/मान्य नहीं हैं
19.	On probation	परिवीक्षाधीन
20.	Order was cancelled	आदेश रद्द
21.	Paper under consideration	विचाराधीन पत्र
22.	Passed for payment	भुगतान के लिए पास किया
23.	Pending Cases	प्रलंबित मामले
24.	I agree	मैं सहमत हूँ
25.	In anticipation of	की प्रतीक्षा में

परिशिष्ट (ड)

	पदनाम संबंधी शब्द	
1.	Adviser	सलाहकार
2.	Accountant	लेखाकार
3.	Advocate	अधिवक्ता
4.	Cashier	रोकडिया / खजाँची
5.	Custodian	अभिरक्षक

6.	Councillor	पार्षद
7.	Director	निदेशक
8.	Executive Engineer	कार्यकारी अभियंता
9.	Foreign secretary	विदेश सचिव
10.	Governor	राज्यपाल
11.	His majesty	महामहिम
12.	Investigater	अन्वेषक
13.	Manager	प्रबंधक
14.	Member of legislative Assembly	विधायक
15.	Member of parliament	सासंद / संसद सदस्य
16.	President	राष्ट्रपति
17.	Prime minister	प्रधानमंत्री
18.	Registrar	कुलसचिव
19.	Speaker	सभापति
20.	Stenographer	आशुलिपिक
21.	Superintendent	अधीक्षक
22.	Treasurer	कोषाध्यक्ष
23.	Under secretary	अवर सचिव
24.	Vice Chancellor	कुलपति
25.	Warden	रक्षक

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

जून 2020 से लागू

हिंदी स्पेशल बी.ए.-3 (कला)

सत्र-V प्रश्नपत्र-XI

भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

Discipline Specific Elective (D.S.E.-E10)

(शैक्षिक वर्ष -2020 -21, 2021-22, 2022-23)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल

पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।

उद्देश्य :

- 1) भाषा के विविध रूपों का परिचय कराना ।
- 2) भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय कराना ।
- 3) हिंदी भाषा एवं लिपि के उद्भव और विकास का परिचय कराना ।
- 4) भाषा की शुद्धता के प्रति छात्रों को जागृत करना ।
- 5) मानक हिंदी वर्तनी और व्याकरण से छात्रों को परिचित कराना ।

अध्यापन पद्धति

- स्वाध्याय .
- व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण
- संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
- अतिथियों एवं विद्वानों के व्याख्यान।
- दृक श्राव्य माध्यमों का प्रयोग।
- संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।

अध्ययनार्थ विषय –

इकाई 1– भाषा की परिभाषाएँ, भाषा की विशेषताएँ, भाषा की उत्पत्ति एवं तत्संबंधी विविध वाद-द्वैती उत्पत्ति सिद्धांत, धातु सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत, श्रमपरिहार सिद्धांत, मनोभावाभिव्यंजक सिद्धांत, समन्वित सिद्धांत ।

इकाई 2– भाषा परिवर्तनशीलता के कारण ।

भाषा के विविध रूप– बोली और परिनिष्ठित भाषा ।

बोलियों के बनने के कारण, बोली और भाषा में अंतर ।

इकाई 3– हिंदी भाषा का उद्भव और विकास ।

हिंदी का शब्दसमूह, हिंदी भाषा के विविध रूप–राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा ।

इकाई 4 – हिंदी की विविध बोलियाँ–अवधी, ब्रज, खड़ीबोली, भोजपुरी ।

लिपि विकास का सामान्य परिचय, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		अंक 40
प्रश्न 1	पुरे पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न ।	10
प्रश्न 2	इकाई 3पर लघुत्तरीय प्रश्न (3 में से 2) ।	10
प्रश्न 3	इकाई 4 पर टिप्पणियाँ (3 में से 2) ।	10
प्रश्न 4	इकाई 1 और 2 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) ।	10

सत्र – VI प्रश्नपत्र –XVI

भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

DSE-E135

अध्ययनार्थ विषय –

इकाई 1—भाषाविज्ञान की परिभाषाएँ, भाषाविज्ञान के अध्ययन का महत्त्व, भाषाविज्ञान की वैज्ञानिकता ।

इकाई 2 —भाषाविज्ञान के प्रधान अंगों का परिचय—
ध्वनिविज्ञान, पदविज्ञान, शब्दविज्ञान, वाक्यविज्ञान, अर्थविज्ञान ।

इकाई 3 —भाषाविज्ञान का अन्य ज्ञान विज्ञानों से संबंध ।

1. भाषा विज्ञान और साहित्य 2. भाषाविज्ञान और व्याकरण ।
3. भाषाविज्ञान और समाजविज्ञान 4. भाषाविज्ञान और मनोविज्ञान ।
5. भाषाविज्ञान और इतिहास 6. भाषाविज्ञान और भूगोल ।

इकाई 4—कारकों के अर्थ और प्रयोग,पदक्रम, विरामचिह्न (केवल अल्पविराम, निर्देशक चिह्न(डैश) और अवतरणचिह्न) मानक वर्तनी के नियम ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		अंक 40
प्रश्न 1	पुरे पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न ।	10
प्रश्न 2	इकाई 4 पर लघुत्तरीय प्रश्न (3 में से 2) ।	10
प्रश्न 3	इकाई 2 पर टिप्पणियाँ (3 में से 2) ।	10
प्रश्न 4	इकाई 1 और 3 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) ।	10

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. भाषाविज्ञान – डॉ.भोलानाथ तिवारी ।
2. भाषाविज्ञान की भूमिका— डॉ.देवेन्द्रनाथ शर्मा ।
3. भाषाविज्ञान के तत्व— डॉ राजनारायण मौर्य ।
4. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा – डॉ. सुधीर कलावडे ।
5. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा – डॉ. द्वारकाप्रसाद सक्सेना ।
6. संक्षिप्त भाषाविज्ञान— डॉ.सुरेशचंद्र त्रिवेदी ।
7. हिंदी— उद्भव विकास और रूप – डॉ.हरदेव बिहारी ।

8. हिंदी भाषा – डॉ.धीरेंद्र वर्मा ।
9. हिंदी भाषा की विकास यात्रा – डॉ.रामप्रकाश ।
10. हिंदी भाषा, व्याकरण लिपि विज्ञान – डॉ.हरदान हर्ष ।
11. हिंदी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरु ।
12. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ – डॉ.नरेंद्र मिश्र ।
13. हिंदी की वर्तनी– कैलासचंद्र भाटिया, रचना भाटिया ।
14. मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण – डॉ.रमेशचंद्र मेहरोत्रा ।
15. भाषाविज्ञान के सिद्धांत – डॉ.ओमप्रकाश शर्मा निराली, प्रकाशन, पुणे– 05 ।
- 16.भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा–डॉ.गंगासहाय प्रेमी,डॉ.त्रिलोकनाथ श्रीवास्तव ,साहित्य सरोवर प्रकाशन, प्रभु नगर, आगरा–01 ।

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

जून 2020 से लागू

हिंदी स्पेशल बी.ए.-3 (कला)

सत्र-V ,VI

Discipline Specific Elective

(शैक्षिक वर्ष -2020-21, 2021-22, 2022-23)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल

पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।

समकक्षता

अ.क्र	पुराना प्रश्नपत्र	अ.क्र	नया प्रश्नपत्र
1	प्रश्नपत्र क्रमांक : 7	1	प्रश्नपत्र क्रमांक : 7
	प्रश्नपत्र क्रमांक : 12		प्रश्नपत्र क्रमांक : 12
2	प्रश्नपत्र क्रमांक : 8	2	प्रश्नपत्र क्रमांक : 8
	प्रश्नपत्र क्रमांक : 13		प्रश्नपत्र क्रमांक : 13
3	प्रश्नपत्र क्रमांक : 9	3	प्रश्नपत्र क्रमांक : 9
	प्रश्नपत्र क्रमांक : 14		प्रश्नपत्र क्रमांक : 14
4	प्रश्नपत्र क्रमांक : 10	4	प्रश्नपत्र क्रमांक : 10
	प्रश्नपत्र क्रमांक : 15		प्रश्नपत्र क्रमांक : 15
5	प्रश्नपत्र क्रमांक : 11	5	प्रश्नपत्र क्रमांक : 11
	प्रश्नपत्र क्रमांक : 16		प्रश्नपत्र क्रमांक : 16

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.



Accredited By NAAC with 'A' Grade

Revised Syllabus For

B.A. Part-III

Sociology

Syllabus to be implemented from

June, 2020 onwards.

Shivaji University, Kolhapur.

REVISED SYLLABUS OF B. A. III SOCIOLOGY

Choice Based Credit System (CBCS)

Semester – V, DSE – E66 SOCIOLOGY – VII

WESTERN SOCIOLOGICAL THINKERS

(June, 2020 onwards)

A) Course Objectives

Objective of teaching sociological Thinkers to undergraduate students is to enable them to apply theory to their own everyday life experiences.

This requires that students develop their sociological imagination and the capacity to read each situation sociologically and then to think about it theoretically.

To this end, it is imperative that sociological theory courses demonstrate the applicability of theory to students.

B) Course Learning Outcomes:

1. Understanding the grand foundational themes of sociology.
2. Application of theories and concepts from classical sociological theories to develop intellectual openness and curiosity.
3. Appreciation of the classical concepts and theories to develop awareness of the limits of current knowledge.

C) Course Content:

Module	Topic and Sub-Topic	Teaching Hours	Credits
Module -I	AUGUSTE COMTE A) Law of Three Stages B) Concept of Positivism. C) Social Statics and Social Dynamics.	15	1
Module -II	KARL MARX A) Dialectical Materialism B) Theory of Class Conflict C) Theory of Alienation	15	1

Module -III	EMILE DURKHEIM A) The Study of Social Facts B) Theory of Division of Labour C) Theory of Suicide	15	1
Module -IV	MAX WEBER A) The Ideal Type B) Theory of Social Action C) Types of Authority.	15	1

D) Teaching Learning Process:

1. The students are encouraged to read the original texts and the teacher often participates in the reading process. Thereby the teacher engages in active, rather than passive, pedagogy.
2. It is important that the classroom sessions, initiated either by the student or the teacher, would encourage teamwork and draw students towards learning, yet there are other means available now which add to that. The use of digital/ICT generated techniques (audio-visual aids).

E) Assessment Methods:

1. Class assignments/term papers, theme(s) of which are chosen following teacher student discussion, is one of the ways of assessing the subject and writing skill of the students.
2. Tutorial discussion oral presentations and viva-voce, short individual/team led field studies/projects and seminars/workshops are other modes of assessment. These are included in the Internal Assessment (IA) system.
3. Mid-semester examination is another mode of assessment. Here again, the topic(s) on which the students are to be examined are chosen through teacher-student consultation. Mid-semester examination tests the students on the grasp of the topic(s) in particular and the discipline in general.
4. The end-semester examination is conducted by the university and the student is tested and evaluated on the basis of the entire paper (syllabus). S/he is expected to have a full knowledge of the paper and prescribed readings.

NOTE: Visit to University Library

F) REFERENCES:

1. Abraham Francis Modern sociological Theory, Delhi Oxford University press,1982
2. Abraham Francis 'Sociological Thought', Madras Macmillan,1991
3. Aron Raymond Main Currents In Sociological Thought,Vol.I & II
4. Coser A.Lewis 'Masters of Sociological Thought' Rawat publications Jaipur 1996
5. Delaney Tim 'Contemporary Social Theory,Investigation and Application'
6. Haralambos & Holborn Sociology : Themes and Perspectives Published by
Harper Collins Publishers Ltd.London W6 8JB 2008
7. Ritzer George Classical Sociological Theory, 4th edition,Nework, Mc-grawhill
publication. 1996.

REVISED SYLLABUS OF B. A. III SOCIOLOGY

Choice Based Credit System (CBCS)

Semester – V, DSE – E67 SOCIOLOGY– VIII

METHODS OF SOCIAL RESEARCH (Part-I)

(June, 2020 onwards)

A) Course Objective:

1. The course is a general introduction to the methodologies of sociological research. It will provide the student with elementary knowledge of the complexities and philosophical underpinnings of research.

B) Course Learning Outcomes:

1. Students are introduced to the concept of conducting research, which is inclusive of formulating research designs, methods and analysis of data. Some knowledge of elementary statistics is also provided to the students to acquaint them with quantification of data.

2. The thrust of the course is on empirical reasoning, understanding and analysis of social reality, which is integral to the concepts of quantitative research. Students learn to differentiate between qualitative and quantitative aspects of research in terms of collection and subsequent analysis of data.

3. Through the competing theoretical perspectives and methodologies, students are able to understand that social reality is multi-faceted, heterogeneous and dynamic in nature.

4. By imparting the knowledge of theory and praxis of research, students are prepared to arrive at a critical understanding of the course. It also equips them with necessary skills for employment in any social research organization.

C) Course Content:

Module	Topic and Sub- Topic	Teaching Hours	Credits
Module-1	Introduction to social Research a. Philosophy of social science b. Meaning and objectives of social research c. Scientific Steps in Social Research d. Relation between theory and fact	15	01
Module -2	Research Design a. Meaning and Nature of Research Design b. Explorative c. Descriptive d. Experimental	15	01
Module -3	Basic Elements of Social Research a. Concepts-meaning and characteristics		

	b. Variable- meaning and Types c. Hypothesis- meaning and Sources	15	01
Module -4	Modes of Enquiry a. Quantitative Research : meaning and characteristics b. Qualitative Research: meaning and characteristics c. Importance of Quantitative and Qualitative Research	15	01

D) Teaching - learning process:

- a. A research methods course will require a robust class room discussion on various aspects of the course leading to a clearer understanding of concepts and research methods and the production of knowledge.
- b. Interactive classroom sessions contribute to the development of group skills including listening, brainstorming, communicating and negotiating with peers.

E) Assessment Methods: Assessment for this course will be based on written assignments, projects, project designs and presentations.

NOTE: Organise One Day Workshop on Research Methodology

F) Reference Book :

- Durkheim, E.** 1958, The Rules of Sociological Method, New York: The Free Press
- Weber, Max.** 1949, The Methodology of the Social Sciences, New York: The Free Press
- Radcliffe-Brown, A.R.** 1958, Methods in Social Anthropology, Delhi: Asia Publishing Corporation
- Beitelle, A.** 2002, Sociology: Essays on Approach and Method, New Delhi
- Goode, W. E. and P. K. Hatt.** 1952. Methods in Social Research. New York: McGraw Hill.
- Srinivas, M.N.** et al 2002(reprint), The Fieldworker and the Field: Problems and Challenges in Sociological Investigation, New Delhi
- Bryman, Alan.** 2004, Quantity and Quality in Social Research, New York: Routledge
- Merton, R.K.** 1972, Social Theory & Social Structure, Delhi: Arvind Publishing House

REVISED SYLLABUS OF B. A. III SOCIOLOGY

Choice Based Credit System (CBCS)

Semester – V, DSE – E68 SOCIOLOGY – IX

POLITICAL SOCIOLOGY

(June, 2020 onwards)

A) Course Objective:

This course aims to acquaint the students with the major concepts, theoretical approaches and perspectives of political sociology. It seeks to prepare the students to apply these concepts and approaches to the understanding of the nature of the political processes and institutions in India. The course also exposes the students to the emerging perspective on the polity-society relationship in contemporary times.

B) Course Learning Outcomes:

1. An ability to comprehend the embeddedness of political and the social in each other.
2. Familiarity with different theoretical and conceptual issues in political sociology and a capacity to use them to grasp political phenomena in a cross-cultural and comparative perspective
3. Be able to understand and appreciate the diversity of ways in which politics operates historically and spatially to generate a more expansive notion of the realm of the political.
4. Be able to understand the relationship between state and society in shaping politics in India both historically and analytically.
5. Be able to generate hypotheses and research questions within the theoretical perspectives and ethnographic contexts in political sociology.

C) Course Content:

	Topic and Sub- Topic	Teaching Hours	Credits
Module - I	Nature of Political Sociology A) Definition and Subject Matter of Political Sociology B) Emergence of Political Sociology C) Importance of Political Sociology	15	1

Module - II	Basic Concepts in Political Sociology A) Power: Meaning and Nature B) State: Meaning and Nature C) Civil Society: Meaning and Nature	15	1
Module - III	Study of Perspectives to Political Sociology A) Perspectives on Power: Weberian, Marxist and Ambedkarian B) Perspectives on State: Liberal, Pluralist, Power-elite, Post-modernist	15	1
Module - IV	Political parties in India A) Political parties: characteristics and social composition. B) Pressure groups and Interest groups: characteristics and political significance. C) Major Political Parties and Their Principles	15	1

D) Teaching-Learning Process:

Teaching learning process in this paper has to be interactive and reflective as majority of students are more often disinterested in questions concerning the political. Teachers should encourage students to read the daily newspaper and peruse electronic journals which would animate the conceptual and analytical aspects of the course with real socio-political events from the students' immediate contexts. Use of audio-visual resources, mainly documentaries will be made an integral part of learning in this course.

E) Assessment Methods:

Assessment in this paper will be in the form of written assignments, book reviews, film reviews, class presentations, projects, and class test.

F) Keywords:

Power, Authority, Resistance, Politics, Elite, State, Democracy, Citizenship, Rights, Para-Political Systems, Post-Colonialism

NOTE: 1) Visit to Vidhansabha / Vidhanparishad

2) Visit to any Gram Sachivalaya / Corporation

G) Reference Book(s)

1. Bendix, R. and S. M. Lipset (Eds.). *Class, Status and Power*. London: RKP, 1966.
2. Bhargava, R. *Secularism and its Critics*. New Delhi: OUP, 1999.
3. Bottomore, T. *Elites and Society*. Harmondsworth: Penguin, 1966.
4. Chakravarty, A. *Contradiction and Change*. Delhi: OUP, 1975.
5. Dahl, R. *Who Governs?* New Haven: Yale University P, 1961.
6. Desai, A.R. *State and Society in India: Essays in Dissent*. Bombay: Popular Publication, 2000
7. Gerth, H.H. and C.W. Mills (Eds.). *From Max Weber: Essays in Sociology*. London: RKP, 1948.
8. Key, V.O. *Politics, Parties and Pressure Groups*. NY: Crowell, 1964.
9. Kohli, A. *India's Democracy: An Analysis of Changing State-Society Relations*. Princeton: Princeton University P, 1990.
10. Kohli, A. *The State and Poverty in India: The Politics of Reform*. Cambridge: Cambridge University P, 1999.
11. Kothari, R. *Caste in Indian Politics*. Delhi: Orient Blackswan, 2008.
12. Laclau, E. *Politics and Ideology in Marxist Theory*. London: Verso, 2012.
13. Miller, D. *On Nationality*. Oxford: Clarendon Press, 1995.
14. Mills, C.W. *The Power Elite*. NY: OUP, 2000.
15. Nash, K. *Contemporary Political Sociology*. Massachusetts: Blackwell Publishers, 2000.

16. Robinson, M. S. *Local Politics: the Law of the Fishes*. Delhi: OUP, 1988.
17. Runciman, W.G. *Social Science and Political Theory*. Cambridge: CUP, 1969.
18. Taylor, G. *The New Political Sociology: Power, Ideology and Identity in an Age of Complexity*. London: Palgrave Macmillan, 2010.
19. Vora, R. and S. Palshikar (Ed.) *Indian Democracy*, Delhi: Sage, 2004.
20. Weber, M. *Economy and Society*. Berkeley: University of California P, 1978.

REVISED SYLLABUS OF B. A. III SOCIOLOGY

Choice Based Credit System (CBCS)

Semester – V, DSE – E69 - SOCIOLOGY – X

HUMAN RIGHTS

(June 2020 onwards)

A) OBJECTIVES:-

- 1.To Provide the conceptual understanding about the human rights.
2. To understand the nature and role of Human Rights in India.
3. To understand violation of Human Rights in India.

B) Course Learning Outcomes:

After completion of program students will able to-

- 1)Conceptual understanding about the Human Rights
- 2)Identify issues and problems relating to the realization of human rights
- 3)Understand the nature & role of human rights in India
- 4) Contribute to the resolution of human rights issues and problems
- 5)Educate the society about the human rights and duties in order to create responsible citizenry

C) Course Content:

	Topic and Sub- Topic	Teaching Hours	Credits
Model - I	HUMAN RIGHTS A) Meaning and Characteristics of Human Rights B) History of Human Rights in India (Ancient Period to After Independent Period) C) Perspectives of Human Rights. (Sociological Perspective and Modern Perspectives -Jeromi J.Shestoak)	15	1
Model - II	UNITED NATIONS ORGANIZATIONS AND HUMAN RIGHTS A)Universal Declaration of Human Rights,1948 B)International Covenant on Economic ,Social and cultural Rights,1966 C) International Covenant on civil and Political Rights,1966	15	1
Model - III	HUMAN RIGHTS IN INDIA A)Indian Constitutions and Human Rights B) National Human Rights Commission in India (Structure and Role) C) Function of National Scheduled Castes and Scheduled Tribe commission in India	15	1
Model - IV	VIOLATION OF HUMAN RIGHTS IN INDIA A)Human Trafficking B)Mob Lynching C)Honor Killing	15	1

D) Teaching-Learning Process:

Teaching learning process in this paper has to be interactive and reflective as majority of students are more often disinterested in questions concerning the human rights. Teachers should encourage students to read the daily newspaper and peruse electronic journals which would animate the conceptual and analytical aspects of the course with real sociological Perspective events from the students' immediate contexts. Use of audio-visual resources, mainly documentaries will be made an integral part of learning in this course.

E) Assessment Methods:

Assessment in this paper will be in the form of written assignments, book reviews, film reviews, class presentations, projects, and class test, Seminar .

F) Keywords:

Human Rights, Castes ,Tribe ,Political Rights, Violation ,Human Trafficking
Moab Lynching, Honor Killing

S

NOTE: 1) Visit to Old Age Home, Orphanage, etc

G) REFERENCE :

Anthony M.J	Social action through courts ,ISI ,New Delhi ,1997.
Bhatia K.L	Law and social change Towards 21st Century, Deep and Deep ,New Delhi ,1994
Bose A.B	Social Security for the old myth and reality ,Center for Public& Governance Institute of applied Manpower Research by Concept Pub. Company .New Delhi,2006
Crampton Helen M.	Social welfare :Institution and Process,Random and Keiser Keneth K. House Inc ,New York,1970
	Social Policy and Social Development in India
Kulkarni P.D	Social Policy and social Development in India,ASSWI,Madras,1979
Pathak s.	Social;An Evolutionary and Development Perspective,Welfare McMillan ,Delhi,1981.
Patil	The Economics of Social Welfare in India, Somayya, Bombay,1978
कोतापल्ले लक्ष्मण	भारतातील सामाजिक कल्याण, प्रशासन आणि समाज कार्य, विद्या प्रकाशन, औरंगाबाद
जी.एल.शर्मा	सामाजिक मुद्दे, रावत पब्लिकेशन्स, २०१५
य.च.म.मु.वि.नाशिक	मानवी हक्क आणि भारतीय राज्यघटना
य.च.म.मु.वि.नाशिक	मानवी हक्क आणि अंमलबजावणी यंत्रणा

REVISED SYLLABUS OF B. A. III SOCIOLOGY

Choice Based Credit System (CBCS)

Semester – V, DSE – E70 SOCIOLOGY – XI

SOCIOLOGY OF RELIGION

(June, 2020 onwards)

A) COURSE OBJECTIVE

1. This course exposes students to the distinctiveness of the sociological approach to the study of religion.
2. The individual and the group encounter religion and/or religious phenomenon in myriad ways be it through custom, ritual, beliefs or other practices. Students will be familiarized with the basic theoretical and methodological perspectives on the study of religion and also exposed to ethnographic texts on various aspects of religious phenomenon.
3. The last section of the course touches upon some aspects of religion in contemporary times such as secularization and multiculturalism.

B) COURSE LEARNING OUTCOMES:

1. Students will be acquainted with representative texts that symbolize the development of knowledge in the field of Sociology of Religion. They will be able to identify different theories, approaches and concepts that make up the study of religion, distinguish between them and also use terms specific to the field in specific context.
2. Students will be able to make a link between texts and paraphrase their arguments and use these to communicate their ideas in research papers, projects and presentations.
3. By encompassing contemporary developments the course enables students to think about linkages between religion and society at various levels.

C) Course Content:

Module	Topic and Sub-Topic	Teaching Hours	Credits
Module -I	Understanding Religion A) Sociology of Religion: Meaning , Scope and Subject matter B) Religion : Definition and Characteristics C) Basic Concepts in Religion 1) Belief and Rituals 2) The Sacred and Profane	15	1
Module -II	Perspectives to Study of Religion A) Perspectives of Religion: Durkheim and Weber B) Perspectives of Religion in India: Mahatma Phule and Dr. B. R. Ambedkar	15	1

Module -III	Religions in India A) Hinduism, Islam B) Buddhism, Christianity C) Jainism, Sikhism D) Satya Dharma and Shiv Dharm	15	1
Module -IV	Religion and Social Change A) Socio- Religious Movements B) Religion and Violence C) Religion and Commercialization D) Secularism and National Integration	15	1

D)Teaching -Learning Process:

Teaching learning process in this paper has to be interactive and reflective. Teacher should encourage students to utilize print and electronic media for acquiring knowledge regarding recent status and trends of religion.

E) Assessment Methods:

Assessment in this paper will be from of written assignments, seminars and class test.

F)Key Words;

Religious Belief, Rituals, Sacred, Profane, Magic, Violence, Secularism, National Integration.

NOTE: Visit to Any Religious place and Understand its Structure and Functioning

G)Reference Books

1. Baird, Robert D. "Religion in Modern India". Manohar, Delhi, 1995.
2. Madan, T.N.(Ed), Religion in India", Oxford University Press, New Delhi, 1992.
3. Muzumdar, H.T. "India's Religious Heritage", Allied New Delhi, 1996.
4. Roberts, Keith A. "Religion in Sociological Perspective", Donsey Press, New Delhi, 1984.
5. Prabhu, Pandharinath H. "Hindu Social organization: A Study in Socio-Psychological and ideological Foundations", Popular Prakashan, Bombay, 1963.
6. Dsouza, Leela. "Sociology of Religion".
7. Pias, Richard. "Sociology of Religion".
8. Salve, R.N. "Buddhism and Education", Shruti, Jaipur, 2008.
9. डॉ. विधाधार पुंडलिक . " धर्माचे समाजशास्त्र" कॉन्टीनेटल प्रकाशन २००३,
10. डॉ. प्रदीप आगलावे . " समाजशास्त्र संकल्पना आणि सिद्धांत " साईनाथ प्रकाशन नागपूर २००९
11. डॉ. दा . धो . काचोळे . " भारतीय समाजरचना " कैलाश प्रकाशन औरंगाबाद १९९८
12. डॉ. बी . एम . कऱ्हाडे " समाजशास्त्र मुलभूत संकल्पना " पिंपळापुरे प्रकाशन , नागपूर २०११
13. मंगला आठलेकर " धर्म आणि हिंसा " राजहंस प्रकाशन पुणे २०१७
14. डॉ. ज्योती डोईफोडे " भारतीय समाज " विद्या प्रकाशन औरंगाबाद

REVISED SYLLABUS OF B. A. III SOCIOLOGY

Choice Based Credit System (CBCS)

Semester – VI, DSE – E191 SOCIOLOGY – XII

INDIAN SOCIOLOGICAL THINKERS

(June 2020 onwards)

A) Course Objectives

Objective of teaching Indian Sociological Thinkers to undergraduate students is to enable them to apply theory to their own Indian Social life experiences. This requires that students develop their sociological imagination and the capacity to read each situation sociologically and then to think about it theoretically. To this end, it is imperative that sociological theory courses demonstrate the

applicability of theory to students.

B) Learning Outcomes:

1. Understanding the characteristics and dynamics of the social world, and how postclassical

sociologists attempt to understand the social world.

2. Appreciating the relevance and limits of the contemporary theories or theoretical approaches to make sense of social reality.

3. Understanding the basic methodological approaches of the thinkers, through some original texts and their role in building sociological knowledge.

C) Course Content:

Module	Topic and Sub-Topic	Teaching Hours	Credits
Module -I	G.S.GHURYE A) Ideas on National Unity and Interaction B) Study on Caste C) Study on Indian Tribes	15	1
Module -II	A.R.DESAI A) Study of Village Structure in India B) Study of Indian Nationalism C) Analysis of Indian Society through Marxian Perspective	15	1

Module -III	M. N. SRINIVAS A) Concept of Sanskritization B) Concept of Westernization C) Concept of Dominant Caste	15	1
Module -IV	IRAWATI KARVE A) Concept of Kinship Relations B) Hindu Culture: An Interpretation C) Views on Maharashtra	15	1

D)Teaching learning process:

The students are encouraged to read the original texts and the teacher often participates in the reading process. Thereby the teacher engages in active, rather than passive, pedagogy.

It is important that the classroom sessions, initiated either by the student or the teacher, would encourage teamwork or draw students towards learning, yet there are other means available now which add to that. The use of digital/ICT generated techniques (audio-visual aids).

E)Assessment Methods:

1. Class assignments/term papers, theme(s) of which are chosen following teacherstudent discussion, is one of the ways of assessing the subject and writing skill of the students.
2. Tutorial discussion oral presentations and viva-voce, short individual/team led field studies/projects and seminars/workshops are other modes of assessment. These are included in the Internal Assessment (IA) system.
3. Mid-semester examination is another mode of assessment. Here again, the topic(s) on which the students are to be examined are chosen through teacher-student consultation. Mid-semester examination tests the students on the grasp of the topic(s) in particular and the discipline in general.
4. The end-semester examination is conducted by the university and the student is tested and evaluated on the basis of the entire paper (syllabus). S/he is expected to have a full knowledge of the paper and prescribed readings.

NOTE: Visit to University Library

F) REFERENCES:

1. Nagala B.K. 'Indian Sociological Thought' '
2. V.S.Upadhyay and Gaya Pandey 'History of Anthropological Thought'
3. Narendra K. Singh 'Theory and Ideology in Indian Sociology'
4. T. K. Ommen and P.N. Mukharjee 'Indian Society: Reflections and Introspections'
5. A.R. Desai 'Social Background Of Indian Nationalism'
6. A.R. Desai 'Rural India In Transition'
7. T. N. Madan 'Western Sociologists on Indian Society'
8. Yogendra Singh 'Indian Sociology : Social Conditioning and Emerging Concerns'
9. S.K. Pramanik 'Sociology of G.S. Ghurye'
10. Devdas Pillai 'Indian Sociology Through Ghurye : A Dictionary'
11. A.R. Momin 'The Legacy Of G.S. Ghurye'
12. M.N. Srinivas 'Social Change In Modern India'

REVISED SYLLABUS OF B. A. III SOCIOLOGY

Choice Based Credit System (CBCS)

Semester – VI, DSE – E192 SOCIOLOGY – XIII

METHODS OF SOCIAL RESEARCH (Part-II)

(June, 2020 onwards)

A) Course Objectives

1. The course provides an introductory, yet comprehensive engagement with social research.
2. Through theoretical and practical knowledge students are acquainted with the different stages of the research process like creation of research design, methods of data collection and analysis.
3. The imparted knowledge and training will enable students to develop a sound understanding of both quantitative and qualitative research.

B) Course Learning Outcomes:

1. Students are introduced to the concept of conducting research, which is inclusive of formulating research designs, methods and analysis of data. Some knowledge of elementary statistics is also provided to the students to acquaint them with quantification of data.
 2. The thrust of the course is on empirical reasoning, understanding and analysis of social reality, which is integral to the concepts of quantitative research. Students learn to differentiate between qualitative and quantitative aspects of research in terms of collection and subsequent analysis of data.
 3. Through the competing theoretical perspectives and methodologies, students are able to understand that social reality is multi-faceted, heterogeneous and dynamic in nature.
 4. By imparting the knowledge of theory and praxis of research, students are prepared to arrive at a critical understanding of the course. It also equips them with necessary skills for employment in any social research organization.
3. Periodic tests/mid-semester examination of the covered syllabus is also undertaken by the students during the academic session. End-semester examination is conducted by the University of Shivaji.

C) Course Content:

Module	Topic and Sub- Topic	Teaching Hours	Credits
Module -1	Sampling and Data collection a. Meaning and Purpose of Sampling b. Types of sampling c. Advantages and Limitation of Sampling d. Primary and secondary Data collection	15	01
Module -2	Observation a. Observation: Meaning and characteristics b. Types of Observation c. Advantages and limitations of observation	15	01

Module -3	Interview and Questionnaire a. Interview-meaning and Types b. Advantages and limitations of interview c. Questionnaire- meaning and Types d. Advantages and limitations of Questionnaire	15	01
Module -4	Data Analysis and Report Writing a. Use of computer in data analysis b. Statistical methods c. Report Writing	15	01

D) Teaching-Learning Process:

1. Classroom lectures interlink the sociological theories previously taught with the methods and techniques of data collection. Students are encouraged to construct questionnaires and conduct interviews, use technology like online surveys to develop practical research skills.
2. The use of statistics enables the students to understand both qualitative and quantitative aspects of social research.
3. Alternative pedagogical techniques like outdoor learning through field trips and research projects, audio-visual technology in classrooms provides them with both research related knowledge and experience.

E) Assessment Methods:

1. Tutorials are given regularly to students after the completion of a topic. The objective is to assess the understanding of the student regarding the covered topic.
2. Students are expected to submit individual/team project reports, along with making oral presentations of the same in class.

NOTE: Organise Guest Lecture/Seminar on Social Research Methodology

F)Books for References:

- Ahuja Ram:** Research Methods, Rawat Publication, Jaipur 2015
- Ghosh B.N.:** Scientific Methods and Social Research, Sterling Publishers, New Delhi,1982
- Kothari C.R.:** Research methodology: Methods and Techniques, Wiely Eastern, New Delhi, 1992
- Lal Das D.K:** Designs of social Research, Rawat Publication, Jaipur,2008
- Young P.V.:** Scientific Social Surveys and Research, Prentice -Hall of India, New Delhi, Fourth edition fifteen Reprint,2003

संदर्भा साठी ग्रंथ (मराठी)

आगलावे प्रदीप : संशोधन पद्धती: शास्त्र व तंत्रे, विद्या प्रकाशन, नागपूर
घाटोळेरा.ना.: सामाजशास्त्रीयसंशोधन -पद्धती आणि तत्त्वे, मंगेश प्रकाशन

नागपूर,

बोधनकर सुधीर : सामाजिक संशोधन पद्धती,साईनाथ प्रकाशन,नागपूर

रानडे पुष्पा : प्राथमिक सांखिकी आणि संशोधन पद्धती,डायमंड प्रकाशन, पुणे,

२०१५

REVISED SYLLABUS OF B. A. III SOCIOLOGY
Choice Based Credit System (CBCS)
 Semester – VI, DSE – E193 SOCIOLOGY – XIV
SOCIAL ANTHROPOLOGY
 (June, 2020 onwards)

1. To provide the conceptual understanding about anthropology
2. To understand the social aspects of tribal's in India.

	Topic	Teaching Hours	Credits
Model - I	INTRODUCTION TO SOCIAL ANTHROPOLOGY A) Social Anthropology: Meaning and Characteristics B) Relation Between Social Anthropology and Sociology C) Field work Method and its Characteristics D) Importance of Social Anthropology	15	1
Model – II	TRIBAL SOCIETY IN INDIA A) Tribal Society : meaning and Characteristics B) Social life : Family ,and Marriage - Characteristics C) Economic Life : Characteristics D) Religious Life : Beliefs and practices	15	1
Model – III	TRIBAL PROBLEMS A) Poverty and Indebtedness B) Land Alienation C) Illiteracy and Exploitation D) Religious Crisis	15	1
Model - IV	Tribal Community in Maharashtra: Pardhi A) Socio-Cultural life : Tradition and Change B) Economic life : Tradition and Change C) Religious life : Tradition and Change D) Social Movements for Development of Pardhi Community	15	1

NOTE: Visit to Any Tribal and Nomadic Tribe Community
--

REFERENCE:-

- Vidyarthi L.P. Tribal Culture of India, Concept Publishers, New Delhi, 1976.
E.E. Evans Pritchard Social Anthropology and Other Essays, The free Press, New York, 1962.
Mujumdar D.N. and Madam T.N An Introduction to Social Anthropology, Asia Publishing House, Bombay, 1973.
संगवे विलास सामाजिक मानवशास्त्र, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई, १९६९.
नाडगोडे गुरुनाथ भारतीय आदिवासी, कॉन्टीनेंटल प्रकाशन, पुणे, १९९८.
संगवे विलास आदिवासींचे सामाजिक जीवन ए पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई
K. S. Tribal Situation in India, Indian Institute of Advanced Study, Simla, 1972.
S.L. Doshi & P. C. Jain
Social Anthropology Rawat Publicaiton, 2001.
Mane Lximan , Vimuktayan , Yashvantrav chavan prtishthan, Satara 1994 (Marathi)
Prabhune Girish, Pardhi, Rajhans Prakashan, pune. 2006 (Marathi)

- Pawar Deepak, Pardhi Samajache Antrang,
Shree Sainath Prakashan, Nagapur. 2014 (Marathi)
Chavan Ramnath, Bhatakya vimukantanchi Jatpanchayat, Deshmukh ani company
Pune. 2006 (Marathi)

Journals:

- i) हाकारा (Hakara)
 - ii) Social Change (New Delhi)
 - iii) Man in India (Ranchi)
 - iv) Tribal research bulletin (Marathi and English)
Tribal Research Institute Pune.
 - v) Human Ecology : Journal of manenvironmental relationship Kamlaraj,
Enterprises Delhi.
- Ritzer George Sociological Theory, Tata Mcgraw Hill, 1996
Morrison, Ken Marx,
Durkheim, Weber
Formation of Modern Social Thoughts, Sage london 1995.

REVISED SYLLABUS OF B. A. III SOCIOLOGY

Choice Based Credit System (CBCS)

Semester – VI, DSE – E194 SOCIOLOGY – XV

RURAL SOCIOLOGY

(June, 2020 onwards)

A) Course Objectives:

1. To communicate Agriculture as the foundational material practices at the heart of the formation of social collectivities and make sense of South Asian societies agrarian formations.
2. To familiarize students with rural situation past and present with the help of necessary theories and categories.
3. To make sense of rural communities, their structure, transformation and trials and tribulations in modern world.
4. To introduce students to the rich legacy of theoretical and empirical work in rural sociology and its continued relevance.

A) Course Learning Outcomes:

1. An empathy for and ability to engage rural communities as living societies and understand grasp they condition as human condition.
2. An appreciation of rural world and familiarity with the trajectory of theoretical conversation on rural issues and their social, political and policy implications.
3. An understating of emerging as well as enduring issues of concern in Indian rural society
4. To be ready for a range of academic and professional roles that may require a knowledge of rural societies.

C) Course Content:

Module	Topic and Sub-Topic	Teaching Hours	Credits
Module -1	Introduction to Rural Sociology A) Meaning of Rural Sociology B) Origin, Scope and Subject Matter of Rural Sociology C) Importance of Rural Sociology with the reference of India	15	01
Module-2	Indian Rural Community A) Village studies in India B) Classification of Indian Villages C) Changing Nature of Rural Community in India	15	01

Module -3	Social Institutions in Rural Society A) Marriage, Family and kinship Institution B) Caste and Balutedari C) Political life : structure and change	15	01
Module-4	Changing Indian Agrarian Society A) Rural Cooperative and Rural Industry B) Markets, Land Reforms and Green Revolution C) The Agrarian Issues	15	01

D) Teaching Learning Process:

The teaching learning for this course involves lectures, tutorial conversations around contemporary issues of concern for agrarian societies and extensive usage of imaginative literature and films that makes the lived world of peasantry and rural communities come alive to the students.

E) Assessment Methods:

Recommended evaluation would be an assignment that tests the conceptual grasp of the students and a project that prompts students to engage in research about a historical or contemporary rural issue.

NOTE: Visit to village and Grampanchayat and Understand its Structure and Rural Development Programs

F) References:(English)

Beteille Andre: Caste, Class and Power, Oxford University press, (India), New Delhi, (2012).

Beteille Andre: 'The Study of Agrarian Systems: An Anthropological Approach', from Marxism and Class Analysis, New Delhi: Oxford. 2007.

Bandopadhyay : 'Reflections on Land Reform in India since Independence' from T. V. Satyamurthy (Ed.) Industry and Agriculture in India Since Independence, Delhi: Oxford University Press.

Desai A.R.: Rural Sociology in India Popular Prakashan, Bombay, (1969 reprint 2009) .

Dhanagare, D. N.: 'Green Revolution and Social Inequalities in Rural India' from, Economic and Political Weekly, Vol. 22, No. 19/21, Annual Number (May, 1987),

Dube SC: Indian Village, Routledge, New York, (Second edition 2018)

Mukherjee Ramkrishna: The Dynamics of a Rural Society, Akademie -Verlag, Berlin, (1957)

Oommen T.K.: Green Revolution and Agrarian Conflicts, Economics and Political weekly, Vol.-6, Issue-26(1971)

Shah, A.M.: Changes in the Indian Family: An Examination of Some Assumptions', in The Family in India: Critical Essays, New Delhi: Orient Longman (1998)

Srinivas M.N.: India: Social Structure, Hindustan Publishing Corporation, Delhi (1980)

मराठी ग्रंथ

जयपूर(२००९).

REVISED SYLLABUS OF B. A. III SOCIOLOGY

Choice Based Credit System (CBCS)

Semester – VI, DSE – E195 SOCIOLOGY – XVI

URBAN SOCIOLOGY

(June,2020 onwards)

A)Course Objectives:

1. Urbanization is an important aspect of modern society. This course is will provide an Exposure to key theoretical perspectives for understanding urban phenomena in historical and contemporary contexts.
2. It also reflects on vital concerns of urban living while narrating the subjective experiences of urban communities. With case studies from India and other parts of the world this course will help students understand and relate to the complexities of urban living.
3. The course seeks to evolve critical thinking and develop a policy perspective on the urban.

B)Course Learning Outcomes:

1. To appreciate the significance of the city and the process of urbanization and its Consequences across the globe, through cross disciplinary texts and ethnographic studies.
2. To understand the urban in the historical as well as modern contexts - the idea of Urbanism and urban space and the intersections in these of institutions, processes and Identities. This is to be achieved by exposing students to critical theoretical debates which help them to gain a deeper understanding of city life and urban environment which can Also help them understand their own social environment better.
3. To learn about key urban processes such as migration, displacement and urban slums, as

Well as critical contemporary issues such as resettlement and rehabilitation and also engage in issues of public policy, urban transformation and change. Knowledge of such Themes will help students pursue further studies in academic areas such as development and also engage in research on public policy, urban transformation and change.

4. To develop critical thinking and a reflective perspective through exposure to multicultural Thought; to enhance disciplinary knowledge, research-related skills and develop a problem-solving competence.

C) Course Content:

Module	Topic and Sub- Topic	Teaching Hours	Credits
Module I	Introduction to Urban Sociology A) Definition, Meaning & Nature of Urban Sociology. B) Subject Matter of Urban Sociology. C) Importance of the Study of Urban Sociology	15	01
Module II	Major Concepts in Urban Sociology. A)Urban Community. B)Urbanism. C)Rural- Urban differences- continuum	15	01
Module III	Process of Urbanization A) Meaning and Nature of Urbanization	15	01

	<p>B) Causes of Urbanization.</p> <p>C) Consequences of Urbanization</p>		
Module IV	<p>Urban Social Structure.</p> <p>A) Urban Family : Characteristics and Change</p> <p>B) Urban Social stratification: Caste & Class.</p> <p>C) Urban Occupations: Characteristics and Change</p>	15	01

D) Teaching Learning Process:

The sociology of the urban is simultaneously theoretical and yet deeply experiential. The teaching learning for this course necessarily has to be deliberative, drawing from the multicultural exposure to city living. There will be an emphasis on blended learning supported by debates and discussions. Classroom lectures shall be supplemented by power point presentations and film screenings on various contemporary urban issues. Invited lectures by policy makers, activists, practitioners and other stake holders would be integral to the curriculum. Students would be encouraged to set out into the field to grasp issues with greater clarity. City walks will be encouraged to enrich the experiential understanding of the urban. Learning would also involve a multi-disciplinary perspective, collaborating with other social sciences that engage with the urban as well as the disciplines of urban planning and architecture, in order to enhance problem solving and critical thinking ability.

E) Assessment Methods:

Assessment for this paper would be in the form of tests, written assignments, projects' reports and presentations.

F) Key Words:

Urban, Urbanism, Urbanisation, City, Migration, Settlement, Space, Ecology.

NOTE: 1) Visit to any Slum Area in City and Understand their Problems

2) Visit to any City and Observe its Ecosystem

G) References:-

1. Wilson R.A & Schlutz David : Urban Sociology, Prentice Hall, England, 1978
2. Rao M.S.A. : Urban Sociology in India, Orient Longman
New Delhi, 1974.
3. D Souza Alfred : The Indian city: Poverty Ecology and Urban
Development, Manohar, New Delhi,1978.
4. Dube K.K. and Singh A.K. : Urban Environment in India, Inter India, New Delhi
1980.
5. Mitra, Ashok et.al. : Indian cities, abhinav, New Delhi,1980.
6. Berge E.E. : Urban Sociology, Free Press, New York,1962
7. Bose, Ashish : Studies in India's Urbanisation, Tata McGraw Hill,
New Delhi,1973
8. Singh Pramod : Ecology and Urban India, Vol.II Ashish, New
Delhi, 1987.
9. Urban Sociology : Rajendra K. Sharma Atlantic Publishers &
Distributers, New Delhi,1997
10. Urbanization : Concept & Growth: A.K. Shrivastava,
H.K.Publishers and Distribtors, New Delhi,1989

B.A. Sociology Outcome

Sociology is the most contemporary and versatile of the Social Sciences. It trains students to grasp social structures, understand social processes map the dynamics of social change, decipher social interactions and make sense of individual and collective experiences in their social, historical and cultural context. Sociology is at once critical and constructive; conceptual and applied; theoretical and empirical. It is a science that cohabits comfortably with literary flair, speculative sensibility, historical imagination and statistical rigour. It is incessantly reflexive about its methods, demanding about its research techniques and standards of evidence. Sociology is ever so subtle about the conceptual distinctions it draws and zealous about its disciplinary boundaries and identity. At the same time, sociology is the most open and interdisciplinary of social sciences. The Pursuit of sociology is a systematic effort at recovering, mapping and making sense of our kaleidoscopic collective self under the sign of modernity. It is both historical and comparative. Sociology as an academic discipline is committed to the ideal of generating public knowledge and fostering public reason. It embodies best of enlightenment virtues: scientific reason, tolerance of diversity, humanistic empathy and celebration of democratic ideals. It is the science of our times.

Teaching Learning Process

Multiple pedagogic techniques are used in imparting the knowledge both within and outside the classrooms. Listed below are some such techniques:

- Lectures
- Tutorials
- Power-point presentations
- Project work
- Documentary Films on relevant topics
- Debates, Discussions, Quiz
- Talks /workshops

- Interaction with experts
- Academic festivals
- Classics and other sociologically meaningful films
- Excursions and walks within the city
- Visit to the museums
- Outstation study tours Survey designs
- Internships

A note on Assessment Methods

Besides the formal system of University exams held at the end of each semester as well as mid-semester and class tests that are held regularly, the students are also assessed on the basis of the following:

- Written assignments
- Projects Reports
- Presentations
- Participation in class discussions
- Ability to think critically and creatively to solve the problems
- Application of classroom concepts during fieldwork
- Reflexive Thinking
- Engagement with peers
- Participation in extra and co-curricular activities
- Critical assessment of Films /Books etc.

**A note on career trajectories for Sociology Graduates and (for)
Prospective employers:**

Students with a grounding in Sociology have contributed immensely to the following fields :

- Academics
- Bureaucracy
- Social Work
- Law
- Journalism both print and visual
- Management
- Policy Making
- Developmental Issues
- Designing and Conducting surveys
- Human Resource Development
- Competitive Examinations
- Advocacy
- Performing Arts
- Research in contemporary issues of Gender, Development, Health, Urban Studies, Criminology etc.

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR



Revised Syllabus for
Bachelor of Arts (Part- III)

SEMESTER V & VI

HISTORY

(Syllabus to be implemented from June 2020 onwards)

EQUIVALANCE OF B.A. III HISTORY SEMESTER- V

Semester	Paper No	Title of Old Paper (June 2015)	Semester	Course No	Title of New Course (June 2020)
V	Paper No. VII	History of Ancient India (From Prehistory to 3rd c. BC)	V	Course No. VII	Early India (from beginning to 4th c. BC)
V	Paper No. VIII	Political History of Medieval India (1206 to 1707 A.D.)	V	Course No. VIII	History of Medieval India (1206-1526 AD)
V	Paper No. IX	India Since Independence -I	V	Course No. IX	Age of Revolutions
V	Paper No. X	History of the Marathas (1707-1818)	V	Course No. X	Political History of the Marathas
V	Paper No. XI	Introduction to Historiography	V	Course No. XI	History: Its Theory

EQUIVALANCE OF B.A. III HISTORY SEMESTER VI

Semester	Course No	Title of Old Paper	Semester	Course No	Title of New Course
VI	Paper No. XII	History of Ancient India (From 3 c. BC to 7th c. AD)	VI	Course No. XII	Ancient India (From 4th c. BC to 7th c. AD)
VI	Paper No. XIII	Socio-Economic and Cultural History of Medieval India (1206 to 1707 A.D.)	VI	Course No. XIII	History of Medieval India (1526-1707 AD)
VI	Paper No. XIV	India Since independence- II	VI	Course No. XIV	Making of the Modern World (16th to 19th Century)
VI	Paper No. XV	Modern Maharashtra (1960 to 2000)	VI	Course No. XV	Polity, Economy and Society under the Marathas
VI	Paper No. XVI	Applications of History	VI	Course No. XVI	Methods and Applications of History

STRUCTURE OF PROGRAMME
REVISED SYLLABUS B.A. PART III (HISTORY)

Sr.No	Semester	Title of Course	Course No.	Credit	Workload	Total Credits	Theory Marks	Term Work/ Seminar
1	V	Early India (from beginning to 4th c. BC)	Course No. VII	04	4 lectures/ Week	20 Credits	40	10
2	V	History of Medieval India (1206-1526 AD)	Course No. VIII	04	4 lectures/ Week		40	10
3	V	Age of Revolutions	Course No. IX	04	4 lectures/ Week		40	10
4	V	Political History of the Marathas	Course No. X	04	4 lectures/ Week		40	10
5	V	History: Its Theory	Course No. XI	04	4 lectures/ Week		40	10
Sr.No	Semester	Title of Course	Course No.	Credit	Workload	Total Credits	Theory Marks	Term Work/ Group Project
6	VI	Ancient India (From 4th c. BC to 7th c. AD)	Course No. XII	04	4 lectures/ Week	20 Credits	40	10
7	VI	History of Medieval India (1526-1707 AD)	Course No. XIII	04	4 lectures/ Week		40	10
8	VI	Making of the Modern World (16th to 19th Century)	Course No. XIV	04	4 lectures/ Week		40	10
9	VI	Polity, Economy and Society under the Marathas	Course No. XV	04	4 lectures/ Week		40	10
10	VI	Methods and Applications of History	Course No. XVI	04	4 lectures/ Week		40	10

B.A. Part -III, (History)
Semester –V, Course VII DSE E-61

Paper VII : Early India (from beginning to 4th c. BC)

Course Objectives: This course explores the major historical developments in India from the beginning to the 4th Century B.C. It traces the history of the Indian subcontinent from the Paleolithic period to the establishment of the Mauryan state. The student will be introduced to the political, social, economic and religious developments in India during this formative period. This course will help the students to understand how India came to be. They will know the facts about the early period of Indian history up to the 4th century B.C. They will get an introduction to the beginnings of India's political, socio-economic and cultural dynamics and understand the legacy of Ancient India.

Course Outcomes:

After studying the course the student will be able to ...

- 1) Understand the transition of humans in India from Hunters to Farmers
- 2) Explain the transition from Early to Later Vedic period.
- 3) Clarify the causes for the first and second urbanizations
- 4) Give an account of the teachings of Gautama Buddha and Vardhamana Mahavira
- 5) Describe the rise and growth of the Mauryan Empire
- 6) Explain the salient features of Ashoka's Dhamma

Module I: The Beginning

- a) The Hunter-Gatherers: Paleolithic and Mesolithic
- b) The Early Farmers: Neolithic and Chalcolithic
- c) The First Urbanization: Harappan Civilization
- d) The Megalithic Nomads: Burial types, nature of remains

Module II: The Vedic Age and Epics

- a) Vedic literature
- b) Transition from Early to Later Vedic period: Polity and Economy
- c) Transition from Early to Later Vedic period: Society and Religion
- d) The Epics: Ramayana and Mahabharata

Module III: The Second Urbanization

- a) Nature of second urbanization
- b) Emergence of Regional States (16 Maha-janapadas)
- c) Gautama Buddha- His teachings
- d) Vardhamana Mahavira- His teachings

Module IV: The Mauryan Empire

- a) Sources: Arthashastra and Indica
- b) Chandragupta Maurya and Ashoka
- c) Mauryan administration
- d) Ashoka's Dhamma

Select Reference Books:

- Allchin, B. G.; Allchin, B.; Allchin, R.; Yoffee, N.; Alcock, S.; Dillehay, T. et al. (1982): The Rise of Civilization in India and Pakistan: Cambridge University Press (Cambridge World Archaeology).
- Habib, I.; Thakur, V. (2016): The Vedic Age: Tulika Books (A People's History of India Series).
- Jha, D. N. (1977): Ancient India: an introductory outline: People's Pub. House.
- Kosambi, D. D. (1975): An Introduction to the Study of Indian History: Popular Prakashan.
- Majumdar, R. C.; Bharatiya Vidya Bhavan; Bharatiya Itihasa Samiti (1951): The History and Culture of the Indian People: The Vedic age: G. Allen & Unwin (The History and Culture of the Indian People).
- Sharma, R. S. (1991): Aspects of Political Ideas and Institutions in Ancient India: Motilal Banarsidass.
- Sharma, R. S. (2006): India's Ancient Past: OUP India.
- Sharma, R. S. (2007): Material Culture and Social Formations in Ancient India: Macmillan India.
- Sharma, R. S.; Kumar, D. (2018): Bharat Ka Prachin Itihas: Oxford University Press India.
- Singh, U. (2009): A History of Ancient and Early Medieval India: From the Stone Age to the 12th Century (PB): Pearson India.
- Thapar, R. (2004): Early India: From the Origins to AD 1300: University of California Press.
- Thapar, R. (2012): Asoka and the Decline of the Mauryas: OUP India (Oxford India Perennials).
- थापर रोमिला, अर्ली इंडिया, के सागर पब्लिकेशन; पुणे, २०१३
- थापर रोमिला दी पेंवीन हिस्टरी ऑफ अर्ली इंडिया, के सागर पब्लिकेशन्स; पुणे, २०१८
- वासंती फडके (अनु.), एंशंट इंडिया (प्राचीन भारत) मूळ लेखक शर्मा आर.एस., के सागर पब्लिकेशन; पुणे, २०१५

- रोमिला थापर, लिखित अशोक आणि मौर्यांचा ऱ्हास, (Asoka and the Decline of the Mouryas या पुस्तकाचा अनुवाद). अनुवादिका. डॉ. सौ. शरावती शिरगावकर. अनुवादिका, महाराष्ट्र राज्य, महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळ, मुंबई, २००७
(https://sahitya.marathi.gov.in/scans/Ashok%20Ani%20Mauryacharhas_131.pdf)
- ढवळीकर, मधुकर केशव., आर्यांच्या शोधात, राजहंस प्रकाशन; पुणे, २०१२
- ढवळीकर, मधुकर केशव, कोण होते सिंधू लोक ?, राजहंस प्रकाशन प्रा लि; पुणे, २०१६
- ढवळीकर, मधुकर केशव, कोणे एके काळी सिंधु संस्कृती, राजहंस प्रकाशन, पुणे, २००६

B.A. Part III
Semester V, Course No: VIII DSE E-62
History of Medieval India (1206-1526 AD)

Course Objectives: This course covers the important period of Medieval Indian History. It was during this period that the Sultans established their rule in India. They introduced fundamental changes in polity, society, religion and culture of India. The course will acquaint the with various sources of medieval Indian history. They will get knowledge about the activities of major rulers and the policies followed by them. The students will know about the agricultural condition, development of trade and industry as well as the social, religious and architectural milieu of the period.

Course Outcomes:

After studying the course the student will be able to...

- 1) Describe the different types of historical sources available for writing the history of medieval India
- 2) Explain the contributions of medieval rulers like Allaudin Khilji, Muhammad-bin-Tughlaq, Krishnadevraya, and Mahmud Gavan
- 3) Give an account of the administration and economy of the Delhi sultanate and Vijayanagar Empire
- 4) Elucidate the significant developments which took place in religion, society and culture

Module I - Sources:

- a) Literary: Tarikh-i- Firozshahi, Amuktamalyada
- b) Archaeological (excluding Monuments)
- c) Account of Foreign Travelers: Ibn Battuta, Domingo Paes

Module II - Major Rulers

- a)Allaudin Khilji: Internal policy and reforms
- b) Muhammad - bin- Tughlaq : Experiment of Token Currency
- c) Krishnadevraya: Military success and cultural contribution
- d) Mahmud Gavan: Contribution to Bahmani Kingdom

Module III - Administration and Economy(Delhi Sultanate and Vijaynagar)

- a) Administration : Central and Provincial
- b) Agriculture and Land Revenue
- c) Industry and Trade

Module IV) Religion, Society and Culture:

- a) Sufi Order: Chishti Silsila; Bhakti Movement: Sant Kabir; Sikh Religion: Guru Nanak
- b) Society: Hindu and Muslim
- c)Architecture: Delhi Sultanate, Vijaynagar and Bahamani.

Select Reference Books:

- Rizvi, S.A.A., The Wonder that was India, Part II, Rupa, Delhi,2002
- Chitnis, K.N., Glimpses of Medieval Indian Ideas and Institutions, 1974

- Chitnis K. N. Socio- Economic Aspects of Medieval India, Poona, 1979
- Mehta, Jaswant Lal, Advanced Study in the History of Medieval India, Volume I to III, Sterling, New Delhi, 1981.
- Raychaudhuri Tapan and Irfan Habib (eds.), Cambridge Economic History of India, Vol. I. C. 1200 C. 1750., Delhi, S. Chand, 1984.
- Satish Chandra, History of Medieval India (800- 1700), Orient Longman, Hyderabad, 2007
- जे. एल. मेहता, क्षीरसागर वि. एस, देशपांडे व्ही. टी, मध्ययुगीन भारताचा बृहत इतिहास , तीन खंड, के' सागर पब्लिकेशन्स, पुणे, २०१७
- Stein, Burton, Vijayanagara , Cambridge University Press, 1989
- सतीश चंद्र , वि. एस. क्षीरसागर, मध्ययुगीन भारत – मोगल साम्राज्य १५२६- १७४८, के सागर पब्लिकेशन्स, २०१७
- Salma Ahmed Farooqui, A Comprehensive History of Medieval India, Pearson, 2011.
- के. एन चिटणीस: मध्ययुगीन भारतीय संकल्पना व संस्था, खंड १ ते ४, पुणे, १९८२
- श. गो. कोलरकर: मध्ययुगीन भारताचा इतिहास (१२०६ ते १७०७) , श्री मंगेश प्रकाशन , १९९४
- बारगळ व ढवळे, मध्यकालीन भारत , विद्याप्रकाशन, नागपूर, १९८७
- डब्ल्यू. एच. मूरलॅन्ड, अबकार कालीन हिंदुस्थान , ICHR, डायमंड प्रकाशन, पुणे, २००६
- डब्ल्यू. एच. मूरलॅन्ड, अबकार ते औरंगजेब, ICHR, डायमंड प्रकाशन, पुणे, २००६
- एन. ए. सिद्दिकी, मोगलकालीन महसूल पद्धती, ICHR, डायमंड प्रकाशन, पुणे , २००६
- जदूनाथ सरकार, औरंगजेब, डायमंड प्रकाशन, पुणे, २००६

B.A. Part III
Semester V, Course No: IX DSE E-63
Age of Revolutions

Course Objectives: This course introduces the students to the pathbreaking events of global history. The students will study the accounts of the causes and consequences of the transformative revolutions which changed the history of mankind. They brought about sudden big changes not only in the country in which they happened but also the world in general. Most of them left a lasting effect on the thought and the socio-political and cultural conditions of mankind. The course has been framed to make the students aware of the change and impact of these revolutionary events.

Course Outcomes:

After studying the course the student will be able to...

- 1) Explain the causes and consequences of the Reformation
- 2) Give an account of the role played by Martin Luther
- 3) Explain the salient features of the Industrial revolution
- 4) Given an account of the American revolution
- 5) Explain the causes, effects and major events of French Revolution
- 6) Explain the role of major leaders of the French Revolution

Module I: Reformation (16th Century)

- a) Causes
- b) Role of Martin Luther
- c) Consequences

Module II: Industrial Revolution (18th Century)

- a) Causes
- b) Major Developments
- c) Effects

Module III: American Revolution (1776)

- a) Causes
- b) Important events
- c) Impact

Module IV: French Revolution (1789)

- a) Causes
- b) Important events and major leaders
- c) Impact on the world

Select Reference books:

- Arun Bhattacharjee, World Revolutions, Ashish Publishing House, New Delhi, 1988
- L. Mukherjee, A Study of Modern Europe and the World, Calcutta, 2011
- John Merriman, A History of Modern Europe; From the Renaissance to the Present, W.W. Norton and Company, 2009
- Heather M. Campbell, The Emergence of Modern Europe, c.1500 to 1788, The Rosen Publishing Group, Inc, 2011
- प्रा. ना. गो. भवरे, डॉ. मु. बा. देवपुजारी, अमेरिकाचा इतिहास, पायल प्रकाशन, नागपूर १९७३
- सु. ग. देशपांडे, अमेरिकेचा इतिहास, व्हीनस प्रकाशन पुणे, १९७१
- मदन मारडीकर, आधुनिक युरोपचा इतिहास इ.स. १७८१ ते १९४५, विद्या बुक्स, २००५
- सत्यकेतू विद्यालंकार, युरोप का आधुनिक इतिहास (१७८९-१९७४), २०१३
- कुलकर्णी अ. रा. आणि फडके श्री. रा., आधुनिक युरोप, देशमुख आणि कंपनी, १९६७
- देसाई दत्ता, आधुनिकतेचे आगमन: युरोपकेंद्री इतिहासाचा जागतिक विचार, द युनिक अकॅडमी; पुणे, २०१५
- जोगळेकर ज. द, फ्रेंच राज्यक्रांती, मॅजेस्टीक प्रकाशन, १९८९
- केळकर न. चिं., फ्रेंच राज्यक्रांती, भावे प्रकाशन, १९८९
- देव बळवंत अनंत, मार्टिन ल्युथर युरोपातील धर्मक्रांतीचा इतिहास, गंगाबाई देव, १९१५
- मॉरिसन रिचर्ड बी (भाषांतर परांजपे वा. कृ), अमेरिकन क्रांति, सौ. सुलोचना लिमये, १९५७

B.A. Part - III
Semester V, Course No. X DSE E-64
Political History of the Marathas

Course Objectives: The course is designed to study the political condition of Marathas after 1707. The Maratha polity was transformed into the largest political entity of India in the eighteenth century. The course introduces the students to the political developments which led to the expansion of Maratha power in the eighteenth century. It also explores the causes and events which led to the eventual decline of Maratha power.

Course Outcomes:

After studying the course the student will be able to...

- 1) Describe the political conditions of the Marathas upto the year 1740
- 2) Explain the role of Balaji Bajirao.
- 3) Explain the causes and effects of the Battle of Panipat.
- 4) Understand the political condition of the Marathas after 1761.
- 5) Critically analyze the causes for the decline of Maratha power.

Module I: Political condition up to 1740

- a. Release of Shahu; Struggle between Shahu and Maharani Tarabai.
- b. Balaji Vishwanath : Delhi Campaign, Maratha Confederacy
- c. Bajirao Peshwa: Northern Policy, Relations with Nizam

Module II: Balaji Bajirao and Battle of Panipat(1761)

- a. Relations with Angre
- b. Conflict with Raghuji Bhosale
- c. Battle of Panipat-1761

Module: III Political condition after 1761

- a. Madhavrao Peshwa
- b. Mahadji Shinde
- c. Nana Phadnavis

Module IV: Decline of the Maratha Power

- a. Peshwa Bajirao II
- b. Second and Third Anglo- Maratha War
- c. Causes for the decline of Maratha power

Select Reference books :

- अप्पासाहेब पवार (संपा) : ताराबाई कालीन कागदपत्रे, खंड १, शिवाजी विद्यापीठ, २०१८
- भावे, वा. कृ., पेशवेकालीन महाराष्ट्र, पुनर्मुद्रित, इंडियन काउन्सिल अन्व हिस्टॉरिकल रिसर्च, नवी दिल्ली, १९७६
- सेतुमाधवराव पगडी : मराठ्यांचे स्वातंत्र्ययुद्ध, पुणे, १९६२

- महादेव गोविंद रानडे, मराठी सत्तेचा उत्कर्ष, वरदा प्रकाशन, २०१६
- प्र.न.देशपांडे : मराठी सत्तेचा उदय आणि उत्कर्ष, स्नेहवर्धन पब्लिशिंग हाऊस, पुणे, २००१
- न.र.फाटक :(अनु.) : मराठी सत्तेचा उत्कर्ष, (म.गो.रानडेकृत राईज ऑफ मराठा पॉवर चे भाषांतर)
- जयसिंगराव पवार : महाराणी ताराबाई, ताराराणी विद्यापीठ प्रकाशन, १९७५
- जयसिंगराव पवार मराठी साम्राज्याचा उदय आणि अस्थ, कोल्हापूर , १९९३
- त्र्यं.श.शेजवलकर, श्री शिवछत्रपती- संकल्पित शिवचरित्राची प्रस्तावना, आराखडा. व साधने, मराठा मंदीर प्रकाशन, मुंबई, १९६४.
- त्र्यं.श.शेजवलकर , पानिपत १७६१, जोशी आणि लोखंडे प्रकाशन, १९६१
- गो. स. सरदेसाई, मराठी रियासत, १ ते ८ खंड , पॉप्युलर प्रकाशन, पुणे
- V.G. Dighe, Peshwa Bajirao and Maratha expansion, Karnatak Publishing House, Bombay, 1944
- M.G. Ranade, Rise of Maratha Power, 1900
- S.R. Sharma- The founding of Maratha freedom, Orient Longmans, Bombay, 1964
- H.N. Sinha – Rise of the Peshwas, The Indian Press (Publications) Ltd, Allahabad, 1954
- S.N.Sen-, Anglo Maratha Relations 1785-1796, Macmillan , Madras, 1974
- P.C.Gupta, Bajirao II and East India Company, Allied Publications Private Limited, Calcutta, 1964
- Brij Kishore, Tarabai and his Times , Bombay , 1963
- G.S. Sardesai- New History of Maratha's Vols I,II and III, Bombay, 1948

**B.A. Part III:
Semester V, Course No. XI DSE E-65
History: Its Theory**

(Field visit to any important historical place, monuments and record offices is essential)

Course Objectives:

This course has been designed to impart knowledge of the discipline of history to the students. The students will learn the nature and scope of the discipline. They will have a clear understanding of the nature of the evidence collected from primary and secondary sources. They will be introduced to the process of presenting and writing history. They will know the methods of writing history.

Course Outcomes:

After studying the course the student will be able to...

- 1) Understand the definition and scope of the subject of History
- 2) Know the process of acquiring historical data
- 3) Explain the process of presenting and writing history
- 4) Understand the methods of writing history

Module I: History: Definition and Scope

- a) Meaning, Scope and Nature
- b) Types of History
- c) Interdisciplinary Approach

Module II: Acquisition of Historical Data

- a) Sources: Nature and Types
- b) Methods of Data Collection
- c) Methods of Critical Enquiry

Module III: Process of presenting and writing history

- a) Steps of Historical Research
- b) Data Analysis and Interpretation
- c) Presentation

Module IV: Methods of History writing

- a) Notetaking
- b) Footnotes and Endnotes
- c) Index, Appendix, Bibliography

Select Reference books:

- B. Shaik, Ali., History, Its Theory and Method, Macmillan India Ltd, Madras, 1978
- Carr, E. H., What is History, Palgrave Publishers Ltd., Macmillan, 1986
- Chitnis, K. N., Research Methodology in History, Poona, 1979

- Bajaj, S. K., Research Methodology in History, Anmol Publications Pvt. Ltd., New Delhi, 1998
- Collingwood, R. G., The Idea of History, Oxford University Press, Oxford 1978
- Gottschalk, Louis., Understanding History, New York, Second Edition, 1969
- Majumdar, R. C., Historiography in Modern India, Bombay, 1970.
- कोठेकर, शांता., इतिहास तंत्र आणि तत्त्वज्ञान, श्री साईनाथ प्रकाशन, नागपूर, २००५
- गायकवाड, आर. डी., सरदेसाई, बी. एन. आणि हनमाने, व्ही. एन. इतिहासलेखन पद्धत व ऐतिहासिक स्मारके यांचा अभ्यास, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर, १९८८
- गद्रे, प्रभाकर., इतिहास लेखनाच्या परंपरा, श्री मंगेश प्रकाशन, नागपूर, २००४
- सरदेसाई, बी. एन., इतिहासलेखनपद्धती, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर, २००४
- राजदेरकर, सुहास., इतिहासलेखनशास्त्र, विद्या प्रकाशन, नागपूर, १९९८
- सरदेसाई, बी. एन., इतिहासलेखन परिचय, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर, २००६
- देशमुख, प्रशांत., इतिहासाचे तत्त्वज्ञान, विद्या बुक्स पब्लिशर्स, औरंगाबाद, २००५
- लेले, वि. गो., (अनुवादक) इतिहास म्हणजे काय? कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे, १९९४
- आठवले, सदाशिव., इतिहासाचे तत्त्वज्ञान, प्राज्ञपाठशाला, वाई, १९६७
- आगलावे, प्रदीप., सामाजिक सनोधन, पदधती शास्त्र व तंत्र, साईनाथ प्रकाशन, नागपूर, २०१९
- देव, प्रभाकर., इतिहास ऐक शास्त्र, कल्पना प्रकाशन नांदेड, १९९७

SEMESTER VI

B.A. Part III

Semester VI, Course No. XII DSE E-186

Ancient India (From 4th c. BC to 7th c. AD)

Course Objectives: This course explores the history of India from the 4th century BC to the 7th century A.D. It takes a panoramic survey of the historical developments during this crucial period of Indian history. The course studies the eventful changes which took place under the Satavhana, Kushanas, Guptas, Vakatakas, Chalukyas and Pallavas. The students will be introduced to the incomparably vivid picture of India which prevailed during the ancient period. They will be acquainted with not only the glory of Ancient India but also the social inequality and social evils which have shaped India in the past.

Course Outcomes:

After studying the course the student will be able to...

- 1) Know the political, economic and religious developments which took place in early historic India
- 2) Explain the role played by Major Satavahana, Kushana, Gupta and Vakataka Kings
- 3) Give an account of the developments in the Post-Gupta period
- 4) Have an informed opinion about the society and culture of Ancient India

Module I: Early Historic India

- a) Sources: Gatha Saptashati, Periplus of the Erythraean Sea
- b) Major Kings: Satavahana and Kushanas
- c) Industry and Trade
- d) Hinayana Buddhism

Module II: The Classical Age

- a) Major Kings: Guptas and Vakatakas
- b) Economy and Greater India
- c) Literature and Science
- d) Religion

Module III: The Post-Gupta Period

- a) Source: Hiuen Tsang
- b) North India: Harshavardhana
- c) Deccan: Early Chalukyas of Badami
- d) South India: Pallavas

Module IV: Society and Culture

- a) Position of Women and Varna Structure (From Vedic period to Post-Gupta period)
- b) Education
- c) Art (From Mesolithic Art to Ajanta Paintings)
- d) Architecture- (Rock-Cut Caves (Maharashtra) to Constructed Temples (Madhya Pradesh))

Select Reference Books :

- Jha, D. N. (1977): Ancient India: an introductory outline: People's Pub. House.
- Kosambi, D. D. (1975): An Introduction to the Study of Indian History: Popular Prakashan.
- Majumdar, R. C.; Bharatiya Vidya Bhavan; Bhāratīya Itihāsa Samiti (1951): The History and Culture of the Indian People: The Vedic age: G. Allen & Unwin (The History and Culture of the Indian People).
- Sharma, R. S. (1991): Aspects of Political Ideas and Institutions in Ancient India: Motilal Banarsidass.
- Sharma, R. S. (2006): India's Ancient Past: OUP India.
- Sharma, R. S. (2007): Material Culture and Social Formations in Ancient India: Macmillan India.
- Sharma, R. S.; Kumar, D. (2018): Bharat Ka Prachin Itihas: Oxford University Press India.
- Singh, U. (2009): A History of Ancient and Early Medieval India: From the Stone Age to the 12th Century (PB): Pearson India.
- Thapar, R. (2004): Early India: From the Origins to AD 1300: University of California Press.
- Majumdar, R. C.; Altekar, A. S. (1986): Vakataka - Gupta Age Circa 200-550 A.D: Motilal Banarsidass (History and Culture Series).
- Munshi, K. M.; Majumdar, R. C. (1997): The Classical Age: Bharatiya Vidya Bhavan (History and culture of the Indian people / General ed.: R.C. Majumdar).
- Sastri, K.A.N. (1958): A history of South India from prehistoric times to the fall of Vijayanagar: Oxford University Press.
- मोतीचंद्र, सार्थवाह, साहित्य अकादमी, नवी दिल्ली , २०१०
- कोसंबी डी. डी., प्राचीन भारतीय संस्कृती आणि सभ्यता , ICHR, डायमंड प्रकाशन, २००६
- थापर रोमिला, अर्ली इंडिया, के सागर पब्लिकेशन, पुणे, २०१३
- थापर रोमिला दी पेंग्वीन हिस्ट्री ऑफ अर्ली इंडिया, के सागर पब्लिकेशन्स, पुणे, २०१८
- वासंती फडके (अनु.), एंशंट इंडिया (प्राचीन भारत) मूळ लेखक शर्मा आर.एस., के सागर पब्लिकेशन, पुणे, २०१५

B.A. Part III
Semester VI, Course No. XIII DSE E-187
History of Medieval India (1526-1707 AD)

Course Objectives : This course explores the history of the Mughal period in India. The Mughals introduced fundamental changes in the polity, economy, society, culture and religion of India. The Bahamani kingdom in the Deccan also split up into five smaller kingdoms during this period. In the course the students will be introduced to the important events, personalities and developments in India. They will know the policies followed by important rulers and will acquaint themselves with the general scenario prevalent in India during the period. They will understand how a syncretic culture developed in India during the period.

Course Outcomes:

After studying the course the student will be able to...

- 1) Know about the various sources for writing Medieval Indian history
- 2) Explain the role of rulers like Babar, Akbar, Chandbibi and Ibrahim Adilshah II
- 3) Gain knowledge about the administrative and revenue system
- 4) Describe the condition of Industry and trade
- 5) Explain important developments in religion, society and culture

Module I: Sources

- a) Literary: Akbarnama, Gulshan -i -Ibrahimi
- b) Archaeological (excluding monuments)
- c) Accounts of Foreign Travelers: Francois Bernier, Niccolo Manucci

Module II - Major Rulers

- a) Babar: Battle of Panipat and foundation of Mughal empire.
- b) Akbar: Rajput policy
- c) Chandbibi
- d) Ibrahim Adilshah II

Module III- Administration and Economy

- a) Administration: Central and Provincial
- b) Land Revenue: Akbar and Malik Ambar
- c) Industry and Trade

Module IV: Religion, Society and Culture

- a) Religious Policy: Akbar and Aurangzeb
- b) Society: Hindu and Muslim
- c) Architecture: Mughal and Adilshahi

Select Reference Books:

- Rizvi, S.A.A., The Wonder that was India, Part II, Rupa, Delhi, 2002
- Chitnis, K.N., Glimpses of Medieval Indian Ideas and Institutions, 1974
- Chitnis K. N. Socio- Economic Aspects of Medieval India, Poona, 1979

- Mehta, Jaswant Lal, Advanced Study in the History of Medieval India, Volume I to III, Sterling, New Delhi, 1981.
- Qureshi I.H., The Administration of the Moghal Empire, Delhi, Low Price, Publication 1990
- Raychaudhuri Tapan and Irfan Habib (eds.), Cambridge Economic History of India, Vol. I. C. 1200 C. 1750., Delhi, S. Chand, 1984
- J.F. Richards, The Mughal Empire, Delhi Foundation Books, 1993.
- Satish Chandra, History of Medieval India (800- 1700), Orient Longman, Hyderabad, 2007
- जे. एल. मेहता, क्षीरसागर वि. एस, देशपांडे व्ही. टी, मध्ययुगीन भारताचा बृहत इतिहास , तीन खंड, के' सागर पब्लिकेशन्स, पुणे, २०१७
- Stein, Burton, Vijayanagara , Cambridge University Press, 1989
- M. P. Patil, Court Life under the Vijaynagar Rulers, B.R. Publishing Corporation, 1999
- सतीश चंद्र , वि. एस. क्षीरसागर, मध्ययुगीन भारत – मोगल साम्राज्य १५२६- १७४८, के सागर पब्लिकेशन्स, २०१७
- Salma Ahmed Farooqui, A Comprehensive History of Medieval India, Pearson, 2011.
- के. एन चिटणीस: मध्ययुगीन भारतीय संकल्पना व संस्था, खंड १ ते ४, पुणे, १९८२
- श. गो. कोलरकर: मध्ययुगीन भारताचा इतिहास (१२०६ ते १७०७) , श्री मंगेश प्रकाशन , १९९४
- बारगळ व ढवळे, मध्यकालीन भारत , विद्याप्रकाशन, नागपूर, १९८७
- डब्ल्यू. एच. मूरलॅन्ड, अबकार कालीन हिंदुस्थान , ICHR, डायमंड प्रकाशन, पुणे, २००६
- डब्ल्यू. एच. मूरलॅन्ड, अबकार ते औरंगजेब, ICHR, डायमंड प्रकाशन, पुणे, २००६
- एन. ए. सिद्दिकी, मोगलकालीन महसूल पद्धती, ICHR, डायमंड प्रकाशन, पुणे , २००६
- जदूनाथ सरकार, औरंगजेब, डायमंड प्रकाशन, पुणे, २००६

B.A. Part III
Semester VI , Course No: XIV. DSE E-188
Making of the Modern World (16th to 19th Century)

Course Objectives: This course deals with significant events in global history. The primary objective of the course is to introduce the students to the important events which have happened in the world in modern times. These events which were revolutionary in character had a profound impact on the making of the modern world. The students will be acquainted with the events of the Glorious revolution in England. They will understand the causes for the rise and spread of Nationalism and Imperialism. Moreover, they will know about some select important personalities who contributed to the making of the Modern World.

Course Outcomes:

After studying the course the student will be able to...

- 1) Know the causes and consequences of the Glorious revolution in England
- 2) Explain the concept of Nationalism and account for its rise and spread.
- 3) Describe the unification of Italy and Germany.
- 4) Give an account of the rise, growth and impact of Imperialism
- 5) Explain the significance of the Partition of Africa
- 6) Know the life and thoughts of important leaders like Metternich, Karl Marx and Abraham Lincoln

Module I: Glorious Revolution

- a) Causes
- b) Major events
- c) Consequences

Module II: Nationalism

- a) Causes for the rise and spread of Nationalism
- b) Unification of Italy and Germany
- c) Impact

Module III : Imperialism

- a) Causes for rise and growth of Imperialism
- b) Partition of Africa
- c) Impact on the world

Module IV: Important Personalities

- a) Metternich
- b) Karl Marx
- c) Abraham Lincoln

Select Reference books:

- Arun Bhattacharjee, World Revolutions, Ashish Publishing House, New Delhi, 1988
- L. Mukherjee, A Study of Modern Europe and the World, Calcutta, 2011
- David Thompson, Europe Since Napoleon, Penguin books, 1971
- T.C.W. Blanning, The Oxford History of Modern Europe, OUP, 2000

- C.J.H. Hayes, Modern Europe to 1870 , Macmillan, University of Michigan, 1953
- Desmond Seward, Metternich: The First European, Thistle Publishing, 2015
- मदन मारडीकर, आधुनिक युरोपचा इतिहास इ.स. १७८१ ते १९४५, विद्या बुक्स, २००५
- लिमये, स्मिता, अब्राहम लिंकन: दास्यमुक्तिचा देवदूत, निधीगंधा बुक एजन्सी; नागपूर, २०१७
- कारखानीस सरला, कार्ल मार्क्स चरित्र आणि विचार, जयंत एस भट, १९६०
- बापट राम, कार्ल मार्क्सचा विचार, परामर्श प्रकाशन, १९८४

B.A. Part III
Semester VI, Course No. XV DSE E-189
Polity, Economy and Society under the Marathas

Course Objectives : The objective of the course is to explore the nature of the Maratha polity. It will acquaint the students with the economic and social condition prevalent under Maratha rule. The course will also introduce the students to the sources of Maratha history.

Course Outcomes:

After studying the course the student will be able to...

- 1) Know the various sources for writing the history of the Marathas
- 2) Explain the significant developments in the polity of the Marathas
- 3) Describe the economic conditions
- 4) Explain the social conditions.

Module I: Sources

- a. Importance of sources
- b. Indian Sources: Sanskrit, Marathi, Persian
- c. Foreign sources : Portuguese and English

Module II: Polity under the Marathas

- a. Concept of Kingship
- b. Asthapradhan Mandal
- c. Transfer of power – Chhatrapati to Peshwa, Peshwa to Karbhari

Module III: Economic condition

- a. Agrarian system – Land Revenue, Irrigation
- b. Industry
- c. Trade and Commerce

Module IV: Social condition

- a. Social Structure - Family , Untouchability, Vethbegar , Slavery.
- b. Condition of women and caste system
- c. Education and Festivals

Select Reference books :

- शेणोलीकर ह.श्री. महाराष्ट्र संस्कृती : घडण आणि विकास, मोघे प्रकाशन, कोल्हापूर, १९७२
- भावे. व. कृ. : शिवराज्य व शिवकाल, भावे प्रकाशन, पुणे, १९५९
- अत्रे. त्र्यं. ना. गाववाडा, राजहंस प्रकाशन प्रा लि., पुणे, २०१८
- वि. गो. खोबरेकर , महाराष्ट्रातील दप्तरखाने: वर्णन आणि तंत्र, १९६८
- कुलकर्णी अ. रा. : शिवकालीन महाराष्ट्र, १९९३ आवृत्ती

- गवळी पा. आ. : पेशवेकालीन समाज व जातीय संगर्ष, १९८२
- गवळी पा. आ., पेशवेकालीन गुलामगिरी व अस्पृश्यता, १९८१
- ओतुरकर, आर्. व्ही., पेशवेकालीन सामाजिक व आर्थिक जीवन, खंड १, भा. इ. सं. मं. , १९५०
- गवळी, पा. आ., पेशवेकालीन गुलामगिरी व अस्पृश्यता, प्राची प्रकाशन, कोल्हापूर, १९९०
- गवळी, पा. आ., पेशवेकालीन महाराष्ट्र-संस्था व संकल्पना, कैलास पब्लिकेशन्स औरंगाबाद, २०००
- चापेकर, ना. गो., पेशवाईच्या सावलीत, पुणे, १९३७
- जोशी, एस्. एन्., मराठेकालीन समाजदर्शन, अ. वि. गृह प्रकाशन, पुणे, १९६०
- हेरवाडकर, आर. व्ही., मराठी बखर, व्हीनस प्रकाशन, मुंबई, १९८६
- Chitnis, K. N., Glimpses of Medieval Indian Ideas and Institutions, 2nd ed., Pune, 1981
- Chitnis, K. N., Glimpses of Maratha Socio-Economic History, Atlanta Polishers, New Delhi, 1994
- Choksey, R. D., Economics Life in Bombay Deccan, Asia Publishing House, Mumbai 1955
- Desai, S.V., Social Life in Maharashtra under the Peshwas, Popular Prakashan, Bombay, 1962
- Duff, Grant., A History of Mahrattas, Vol. I to III, Oxford University Press, Calcutta, 3rd ed., 1921
- Gune, V. T., The Judicial System of the Marathas, Deccan College, Pune, 1953
- Kulkarni, A. R., Maharashtra in the Age of Shivaji (A Study in Economic History), Pune, 1969.
- Mahajan, T. T., Industry, Trade and Commerce during the Peshwa period, Jaipur, 1980
- Kadam V.S. Maratha Confederacy: A study in its origin and development, Munshiram Manoharlal Publishers Pvt Limited , 1993
- Fukazawa, H – The Medieval Deccan: Peasants, Social Systems and States Sixteenth to Eighteenth Centuries, OUP, New Delhi, 1999

B.A. Part III
Semester VI , Course No. XVI DSE E-190
Methods and Applications of History

Course Objectives: This course has been designed to impart knowledge of the methods of history to the students. The students will understand the nature of archival sources. They will be introduced to the trends of local and oral history and will know about the tools of local history like Survey, Interview and Questionnaire. The students will be introduced to the technique of collecting data through oral interviews. The students will understand the concept of the museum and learn the basic principles of museology. Moreover, the course will introduce the students to the relevance of monumental heritage and its relationship with the discipline of history through the concept of Heritage Tourism

Course Outcomes:

After studying the course the student will be able to...

- 1) Understand the nature of archival sources
- 2) Gain conceptual clarity about recent trends in history.
- 3) Know about the application of history in museums.
- 4) Explain the concept and scope of heritage tourism.

(Note: The students should undertake Individual/ Group field projects for assignments in which they could take oral interviews / surveys/ regarding persons, events and local socio-political, economic and cultural developments related to local history. They should make audio recordings of the interviews and develop an archive of local oral history in the college department. These audio interviews would form an important source of local history)

Module I: Archival Sources

- a) Meaning, types, and importance of Archives
- b) Types of Records
- c) Concept of Digital Archives

Module II: Recent Trends in History

- a) Local History
- b) Oral History
- c) Tools of Local History (Survey, Interview, Questionnaire)
- d) Interview Technique

Module III: Museology

- a) Definition, Nature and Importance of Museum
- b) Types of Museums
- c) Methods of Collection, Conservation and Preservation Techniques of Objects

Module IV -Understanding Heritage Tourism

- a) Concept, Scope and Significance of Heritage Tourism
- b) Meaning and Historical Perspective of Tourism
- c) World Heritage Sites in India

Select Reference books:

- B. Shaik, Ali., History:Its Theory and Method, Macmillan India Ltd, Madras, 1978
- Chitnis, K. N., Research Methodology in History, Poona, 1979
- Bajaj, S. K., Research Methodology in History, Anmol Publications Pvt. Ltd., New Delhi, 1998
- Sreedharan, E., A Textbook of Historiography 500 BC to AD 2000, Orient Longman, Hyderabad, 2000
- Sarkar, H., Museums and Protection of Monument and Antiquities in India, New Delhi, 1980
- Agarwal, O. P. Conservation of Manuscripts and Pantings of South East Asia, London, 1984
- कोठेकर, शांता., इतिहास तंत्र आणि तत्त्वज्ञान, श्री साईनाथ प्रकाशन, नागपूर, २००५
- गायकवाड, आर. डी., सरदेसाई, बी. एन. आणि हनमाने, व्ही. एन. इतिहासलेखन पद्धत व ऐतिहासिक स्मारके यांचा अभ्यास, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर, १९८८
- गद्रे, प्रभाकर., इतिहास लेखनाच्या परंपरा, श्री मंगेश प्रकाशन, नागपूर, २००४
- सरदेसाई, बी. एन., इतिहासलेखनपद्धती, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर, २००४
- राजदेरकर, सुहास., इतिहासलेखनशास्त्र, विद्या प्रकाशन, नागपूर, १९९८
- सरदेसाई, बी. एन., इतिहासलेखन परिचय, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर, २००६
- देशमुख, प्रशांत., इतिहासाचे तत्त्वज्ञान, विद्या बुक्स पब्लिशर्स, औरंगाबाद, २००५
- बेंद्रे, वा. सी., शिवशाहीचा चर्चात्मक इतिहास: साधन चिकित्सा, लोकवाङ्मय गृह, मुंबई, १९७६
- आठवले, सदाशिव., इतिहासाचे तत्त्वज्ञान, प्राज्ञपाठशाला, वाई, १९६७
- धाटावकर, भास्कर., महाराष्ट्रातील शासकीय पुरालेखागारांची निर्मिती आणि कार्य, चेतन प्रकाशन, मुंबई, २०१०
- खोबरेकर, वि. गो., महाराष्ट्रातील दफतरखाने वर्णन व तंत्र, मुंबई, १९८८
- बोरकर, रघुनाथ, संग्रहालयशास्त्र, पिंपळापुरे बुक, नागपूर, २००७
- खतीब, के. ए., पर्यटन भूगोल, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे, २००६

- आगलावे, प्रदीप., सामाजिक संशोधन- पद्धती शास्त्र व तंत्र, साईनाथ प्रकाशन, नागपूर, २०१९
- देव, प्रभाकर., इतिहास ऐक शास्त्र, कल्पना प्रकाशन नांदेड, १९९७
- राऊत, गणेश (संप), दत्तक गावांचा इतिहास, खंड १, २, ३, पुणे विद्यापीठ, पुणे, १९९९
- वांबूरकर जास्वंदी, इतिहास लेखनातील नवे प्रवाह, डायमंड प्रकाशन, पुणे, २०१५

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.



Accredited By NAAC with 'A' Grade

Revised Syllabus For

B.A. Part-III

English

Syllabus to be implemented from

June, 2020 onwards.

Shivaji University, Kolhapur
B. A.III
Compulsory English
Ability Enhancement Compulsory Course (CBCS)
ENGLISH FOR COMMUNICATION
From June 2020 Onwards

Course Objectives:

- To enhance students' communication skills
- To impart employability skills to students
- To prepare students for competitive examinations
- To enable students to acquire professional skills such as media writing
- To enable students to learn manners and etiquettes required at workplace
- To enhance students' reading comprehension skills
- To create interest in English literature among students
- To inculcate human values and ethics in order to enable students' to become good citizens of the country

Course Outcomes: After the completion of the course, the students will be able to:

- Communicate in English, in oral and written modes, in their day-to-day lives as well as at workplaces.
- Face job interviews confidently and efficiently.
- Acquire soft skills required at workplaces and in real life.
- Learn group behavior and team work.
- Learn to value and respect others' opinions and views and develop democratic attitude.
- Face competitive examinations confidently and efficiently with adequate linguistic confidence.
- Acquire professional skills required in media writing such as writing editorials.
- Learn to appreciate and enjoy reading poetry and prose passages.
- Acquire human values and develop cultured outlook.

SEMESTER V AECC 5

MODULE I

- A. Interview Skills
- B. The Interview -V.V. John

MODULE II

- A. Grammar for Competitive Examinations
- B. The Lottery - Shirley Jackson

MODULE III

- A. Writing Skills for Competitive Examinations
- B. After Twenty Years - O' Henry

MODULE IV

- A. I Shall Return To This Bengal - Jibananda Das
- B.(i) Song of Youth - A. P. J. Abdul Kalam
- (ii) The Orphan Girl - Henry Derezio

***Note: Semester V: 10 Marks for Internal Evaluation: STUDENTS' SEMINAR**

SEMESTER VI

AECC 6

MODULE V

- A. Group Discussion
- B. The Lighthouse Keeper of Aspinwall - Henry Sienkiewicz

MODULE VI

- A. Note Making and Note Taking
- B. Three Questions - Leo Tolstoy

MODULE VII

- A. Media Writing
- B. Eight Rupees - Murli Das Melwani

MODULE VII

- A. The Mystic Drum - Gabriel Okara
- B. (i) Two Dead Soldiers- Jean Arasanayagam
(ii) Bora Ring - Judith Wright

***Note: Semester VI: 10 Marks for Internal Evaluation: STUDENTS' GROUP PROJECT**

Division of Teaching Hours 8 Modules x 15 Hours = 120 Hours

Shivaji University, Kolhapur
B. A.III
Compulsory English
Ability Enhancement Compulsory Course (CBCS)
ENGLISH FOR COMMUNICATION

PATTERN OF QUESTION PAPER (June 2020 Onwards)

Semester V (Paper E)

Total Marks: 40

Q. No	Sub Q.	Type of Question	Based on	Marks
Q. 1	A.	Four multiple choice questions with four alternatives to be set	Prose and Poetry	03
	B.	Answer in one word/phrase/sentence each.	Prose and Poetry	03
	C.	Two different Vocabulary Exercises to be set for 1 mark each	Prose and Poetry	02
Q.2	A.	Answer the following questions in 3-4 sentences each. (2 out of 3)	2 on Prose and 1 on Poetry	04
	B.	Write Short Note on the following in about 7-8 sentences each. (1 out of 2)	1 on Prose and 1 on Poetry	04
Q.3	--	Questions to be set on Interview Skills (A or B)	Module I A	08
Q.4	--	Question to be set on Grammar for Competitive Examinations (A or B)	Module II A	08
Q.5	--	Question to set on Writing Skills for Competitive Examinations(A or B)	Module III A	08

Semester VI (Paper F)

Total Marks: 40

Q. No	Sub Q.	Type of Question	Based on	Marks
Q. 1	A.	Four multiple choice questions with four alternatives to be set	Prose and Poetry	03
	B.	Answer in one word/phrase/sentence each.	Prose and Poetry	03
	C.	Two different Vocabulary Exercises to be set for 1 mark each.	Prose and Poetry	02
Q.2	A.	Answer the following questions in 3-4 sentences each. (2 out of 3)	2 on Prose and 1 on Poetry	04
	B.	Write Short Note on the following in about 7-8 sentences each. (1 out of 2)	1 on Prose and 1 on Poetry	04
Q.3	--	Question to be set on Group Discussion(A or B)	Module V A	08
Q.4	--	Question to be set on Note Making and Note Taking(A or B)	Module VI A	08
Q.5	--	Question to set on Media Writing(A or B)	Module VII A	08

Shivaji University, Kolhapur
B. A. Part III
Special English
INTRODUCTION TO LITERARY CRITICISM (CBCS)
Discipline Specific Elective
Semester V (Paper VII) (DSE- E11) & Semester VI (Paper XII) (DSE- E136)
From June 2020 onwards

Course Objectives:

- To introduce students to the major trends in literary criticism.
- To familiarize students with the major critical concepts.
- To help students to study the original contributions made in the field of literary criticism.
- To acquaint students with the various literary and critical movements.
- To train students to write critical appreciation of poetry.

Course Outcomes:

- Students are able to understand the major trends in criticism.
- Students are able to interpret critical concepts.
- Students are able to study the original contributions to literary criticism.
- Students are acquainted with literary and critical movements.
- Students are able to understand the meaning and appreciate the poems critically.

Semester V(Paper VII) (DSE- E11)	
Module I	Introduction to Literary Criticism: 1. Nature of Criticism 2. Function of Criticism
Module II	Classical Criticism: 1. The Concept of Tragedy 2. The Ideal Tragic Hero (From Aristotle's Poetics)
Module III	Neo-classical Criticism: Dr. Samuel Johnson's <i>Preface to Shakespeare</i> (1765)
Module IV	Literary Terms: 1. Symbolism 2. Realism 3. Humour 4. Paradox
Note: Semester V: 10 Marks for Internal Evaluation: STUDENTS' SEMINAR	
Semester VI (Paper XII) (DSE- E136)	
Module V	Romantic Criticism: William Wordsworth's Theory of Poetic Diction (From William Wordsworth's Preface to Lyrical Ballads)
Module VI	Victorian Criticism: Matthew Arnold's Touchstone Method (From Matthew Arnold's The Study of Poetry)
Module VII	Modern Criticism:

	T S Eliot's <i>Tradition and Individual Talent</i> (1919)
Module VIII	Practical Criticism: Poetry
Note: Semester VI: 10 Marks for Internal Evaluation: STUDENTS' GROUP PROJECT	

Division of Teaching Hours 8 Modules x 15 Hours = 120 Hours

Recommended Reading: Semester V and Semester VI

- Abrams, M. H. *A Glossary of Literary Terms* (8th Edition). New Delhi: Akash Press, 2007.
- Alexander, L. G. *Prose and Poetry Appreciation for Overseas Students*. London: Longman Green and Comp. Ltd., 1966.
- Allex, Latter & Rachel, Teubner. *William Wordsworth's Preface to the Lyrical Ballads*. London: Macat Library, 2018.
- Bliss, Perry. *A Study of Poetry*. Kindle Edition, 22 Feb., 2018.
- Butcher, S. C. *Poetics*. New Delhi: Kalyani Publishers, 1978.
- Bywater, Ingram. *Aristotle's Poetics*. Oxford: Atthe Clarendon Press, 1976.
- Cuddon, J. A. *The Penguin Dictionary of Literary Terms and Literary Theory* (4th Edition). London and New York: Penguin, 2000.
- Davis, Joseph, K. Pathea, R Broughton and Michael Wood. *Literature*. Illinois: Scott, Foresman and Comp. Glenviews, 1977.
- Eliot, T.S. *The Sacred Wood – Essays on Poetry and Criticism*. (Seventh edition), 1950.
- Enright, D.J. & Ernst De Chickera. *English Critical Texts: 16th Century to 20th Century*. OUP, 1968.
- Fyfe, Hamilton. *Aristotle's Art of Poetry*. London: OUP, 1940.
- Gray, Martin. *A Dictionary of Literary Terms* (York Handbooks), Pearson Education, 2009.
- Hudson, W. H. *An Introduction to the Study of Literature*. New Delhi: Atlantic, 2007.
- Richards, I. A. *Practical Criticism: A Study of Literary Judgment*. New Delhi: UBS Publishers, 2002.
- Scott James, R. A. *The Making of Literature*. Mumbai: Allied Publishers Pvt. Ltd., 1963.
- Sherbo, Arthur(ed.). *The Yale edition of the works of Samuel Johnson*. Vol.7. New haven: Yale University Press, 1968.
- S. Ramaswami & V. S. Seturaman (ed.) *The English Critical Tradition: An Anthology of English Literary Criticism*, Volume 1,. New Delhi: Macmillan Publishers India Ltd. 1977/2009.
- Seturaman, V. S., C. T. Indra and T. Siraman. *Practical Criticism*. Madras: Macmillan India Ltd., 1995.
- Waugh, Patricia (ed.) *Literary Theory and Criticism: An Oxford Guide*. New York: Oxford University Press, 2006.
- Wimsatt, W. K. and Cleanth Brooks. *Literary Criticism: A Short History*. New Delhi: Oxford and IBH Publishing Company Pvt. Ltd., 1957.
- Wellek, Rene and Austin Warren. *Theory of Literature*. London: Jonathan Cape, 1949.
-

Shivaji University, Kolhapur
B. A. Part III
Special English
INTRODUCTION TO LITERARY CRITICISM (CBCS)
Discipline Specific Elective
Semester V (Paper VII) (DSE- E11)
PATTERN OF QUESTION PAPER
From June 2020 onwards

Total Marks: 40

Q1. Objective type Question

- A) Multiple choice questions with four alternatives. 4
 B) Answer the following questions in one word/phrase/sentence each. 4
 (Q1 A and B to be set on topics covering **Module I to IV**)
 (At least one item to be set on each Module)

Q2. Answer the questions in about 250-300 words each.

- (A or B to be set on **Module I, II, and III**) 10

Q3. Answer the questions in about 250-300 words each.

- (A or B to be set on **Module I, II, and III**) 10

Q3 A. Write short notes on the following: (Any 3 out of 5) 12

(3 to be set on **Module IV** and 2 on **Module I, II, III** not covered in question 2 and 3)

INTRODUCTION TO LITERARY CRITICISM (CBCS)
Semester VI (Paper XII) (DSE- E136)
PATTERN OF QUESTION PAPER
From June 2020 onwards

Total Marks: 40

Q1. Objective type Question

- A) Multiple choice questions with four alternatives. 4
 B) Answer the following questions in one word/phrase/sentence each. 4
 (Q1. A and B to be set on topics covering **Module V to VII**)
 (At least one item to be set on each Module)

Q2. Answer in the questions 250-300 words each.

- (A or B to be set on **Module V, VI, and VII**) 10

Q3. Answer the questions in about 250-300 words each.

- (A or B to be set on **Module V, VI, and VII**) 10

Q4. Write critical appreciation of the given poem. 12

(with the help of points such as title, theme, content, devices, message, style, rhyme-scheme, diction, type of poem, tone, stanza-pattern, metre, etc. **(Based on Module VIII)**)

EQUIVALENCE

Old Title	New Title
LITERARY CRITICISM AND LITERARY APPRECIATION	INTRODUCTION TO LITERARY CRITICISM

Shivaji University, Kolhapur

B. A.III

English Special

ENGLISH POETRY (CBCS)

Discipline Specific Elective

Semester V (Paper VIII) (DSE – E12) and Semester VI (Paper XIII) (DSE – E137)

(From June 2020 Onwards)

Course Objectives:

- To make students engaged and curious readers of poetry
- To introduce students to poetry from various cultures and traditions
- To make students understand that poetry gives intellectual, moral and linguistic pleasures
- To make students hear and read poems aloud and to memorize lines

Course Outcomes:

- Students will be able to trace the development of the poetry in English from the days of Shakespeare to the contemporary India.
- Students will be able to appreciate and analyze the poems properly.
- Students will have a fairly comprehensive view of the Western and Eastern poetic tradition and they will be able to relate it to various literary movements.
- Students will have an insight into poetry and they will be able to make a lively and interesting reading.

SEMESTER V (Paper VIII) (DSE – E12)		
MODULE NO.	TITLE OF THE MODULE	NAME OF THE POET
I. Topics For Background Readings:		
1.	Elizabethan Poetry	
2.	Metaphysical Poetry	
3.	Romantic Poetry	
II. Selections from Elizabethan Poetry:		
1.	Sweet Warrior (Sonnet 57)	Edmund Spenser
2.	Sonnet To The Moon	Sir Philip Sydney
3.	Full Many A Glorious Morning... (Sonnet 33)	William Shakespeare
III. Selections from Metaphysical Poetry:		
1.	The Sun Rising	John Donne
2.	The Retreat	Henry Vaughan
3.	The Collar	George Herbert
IV. Selections from Romantic Poetry:		
1.	My Heart Leaps Up	William Wordsworth
2.	The Rime of the Ancient Mariner	S. T. Coleridge
3.	Ozymandias	P. B. Shelley
4.	When We Two Parted	Lord Byron
*Note: Semester V: 10 Marks for Internal Evaluation: STUDENTS' SEMINAR		

SEMESTER VI (Paper XIII) (DSE – E137)		
MODULE NO.	TITLE OF THE MODULE	NAME OF THE POET
V. Topics For Background Readings:		
1.	Victorian Poetry	
2.	Modern English Poetry	
3.	Modern Indian English Poetry	
VI. Selections from Victorian Poetry:		
1.	The Lady Of Shallot	Alfred Lord Tennyson
2.	My Last Duchess	Robert Browning
3.	Love Came Down At Christmas	Christiana Rossetti
VII. Selections from Modern English Poetry:		
1.	No Second Troy	W. B. Yeats
2.	The Hollow Men	T. S. Eliot
3.	Tonight I Can Write	Pablo Neruda
VIII. Selections from Modern Indian English Poetry:		
1.	The Professor	Nissim Ezekiel
2.	A Hot Noon in Malabar	Kamala Das
3.	A River	A. K. Ramanujan
4.	A Kind of Happiness	Jayanta Mahapatra
*Note: Semester VI: 10 Marks for internal Evaluation: STUDENTS' GROUP PROJECT		

Division of Teaching Hours: 8 Modules x 15 Hours each= 120 Hours

Recommended Reading: Semester V and Semester VI

- Appelbaum, Stanley. *English Romantic Poetry: An anthology*. Dover Publications Inc. 1996.
- Burrow, Colin. *Metaphysical Poetry*. Penguin Classics. 2006.
- Chaudhuri, Roshinka. *A History of Indian Poetry in English*. Cambridge University press. 2016.
- Chaudhuri, Sukanta. *Modern Indian Literature*, New Delhi: OUP, 2004.
- Courthope, W.J. *A History of English Poetry*. Vol.I Macmillan, 1995.
- Craig, W.J. (ed.). *The Complete works of William Shakespeare*. Oxford: OUP., 1905.
- Fenton, James. *An Introduction to English Poetry*. New York: Farrar, Strauss and Giroux, 2004.
- Gardner, Martin, *The Annotated Ancient Mariner*, New York:Clarkson Potter,1965.
- Harold Bloom and Lionel Trilling. (ed.) *Romantic Prose and Poetry*, New York: OUP, 1973.
- Mitra, Zinia(ed.). *Indian Poetry in English:Critical Essays*. New Delhi: PHI Learning Pvt Ltd.,2012.
- Naik, M.K. *A History of Indian English Literature*. Delhi, 1982.
- Narasimhaiah, C.D., (ed.) *An Anthology of Commonwealth Poetry*, Delhi: Macmillan, 1990.
- Negri, Paul. *English Victorian poetry*. Dover Publications Inc. 1998
- Ramanan, M.G. *Modern English Poetry: A Selection*. New Delhi:Orient Blackswan,2013.
- Samuel Taylor Coleridge, *Biographia Literaria*, ed. George Watson. London: Everyman, 1993.

Shivaji University, Kolhapur

B. A.III

English Special

ENGLISH POETRY (CBCS)

Discipline Specific Elective

Semester V (Paper VIII) (DSE – E12)

PATTERN OF QUESTION PAPER

From June 2020 Onwards

Marks: 40

- Q1. A) Four multiple choice questions with four alternatives (4)
B) Answer the following questions in one word/ phrase/sentence each. (4)
(Q. 1 A and B to be set on **Module II, III and IV**)
- Q.2. Answer the following questions in about 250-300 words. (10)
(A or B to be set on **Module I**)
- Q.3. Answer the following questions in about 250-300 words. (10)
(A or B to be set on **Module II, III or IV**)
- Q.4. Write Short Notes in about 100-150 words each (3out of 4) (12)
(Two be set on **Module I** and two be on **Module II, III or IV**)
-

ENGLISH POETRY (CBCS)

Discipline Specific Elective

Semester VI (Paper XIII) (DSE – E137)

Marks: 40

- Q1. A) Four multiple choice questions with four alternatives (4)
B) Answer the following questions in one word/ phrase/sentence each. (4)
(Q. 1 A and B to be set on **Module VI, VII and VIII**)
- Q.2. Answer the following questions in about 250-300 words. (10)
(A or B to be set on **Module V**)
- Q.3. Answer the following questions in about 250-300 words. (10)
(A or B to be set on **VI, VII or VIII**)
- Q.4. Write Short Notes in about 100-150 words each (3out of 4) (12)
(Two be set on **Module V** and two be on **Module VI, VII or VIII**)
-

EQUIVALENCE

Old Title	New Title
Understanding Poetry	English Poetry

Shivaji University, Kolhapur
B. A. Part III
Special English
ENGLISH DRAMA (CBCS)
Discipline Specific Elective
Semester V (Paper IX) ((DSE – E13) & Semester VI (Paper XIV) (DSE – E138)
From June 2020 onwards

Course Objectives:

- To make students understand different forms of drama
- To enable students to relate drama to their ideological or socio-political contexts
- To help students improve their creative and imaginative faculties through the reading of drama
- To enable students to know about various aspects of the drama

Course Outcomes:

- Students are able to understand different forms of drama.
- Students are able to relate drama to their ideological or socio-political contexts.
- Students are able to improve their creative and imaginative faculties through the reading of drama.
- Students are able to know about various aspects of the drama.

Semester V (Paper IX) ((DSE – E13)

MODULE I

Definition and Elements of Drama

MODULE II

Tragedy as a Form

MODULE III

The Importance of Being Earnest - Oscar Wilde

MODULE IV

Hamlet – William Shakespeare

Division of Teaching Hours: 4 Modules X 15 Periods = 60 Periods

Prescribed Texts:

Wilde, Oscar. *The Importance of Being Earnest*. New Delhi: General Press, 2018.
Shakespeare, William. *Hamlet*. Penguin Books, 1980.

*Note: Semester V: 10 Marks for Internal Evaluation: STUDENTS' SEMINAR

Semester VI (Paper XIV) (DSE – E138)

MODULE V

Types of Drama

MODULE VI

Comedy as a Form

MODULE VII

Nagmandala – Girish Karnad

MODULE VIII

Harvest – Manjula Padmanabhan

Division of Teaching Hours: 4 Modules X 15 Periods = 60 Periods

Prescribed Texts:

Karnad, Girish. *Nagmandala*. Oxford University Press, 1990.

Padmanabhan, Manjula. *Harvest*. Delhi: Penguin, 1997.

***Note: Semester VI: 10 Marks for Internal Evaluation: STUDENTS' GROUP PROJECT**

Recommended Reading: Semester V and Semester VI

Aasand, Hardin L. *Stage Directions in Hamlet: New Essays and New Directions*. NJ: Fairleigh Dickinson University Press, 2003.

Babu, Munchi Sarat. *Indian Drama*. New delhi: Prestige Books, 1997.

Bhatt, S.K. *Indian English Drama: A Critical Study*. New Delhi: Sterling Publishers Pvt. Ltd., 1987.

Bloom, Harold. *The Importance of Being Earnest: Modern Critical Interpretations*. Chelsea House Pub., 1988.

Driver, T.F. *Drama and History*. New York: Columbia University Press, 1967.

Ddiya, Jaydipsinh. (ed.) *The Plays of Girish Karnad: Critical Perspectives*. New Delhi: Prestige Books, 1999.

Gargy, Balwant. *Folk Theatre of India*. Calcutta: Rupa & Co., 1991.

Gillespie, Michael Patrick. *The Importance of Being Earnest*. (Norton Critical Editions). W.W.Norton and Co., 2006.

Hibbard, G.R. (ed.) *Hamlet*. OUP: 1988.

Hirsh, James. *Shakespeare and the History of Soliloquies*. NJ: Farleigh Dickinson University Press, 2003.

Joshi, R.G. *Myth in Indian Drama*. Delhi: B.R. Publishing Corporation, 1984.

Kumar, Nand. *Indian English Drama: A Study in Myths*. New Delhi: Sarup and sons, 2003.

MacCary, Thomas. *Hamlet: A Guide to the Play*. London: Greenwood Press, 1988.

Martin, James. *The Meaning of the 21st Century*. New York: Riverhead Penguin, 2007.

Priestley, J.B. *The Art of the Dramatist*. London: Heinemann, 1957.

Rajkumar, K. *Socio-Political Realities in Harvest*. Purna:RHI,Mahmul, 2012.

Robertson, Ronald. *Globalization: Social Theory and Global Culture*. London: Sage, 1992.

Sen,B. *The Importance of Being Earnest*. Unique Publishers,2015.

Styan, J.L. *The Elements of Drama*. Cambridge: Cambridge University Press, 1967.

Vaidyanathan, G. *The Importance of Being Earnest*. New Delhi: Narain Publications, 2018.

Worthen, W.B. (ed.). *Anthology of Drama* (Fourth edition). London: Cengage Learning EMEA, 2004.

Shivaji University, Kolhapur
B. A. Part III
Special English
ENGLISH DRAMA (CBCS)
Discipline Specific Elective
Semester V (Paper IX) ((DSE – E13)

PATTERN OF QUESTION PAPER (From June 2020 onwards)

Marks: 40

- Q1. A) Four multiple choice questions with four alternatives (4)
B) Answer the following questions in one word/ phrase/sentence each. (4)
(Q. 1 A and B to be set on **Module III and IV**)
- Q2. Answer the following questions in about 250-300 words. (10)
(A or B to be set on **Module I and II**)
- Q3. Answer the following questions in about 250-300 words. (10)
(A or B to be set on **Module III and IV**)
- Q4. Write Short Notes in about 100-150 words each (3out of 4) (12)
(Two be set on **Module I and II** and two be on **Module III and IV**)
-

ENGLISH DRAMA (CBCS)
Discipline Specific Elective
Semester VI (Paper XIV) (DSE – E138)

PATTERN OF QUESTION PAPER (From June 2020 onwards)

Marks: 40

- Q1. A) Four multiple choice questions with four alternatives (4)
B) Answer the following questions in one word/ phrase/sentence each. (4)
(Q. 1 A and B to be set on **Module VII and VIII**)
- Q2. Answer the following questions in about 250-300 words. (10)
(A or B to be set on **Module V and VI**)
- Q3. Answer the following questions in about 250-300 words. (10)
(A or B to be set on **VII and VIII**)
- Q4. Write Short Notes in about 100-150 words each (3out of 4) (12)
(Two be set on **Module V and VI** and two be on **Module VII and VIII**)
-

EQUIVALENCE

Old Title	New Title
Understanding Drama	English Drama

Shivaji University, Kolhapur
B. A. Part III Special English
ENGLISH NOVEL (CBCS)

Discipline Specific Elective

Semester V (Paper X) ((DSE – E14) & Semester VI (Paper XV) (DSE – E139)

From June 2020 onwards

Course Objectives:

- To make students understand different forms of novel.
- To enable students to relate novels to their ideological or socio-political contexts.
- To help students to improve their creative and imaginative faculties through the reading of novels.
- To enable students to know about various aspects of the novel.

Course Outcomes:

- Students are able to understand different forms of novel.
- Students are able to relate novels to their ideological or socio-political contexts.
- Students are able to improve their creative and imaginative faculties through the reading of novels.
- Students are able to know about various aspects of the novel.

SEMESTER V (Paper X) (DSE – E14)

MODULE I

Rise and Development of the Novel

MODULE II

Aspects of the Novel

MODULE III

The Old Man and the Sea – Ernest Hemingway

MODULE IV

The Power and the Glory – Graham Greene

Division of Teaching Hours: 4 Modules X 15 Periods = 60 Periods

Prescribed Texts:

Hemingway, Ernest. *The Old Man and the Sea*. New York: Simon & Schuster, 1952.

Greene, Graham. *The Power and the Glory*. New York: Time Reading Special Edition. 1940, 1962.

*Note: Semester V: 10 Marks for Internal Evaluation: STUDENTS' SEMINAR

SEMESTER VI (Paper XV) (DSE – E139)

MODULE V

Historical and Psychological Novel

MODULE VI

Satirical Novel and Epistolary novel

MODULE VII

Animal Farm: A Fairy Tale - George Orwell

MODULE VIII

The Guide - R. K. Narayan

Division of Teaching Hours: 4 Modules X 15 Periods = 60 Periods

Prescribed Texts:

Orwell, George. *Animal Farm: A Fairy Tale*. New York: Signet Classic, 1996.
Narayan, R. K. *The Guide*. US: Viking Press, 1958.

*Note: Semester VI: 10 Marks for internal Evaluation: STUDENTS' GROUP PROJECT
--

Suggested Reading: for Semester V and Semester VI

- Auden, W.H. *The Enchafed Flood: The Romantic Econography of the Sea*. New York: Random, 1950.
- Abrams, M. H. *A Glossary of Literary Terms* (8th Edition) New Delhi, Akash Press – 2007
- Bender, Bert. *Sea Brothers: The Tradition of American Sea Fiction from Moby-Dick to the Present*. Philadelphia: University of Pennsylvania Press, 1988.
- Bloom, Harold. *Ernest Hemingway's The Old Man and the Sea: Modern Critical Interpretations*. Cheasea House Publications, 2008.
- Bradbury, Malcolm. *The Novel Today*. Glasgow: F. C. Paperbacks, 1982.
- Brooks and Warren. *Understanding Fiction*. Prentice Hall, 1959.
- Dedria, Bryfonski & Hall, Sharon. *Twentieth Century Literary Criticism: George Orwell*. Michigan: Book Tower, 1979.
- Edel, Leon. *The Psychological Novel: 1900-1950*. Ludhiana: Kalyani, 1997.
- Forster, E. M. *Aspects of Novel*. London. 1949.
- Hynes, Samuel, ed. *Graham Greene: A Collection of Critical Essays*. New Jersey: Prentice Hall, Inc. 1973.
- Jones, David P. *Graham Greene*. Edinburgh: Oliver and Boyd. 1963.
- Kerala, Calling. *From Eric Blair to George Orwell, Biography*. London: Sage, 2003.
- Kermode, Frank. *Sense of an Ending*. OUP, 1967.
- Lall, Pamji. *Graham Greene: The Power and the Glory: A Critical Study*. New Delhi: Roma Brothers India Pvt. Ltd. 2005.
- Lewis, R.W.B. & Conn, Petr J. ed. *Graham Greene: The Power and the Glory: Text and Criticism*. New York: The Viking Press, 1970.
- Lubbock, Percy. *The Craft of Fiction*. London: Jonahan Cape, 1965.
- Matz, Jesse. *The Modern Novel: A Short Introduction*. Oxford Blackwell, 2004.
- Meyers, Jeffery. *George Orwell: The Critical Heritage*. Routledge, 1997.
- Rimmon-Kennan, Shlomith. *Narrative Fiction*. London and New York: Routledge, 2005.
- Roy, Ruby. *A Critical Study of R.K. Narayan's Swami and Friends and The Guide*. Delhi: Kalpaz Publications, 2015.
- Rees, R. J. *Introduction to English Literature*. London: Macmillan, 1966/1968.
- Singh, P.K. *The Novels of R. K. Narayan :A Critical Study*. New Delhi: Atlantic Publishers.
- Stade, George, ed. *Six Contemporary British Novelists*. New York: Columbia University Press, 1976.
- Subramaniam, K.S. *Graham Greene: A Study of Graham Greene's Works*. Bareilly: Prakash Book Depot, 1978.
- Vinson, James, ed. *Contemporary Novelists*. London: St. James Press, 1972.
- Watt, Ian. *Rise of the Novel*. London: Penguin, 1957.
- Woodcock, George. *20th Century Fiction*. London: The Macmillan Press Ltd., 1983.
-

Shivaji University, Kolhapur
B. A. Part III
Special English
ENGLISH NOVEL (CBCS)
From June 2020 onwards
PATTERN OF QUESTION PAPER FOR
(Semester V Paper X DSE – E14)

Marks: 40

- Q1. A) Four multiple choice questions with four alternatives (4)
B) Answer the following questions in one word/ phrase/sentence each. (4)
(Q. 1 A and B to be set on **Module III and IV**)
- Q.2. Answer the following questions in about 250-300 words. (10)
(A or B to be set on **Module I and II**)
- Q.3. Answer the following questions in about 250-300 words. (10)
(A or B to be set on **Module III and IV**)
- Q.4. Write Short Notes in about 100-150 words each (3out of 4) (12)
(Two be set on **Module I and II** and two be on **Module III and IV**)
-

PATTERN OF QUESTION PAPER FOR
(Semester VI Paper XV DSE – E139)

Marks: 40

- Q1. A) Four multiple choice questions with four alternatives (4)
B) Answer the following questions in one word/ phrase/sentence each. (4)
(Q. 1 A and B to be set on **Module VII and VIII**)
- Q.2. Answer the following questions in about 250-300 words. (10)
(A or B to be set on **Module V and VI**)
- Q.3. Answer the following questions in about 250-300 words. (10)
(A or B to be set on **VII and VIII**)
- Q.4. Write Short Notes in about 100-150 words each (3out of 4) (12)
(Two be set on **Module V and VI** and two be on **Module VII and VIII**)
-

EQUIVALENCE

Old Title	New Title
Understanding Novel	English Novel

Shivaji University, Kolhapur
B.A. III
English Special
LANGUAGE AND LINGUISTICS (CBCS)
Discipline Specific Elective
Semester V –Paper XI (DSE - E15) & Semester VI – Paper XVI (DSE - E140)
From June 2020 onwards

LANGUAGE AND LINGUISTICS
Semester V –Paper XI (DSE -E 15)

Course Objectives:

- To orient students to the concept of communication.
- To make the students familiar with varieties of the English language.
- To acquaint students with different levels of the study of language.
- To study the basic units of grammar.

Course Outcomes:

- Students know the concept of communication.
- Students are familiar with varieties of the English language.
- Students know different levels of study of the English language.
- Students know basic units of grammar.

Semester V –Paper XI DSE - E 15

MODULE I

Language and Communication

- i. Definitions and characteristics of language
- ii. Human and Animal communication systems (Special reference to Hockett's 7 characteristics of language)

MODULE II

Phonology

MODULE III

Morphology

MODULE IV

Words

***Note: Semester V: 10 Marks for Internal Evaluation: STUDENTS' SEMINAR**

Division of Teaching Hours: 4 Modules X 15 Periods = 60 Periods

Reference Books :

- Balasubramaniam, T. *A Textbook of English Phonetics for Indian Students*, Delhi: McMillan, 1981.
- Bansal, R.K. & Harrison, J.B., *Spoken English*, Hyderabad: Orient Longman, 2000.
- Hockett, C.F., *A Course in Modern Linguistics*, MacMillan, . 1963.
- Hudson, Richard, *Sociolinguistics*, Cambridge: Cambridge University Press, 1996.
- Jones, Daniel, *English Pronouncing Dictionary*, ELBS Edition.
- Leech et al, *English Grammar Today: a New Introduction*, Hyderabad: McMillan, 2010.
- Lyons, John, *Language and Linguistics: An Introduction*, Cambridge: Cambridge University Press, 1981.
- Quirk, R., Greenbaum, S., Leech, G. & Svartvik, J., *A Comprehensive Grammar of English*, New Delhi: Pearson, 2010.
- Quirk, Randolph & Greenbaum, Sidney, *A University Grammar of English*, New Delhi: Pearson, 2015.
- Radford, A., Atkinson, M., Britain, D., Clahsen, H. & Spencer, A., *Linguistics: An Introduction*, Cambridge: Cambridge University Press, 1999.
- Trask, R. L, *Key Concepts in Language and Linguistics*, London: Routledge, 1999.
- Verma, S.K. & Krishnaswamy, N., *Modern Linguistics*, Hyderabad: Oxford University Press, 1989.
- Velayudhan, S. & Mohanan, K. P., *An Introduction to the Phonetics and Structure of English*, New Delhi: Somaiya Pub. Pvt. Ltd., 1977

QUESTION PAPER PATTERN

From June 2020 onwards

LANGUAGE AND LINGUISTICS (CBCS) Discipline Specific Elective Semester V –Paper XI (DSE - E15)

- Q.1 Objective type
- a) Three term labels (3)
 - b) Transcription of words with primary stress (3)
 - c) Conversion of the given transcriptions into the conventional spellings (2)
- Q.2
- a) Write short notes (2/3) (to be set on **Module I**) (10)
 - b) Morphological Analysis giving labels (2/4) (4)
- Q.3
- a) Identification of word formation/morphological processes (4)
 - d) Identification of word classes (4)
- Q.4. Write short notes (2/4) (2 each to be set on **Module II & IV**) (10)
-

Shivaji University, Kolhapur
B.A. III
English Special
LANGUAGE AND LINGUISTICS (CBCS)
Discipline Specific Elective
Semester VI – Paper XVI (DSE - E140)
From June 2020 onwards

Course Objectives:

- To acquaint students with structures and functions of words and phrases.
- To enable students to know and identify elements and types of clauses.
- To study Subordination and Coordination.
- To study different ways of structuring clauses.

Course Outcomes:

- Students know words and phrases.
- Students know and identify elements and types of clauses.
- Students know types of sentences.
- Students know the different ways of structuring clauses

Semester VI – Paper XVI (DSE - E140)

MODULE V

Phrases

MODULE VI

Clauses

MODULE VII

Subordination and Coordination

MODULE VIII

Basic and Derived Structures

- i) Inversion / Fronting
- ii. Negation
- iii. Interrogation
- iv. Exclamation
- v. Omission of Certain Elements
(Relative Pronouns, Comparative Clauses, Tag Questions)
- vi. Passivisation
- vii. Subject Raising
- viii. Style Transformation

Note: Semester VI: 10 Marks for Internal Evaluation: STUDENTS' GROUP PROJECT

Division of Teaching Hours: 4 Modules X 15 Periods = 60 Periods

Reference Books :

- Crystal, David, *Linguistics*, London: Penguin Books Ltd., 1974.
 Hockett, C.F., *A Course in Modern Linguistics*, MacMillan, 1963.
 Hudson, Richard, *Sociolinguistics*, Cambridge: Cambridge University Press, 1996.
 Leech et al, *English Grammar Today: A New Introduction*, Hyderabad: McMillan, 2010.
 Lyons, John, *Language and Linguistics: An Introduction*, Cambridge: Cambridge University Press, 1981.
 Palmer, F. G., *Grammar*, London: Penguin Books Ltd., 1973.
 Quirk, R., Greenbaum, S., Leech, G. & Svartvik, J., *A Comprehensive Grammar of English*, New Delhi: Pearson, 2010.
 Quirk, Randolph & Greenbaum, Sidney, *A University Grammar of English*, New Delhi: Pearson, 2015.
 Radford, A., Atkinson, M., Britain, D., Clahsen, H. & Spencer, A., *Linguistics: An Introduction*, Cambridge: Cambridge University Press, 1999.
 Verma, S.K. & Krishnaswamy, N., *Modern Linguistics*, Hyderabad: Oxford University Press, 1989.

QUESTION PAPER PATTERN

From June 2020 onwards

LANGUAGE AND LINGUISTICS (CBCS)**Discipline Specific Elective****Semester VI – Paper XVI (DSE - E140)**

Q. 1	a) Identify elements of clause (S, P, O, C, A)	(4/6)	(4)
	b) Transformation of sentence (to be set on Module VIII)	(4/6)	(4)
Q.2	a) Write short notes. (2 each to be set on Module V & VI)	(2/4)	(10)
	b) Give form and function labels to the underlined phrases.	(4/6)	(4)
Q.3	a) Write short notes (To be set on Module VII)	(2/3)	(10)
	b) Identify the subordinate clauses and state their form and function.	(4/6)	(4)
Q. 4.	Do as directed. (to be set on Module VIII)	(4/6)	(4)

EQUIVALENCE

OLD TITLE	NEW TITLE
THE STRUCTURE AND FUNCTION OF MODERN ENGLISH	LANGUAGE AND LINGUISTICS

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR



Accredited by NAAC 'A' Grade

Revised Syllabus for

Bachelor of Arts

B.A. Part-III - MARATHI

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

(Syllabus will be implemented from June, 2020)

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi
पसंतीवर आधारित श्रेयांक पद्धती
Choice Based Credit System

बी.ए. भाग-३ (मराठी) : B.A. Part-III (Marathi)

अभ्यासक्रम : Syllabus

Introduced from June 2020 onwards

समकक्षता / Equivalence

		जुना अभ्यासक्रम		नवा अभ्यासक्रम
सत्र क्र. Sem.	अभ्यास- पत्रिका क्र. Paper No.	अभ्यासपत्रिकेचे नाव	अभ्यास- पत्रिका क्र. Paper No.	अभ्यासपत्रिकेचे नाव
V	VII	काव्यशास्त्र	VII	साहित्यविचार
V	VIII	भाषाविज्ञान आणि मराठी भाषा	VIII	मराठी भाषा व भाषाविज्ञान
V	IX	मराठी वाङ्मयाचा इतिहास	IX	मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (प्रारंभ ते इ.स.१५००)
V	X	मराठी भाषा : उपयोजन आणि सर्जन	X	मराठी भाषा व अर्थार्जनाच्या संधी
V	XI	वाङ्मयप्रवाहांचे अध्ययन (ग्रामीण साहित्य)	XI	वाङ्मयप्रवाहाचे अध्ययन : मध्ययुगीन
VI	XII	काव्यशास्त्र	XII	साहित्यविचार
VI	XIII	भाषाविज्ञान आणि मराठी भाषा	XIII	मराठी भाषा व भाषाविज्ञान
VI	XIV	मराठी वाङ्मयाचा इतिहास	XIV	मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (इ.स.१५०० ते १८००)
VI	XV	मराठी भाषा : उपयोजन आणि सर्जन	XV	मराठी भाषा व अर्थार्जनाच्या संधी
VI	XVI	वाङ्मयप्रवाहांचे अध्ययन (दलित साहित्य)	XVI	वाङ्मयप्रकाराचे अध्ययन : ललित गद्य (व्यक्तिचित्रे)

सूचना : १. सत्र पाच (V) साठी विद्यापीठाने प्रत्येक अभ्यासपत्रिकेनुरूप अंतर्गत मूल्यमापनासाठी १० गुणांसाठी सेमिनार सुचविला आहे. सदर सेमिनारसाठी त्या त्या अभ्यासपत्रिकेच्या अभ्यासक्रमानंतर सेमिनार विषय दिले आहेत. त्यापैकी एका विषयावर प्रत्येक विद्यार्थ्याने सादरीकरण करणे आवश्यक आहे. त्यामध्ये विषयानुसार उद्दिष्टे, प्रास्ताविक, विषयविवेचन, निष्कर्ष आणि संदर्भ या सूत्रानुरूप सादरीकरण गरजेचे आहे. ज्या विषयावर सेमिनार दिला आहे त्याची टिपणे विद्यार्थी व संबंधित विषय शिकविणाऱ्या शिक्षकांच्या स्वाक्षरीसह महाविद्यालयाच्या विभागात जतन करून ठेवणे आवश्यक आहे.

२. सत्र सहा (VI) साठी विद्यापीठाने प्रत्येक अभ्यासपत्रिकेनुरूप अंतर्गत मूल्यमापनासाठी १० गुणांचा गटप्रकल्प (Group Project) सूचविला आहे. सदर गटप्रकल्पासाठी त्या त्या अभ्यासपत्रिकेच्या अभ्यासक्रमानंतर गटप्रकल्प विषय सुचविले आहेत. त्यापैकी एका विषयावर गटप्रकल्प सादर करणे आवश्यक. गटप्रकल्प तयार करताना शीर्षक, उद्दिष्टे, प्रास्ताविक, गहीतके, विषयाचे महत्त्व, विषयविवेचन, निष्कर्ष आणि संदर्भ या क्रमाने गटप्रकल्प तयार करावा. एका गटप्रकल्पासाठी कमाल ५ विद्यार्थी मर्यादा असावी. ज्या विषयावर गटप्रकल्प तयार केला आहे; त्यावर गटप्रकल्पकांची व संबंधित विषय शिकविणाऱ्या शिक्षकांची स्वाक्षरी घेऊन सदर प्रकल्प विभागात जतन करून ठेवावेत.

३. सेमिनार व गटप्रकल्पसंदर्भात विषयाची निवड करताना विद्यापीठाने सूचित केलेल्या विषयाबरोबर त्या त्या अभ्यासपत्रिकेनुरूप आणखी काही नावीन्यपूर्ण विषयांची निवड करण्यास स्वातंत्र्य दिले आहे.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi
पसंतीवर आधारित श्रेयांक पद्धती
Choice Based Credit System

Structure of Programme

Revised syllabus B. A. Part III (MARATHI)

Introduced from June 2020 onwards

Sr.No.	सत्र क्र. Sem.	अभ्यासपत्रिकेचे नाव	अभ्यास- पत्रिका क्र. Paper No.	Workload	Credits	Total Credits	Theory Marks	Term work/ Seminar
1	V	साहित्यविचार	VII	4 lectures/ week	4	20	40	10
2	V	मराठी भाषा व भाषाविज्ञान	VIII	4 lectures/ week	4		40	10
3	V	मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (प्रारंभ ते इ.स.१५००)	IX	4 lectures/ week	4		40	10
4	V	मराठी भाषा व अर्थार्जनाच्या संधी	X	4 lectures/ week	4		40	10
5	V	वाङ्मयप्रवाहाचे अध्ययन : मध्ययुगीन	XI	4 lectures/ week	4		40	10
Sr.No.	सत्र क्र. Sem.	अभ्यासपत्रिकेचे नाव	अभ्यास- पत्रिका क्र. Paper No.	Workload	Credits	Total Credits	Theory Marks	Term work/ Group project
6	VI	साहित्यविचार	XII	4 lectures/ week	4	20	40	10
7	VI	मराठी भाषा व भाषाविज्ञान	XIII	4 lectures/ week	4		40	10
8	VI	मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (इ.स.१५०० ते १८००)	XIV	4 lectures/ week	4		40	10
9	VI	मराठी भाषा व अर्थार्जनाच्या संधी	XV	4 lectures/ week	4		40	10
10	VI	वाङ्मयप्रकाराचे अध्ययन : ललितगद्य (व्यक्तिचित्रे)	XVI	4 lectures/ week	4		40	10

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

पसंतीवर आधारित श्रेयांक पद्धती

Choice Based Credit System

बी.ए. भाग-३ : B.A. Part-III

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2020 onward

सत्र-५ : Semester No. V : अभ्यासपत्रिका क्र. VII

Discipline Specific Elective (DSE-E1)

विद्याशाखीय विशेष निवड (DSE-E1)

साहित्यविचार

उद्दिष्टे :

१. पौर्वात्य, पाश्चात्य व आधुनिक भारतीय साहित्यशास्त्राचे स्वरूप समजून घेणे.
२. ललित व ललितेतर साहित्याचे स्वरूप समजून घेणे.
३. साहित्य प्रयोजनांचे आकलन करून घेणे.
४. साहित्याची निर्मितीप्रक्रिया आणि त्याचे स्वरूप आकलन करून घेणे.
५. भाषेतील अलंकार समजून घेणे.

अभ्यासक्रम

अ. क्र. Sr. No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	<p>साहित्याचे स्वरूप</p> <p>■ साहित्याच्या व्याख्या</p> <ul style="list-style-type: none">● पौर्वात्य - भामह, मम्मट, आनंदवर्धन, विश्वनाथ● पाश्चात्य - वर्डस्वर्थ, कोर्टहोप, मॅथ्यू अर्नोल्ड, कार्लाइल● आधुनिक - विनोबा भावे, अ. वा. कुलकर्णी, गंगाधर गाडगीळ, वि. ना. ढवळे, <p>■ ललित व ललितेतर साहित्य</p> <p>■ ललित साहित्यातून व्यक्त होणाऱ्या अनुभवांचे विशेष-संवेदनात्मकता, भावनात्मकता, वैचारिकता, सेंद्रियता, सूचकता, विशिष्टता, विश्वात्मकता</p>	१५	१

विभाग २ Module 2	<p>साहित्याचे प्रयोजन</p> <ul style="list-style-type: none"> ● प्रयोजन म्हणजे काय ? ● प्रयोजन आणि परिणाम यातील फरक ■ साहित्याची प्रयोजने : <p>१) यश किंवा कीर्ती २) व्यवहारज्ञान ३) आनंद ४) उद्बोधन ५) आत्माविष्कार ६) जिज्ञासापूर्ती ७) जीवनानुभूती ८) इच्छापूर्ती अथवा स्वप्नरंजन ९) पलायनवाद (Escapism)</p>	१५	१
घटक ३ Module 3	<p>साहित्यनिर्मितीची कारणे</p> <ul style="list-style-type: none"> ● साहित्यनिर्मितीचे स्वरूप ● साहित्यनिर्मितीची कारणे <p>१) प्रतिभा - स्वरूप व वैशिष्ट्ये (प्रतिभाव्यापार, प्रतिभेचे अलौकिकत्व, अपूर्वनिर्मितिक्षम प्रतिभा, प्रतिभा ही वेडाची बहीण) २) बहुश्रुतता ३) अभ्यास ४) भावनात्मकता ५) संवेदनशीलता ६) उत्प्रेक्षा ७) चमत्कृती ८) स्वास्थ्य (शारीरिक, मानसिक) ९) साहित्यिकाचा जीवनविषयक दृष्टिकोण</p>	१५	१
घटक ४ Module 4	<p>अलंकार</p> <p>१) अतिशयोक्ती २) स्वभावोक्ती ३) दृष्टान्त ४) उपमा ५) अनुप्रास ६) रूपक (व्याख्या, स्वरूप आणि उदाहरणे अपेक्षित)</p>	१५	१

* प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप व गुणविभागणी *

Pattern of Question Paper

एकूण गुण - ४० : Total Marks-40

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	०५ गुण
प्रश्न २	अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५ गुण
प्रश्न ३	अंतर्गत विकल्पासह लघूत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ४	अलंकार (चार पैकी दोन)	१० गुण

सूचना :

१. विभाग चार वर वस्तुनिष्ठ प्रश्न असणार नाहीत.
२. अंतर्गत मूल्यमापनाकरिता सेमिनारसाठी दहा गुण आहेत.

सेमिनार विषय :

- विविध साहित्य प्रवाहातील कोणत्याही एका साहित्यकृतीचे किंवा अनुवादित साहित्यकृतीचे परीक्षण करून सादरीकरण करणे.
- कोणत्याही भाषेतील एका चित्रपट वा नाटकाचे परीक्षण करून सादरीकरण करणे.

मूलभूत वाचन :

१. जोग, रा. श्री. अभिनव काव्यप्रकाश, व्हीनस प्रकाशन, पुणे, आवृत्ती ७ वी, १९७५
२. गाडगीळ, स. रा. काव्यशास्त्रप्रदीप, व्हीनस प्रकाशन, पुणे, आवृत्ती ४ थी, जानेवारी, १९९३
३. गोविलकर, लीला भारतीय साहित्यविचार, स्नेहवर्धन, पुणे, २००३
४. वाळंबे, मो. रा. सुगम मराठी व्याकरण, नितीन प्रकाशन, पुणे
५. देशपांडे, अ. ना. (संपा.) विनोबांची साहित्यदृष्टी, परमधाम प्रकाशन, पवनार, वर्धा, १९७५
६. कुलकर्णी, अ. वा. साहित्यविचार, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे, आ.दु. १९९७
७. गाडगीळ, गंगाधर खडक आणि पाणी, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई, १९६०.
८. ढवळे, वि. ना. साहित्याचे तत्त्वज्ञान, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे

पूरक वाचन :

१. उपासे, शिवशंकर काव्यशास्त्र परिचय, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर, २०१३
२. कंगले, र. पं. प्राचीन काव्यशास्त्र, मौज प्रकाशन, मुंबई, १९७४
३. देशमुख, मा. गो. मराठीचे साहित्यशास्त्र, (ज्ञानेश्वर ते रामदास)
४. डॉ. नगेंद्र भारतीय काव्यशास्त्राचे मूल प्रश्न, सुविचार, नागपूर, पुणे, १९६७
(अनुवादक : शैलजा करंदीकर)

संदर्भ ग्रंथ :

१. जाधव, उदय काव्यशास्त्र : आकलन आणि आस्वाद, लोकपाल पब्लिकेशन, औरंगाबाद प्रथमावृत्ती, ५ सप्टेंबर, २०१३
२. पुंडे, दत्तात्रय व तावरे, स्नेहल (संपा.) साहित्य विचार, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे, प्रथमावृत्ती, फेब्रुवारी, १९९५
३. पाटील, म. सु. भारतीयांचा साहित्यविचार, चेतश्री प्रकाशन, अमळनेर
४. वासमकर, वि. दा. मराठीतील कलावादी समीक्षा, अक्षरदीप प्रकाशन, कोल्हापूर, आ. प. २०१८
५. करंदीकर, गो. वि. ऑरिस्टॉटलचे काव्यशास्त्र, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई
६. जाधव, मा. मा. अक्षरगाथा (मराठी साहित्यविचार विशेषांक) मासिक, नांदेड, एप्रिल, २०१४

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

पसंतीवर आधारित श्रेयांक पद्धती

Choice Based Credit System

बी.ए. भाग-३ : B.A. Part-III

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2020 onward

सत्र-५ : Semester No. 5 : अभ्यासपत्रिका क्र. VIII

Discipline Specific Elective (DSE-E2)

विद्याशाखीय विशेष निवड (DSE-E2)

मराठी भाषा व भाषाविज्ञान

उद्दिष्टे :

१. भाषोत्पत्तीचा अभ्यास करणे.
२. भाषाविज्ञानाचा परिचय करून घेणे.
३. भाषाविज्ञान आणि मराठी भाषा यांचा सहसंबंध जाणून घेणे.
४. स्वनविचार, रूपविचार व वाक्यविचारांचा परिचय करून घेणे.
५. मराठी भाषेविषयी विद्यार्थ्यांची आवड विकसित करणे.

अभ्यासक्रम

अ. क्र. Sr. No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	भाषोत्पत्ती विचार ● भाषेची उत्पत्ती – ईश्वरनिर्मित, राजनिर्मित, समाजनिर्मित ● भाषेच्या उत्पत्तीच्या उपपत्ती/सिद्धांत १. इंगित (Gesture) २. मुखाभिनय (Oral Gesture) ३. अनुकरण (Bow-Bow) ४. रणन (Ding Dong) ५. भावनाभिव्यक्ती (Pooh-Pooh) ६. श्रमपरिहार (Yo-he-Yo) ७. प्रेमगानमूलक (Sing-Song) ८. संपर्क (Contact) ९. क्रीडासक्ती (Play-Way) १०. समन्वय उपपत्ती/सिद्धांत	१५	१
विभाग २ Module II	भाषेचे स्वरूप, व्याख्या आणि वैशिष्ट्ये ● भाषा म्हणजे काय ? ● भाषेच्या व्याख्या : कृ. पां. कुलकर्णी, ना. गो. कालेलकर, श्री. न. गजेंद्रगडकर ● भाषेचे स्वरूप : समाजव्यवहाराचे साधन, ध्वनिमाध्यमता, प्रतीकात्मकता, संकेतबद्धता, भाषा – एक पद्धती, भाषा मानवी आहे. ● सी. एफ. हॉकेटने सांगितलेली भाषेची सात वैशिष्ट्ये दुहेरीपण, निर्मितक्षमता, कार्यकारण संबंधाचा अभाव, यादृच्छिकता, अदलाबदलीची शक्यता, विशिष्टीकरण, स्थलकालातीतता, सांस्कृतिक संक्रमण या शिवाय – सामाजिक संस्था, अर्जित भाषा, परिवर्तनशीलता, रैखिकता इ. वैशिष्ट्यांचा विचार	१५	१

विभाग ३ Module III	स्वनिम व रूपिम विचार (स्थूल परिचय) अ. स्वनिम विचार १. स्वन २. स्वनिम ३. स्वनांतर (संकल्पना, स्वरूप, प्रकार) ब. रूपिम विचार १. रूप २. रूपिम ३. रूपिकांतर (संकल्पना, स्वरूप, प्रकार)	१५	१
विभाग ४ Module IV	वाक्यविचार ● पदबंध व वाक्याचे स्वरूप ● वाक्याचे प्रकार केवलवाक्य व त्याचे प्रकार, मिश्रवाक्य व त्याचे प्रकार, संयुक्त वाक्य व त्याचे प्रकार, वाक्याचे पृथक्करण	१५	१

एकूण गुण - ४० : Total Marks-40

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	०५ गुण
प्रश्न २	अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५ गुण
प्रश्न ३	अंतर्गत विकल्पासह लघूत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ४	टिपा लिहा (चार पैकी दोन)	१० गुण

सूचना :

१. अंतर्गत मूल्यमापनाकरिता सेमिनारसाठी दहा गुण आहेत.

सेमिनार विषय :

- स्वन-स्वनिम, रूप-रूपिम पैकी कोणत्याही एका घटकाच्या अनुषंगाने प्रात्यक्षिकांसह सादरीकरण अपेक्षित.
- कोणत्याही एका साहित्यकृतीच्या निवडक भागातील वाक्यांचे प्रकार, पृथक्करण, विश्लेषणासह सादरीकरण अपेक्षित.

मूलभूत वाचन :

१. जोशी, प्र. न. सुबोध भाषाशास्त्र, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
२. गवळी, अनिल भाषाविज्ञान आणि मराठी भाषा, हिरण्यकेशी प्रकाशन, कोल्हापूर
३. धोंगडे, रमेश भाषा आणि भाषाविज्ञान, दिलीपराज प्रकाशन, पुणे
४. कानडे, मु. श्री. (संपा.) मराठीचा भाषिक अभ्यास, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
५. गर्जेन्द्रगडकर, श्री. न. भाषा आणि भाषाशास्त्र, व्हीनस प्रकाशन, पुणे
६. हिरेमठ, राजशेखर मराठी व्याकरण परिचय, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे
७. Hocket C.F. A course in Modern Linguistics, Oxford, New York, 1958

पूरक वाचन :

१. कुलकर्णी, कृ. पां. मराठी भाषा : उद्गम आणि विकास, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे
२. मालशे, मिलिंद आधुनिक भाषाविज्ञान : सिद्धांत आणि उपयोजन, लोकवाङ्मयगृह, मुंबई
३. कुलकर्णी, सुलक्षणा व भाषाविज्ञान परिचय, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर
कुबेर, वसंत
४. दामले, मो. के. शास्त्रीय मराठी व्याकरण, दामोदर सावळाराम आणि मंडळी, पुणे

संदर्भ ग्रंथ :

१. मालशे, पुंडे, सोमण (संपा.) भाषाविज्ञानपरिचय, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे
२. पुंडे, द. दि. सुलभ भाषाविज्ञान, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
३. कदम, महेंद्र मराठीचे वर्णनात्मक भाषाविज्ञान, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
४. काळे, कल्याण/सोमण, अंजली (संपा.) आधुनिक भाषाविज्ञान, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे
५. पाटील, व्ही. एन. सुलभ भाषाविज्ञान व मराठी व्याकरण, प्रशांत पब्लिकेशन्स, जळगाव,
आ.दु. २, २०१६
६. भांड, बाबा व मगर, राजेंद्र भाषा आणि साहित्य, माझी भूमिका : सयाजीराव गायकवाड, महाराजा
सयाजीराव गायकवाड संशोधन व प्रशिक्षण संस्था, औरंगाबाद, २०२०
७. लामतुरे, प्रज्ञा ग्रामीण बोलीभाषेचे वैभव, संस्कृती प्रकाशन, पुणे, २०१२
८. जाधव, मा. मा. (संपा.) अक्षरगाथा (मराठी भाषा विशेषांक), मासिक, नांदेड, ऑक्टोबर, २०१३

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

पसंतीवर आधारित श्रेयांक पद्धती

Choice Based Credit System

बी.ए. भाग-३ : B.A. Part-III

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2020 onward

सत्र-५ : Semester No. 5 : अभ्यासपत्रिका क्र. IX

Discipline Specific Elective (DSE-E3)

विद्याशाखीय विशेष निवड (DSE-E3)

मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (प्रारंभ ते इ.स.१५००)

उद्दिष्टे :

१. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा कालिक अभ्यास करणे.
२. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा स्थूल परिचय करून घेणे.
३. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचे स्वरूप, वैशिष्ट्ये अभ्यासणे.
४. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयातील महत्त्वाचे ग्रंथकार आणि ग्रंथ यांचा स्थूल परिचय करून घेणे.
५. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाच्या गद्य, पद्य रचनेचे विशेष अभ्यासणे.

अभ्यासक्रम

अ. क्र. Sr. No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	■ मराठी वाङ्मयाचा प्रारंभकाळ ते इ.स. १२०० पर्यंत अ) विवेकसिंधूपूर्वकालीन रचना कुवलयमाला, मानसोल्लास, राजमतिप्रबोध, अमरनाथ संवाद, गोरक्षगीता इ. ब) मराठीतील आद्य ग्रंथकार मुकुंदराज यांची रचना विवेकसिंधू, पवनविजय, परमामृत क) मराठीतील आद्य कवयित्री महदंबा यांची रचना धवळे (पूर्वार्ध व उत्तरार्ध), मातृकी रुक्मिणीस्वयंवर	१५	१
विभाग २ Module II	■ इ. स. १२०० ते १३०० (स्थूल कालखंड) अ) महानुभावीय गद्य वाङ्मय म्हाडंभट - लीळाचरित्र, श्री. गोविंदप्रभूचरित्र व इतर रचना केसोबास - सूत्रपाठ, दृष्टांतपाठ, स्मृतिस्थळ	१५	१

अ. क्र. Sr. No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग २ Module II	ब) महानुभावीय पद्य वाङ्मय सातीग्रंथ (ग्रंथ व ग्रंथकार स्थूल परिचय) नरेंद्र - रुक्मिणी स्वयंवर भास्करभट्ट बोरीकर - शिशुपालवध, उद्धवगीता किंवा एकादशस्कंध दामोदर पंडित - वछाहरण पंडित विश्वनाथ - ज्ञानप्रबोध खळोव्यास - सह्याद्रिवर्णन नारायणपंडित - श्री ऋद्धिपूरवर्णन	१५	१
विभाग ३ Module III	इ. स. १३०० ते १४०० (स्थूल कालखंड) अ) ज्ञानेश्वरांचे वाङ्मयीन कार्य ज्ञानेश्वरी, अमृतानुभव, चांगदेवपासष्टी, हरिपाठाचे अभंग व इतर रचना ब) नामदेवांची अभंगरचना क) सावता माळी, गोरोबा कुंभार, मुक्ताबाई, सेना महाराज, नरहरी सोनार, चोखामेळा, जनाबाई, कान्होपात्रा यांच्या रचना	१५	१
विभाग ४ Module IV	इ. स. १४०० ते १५०० (स्थूल कालखंड) अ) अन्य संप्रदायातील प्रमुख ग्रंथकार आणि त्यांची ग्रंथरचना सत्यमालनाथ, चोंभा (नाथ संप्रदाय) शांतलिंग आणि मन्मथशिवलिंग (लिंगायत संप्रदाय) गुणकीर्ती व जिनदासनामा (जैन मराठी कवी) नृसिंह सरस्वती आणि दासोपंत (दत्त संप्रदाय) अज्ञानसिद्ध व बहिराजातवेद (नागेश संप्रदाय) शेख महंमद आणि हुसेन अंबरखान (मुस्लीम मराठी कवी) फादर स्टीफन्स, फादर क्रुवा (ख्रिस्ती मराठी कवी)	१५	१

* प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप व गुणविभागणी *

Pattern of Question Paper

एकूण गुण - ४० : Total Marks-40

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	०५ गुण
प्रश्न २	अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५ गुण
प्रश्न ३	अंतर्गत विकल्पासह लघूत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ४	टिपा लिहा (चार पैकी दोन)	१० गुण

सूचना :

१. अंतर्गत मूल्यमापनाकरिता सेमिनारसाठी दहा गुण आहेत.

सेमिनार विषय :

- १) मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयातील कोणत्याही एका ग्रंथकाराच्या रचना विशेषावर सादरीकरण.
- २) कोणत्याही एका संत कवीच्या काव्यातील सामाजिकतेवर सादरीकरण.
- ३) कोणत्याही एका संत कवयित्रीच्या कवितेतील आत्मनिष्ठा यावर आधारित सादरीकरण.

मूलभूत वाचन :

१. नसिराबादकर, ल. रा.
२. पठाण, यू. म.
३. देशपांडे, अ. ना.
४. पांगारकर, ल. रा.
५. पसारकर, शे. दे.

प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर
महानुभाव साहित्य संशोधन खंड १, मराठवाडा विद्यापीठ प्रकाशन, औरंगाबाद
प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास खंड १ ते ४
प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास खंड १ ते ३, महाराष्ट्र साहित्य परिषद
प्रकाशन, पुणे
वेलू गेला गगनावरी, सुविद्या प्रकाशन, सोलापूर

पूरक वाचन :

१. शेणोलीकर, ह. श्री.
२. पांगारकर, ल. रा.
३. तुळपुळे, शं. गो.
४. मांडवकर, भाऊ
५. इनामदार, हे. वि. (संपा.)
६. उपासे, शिवशंकर
७. उपासे, शिवशंकर (संपा.)
८. पसारकर, शे. दे. (संपा.)
९. केळुसकर, कृष्णराव
१०. फाटक, न. र.
११. परमार्ग सेवक श्री बाळकृष्णशास्त्री
महानुभाव

प्राचीन मराठी वाङ्मयाचे स्वरूप, व्हीनस प्रकाशन, पुणे
मराठी वाङ्मयाचा इतिहास खंड १ व २,
मराठी वाङ्मयाचा इतिहास, महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे
संत नामदेव दर्शन, सेवा प्रकाशन, अमरावती
संत नामदेव काव्यसंभार आणि संत परिवार
महाराष्ट्र भूषण सहा संत साहित्यिक, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर, २०१२
शांतलिंगकृत कर्णहंस, प्रका. शरण संस्कृती अध्ययन केंद्र, सिद्ध संस्थान
मठ, निडसोसी, ता. हुक्करी, जि. बेळगाव
श्री मन्मथशिवलिंगकृत परमरहस्य, शैवभारती शोध प्रतिष्ठान, वाराणसी, २००१
संत तुकाराम, साकेत प्रकाशन, औरंगाबाद
श्री एकनाथ : वाङ्मय आणि कार्य, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई
महानुभावपंथ, प. पू. मधुकरशास्त्री कवीश्वर, पंचकमिटी संस्थान,
श्री देवदेवेश्वर, माहूर, आ. आठवी, २०१४

संदर्भ ग्रंथ :

१. देऊळगावकर, चंद्रकांत (संपा.)
१. पाटील, तानाजी
२. सुंठणकर, बा. र.
३. सरदार, गं. बा.
४. जाधव, रा. ग.
५. जाधव, रा. ग.
६. कामत, अशोक व बडवे, सतीश (संपा.)
७. देशमुख, उषा
८. पाटील, सदाशिव
९. घोणसे, शामा
१०. प्रियोळकर, अ. का.
११. ढेरे, रा. चिं.
१२. पठाण, यू. म.
१३. मोरजे, गंगाधर
१४. उपाध्ये, बाबुराव
१५. इल्लेकर, सुहासिनी
१६. अक्कोळे, सुभाषचंद्र
१७. पाटंगणकर, विद्यासागर
१८. होनमाने, धनंजय

मन्मथस्वामी व्यक्ती आणि वाङ्मय, प्रका. शैवभारती शोध प्रतिष्ठान,
जंगमवाडी मठ, वाराणसी
संत साहित्यातील सामाजिकता, विश्वकर्मा पब्लिकेशन, पुणे
महाराष्ट्रीय संतमंडळीचे ऐतिहासिक कार्य, बेळगाव
संत वाङ्मयाची सामाजिक फलश्रुती, म. सा. प. पुणे
आनंदाचा डोह, प्राज्ञ पाठशाळा मंडळ, वाई
वागर्थ, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे
संत नामदेवविषयक अभ्यास, आळंदी
मांदियाळी, माया प्रकाशन, नागपूर
तुकाराम आणि कबीर, दर्या प्रकाशन, पुणे
वीरशैवांचे मराठी-हिंदी वाङ्मय : एक अभ्यास, शैवभारती शोध प्रतिष्ठान,
जंगमवाडी मठ, वाराणसी
मुसलमानांची जुनी मराठी कविता
मुसलमान मराठी संतकवी, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे
मुसलमान (सुफी) संतांचे मराठी साहित्य
मराठी ख्रिस्ती वाङ्मय, फादर स्टिफन्स ते १९६०, अहमदनगर
संत गोरा कुंभार : वाङ्मय दर्शन, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
संत कवी आणि कवयित्री : एक अनुबंध, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
प्राचीन मराठी जैन साहित्य, सुविचार प्रकाशन, नागपूर
मराठी संत कवयित्रींचा इतिहास, साहित्य अकादमी, नवी दिल्ली
तंजावरची मराठी कीर्तनपरंपरा, स्नेहवर्धन, पुणे, २०१७

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

पसंतीवर आधारित श्रेयांक पद्धती

Choice Based Credit System

बी.ए. भाग-३ : B.A. Part-III

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2020 onward

सत्र-५ : Semester No. V : अभ्यासपत्रिका क्र. X

Discipline Specific Elective (DSE-E4)

विद्याशाखीय विशेष निवड (DSE-E4)

मराठी भाषा व अर्थार्जनाच्या संधी

पाठ्यपुस्तक : मराठी भाषा व अर्थार्जनाच्या संधी (संपादन)

शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन, कोल्हापूर

उद्दिष्टे :

१. सर्जनशील लेखनप्रक्रिया समजून घेणे.
२. वैचारिक लेखनाचे स्वरूप अभ्यासणे.
३. शोधनिबंध व प्रकल्पलेखन कौशल्य समजून घेणे.
४. आंतरजालावरील मराठी लेखनपद्धती अभ्यासणे.

अभ्यासक्रम

अ. क्र. Sr. No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	सर्जनशील लेखन ■ सर्जनशील लेखन – संकल्पना व स्वरूप ● कथा – संकल्पना, स्वरूप ● कथेचे घटक ● प्रात्यक्षिकासह कथालेखन	१५	१
विभाग २ Module II	वैचारिक लेखन ● वैचारिक लेखन : संकल्पना व स्वरूप ● वैचारिक लेखनाची पद्धत ● वैचारिक लेखनाचे प्रकार ● प्रात्यक्षिकासह वैचारिक लेखन	१५	१

अ. क्र. Sr. No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग ३ Module III	<p>शोधनिबंध व प्रकल्पलेखन (स्थूल परिचय)</p> <ul style="list-style-type: none"> ● संशोधन : संकल्पना, स्वरूप, महत्त्व ● संशोधनपर लेखनप्रकार परिचय १. शोधनिबंध – स्वरूप व पद्धती २. संशोधन प्रकल्प – स्वरूप व पद्धती ३. प्रबंधिका ४. प्रबंध ● संशोधनपर लेखनाची पथ्ये व भाषा 	१५	१
विभाग ४ Module IV	<p>आंतरजालावरील (Internet) मराठी</p> <ul style="list-style-type: none"> ● आंतरजालावरील मराठीविषयक लेखनाचे स्वरूप ● नोंदी लेखन, विश्वकोश, विकिपीडिया इ. ● आंतरजालावरील मराठी संकेतस्थळांचा परिचय १. राज्य मराठी विकास संस्था २. महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळ ३. भाषा संचालनालय ४. मराठी भाषा विभाग, महाराष्ट्र शासन ५. मराठी साहित्य परिषद, पुणे ६. विश्वकोश मंडळ ७. इतर संकेतस्थळे – साहित्य अकादमी, नॅशनल बुक ट्रस्ट, भारतीय भाषा संस्थान, म्हैसूर इ. ● प्रात्यक्षिकासह आंतरजालावर मराठीविषयक लेखन 	१५	१

* प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप व गुणविभागणी *

Pattern of Question Paper

एकूण गुण – ४० : Total Marks-40

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	०५ गुण
प्रश्न २	अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५ गुण
प्रश्न ३	अंतर्गत विकल्पासह लघूत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ४	टिपा लिहा (चार पैकी दोन)	१० गुण

सूचना : १. प्रश्न क्र. ४ मध्ये ४ पैकी २ प्रश्न उपयोजनावर आधारित असतील.

२. अंतर्गत मूल्यमापनाकरिता सेमिनारसाठी दहा गुण आहेत.

सेमिनार विषय :

१. भाषा, साहित्य, संस्कृती व माध्यमविषयक कोणत्याही एका विषयावर शोधनिबंधाचे सादरीकरण करणे.

मूलभूत वाचन :

१. जोशी, सुधा कथा संकल्पना आणि समीक्षा, मौज प्रकाशन, मुंबई, २००२
२. सारंग, विलास सर्जनशोध आणि लिहिता लेखक, मौज प्रकाशन, मुंबई
३. मालशे, मिलिंद (संपा.) शोधनिबंधाची लेखनपद्धती (सुधारित आवृत्ती) लोकवाङ्मय गृह, मुंबई
४. पाटील, आनंद सृजनात्मक लेखन, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे, २००९
५. काळे, कल्याण, पुंडे, द. दि. व्यावहारिक मराठी, निराली प्रकाशन, पुणे, २००७
६. वेलणकर, जयंत प्रबंध कसा लिहावा, साहित्य प्रसारक केंद्र, नागपूर
७. कऱ्हाडे, सदा संशोधन : सिद्धांत आणि पद्धती, लोकवाङ्मय गृह, मुंबई
८. चुनेकर, सु. रा. व पठारे, रंगनाथ (संपा.) संशोधन स्वरूप आणि पद्धती, शि. प्र. संस्था, संगमनेर
९. वरखेडे, रमेश नारायण व वरखेडे, मंगला रमेश संशोधनाचे पद्धतिशास्त्र, उब्ग्रामण्ये इन्स्टिट्यूट ऑफ एज्युकेशन, एक्सलन्स, पुणे
१०. रोकडे, सुहास संगणक व माहिती तंत्रज्ञान, नाथे प्रकाशन, पुणे

पूरक वाचन :

१. नसिराबादकर, ल. रा. व्यावहारिक मराठी, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर
२. रेगे, मे. पुं. (संपा.) नवभारत (मासिक), व्यावहारिक मराठी विशेषांक, प्राज्ञ पाठशाळा मंडळ, वाई, ऑगस्ट-सप्टेंबर, १९८१
३. गवस, राजन; शिंदे, अरुण व पाटील, गोमटेश्वर भाषिक सर्जन आणि उपयोजन, दर्या प्रकाशन, पुणे, २०१२
४. गोविलकर, लीला पाटणकर, जयश्री व्यावहारिक मराठी, स्नेहवर्धन पब्लिशिंग हाऊस, पुणे, २००७
५. शेख, यास्मिन मराठी लेखन मार्गदर्शिका, राज्य मराठी विकास संस्था व शुभदा सारस्वत प्रकाशन, पुणे, १९९९/सुधारित तिसरी आवृत्ती, राज्य मराठी विकास संस्था, मुंबई, डिसें. २०१७
६. शिकारपूरकर, दीपक दिव्यांगमित्र संगणक, उत्कर्ष प्रकाशन, पुणे
७. शेख, यास्मिन मराठी हस्तलेखन कोश, दुसरी आवृत्ती, हर्मिस प्रकाशन, पुणे, २०१५

संदर्भ ग्रंथ :

१. तौर, पृथ्वीराज मराठी भाषिक कौशल्ये विकास, अथर्व पब्लिकेशन्स, धुळे, २०१८
२. जोशी, प्रभाकर व वले, वासुदेव उपयोजित मराठी भाग १, प्रशांत पब्लिकेशन्स, जळगाव, २०१७
३. सारंग, विलास सर्जनशोध आणि लिहिता लेखक, मौज प्रकाशन, मुंबई
४. पाटील, आनंद सृजनात्मक लेखन, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे
५. लोखंडे, शशिकांत नवी जाणीव, लोकवाङ्मय गृह, मुंबई, २०१२
६. गवळी, अनिल मराठी भाषा : आज आणि उद्या, दर्या प्रकाशन, पुणे, २०१८
७. गवळी, अनिल व मोरे, नंदकुमार भाषासंवाद, सायन पब्लिकेशन, पुणे, २०१३
८. कांबळे, विनोद सर्जननंदी, वाचनकट्टा प्रकाशन, प्रा. लि., कोल्हापूर, २०१९
९. वरखेडे, मंगला प्रकल्प अभ्यास, नाशिक

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

पसंतीवर आधारित श्रेयांक पद्धती

Choice Based Credit System

बी.ए. भाग-३ : B.A. Part-III

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2020 onward

सत्र-५ : Semester No. V : अभ्यासपत्रिका क्र. XI

Discipline Specific Elective (DSE-E5)

विद्याशाखीय विशेष निवड (DSE-E5)

वाङ्मय प्रवाहाचे अध्ययन : मध्ययुगीन

पाठ्यपुस्तक : दृष्टांतपाठ-निवडक दृष्टांत (संपादन)

शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन, कोल्हापूर

उद्दिष्टे :

१. मध्ययुगीन महाराष्ट्र व महानुभाव पंथ यांचा परिचय करून घेणे.
२. महानुभाव वाङ्मयाच्या प्रेरणा व स्वरूप समजून घेणे.
३. महानुभावीय ग्रंथकार केसोबास यांचा परिचय करून घेणे.
४. दृष्टांतपाठातील आशयस्वरूप व अभिव्यक्ती विशेष अभ्यासणे.
५. दृष्टांतपाठातील भाषिक वैभवाचा परिचय करून घेणे.

अभ्यासक्रम

अ. क्र. Sr. No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	● मध्ययुगीन महाराष्ट्र आणि महानुभावीय गद्याच्या प्रेरणा व स्वरूप ● महानुभाव गद्य ग्रंथकार केसोबास यांचा परिचय ● दृष्टांतपाठाचे स्वरूप	१५	१
विभाग २ Module II	■ दृष्टांतपाठातील आशयसूत्रे ● सामाजिकता ● सांस्कृतिकता ● प्रादेशिकता ● पंथीय निष्ठा ● तत्त्वज्ञान व मूल्यविचार	१५	१
विभाग ३ Module III	■ दृष्टांतपाठातील अभिव्यक्ती विशेष ● निवेदन/कथनशैली ● व्यक्तिचित्रणे ● घटना, प्रसंगवर्णने ● प्रतिमा व प्रतीके ● रचनाविशेष	१५	१
विभाग ४ Module IV	■ दृष्टांतपाठातील भाषावैभव ● शब्दसौष्टव ● अल्पाक्षरत्व ● सुलभ रचनाविशेष ● म्हणी, वाक्प्रचार, उखाणे ● अलंकार वैभव ● व्याकरणिक विशेष	१५	१

* प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप व गुणविभागणी *

Pattern of Question Paper

एकूण गुण - ४० : Total Marks-40

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	०५ गुण
प्रश्न २	अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५ गुण
प्रश्न ३	अंतर्गत विकल्पासह लघूत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ४	टिपा लिहा (चार पैकी दोन)	१० गुण

सूचना : १. विभाग एकवर वस्तुनिष्ठ प्रश्न असणार नाहीत.

२. अंतर्गत मूल्यमापनाकरिता सेमिनारसाठी दहा गुण आहेत.

सेमिनार विषय :

मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयातील कोणत्याही एका साहित्यकृतीआधारे सामाजिक, सांस्कृतिक, मूल्यविचार, भाषाविशेष इत्यादींपैकी कोणत्याही एका विषयानुषंगाने सादरीकरण करणे.

मूलभूत वाचन :

१. तुळपुळे, शं. गो. (संपा.) दृष्टांतपाठ, केशिराज संकलित, व्हीनस प्रकाशन, पुणे
२. कोलते, वि. भि. महानुभाव तत्त्वज्ञान, अरुण प्रकाशन, मलकापूर
३. कोलते, वि. भि. महानुभाव आचारधर्म, अरुण प्रकाशन, मलकापूर
४. राजनकर, सुहास दृष्टांतपाठ : अन्वय आणि चिकित्सा, ऋचा प्रकाशन, नागपूर
५. कुंदप, कोमल कन्हैया चक्रधर निरुपन दृष्टांतपाठ विवेचन, सातारा

पूरक वाचन :

१. पठाण, यू. म. महानुभाव साहित्य संशोधन खंड १, मराठवाडा विद्यापीठ प्रकाशन, औरंगाबाद
२. पंजाबी, माधव (संपा.) श्री. च. पाणी व्यासकृत दृष्टांत अन्वय व्याख्यान
३. आवलगावकर, रमेश महानुभावांची अन्वयस्थळे, चंद्रकांत प्रकाशन, पुणे
४. ढेरे, रा. चिं. प्राचीन मराठीच्या नवधारा, मोघे प्रकाशन, कोल्हापूर

संदर्भ ग्रंथ :

१. पानसे, मु. ग. यादवकालीन महाराष्ट्र, मुंबई मराठी ग्रंथ संग्रहालय, मुंबई
२. बोरगांवकर, वसंत प्राचीन मराठी चरित्रलेखन, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे
३. तुळपुळे, शं. गो. यादवकालीन मराठी भाषा, व्हीनस प्रकाशन, पुणे
४. देशमुख, उषा मराठी साहित्याचे आदिबंध, लोकवाङ्मयगृह, मुंबई
५. ढेरे, रा. चिं. महाराष्ट्राचा देव्हारा, विश्वकर्मा साहित्यालय, पुणे
६. पाठक, अरुणचंद्र स्थानपोथी : एक पुरातत्वीय अभ्यास, म.रा.साहित्य संस्कृती मंडळ, मुंबई

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

पसंतीवर आधारित श्रेयांक पद्धती

Choice Based Credit System

बी.ए. भाग-३ : B.A. Part-III

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2020 onward

सत्र-६ : Semester No. 6 : अभ्यासपत्रिका क्र. XII

Discipline Specific Elective (DSE-E126)

विद्याशाखीय विशेष निवड (DSE-E126)

साहित्यविचार

उद्दिष्टे :

१. शब्दशक्तींचे आकलन करून घेणे.
२. साहित्यातील रसाचे स्वरूप व रसप्रक्रिया समजून घेणे.
३. निर्मितीच्या आनंदाची मीमांसा करणे.
४. व्यवहार भाषा, शास्त्रभाषा आणि साहित्यभाषा यांतील भेद समजून घेणे.
५. साहित्यभाषेचे आकलन करून घेणे.
६. भाषेतील छंद व वृत्ते यांचा अभ्यास करणे.

अभ्यासक्रम

अ. क्र. Sr. No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	<p>शब्दशक्ती</p> <p>■ शब्दशक्ती म्हणजे काय ?</p> <p>१) अभिधा-व्याख्या, स्वरूप व प्रकार (योग, रूढी, योगरूढी)</p> <p>२) लक्षणा - व्याख्या, स्वरूप</p> <p>● लक्षणेस आवश्यक गोष्टी</p> <p>अ) मुख्यार्थबाध ब) मुख्यार्थ-लक्ष्यार्थ संबंध क) रूढी व प्रयोजन</p> <p>● लक्षणेचे महत्त्व</p> <p>३) व्यंजना - व्याख्या, स्वरूप</p> <p>● व्यंजनेचे मुख्य दोन प्रकार</p> <p>अ) शाब्दी व्यंजना ब) आर्थी व्यंजना</p> <p>● व्यंजनेचे साहित्यातील महत्त्व</p>	१५	१

विभाग २ Module 2	<p>अ) रसविचार</p> <ul style="list-style-type: none"> ● रस म्हणजे काय ? ● स्थायिभाव व रस ● भरताचे रससूत्र <p>ब) काव्यानंदमीमांसा</p> <ul style="list-style-type: none"> ● काव्यानंदमीमांसा म्हणजे काय ? ● कवीचा आनंद १) क्रीडानंद २) निर्मितीचा आनंद ३) आत्माविष्कारानंद ● रसिकाचा आनंद १) ज्ञानानंद २) जिज्ञासापूर्ती ३) पुनःप्रत्ययाचा आनंद ● करुणरसानंद १) केवलानंदवाद २) विरेचन (कॅथार्सिस) 	१५	१
घटक ३ Module 3	<p>साहित्याची भाषा</p> <p>१) व्यवहारभाषा, शास्त्रभाषा व साहित्यभाषा : साम्यभेद</p> <p>२) साहित्याचे माध्यम भाषा</p> <p>३) साहित्य भाषेचे सौंदर्य</p> <p>४) साहित्य भाषेची विविधता</p>	१५	१
घटक ४ Module IV	<p>छंद व वृत्ते</p> <p>अ) छंद - १) ओवी २) अभंग ३) मुक्तछंद</p> <p>ब) वृत्ते - १) भुजंगप्रयात २) वसंततिलका ३) दिंडी (व्याख्या, स्वरूप व उदाहरणे अपेक्षित)</p>	१५	१

* प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप व गुणविभागणी *

Pattern of Question Paper

एकूण गुण - ४० : Total Marks-40

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	०५ गुण
प्रश्न २	अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५ गुण
प्रश्न ३	अंतर्गत विकल्पासह लघूत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ४	छंद व वृत्ते (चार पैकी दोन)	१० गुण

सूचना :

१. विभाग चार वर वस्तुनिष्ठ प्रश्न असणार नाहीत.
२. गटप्रकल्पासाठी अंतर्गत मूल्यमापनाकरिता प्रती विद्यार्थ्यांस दहा गुण आहेत.

गटप्रकल्प विषय : साहित्यनिर्मितिप्रक्रिया संदर्भात कोणत्याही एका साहित्यिकाची मुलाखत घेणे.

मूलभूत वाचन :

१. जोग, रा. श्री. अभिनव काव्यप्रकाश, व्हीनस प्रकाशन, पुणे, आवृत्ती ७ वी, जानेवारी, १९७५
२. गाडगीळ, स. रा. काव्यशास्त्रप्रदीप, व्हीनस प्रकाशन, पुणे, आवृत्ती ४ थी, जानेवारी, १९९३
३. वाटवे, के. ना. रसविमर्श, नवीन किताबखाना, पुणे, १९४२
४. वाळंबे, मो. रा. सुगम मराठी व्याकरण लेखन, नितीन प्रकाशन, पुणे
५. नेमाडे, भालचंद्र साहित्याची भाषा, साकेत प्रकाशन, औरंगाबाद, आ. दु. १९९८

पूरक वाचन :

१. जोशी, पं. महादेवशास्त्री सुलभ काव्याशास्त्र, एस. जगन्नाथ आणि कं., पुणे
२. उपासे, शिवशंकर काव्यशास्त्र परिचय, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर, २०१३
३. जाधव, उदय काव्यशास्त्र : आकलन आणि आस्वाद, लोकपाल पब्लिकेशन, औरंगाबाद, प्रथमावृत्ती, ५ सप्टेंबर २०१३
४. शिरवाडकर, के. रं. साहित्यवेध, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे, प्रथमावृत्ती, जानेवारी, १९९८

संदर्भ ग्रंथ :

१. कुरुंदकर, नरहर रससूत्र, इंद्रायणी साहित्य, पुणे.
२. सोनार, ब. लु. भारतीय साहित्य विचार, प्रज्ञा, अमळनेर, १९८८
३. मोरे, मोरेश्वर सखाराम मराठी व्याकरण, चित्रशाळा, पुणे, १९७०
४. वासमकर, वि. दा. मराठीतील कलावादी समीक्षा, अक्षरदीप प्रकाशन, कोल्हापूर, आ. प. २०१८
५. तुकदेव, रोहिणी ओवी छंद : रूप आणि आविष्कार, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे
६. हिरेमठ, राजशेखर मराठी व्याकरण परिचय, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे, १९८८
७. जाधव, मा. मा. अक्षरगाथा (मराठी साहित्यविचार विशेषांक), मासिक, नांदडे, एप्रिल, २०१४

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

पसंतीवर आधारित श्रेयांक पद्धती

Choice Based Credit System

बी.ए. भाग-३ : B.A. Part-III

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2020 onward

सत्र-६ : Semester No. 6 : अभ्यासपत्रिका क्र. XIII

Discipline Specific Elective (DSE-E127)

विद्याशाखीय विशेष निवड (DSE-E127)

मराठी भाषा व भाषाविज्ञान

उद्दिष्टे :

१. मराठी भाषेची वर्णव्यवस्था समजून घेणे.
२. ध्वनी व अर्थपरिवर्तनाची कारणे व प्रकार यांची माहिती करून घेणे.
३. प्रमाणभाषेचे स्वरूप व विशेष अभ्यासणे.
४. बोलींचे स्वरूप व विशेष समजून घेणे.
५. मराठी भाषेबद्दलची विद्यार्थ्यांची आवड विकसित करणे.

अभ्यासक्रम

अ. क्र. Sr. No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	मराठीची वर्णमाला ● ध्वनी व वर्ण, मराठीची वर्णमाला, पारंपरिक स्वर व त्यांचे वर्गीकरण ● स्वरांचे ध्वनिशास्त्रदृष्ट्या व उच्चारण स्थानानुसार विश्लेषण ● स्वरांचे प्रकार ह्रस्व, दीर्घ, सिद्ध, साधित, सजातीय, विजातीय ● मराठीची स्वर संख्या (पारंपरिक व नवीन) ● मराठीतील व्यंजन विचार ● व्यंजनांचे प्रकार १. स्पर्श व्यंजने २. कठोर व मृदू व्यंजने ३. अल्पप्राण व महाप्राण ४. अनुनासिके ५. तालव्य व्यंजने ६. अंतःस्थ व्यंजने ७. उष्म व्यंजने ८. संयुक्त व्यंजने ९. मृर्धन्य ● मराठीची व्यंजन संख्या (पारंपरिक व नवीन) ● मराठीची वर्ण संख्या निश्चितीकरण	१५	१

<p>विभाग २ Module II</p>	<p>मराठीचे ध्वनिपरिवर्तन</p> <ul style="list-style-type: none"> ● भाषेची उच्चारप्रक्रिया ● ध्वनिपरिवर्तन म्हणजे काय ? ● व्याख्या आणि विशेष निरपवाद, नियमित, अज्ञेय, सार्वत्रिक ध्वनिपरिवर्तन ● कारणे जित - जेते संबंध, भिन्न भाषिक संबंध, आळस, अनुकरणाची अपूर्णता, वागेंद्रियातील दोष, श्रवणेंद्रियातील दोष, उच्चारशीघ्रता, अज्ञान, आघात, उच्चारसौकर्य, आहार, भौगोलिकता, वर्गसिद्धान्त, लोकभ्रम, सादृश्यता ● प्रकार अंत्यस्वनलोप, एकस्वनीकरण, आद्यस्वनागम, मध्यस्वनागम, अंत्यस्वनागम, सान्निध परिणाम, समानस्वनलोप, विसदृशीकरण, घोषीकरण, अघोषीकरण, मात्राभेद, सदृशता, अतिशुद्धी, दुष्प्रयोग, स्वनविपर्यय ● ध्वनिपरिवर्तनाचा मराठी भाषेवरील परिणाम 	<p>१५</p>	<p>१</p>
<p>विभाग ३ Module III</p>	<p>मराठीचे अर्थपरिवर्तन</p> <ul style="list-style-type: none"> ● अर्थपरिवर्तन म्हणजे काय ? ● व्याख्या आणि स्वरूप अर्थ म्हणजे निर्देश, प्रतिमा, संकल्पना व विचार ● अर्थपरिवर्तनाची कारणे साम्यतत्त्व, रूपक - लक्षणाजन्य शब्द, बदलते समाजजीवन, अशुभतापरिहार, ग्राम्यतापरिहार, अतिशयोक्ती, शब्दसिद्धी, अतिपरिचयातून सभ्यता, अत्यादरदर्शन, सांस्कृतिक आदान ● अर्थपरिवर्तनाचे प्रकार - अर्थविस्तार, अर्थसंकोच, अर्थप्रशस्ती, अर्थच्युती, अर्थापकर्ष, अर्थान्तर, अर्थभ्रंश, अर्थादेश, अर्थभेद, अर्थसार ● अर्थपरिवर्तनाचा मराठी भाषेवरील परिणाम 	<p>१५</p>	<p>१</p>
<p>विभाग ४ Module IV</p>	<p>प्रमाण मराठी भाषा आणि तिच्या बोली</p> <ul style="list-style-type: none"> ● प्रमाण मराठी : संकल्पना, स्वरूप, विशेष ● बोली : संकल्पना, स्वरूप, विशेष ● मराठीच्या बोली : अहिराणी, वऱ्हाडी, चंदगडी, मालवणी या निवडक बोलींचे स्वरूप व विशेष 	<p>१५</p>	<p>१</p>

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	०५ गुण
प्रश्न २	अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५ गुण
प्रश्न ३	अंतर्गत विकल्पासह लघूत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ४	टिपा लिहा (चार पैकी दोन)	१० गुण

सूचना : १. विभाग एकवर वस्तुनिष्ठ प्रश्न असणार नाही.

२. अंतर्गत मूल्यमापनाकरिता सेमिनारसाठी दहा गुण आहेत.

गटप्रकल्प विषय :

१. आपल्या परिसरातील कौटुंबिक, सांस्कृतिक, कृषिविषयक, औद्योगिक क्षेत्रात जी बोलीभाषा बोलली जाते त्या बोलीभाषेतील शब्द, वाक्य, वाक्प्रचार, म्हणी, उखाणे यांचे संकलन आणि विश्लेषणासह गटप्रकल्प अपेक्षित.
२. आपल्या परिसरातील लोककथा, लोकगीते यांचे संकलन करून त्यातील भाषिक विशेषांच्या विश्लेषणावर आधारित गटप्रकल्प अपेक्षित.

मूलभूत वाचन :

- | | |
|--------------------------------------|--|
| १. कुलकर्णी, कृ. पां. | मराठी भाषा : उद्गम आणि विकास, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे |
| २. कानडे, मु. श्री. (संपा.) | मराठीचा भाषिक अभ्यास, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे |
| ३. गजेंद्रगडकर श्री. न. | भाषा आणि भाषाशास्त्र, व्हीनस प्रकाशन, पुणे |
| ४. कुलकर्णी कृ. पां. | शब्द : उद्गम आणि विकास |
| ५. जोगळेकर गं. ना. | अभिनव भाषाविज्ञान, सुविचार प्रकाशन, पुणे |
| ६. जोशी, प्र. न. | सुबोध भाषाशास्त्र, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे |
| ७. दामले, मो. के. | शास्त्रीय मराठी व्याकरण, दामोदर सावळाराम आणि मंडळी, पुणे |
| ८. कालेलकर, ना. गो. | ध्वनिविचार, मौज प्रकाशन, मुंबई |
| ९. पोतदार, अनुराधा | मराठीचा अर्थविचार, पुणे विद्यापीठ प्रकाशन, पुणे |
| १०. कालेलकर, ना. गो. | भाषा आणि संस्कृती, मौज प्रकाशनगृह, मुंबई |
| ११. देवी, गणेश व जाखडे, अरुण (संपा.) | भारतीय भाषेचे लोकसर्वेक्षण, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे |

पूरक वाचन :

- | | |
|-------------------------------------|---|
| १. हिरेमठ, राजशेखर | मराठी व्याकरण परिचय, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे |
| २. गवळी, अनिल | भाषाविज्ञान आणि मराठी भाषा, हिरण्यकेशी प्रकाशन, कोल्हापूर |
| ३. कुलकर्णी, सुलक्षणा व कुबेर, वसंत | भाषाविज्ञान परिचय, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर |

संदर्भ ग्रंथ :

- | | |
|-------------------------------|--|
| १. पुंडे, द. दि. | सुलभ भाषाविज्ञान, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे |
| २. कदम, महेंद्र | मराठीचे वर्णनात्मक भाषाविज्ञान, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे |
| ३. कालेलकर, ना. गो. | भाषा, इतिहास आणि भूगोल, मौज मुंबई |
| ४. शेख, यास्मिन | मराठी लेखन मार्गदर्शिका, राज्य मराठी विकास संस्था, मुंबई |
| ५. हिरेमठ, राजशेखर | मराठी व्याकरण परिचय, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे |
| ६. लामतुरे, प्रज्ञा | ग्रामीण बोलीभाषेचे वैभव, संस्कृती प्रकाशन, पुणे |
| ७. जंबाले, विठ्ठल | ग्रामीण कादंबरी : मराठवाडी बोलीचे स्वरूप, चिन्मय प्रकाशन, औरंगाबाद |
| ८. पाटील, व्ही. एन. | सुलभ भाषाविज्ञान, प्रशांत पब्लिकेशन्स, जळगाव, २०१६ |
| ९. भांड, बाबा व मगर, राजेंद्र | भाषा आणि साहित्य : माझी भूमिका : सयाजीराव गायकवाड, महाराजा |
| १०. केळकर, तन्मय (अनु.) | सयाजीराव गायकवाड संशोधन व प्रशिक्षण संस्था, औरंगाबाद |
| | पंजाबच्या भाषा आणि लिपीची समस्या : शहीद भगतसिंग, प्रका. भाषाविकास संशोधन संस्था, कोल्हापूर |

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

पसंतीवर आधारित श्रेयांक पद्धती

Choice Based Credit System

बी.ए. भाग-३ : B.A. Part-III

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2020 onward

सत्र-६ : Semester No. 6 : अभ्यासपत्रिका क्र. XIV

Discipline Specific Elective (DSE-E128)

विद्याशाखीय विशेष निवड (DSE-E128)

मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (इ.स.१५०० ते इ.स.१८००)

उद्दिष्टे :

१. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा कालिक अभ्यास करणे.
२. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा स्थूल परिचय करून घेणे.
३. पंडित कवी व त्यांची रचना यांचा परिचय करून घेणे.
४. बखर वाङ्मय आणि शाहिरी वाङ्मय यांचे स्वरूप, विशेष अभ्यासणे.
५. मध्ययुगीन मराठी गद्य, पद्य रचनेचे विशेष अभ्यासणे.

अभ्यासक्रम

अ. क्र. Sr. No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	इ. स. १५०० ते इ.स. १६०० एकनाथांची साहित्य संपदा चतुःश्लोकी भागवत, एकनाथी भागवत, भावार्थ रामायण, गवळणी, भारुडे इत्यादी रचना	१५	१
विभाग २ Module II	इ. स. १६०० ते इ. स. १७०० (स्थूल कालखंड) अ) तुकारामांची अभंगरचना ब) रामदासांची ग्रंथरचना करुणाष्टके, रामायणे, मनाचे श्लोक, दासबोध, स्फुट प्रकरणे	१५	१
विभाग ३ Module III	इ. स. १६०० ते इ. स. १८०० (स्थूल कालखंड) निवडक पंडित कवींच्या काव्याचा अभ्यास १) मुक्तेश्वर २) वामन पंडित ३) रघुनाथ पंडित ४) श्रीधर ५) मोरोपंत	१५	१
विभाग ४ Module IV	इ. स. १५०० ते इ.स. १८०० (स्थूल कालखंड) अ) बखर वाङ्मय शिवपूर्वकालीन बखरी, शिवकालीन बखरी, पेशवेकालीन बखरी-स्वरूप, विशेष ब) शाहिरी वाङ्मय (लावणी व पोवाडा) १) अनंत फंदी २) परशुराम ३) राम जोशी ४) प्रभाकर ५) होनाजी बाळा	१५	१

Pattern of Question Paper

एकूण गुण - ४० : Total Marks-40

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	०५ गुण
प्रश्न २	अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५ गुण
प्रश्न ३	अंतर्गत विकल्पासह लघूत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ४	टिपा लिहा (चार पैकी दोन)	१० गुण

सूचना : १. गटप्रकल्पासाठी अंतर्गत मूल्यमापनाकरिता प्रती विद्यार्थ्यांस दहा गुण आहेत.

गटप्रकल्प विषय :

* आपल्या परिसरातील कोणत्याही ग्रंथालयातील किंवा ग्रंथालयाबाहेरील मध्ययुगीन मराठी ग्रंथकार आणि ग्रंथ यांची सूची तयार करावी.

* मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयातील निवडक शब्दांचा शब्दसंग्रह करणे आणि त्यांचे वर्गीकरण व विश्लेषण करणे.

मूलभूत वाचन :

१. नसिराबादकर, ल. रा.
२. देशपांडे, अ. ना.
३. पांगारकर, ल. रा.
४. मंचरकर, र. बा.
५. गवळी, अनिल
६. सपकाळे, प्रकाश
७. वाटवे, के. ना. (संपा.)
८. फाटक, न. र.
९. सरदेशमुख, चं. वि.
१०. हेरवाडकर, र. वि.
११. अदवंत, म. ना.
१२. सहस्त्रबुद्धे, म. ना.
१३. खरात, महेश (संपा.)

प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर
 प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास खंड १ ते ४, व्हीनस प्रकाशन, पुणे
 प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास खंड १ ते ३, महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे
 धर्म संप्रदाय आणि मध्ययुगीन मराठी वाङ्मय, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे
 सर्वात्मभावी तुकाराम, सायन पब्लिकेशन प्रा. लि. पुणे
 संत तुकाराम, प्रशांत पब्लिकेशन्स, जळगाव
 प्राचीन मराठी पंडिती काव्य.
 श्री एकनाथ वाङ्मय दर्शन आणि कार्य, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई
 रामदास : प्रतिमा आणि बोध, अस्मिता प्रकाशन, पुणे
 मराठी बखर, व्हीनस प्रकाशन, पुणे
 पंजण, साहित्य प्रसार केंद्र, नागपूर
 मराठी शाहिरी वाङ्मय, ठोकळ प्रकाशन, पुणे
 लोकसाहित्य : जीवन आणि संस्कृती, (प्रा.विश्वनाथ शिंदे गौरवग्रंथ), सायन
 पब्लिकेशन, पुणे

पूरक वाचन :

१. तुळपुळे, शं. गो. (संपा.)
२. तुळपुळे, शं. गो. (संपा.)
३. उपासे, शिवशंकर
४. पाटील, तानाजी
५. हेरवाडकर, र. वि.

मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास, म. सा. प., पुणे
 मराठी वाङ्मयाचा इतिहास, महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे
 मराठी काव्यातील शिवदैवत दर्शन, आख्यानकाव्य व स्फुटकाव्य : १३ ते
 १८ वे शतक, शैवभारती शोध प्रतिष्ठान, जंगमवाडी मठ, वाराणसी
 संत साहित्यातील सामाजिकता, विश्वकर्मा प्रकाशन, पुणे
 मराठी बखर

संदर्भ ग्रंथ :

१. बडवे, सतीश
२. फाटक, न. र.
३. माटे, श्री. म.
४. होनमाने, धनंजय
५. होनमाने, धनंजय
६. ग्रामोपाध्ये, गं. ब.
७. शिंदे, विश्वनाथ
७. केळकर, य. न.
९. मोरजे, गंगाधर
१०. वर्दे, श्री. म.

मध्ययुगीन साहित्याविषयी, मीरा, औरंगाबाद
 श्री. रामदास, वाङ्मय आणि कार्य
 संत, पंत आणि तंत, ठोकळ प्रकाशन, पुणे
 तंजावरची मराठी कीर्तनपरंपरा, स्नेहवर्धन, पुणे
 पंत प्रतिनिधींची कीर्तनाख्याने, दर्या प्रकाशन, पुणे
 मराठी बखर गद्य, व्हीनस बुक स्टॉल, पुणे
 शाहिरी वाङ्मयाच्या धारा, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे
 मराठी शाहीर आणि शाहिरी वाङ्मय, पुणे विद्यापीठ, पुणे
 मन्हाटी लावणी वाङ्मय, मोघे प्रकाशन, कोल्हापूर
 मराठी कवितेचा उषःकाल किंवा मराठी शाहीर, मुंबई मराठी साहित्य संघ, मुंबई

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

पसंतीवर आधारित श्रेयांक पद्धती

Choice Based Credit System

बी.ए. भाग-३ : B.A. Part-III

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2020 onward

सत्र-६ : Semester No. 6 : अभ्यासपत्रिका क्र. XV

Discipline Specific Elective (DSE-E129)

विद्याशाखीय विशेष निवड (DSE-E129)

मराठी भाषा व अर्थार्जनाच्या संधी

पाठ्यपुस्तक : मराठी भाषा व अर्थार्जनाच्या संधी (संपादन)

शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन, कोल्हापूर

उद्दिष्टे :

१. प्रसारमाध्यमांतील अर्थार्जनाच्या संधी आणि भाषिक कौशल्ये यांचा परिचय करून घेणे.
२. स्पर्धा परीक्षांमध्ये मराठी भाषा विषयाचे महत्त्व समजून घेणे.
३. उद्योग व सेवा क्षेत्रात मराठी भाषेद्वारे अर्थार्जनप्राप्ती संदर्भात ज्ञान संपादन करणे.
४. मुद्रित शोधनाची पद्धत अभ्यासणे.

अभ्यासक्रम

अ. क्र. Sr. No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	प्रसारमाध्यमांतील अर्थार्जनाच्या संधी व भाषिक कौशल्ये ■ मुद्रित माध्यमे (Print Media) १. संपादन २. स्तंभलेखन ३. जाहिरात लेखन ४. शब्दांकन (नावीण्यपूर्ण उपक्रम, व्यक्तींचे अनुभव व मानपत्र) ■ आकाशवाणी १. निवेदन २. संहिता लेखन (कृषी, महिला व शैक्षणिक विषयक) ३. बातमी लेखन ■ चित्रवाणी १. निवेदन २. संहिता लेखन (साहित्य, युवा व मनोरंजन विषयक) ३. बातमी लेखन	१५	१

विभाग २ Module II	उद्योग व सेवाक्षेत्रातील अर्थार्जनाच्या संधी व भाषिक कौशल्ये ■ उद्योग व सेवाक्षेत्र आणि मराठी भाषा ■ उद्योग व सेवाक्षेत्रातील अर्थार्जन संधी – १. विपणन (Marketing) साठी संवाद कौशल्ये २. ग्राहक सेवा केंद्र (Call Centers) ३. अनुवाद ४. मराठी टंकलेखन, युनिकोड व पीपीटी (Power Point Presentation) परिचय	१५	१
विभाग ३ Module III	मुद्रितशोधन १. मुद्रितशोधन : संकल्पना, स्वरूप, प्रकार व महत्त्व २. महाराष्ट्र शासनाचे प्रमाणलेखनविषयक १८ नियम, अपवाद, उदाहरणे, विरामचिन्हे ३. मुद्रित शोधनाची पद्धत : सांकेतिक खुणा, त्याचे स्पष्टीकरण, पहिले वाचन व पुढील मुद्रितशोधन, संगणकीय मुद्रितशोधन ४. मुद्रितशोधनाचे प्रात्यक्षिक कार्य :वर्तमानपत्र, नियतकालिक, ग्रंथ, छापील मजकूर, लेख इ.	१५	१
विभाग ४ Module IV	स्पर्धा परीक्षांसाठी मराठी १. स्पर्धा परीक्षांचे स्वरूप : सरळसेवा, कम्बार्डन, राज्यसेवा, संघ लोकसेवा आयोग २. स्पर्धा परीक्षांमधील मराठीचे स्वरूप : अभ्यासक्रम परिचय ३. स्पर्धा परीक्षेसाठी कौशल्ये : वाचन, नोट्स (टिपणे), लेखन, हस्ताक्षर, वेळेचे व्यवस्थापन, गटचर्चा,संदर्भ साहित्य ४. मुलाखतीची पूर्वतयारी व तंत्रे (मुलाखत कशी द्यावी)	१५	१

* प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप व गुणविभागणी *

Pattern of Question Paper

एकूण गुण – ४० : Total Marks-40

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	०५ गुण
प्रश्न २	अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५ गुण
प्रश्न ३	अंतर्गत विकल्पासह लघूत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ४	टिपा लिहा (चार पैकी दोन)	१० गुण

सूचना : १. गटप्रकल्पासाठी अंतर्गत मूल्यमापनाकरिता प्रती विद्यार्थ्यास दहा गुण आहेत.

गटप्रकल्प विषय :

१. राष्ट्रीय, शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, कृषी, आरोग्य, भाषा व साहित्य क्षेत्रातील ताज्या घडामोडी यापैकी एका विषयावर आकाशवाणी किंवा चित्रवाणीसाठी संहितालेखन.
२. उद्योग व सेवाक्षेत्रे आणि प्रसारमाध्यमे यांना भेटी देऊन तेथील भाषिक उपयोजनावर आधारित प्रकल्प तयार करणे.

मूलभूत वाचन :

१. काणे, पुष्पा नभोवाणी कार्यक्रम : तंत्र आणि मंत्र, इंडिया बुक कंपनी, पुणे
२. भागवत, यशोदा बोलका कॅमेरा, मौज प्रकाशन, पुणे
३. राजाध्यक्ष, विजया (संपा.) मराठी वाङ्मय कोश, साहित्य आणि संस्कृती मंडळ, मुंबई
४. मोरे, सदानंद व लिंगाळे, शरणकुमार प्रबोधनपर वैचारिक वाङ्मय, य. च. म. मु. विद्यापीठ, नाशिक
५. रेगे, मे. पुं. व इतर मराठी विचारवंत आणि आपण, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई
६. शेख, यास्मिन मराठी लेखन मार्गदर्शिका, राज्य मराठी विकास संस्था, मुंबई
७. फडके, अरुण मराठी लेखन-कोश, अंकुर प्रकाशन, ठाणे
८. धायगुडे, य. ए. मुद्रितशोधन, दि पूना प्रेस ओनर्स असो. लि. पुणे
९. खोपकर, अरुण चित्रव्यूह, लोकवाङ्मय गृह, प्रकाशन, मुंबई
१०. वरखेडे, रमेश सायबर संस्कृती, इन्स्टिट्यूट ऑफ नॉलेज इंजिनिअरिंग, नाशिक
११. कांबळे, अमर स्पर्धा परीक्षेला सामोरे जाताना, निर्मिती संवाद प्रकाशन, कोल्हापूर
१२. कांबळे, अमर मुलाखत कौशल्य, निर्मिती संवाद प्रकाशन, कोल्हापूर

पूरक वाचन :

१. कुंभार, प्रकाश उपयोजित भाषाविज्ञान आणि प्रसारमाध्यमे, अक्षरदालन, कोल्हापूर
२. जोशी, प्रभाकर उपयोजित मराठी, प्रशांत पब्लिकेशन्स, जळगाव
३. तौर, पृथ्वीराज मराठी भाषिक कौशल्ये विकास, अथर्व पब्लिकेशन्स, धुळे
४. फडके, अरुण शुद्धलेखन मार्गप्रदीप, अंकुर प्रकाशन, ठाणे
५. दीक्षित, विजय चित्रपट : एक कला, रेणुका प्रकाशन, नाशिक
६. इनामदार, एस. डी. माध्यम, एस. डी. प्रकाशन, पुणे

संदर्भ ग्रंथ :

१. देशपांडे, वि. भा. व जोगळेकर, सुषमा (संपा.) मराठी कलाभिरुची, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे
२. पचिंद्रे, श्रीराम मुलाखत आणि शब्दांकन, अनुबंध प्रकाशन, पुणे
३. ढोले, विश्राम प्रसारमाध्यमे आणि प्रयोगकला, लोकवाङ्मय गृह, मुंबई
४. शिंदे, अरुण सत्यशोधकीय नियतकालिके, कृष्णा संशोधन व विकास अकादमी, मंगळवेढा
५. जोशी, प्रभाकर व वले, वासुदेव उपयोजित मराठी, प्रशांत पब्लिकेशन्स, जळगाव
६. रेगे, मे. पुं. (संपा.) नवभारत (मासिक), व्यावहारिक मराठी विशेषांक, प्राज्ञ पाठशाळा मंडळ, वाई (ऑगस्ट-सप्टेंबर १९८१)
७. भालके, रामचंद्र व इतर प्रबोधनपर साहित्य : स्वरूप आणि संकल्पना, य.च.म.मु. विद्यापीठ, नाशिक
८. चपळगावकर, नरेंद्र मराठीतील वैचारिक साहित्य : लेखक आणि समाज, नवभारत, जून २०१६ वर्ष २९, अंक ९
९. चौसाळकर, अशोक विचारवंत आणि समाज, युनिक अॅकॅडमी, पुणे
१०. गावडे, गोपाळ मामा वरेरकर : प्रयोगाची नांदी, मनोकामना प्रकाशन, इस्लामपूर, २०१७
११. कांबळे, विनोद सर्जननोंदी, वाचनकट्टा प्रकाशन, प्रा. लि., कोल्हापूर, २०१९

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

पसंतीवर आधारित श्रेयांक पद्धती

Choice Based Credit System

बी.ए. भाग-३ : B.A. Part-III

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2020 onward

सत्र-६ : Semester No. 6 : अभ्यासपत्रिका क्र. XVI

Discipline Specific Elective (DSE-E-130)

विद्याशाखीय विशेष निवड (DSE-E-130)

वाङ्मय प्रकाराचे अध्ययन : ललित गद्य (व्यक्तिचित्रे)

पाठ्यपुस्तक : मुलखावेगळी माणसं (संपादन)

शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन, कोल्हापूर

उद्दिष्टे :

१. ललित गद्य वाङ्मयप्रकाराचे स्वरूप अभ्यासणे.
२. व्यक्तिचित्र संकल्पना व स्वरूप समजून घेणे.
३. प्रवाहानुरूप मराठीतील व्यक्तिचित्रांचे स्वरूप अभ्यासणे.
४. 'मुलखावेगळी माणसं'मधील व्यक्तिविशेषांचे आकलन करून घेणे.
५. 'मुलखावेगळी माणसं'मधील शैक्षणिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजकीय पर्यावरण आणि कौटुंबिक भावविश्व अभ्यासणे.
६. 'मुलखावेगळी माणसं'मधील ग्रामीण व उपेक्षितांच्या जीवनाचे आकलन करून घेणे.
७. 'मुलखावेगळी माणसं'मधील अभिव्यक्ती, निवेदनशैली व भाषाविशेष अभ्यासणे.

अभ्यासक्रम

अ. क्र. Sr. No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	ललित गद्य : संकल्पना व स्वरूप व्यक्तिचित्रे : संकल्पना, स्वरूप/वैशिष्ट्ये आणि वाटचाल व्यक्तिचित्र लेखनासाठी आवश्यक गुण	१५	१
विभाग २ Module II	१. रामा मैलकुली - व्यंकटेश माडगूळकर २. मृत्यूचे चुंबन घेणारा महाकवी - प्र. के. अत्रे ३. निळू मांग - अण्णाभाऊ साठे ४. मोरणी - विभावरी शिरूरकर	१५	१
विभाग ३ Module III	५. जमीला जावद - हमीद दलवाई ६. यंकटाण्णा - व. वा. बोधे ७. दगडूमामा - उत्तम कांबळे ८. मुंबईचा चित्रकार - अरुण खोपकर	१५	१
विभाग ४ Module IV	९. हीरा - इंद्रजित भालेराव १०. बाबा मास्तर - दि. बा. पाटील ११. दादासाहेब वस्ताद - सयाजीराजे मोकाशी १२. डोकेवाला संशोधक : दादाजी रामजी खोब्रागडे - व्ही.एन.शिंदे	१५	१

Pattern of Question Paper

एकूण गुण - ४० : Total Marks-40

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	०५ गुण
प्रश्न २	अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५ गुण
प्रश्न ३	अंतर्गत विकल्पासह लघूत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ४	टिपा लिहा (चार पैकी दोन)	१० गुण

सूचना :

१. विभाग एक वर वस्तुनिष्ठ प्रश्न असणार नाहीत.
२. गटप्रकल्पासाठी अंतर्गत मूल्यमापनाकरिता प्रती विद्यार्थ्यास दहा गुण आहेत.

गटप्रकल्प विषय :

आपल्या परिसरातील शैक्षणिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, कला, क्रीडा, आरोग्य, राजकीय इत्यादी समाजजीवनाच्या कोणत्याही क्षेत्रातील व्यक्तींची व्यक्तिचित्रे लिखित स्वरूपात प्रती प्रकल्पनुरूप ५ (किमान एका प्रकल्पकास एक नुसार) तयार करून ती एकत्रित जमा करावीत.

मूलभूत वाचन :

१. वास्कर, आनंद (संपा.) वाङ्मयप्रकार संकल्पना (डॉ. विजय निंबाळकर गौरवग्रंथ), अन्वय प्रकाशन, पुणे
२. चौधुले, वि. शं. मुक्तगद्य : संकल्पना आणि उपयोजन, मॅजेस्टिक प्रकाशन, मुंबई, २००८
३. शिंदे, रणधीर ललित गद्य ते मुक्तगद्य (लेख), दै. महाराष्ट्र टाईम्स, २९-१२-२०१३
४. मालशे, मिलिंद साहित्य प्रकाराची संकल्पना (लेख), साहित्य : अध्यापन आणि प्रकार, (संपा.) श्री. पु. भागवत, सुधीर रसाळ, मौज प्रकाशन, मुंबई, १९८७
५. हातकणंगलेकर, जहागीरदार, पवार, गो. मा. मराठी साहित्य : प्रेरणा आणि स्वरूप, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई, १९८६
६. पुरोहित, के. ज. लघुनिबंध, साहित्य अकादमी, नवी दिल्ली

पूरक वाचन :

१. माडगूळकर, व्यंकटेश माणदेशी माणसं, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे, पुनर्मुद्रण, २०१८
२. अत्रे, प्र. के. मृत्यूचे चुंबन घेणारा महाकवी : साने गुरुजी, पार्श्व पब्लिकेशन, कोल्हापूर, १९६२
३. साठे, अण्णाभाऊ बरबाद्या कंजारी, श्रमिक प्रतिष्ठान, कोल्हापूर, लोकावृत्ती, २०१०
४. शिरूरकर, विभावरी दोघांचे विश्व आणि इतर काही कथा, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे, १९५७
५. दलवाई, हमीद जमीला जावद आणि इतर कथा, साधना प्रकाशन, पुणे, २०१६
६. बोधे, व. वा. गावाकडची माणसं, अक्षरबंध प्रकाशन, पुणे, २००७
७. कांबळे, उत्तम कावळे आणि माणसं, मनोविकास प्रकाशन, पुणे, आ.दु., २०१०
८. खोपकर, अरुण चित्रव्यूह, लोकवाङ्मय गृह, मुंबई
९. भालेराव, इंद्रजित गाई घरा आल्या, प्रतिभास प्रकाशन, परभणी
१०. पाटील, दि. बा. भली माणसं, मनोकामना प्रकाशन, इस्लामपूर, २०१३
११. मोकाशी, सयाजीराजे पंधरा ऑगस्ट, मुक्तरंग प्रकाशन, लातूर, २०१६
१२. शिंदे, व्ही. एन. हिरव्या बोटोचं किमयागार, तेजस प्रकाशन, कोल्हापूर, २०१९

संदर्भ ग्रंथ :

१. जोशी, प्र. न. मराठी वाङ्मयाचा विवेचक इतिहास, अर्वाचीन काळ (१८०० ते १९८०), स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
२. भागवत, श्री. पु. साहित्य अध्यापन आणि प्रकार (प्रा. वा. ल. कुलकर्णी गौरवग्रंथ), मौज प्रकाशन गृह, मुंबई

Shivaji University ,Kolhapur
Revised Syllabus of B.A. Part II
Semester III
Labour Welfare
(I.D.S. Paper No.I)
From June 2019

Preamble : Labour Welfare is one of the Important branches of Economics . Labour is being considered as most important productive factor in economy. The study of labour welfare helps in understanding the labour welfare and problems, searching policy means to maximize the labour welfare. The students will understand nature, scope and problems associated with labour welfare with special reference to India.

Unit I : Introduction to Labour Welfare. (15 Lectures)

- 1.1 Definition and Meaning.
- 1.2 Nature and Scope
- 1.3 Objectives of Labour Welfare
- 1.4 Difference between labour Welfare and Social work

Unit II : Issues in Labour Welfare (15 Lectures)

- 2.1. Importance of Labour Welfare
- 2.2. Classification of Labour Problems.
- 2.3. Problems of Child Labour
- 2.4. Problems of Female Labour.

Unit III : International Labour Organization (ILO) and India. (15 Lectures)

- 3.1. Objectives, Structure and Governance of ILO
- 3.2. Achievements of ILO – Conventions, Resolutions
- 3.3. International Labour Standards
- 3.4. ILO and Indian Labour Welfare – Youth Development Policy of HRD

Unit IV : Trade Union and Labour Welfare (15 Lectures)

- 4.1. Definition, Meaning and Objectives of Trade Union.
- 4.2. Importance and Functions of Trade Union.
- 4.3. Role of Trade Union in Labour Welfare.
- 4.4. Problems of Trade Union Movement.

Reference Books

1. Kannapon, S.C, (1993), Employment Problems and Urban Labour Markets in Development Economy, Vol-I &II, Macmillan, London
2. Papola, T.S and Sharma A.N. 9Eds) (1999), Gender and Employment in India, Vikas Publishing House, New Delhi
3. Deshpande L.K and Sandesara J.C (Eds), (1970), Wage Policy and wages determination in India, Bombay University Press, Bombay
4. Memoria, C.B. (1966), Labour Problems and Social Welfare in India, Kitab Mahal, Allahabad
5. Punekar, S.D. (1978), LAbour Welfare, Trade Unionism and Industrial Relations, Himalaya Publishing House, Bombay
6. Singh, V.B. (Ed), Industrial Labour in India, Population Prakashan, Bombay
7. Misra, L (2000), Child Labour in India, Oxford University Press, New Delhi
8. Riveros L, (1990), Labour Market Policies and Labour Market Reforms in Socialist Economics, World Bank, Washington D.C
9. Indian Society for Labour Economics (ISLE) journals
10. Dr. T. N. Bhagoliwala : Economics of Labour and Industrial Relations, Sahitya publication, Agra.
11. Government of India : India Labour year Book, (Ministry of Labour)
12. Yoder Dale : Labour economic and Labour Problems
13. Pant S.C: Indian Labour Problems.
14. Sacheva and Gupta : Labour and Social welfare AjantaPrakashan Delhi.
15. Indian Journal of Labour Economics
16. Indian Journal of Human Resources
17. NSSO Reports on Employment and Unemployment

Shivaji University ,Kolhapur
Revised Syllabus of B.A. Part II
Semester IV
Labour Welfare (**I.D.S. Paper No.II**)
From June 2019

Preamble : Labour Welfare is one of the Important branches of Economics . Labour is being considered as most important productive factor in economy. The study of labour welfare helps in understanding the labour welfare and problems, searching policy means to maximize the labour welfare. The students will understand nature, scope and problems associated with labour welfare with special reference to India.

Unit I :Labour Efficiency (15 Lectures)

- 1.1 Concept and Meaning of Labour Efficiency
- 1.2. Determinants of Social Security
- 1.3.Measurementof Labour Efficiency
- 1.4.Measures to Improve Labour Efficiency

Unit II . Social Security (15. Lectures)

- 2.1. Meaning & Objectives of Social Security
- 2.2. Need for Social Security
- 2.3. Components of Social Security
- 2.4. Social Insurance, Social Assistance and Social Security.

Unit III . Labour Welfare Programmes in India (15Lectures)

- 3.1. Brief Review of Labour Welfare Programmes
- 3.2. New Economic Policy after 1991and Labour Welfare.
- 3.3. Labour Welfare Problems of Organized Sector
- 3.4. Labour Welfare Problems of UnorganizedSector.

Unit 4. Social Security Legislations in India (15Lectures)

- 4.1. Genesis of Social Security legislation in India
- 4.2 Workers Compensation Act 1923.
- 4.3. Employees Provident Fund Act 1952.
- 4.4 Child Labour (Prohibition & Regulation) Act 1986 - Maternity Benefit Act 1961 - New amendment 2017

Reference Books

1. Kannapon, S.C, (1993), Employment Problems and Urban Labour Markets in Development Economy, Vol-I &II, Macmillan, London
2. Papola, T.S and Sharma A.N. 9Eds) (1999), Gender and Employment in India, Vikas Publishing House, New Delhi
3. Deshpande L.K and Sandesara J.C (Eds), (1970), Wage Policy and wages determination in India, Bombay University Press, Bombay
4. Memoria, C.B. (1966), Labour Problems and Social Welfare in India, Kitab Mahal, Allahabad
5. Punekar, S.D. (1978), Labour Welfare, Trade Unionism and Industrial Relations, Himalaya Publishing House, Bombay
6. Singh, V.B. (Ed), Industrial Labour in India, Population Prakashan, Bombay
7. Misra, L (2000), Child Labour in India, Oxford University Press, New Delhi
8. Riveros L, (1990), Labour Market Policies and Labour Market Reforms in Socialist Economics, World Bank, Washington D.C
9. Indian Society for Labour Economics (ISLE) journals
10. Dr. T. N. Bhagoliwala: Economics of Labour and Industrial Relations, Sahitya publication, Agra.
11. Government of India : India Labour year Book, (Ministry of Labour)
12. Yoder Dale : Labour economic and Labour Problems
13. Pant S.C: Indian Labour Problems.
14. Sacheva and Gupta: Labour and Social welfare Ajanta Prakashan Delhi.
15. Indian Journal of Labour Economics
16. Indian Journal of Human Resources

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
REVISED SYLLABUS OF B.A. PART II

Principles of Co-operation

Course – I GE (IDS)

To be introduced from June 2019

Semester III

PREAMBLE:

The objective of this paper is to create awareness about the working of co-operatives in Rural and Urban area. The Co-operative movement has been considered as the third important sector in the economy followed by private and public sector. The principles of co-operation and the values of the co-operative institutions need to be studied in Indian Context.

UNIT I: INTRODUCTION OF CO-OPERATION (15 Lectures)

- 1.1 Meaning and Definition of Co-operation
- 1.2 Features and Importance of Co-operation
- 1.3 Principles of Co-operation- Development and Manchester Co-operative Principles
- 1.4 International Co-operative Alliance (ICA) – Organization and Functions

UNIT II: CO-OPERATION AS A FORM OF ORGANIZATION (15 Lectures)

- 2.1: Capitalism – Features, Merits and Demerits
- 2.2: Socialism – Features, Merits and Demerits
- 2.3: Co-operation – A Golden mean between Capitalism and Socialism
- 2.4: Role of Co-operation in Mixed Economy

UNIT III: ROLE OF STATE IN CO-OPERATION (15 Lectures)

- 3.1: Role of State in the development of Co-operative movement
- 3.2: Co-operative Judicial System
- 3.3: Role of Co-operative Registrar
- 3.4: Effects of Globalization in Co-operative Movement

UNIT IV: CO-OPERATIVE AUDIT (15 Lectures)

- 4.1: Meaning and Need of Cooperative Audit
- 4.2: Need and Types of Co-operative Audit
- 4.3: Role of Co-operative Auditor

4.4: Merits and Demerits of Co-operative Audit System

REFERENCES:

1. Bedi R.D – Theory, history and practice of Co-operation. Loyal Book Depot, Meerut
2. Datta and Sundaram – Indian Economy, S. Chand and Company, New Delhi
3. Dr. C. N. Sontakki – Co-operative Development, Sheth Publication Mumbai
4. Hajela T. N – Principles, Problems and Practice of Co-operation, ShivalalAgarwal Publication, Agra
5. Mathur B.S – Co-operation in India, SahityaBhavan, Agra
6. Mukhi H. R. –Co-operation in India and Abroad, R. B. Publications
7. Dr. Memoria C.B &Saksena R. D – Co-operation in India, KitabMahal Allahabad
8. Karve D.G – Co-operative Principles and Substance
9. Kamat G. S – Principles, Practice and Management of Co-operation

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
REVISED SYLLABUS OF B.A. PART II
CO-OPERATIVES IN INDIA

Course – II GE (IDS)

From June 2019

Semester IV

PREAMBLE:

The objective of this paper is to create awareness about the working of co-operatives on Rural and Urban area. The Co-operative movement has been considered as the third important sector in the economy followed by private and public sector. The principles of co-operation and the values of the co-operative institutions need to be studied in Indian Context.

UNIT I: CO-OPERATIVE CREDIT IN INDIA

(15 Lectures)

- 1.1: Primary Agricultural Credit Co-operative Societies - Functions, Importance and Problems
- 1.2: District Central Co-operative Banks- Functions, Importance and Problems
- 1.3: State Co-operative Bank – Functions, Importance and Problems
- 1.4: Urban Co-operative Banks – Functions, Problems and Remedies

UNIT II: CO-OPERATIVE MARKETING IN INDIA

(15 Lectures)

- 2.1: Need and Importance
- 2.2: Structure of Co-operative Marketing

2.3: Problems and Remedies of Co-operative Marketing

2.4: NAFED – Objectives and Functions

UNITIII: CO-OPERATIVE PROCESSING SOCIETIES ININDIA (15 Lectures)

3.1: Role of Co-operative processing societies in rural Development

3.2: Sugar Co-operatives - Problems and Remedies

3.3: Dairy Co-operatives - Problems and Remedies

3.4: Women Empowerment through Co-Operative Processing

UNITIV: ROLE OF NATIONAL INSTITUTIONS IN CO-OPERATION (15 Lectures)

4.1: National Bank for Agricultural and Rural Development (NABARD)

4.2: National Co-operative Development Corporation (NCDC)

4.3: National Co-operative Union of India (NCUI)

4.4: 97th Constitutional Amendment and main changes in Maharashtra Co-operative Societies Act

REFERENCES:

1. Bedi R.D – Theory, history and practice of Co-operation. Loyal Book Depot, Meerut
2. Datta and Sundaram – Indian Economy, S. Chand and Company, New Delhi
3. Dr. C. N. Sontakki – Co-operative Development, Sheth Publication Mumbai
4. Hajela T. N – Principles, Problems and Practice of Co-operation, ShivalalAgarwal Publication, Agra
5. Mathur B.S – Co-operation in India, SahityaBhavan, Agra
6. Mukhi H. R. –Co-operation in India and Abroad, R. B. Publications
7. Dr. Memoria C.B &Saksena R. D – Co-operation in India, KitabMahal Allahabad
8. Karve D.G – Co-operative Principles and Substance
9. Kamat G. S – Principles, Practice and Management of Co-operation
10. Singh L.P – Co-operative Marketing
11. SahakarJagat – Various Issues

Shivaji University, Kolhapur
Revised Syllabus of B.A. II
To be introduced from June, 2019
Money and Banking Paper No. - IV
(Semester III)

Preamble:

To create the awareness among the students and Job Prospects in Banks and Financial Sector. Clear understanding of the operation of banks and financial institutions to the students with practical inputs.

Unit I: Introduction to Banking **15 Lectures**

- 1.1 Meaning and Functions of Commercial Banks
- 1.2 Types of Banks - Public, Private, Foreign and Cooperative
- 1.3 Principles and Investment Policy of Commercial Banks - Balance Sheet of banks
- 1.4 Processes of Credit Creation and its Limitations

Unit II: Practical Banking **15 Lectures**

- 2.1 Types and features of Bank Accounts
- 2.2 Opening, KYC, Operating and Closing of an Account
- 2.3 Banker's and Customer's Rights and Obligations
- 2.4 Negotiable Instruments: Main Features

Unit III: Reserve Bank of India **15 Lectures**

- 3.1 History and Organizational Structure
- 3.2 Functions of RBI - Traditional and Developmental
- 3.3 Monetary Policy - Meaning and Objectives
- 3.4 Instruments of Credit Control

Unit IV: Banking Practices in India

15 Lectures

4.1 Bank Ombudsman Scheme- Meaning, Power and Duties

4.2 Meaning, Process and Importance of Credit (Loan) Appraisal

4.3 Advantages and Disadvantages of Bank Mergers

4.4 Meaning, Causes and Remedies of NPA

Suggested Additional Readings:

1. Bhole L.M. (2009), Financial Institutions and Market, Tata McGraw Hill, New Delhi
2. BhasinNitin(2010), Financial Institutions and Financial Markets in India :Functioning and Reforms. New Century Publications, New Delhi
3. Berg Braam van den (2015),Understanding Financial Markets & Instruments, Academy of Financial Market, <https://eagletraders.com/books/afm/afm4.php>
4. Cade, Eddie (1998) Managing Banking Risks, Woodhead Publishing Ltd., in association with The Chartered Institute of Bankers, England.
5. Gupta, L.C (1997),Stock Exchange Trading in India; Society for Capital Market Research and Development
6. Sethi Jyotsna and Bhatia Nishwan (2003),Elements of Banking and Insurance, Prentice Hall of India,New Delhi
7. National Stock Exchange (2015), Securities Market (Basic) Module, NCFM, National Stock Exchange of India Limited
8. Joshi Vasant C. and Joshi Vinay V (1998), Managing Indian Banks: The Challenges Ahead, Response Books, New Delhi.
9. Vasant Desai, "Bank and Institutional Management", Himalaya Publishing House.
10. Dr. P. K. Srivastava, "Banking Theory and Practices", Himalaya Publishing House
11. GordenNatrajan “Banking Theory law and practices” Himalaya publishing Houses.
12. M.Y. Khan, “Indian Financial System”, Tata McGraw Hill.

Shivaji University, Kolhapur
Revised Syllabus of B.A. II
To be introduced from June, 2019
Banks and Financial Markets Paper No. - VI
(Semester- IV)

Preamble:

To create the awareness among the students and Job Prospects in Banks and Financial Sector. Clear understanding of the operation of banks and financial institutions to the students with practical inputs.

Unit I: Financial System in India

15 Lectures

- 1.1 Structure and Importance of Financial System
- 1.2 Features and Structure of Money Market in India
- 1.3 Features and Structure of Capital Market in India and Role of SEBI
- 1.4 Functions of Stock Market in India

Unit II: Indian Financial Institutions

15 Lectures

- 2.1 Non-Bank Financial Institutions: Concept and Growth
- 2.1 Loan companies in India, Functioning and problem
- 2.3 Functions of EXIM Bank
- 2.4 Mutual Funds: Meaning, Types and Importance

Unit III: Banking Reform

15 Lectures

- 3.1 Recommendation of the Narasimham Committee (1991)
- 3.2 Recommendation of the Narasimham Committee (1998)
- 3.3 Foreign Direct Investment in Banking
- 3.4 Concept of Payment Bank and Small Finance Bank

Unit IV: E-Banking Service

15 Lectures

- 4.1 E-Banking – Meaning, Features and Types
- 4.2 Features of Credit and Debit card
- 4.3 NEFT and RTGS, Cheque Truncation System
- 4.4 Cyber Crimes in Banking – Meaning, Types and Precaution

Suggested Additional Readings:

1. Bhole L.M. (2009), Financial Institutions and Market, Tata McGraw Hill, New Delhi
2. BhasinNitin(2010), Financial Institutions and Financial Markets in India: Functioning and Reforms. New Century Publications, New Delhi
3. Berg Braam van den (2015),Understanding Financial Markets & Instruments, Academy of Financial Market, <https://eagletraders.com/books/afm/afm4.php>
4. Cade, Eddie (1998) Managing Banking Risks, Wood head Publishing Ltd., in association with The Chartered Institute of Bankers, England.
5. Gupta, L.C (1997),Stock Exchange Trading in India; Society for Capital Market Research and Development
6. Sethi Jyotsna and Bhatia Nishwan (2003),Elements of Banking and Insurance, Prentice Hall of India,New Delhi
7. National Stock Exchange (2015), Securities Market (Basic) Module, NCFM, National Stock Exchange of India Limited
8. Joshi Vasant C. and Joshi Vinay V (1998), Managing Indian Banks: The Challenges Ahead, Response Books, New Delhi.
9. Vasant Desai, "Bank and Institutional Management", Himalaya Publishing House.
10. Dr. P. K. Srivastava, "Banking Theory and Practices", Himalaya Publishing House
11. Gorden Natarajan “Banking Theory law and practices” Himalaya publishing Houses.
12. M.Y. Khan, “Indian Financial System”, Tata McGraw Hill.
13. Reserve Bank of India,Report on Trend and progress of Banking in India.

Shivaji University Kolhapur

B.A. Part II Economics

Macro Economics -I (Paper-III) (Sem-III)

Preamble: The purpose of teaching this paper is to introduce the basic primary and analytically important concepts, theories and policies in the working of the economy to the learners. It attempts to enable the students to apply various concepts in the process of policy making, planning of measures to ensure and achieve the fundamental objectives of macroeconomic policy.

Unit 1: Introduction to Macro Economics (Periods -15)

- 1.1 Meaning, Definitions, Nature and Scope
- 1.2 Difference between Micro and Macro Economics
- 1.3 Importance and Limitations
- 1.4 Macro Economic Variables

Unit 2: National Income (Periods -15)

- 2.1 Meaning and Definitions
- 2.2 Different concepts: GDP, GNP, NNP, GDP at market prices and at factor cost, Per Capita Income, Personal Income, Disposable Income.
- 2.3 Methods of Measuring National Income: Product, Income and Expenditure.
- 2.4 Difficulties in the measurement of National Income, Importance of National Income Data.

Unit 3: Money and Value of Money (Periods -15)

- 3.1 Definitions and Functions of Money.
- 3.2 Value of Money: Quantity Theory of Money - Transaction Approach, Cash Balance Approach.

3.3 Index Number: Meaning and Types, Construction of Simple and Weighted Index Numbers.

3.4 Importance of Index Number.

Unit 4: Output and Employment

(Periods -15)

4.1 Say's Law of Market.

4.2 Keynesian Theory of Employment.

4.3 Consumption Function: Average Propensity to Consume (APC), Marginal Propensity to Consume (MPC), Factors affecting Consumption function.

4.4 Investment Function, Concept of Multiplier.

Reference Books:

1. Jhingan M.L., Macro Economic Theory, Vrinda Publication, Delhi.
2. Mithani D.M., Monetary Theory, Vota and Company, Mumbai.
3. Mithani D.M., Macro Economics, Himalaya Publishing House.
4. Dewett K.K., Modern Economic Theory, S. Chand & Co., Ltd., New Delhi.
5. Ackley G, Macro Economics: Theory and Policy, Macmillan, New York.
6. Keynes J.M., General Theory of Employment, Interest and Money, Macmillan and Co. London.
7. Seth M.L., An Introduction to Keynesian Economics, Lakshmi Narain Agarwal, Agra.
8. Fisher Irving, The purchasing power of money, Macmillan New York.
9. Shaprio Edward, Macro Economic Analysis, Galgotia Publication's New Delhi.
10. Dwivedi D. N (2017) Macro Economics – Theory and Policy; Mc Graw Hill Education
11. Ahuja H. L (2017) Advanced Economic Theory; S. Chand & Company, New Delhi

12. Ahuja H. L (2016) Macro Economics Theory and Practices; S. Chand & Company, New Delhi.

13. प्रा. रामदेशमुख, आधुनिकस्थूलअर्थशास्त्र, विद्याप्रकाशननागपूर.

14. जी. एन. झामरे, स्थूलअर्थशास्त्र, पिंपळापुरेअँडकंपनीपब्लिशर्सनागपूर.

15. पाटील जे. एफ. (२०१४) साकलिक अर्थशास्त्र, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर.

Shivaji University Kolhapur

B.A. Part II Economics

Macro Economics - II (Paper-V) (Sem - IV)

Preamble: Macro Economics is aggregative economics which examines the interrelations among the various aggregates. Macro Economics is not only scientific method of analyses, but also a body of empirical economic knowledge. This paper equips the students to understand the basic theoretical framework underling in the field of macro economics.

Unit :1 Inflation

(Periods -15)

- 1.1 Meaning, Definitions and Types
- 1.2 Causes of Inflation
- 1.3 Effects of Inflation
- 1.4 Remedies of Controlling Inflation

Unit :2 Trade Cycles

(Periods -15)

- 2.1 Meaning and Features.
- 2.2 Phases of Trade Cycles.
- 2.3 Theories of Trade Cycles: Hawtrey, Schumpeter.
- 2.4 Control of Trade Cycles.

Unit :3 Public Finance – I

(Periods -15)

3.1 Meaning, Nature and Scope.

3.2 Principle of Maximum Social Advantage.

3.3 Taxation: Direct and Indirect Taxes-Meaning, Merits and Demerits.

3:4 Budget: Budgetary process

Unit: 4 Public Finance-II

(Periods -15)

4.1 Public Expenditure: Meaning and Causes of growth of Public Expenditure.

4.2 Public Debt: Meaning, Sources and Effects.

4.3 Deficit Financing: Meaning, types and Methods.

4.4 Fiscal Policy: Meaning, Objectives and Instruments.

Reference Books:

1.Jhingan M.L., Macro Economics Theory,Vrinda Publication, Delhi.

2.Mithani D.M., Monetary Theory,Vota and Company, Mumbai.

3.Mithani D.M., Macro Economics, Himalaya Publishing House.

4.Dewett K.K., Modern Economic Theory,S.Chand & Co., Ltd., New Delhi.

5.Ackley G, Macro Economics: Theory and Policy, Macmillan, New York.

6.keynes J.M., General Theory of Employment, Interest and money, Macmillan and Co.London.

7.Seth M.L., An Introduction to Keynesian Economics, Lakshmi Narain Agarwal,Agra.

8.Fisher Irving, The purchasing power of money, Macmillan New York.

9.Shaprio Edward, Macro Economic Analysis,Galgotia Publication's New Delhi.

10. Ahuja H. L (2017) Advanced Economic Theory; S. Chand & Company, New Delhi
11. Ahuja H. L (2016) Macro Economics Theory and Practices; S. Chand & Company, New Delhi.
12. Lekhi R. L. (2013) Public Finance; Kalyani Publisher New Delhi.
13. प्रा. रामदेशमुख, आधुनिकस्थूलअर्थशास्त्र, विद्याप्रकाशननागपूर.
14. जी. एन. झामरे, स्थूलअर्थशास्त्र, पिंपळापुरेअँडकंपनीपब्लिशर्सनागपूर.
15. पाटील जे. एफ. (२०१४) साकलिक अर्थशास्त्रब, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर.

B. A. Part II
ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)
(CBCS)

ENGLISH FOR COMMUNICATION
(Compulsory English)
(June 2019 Onwards)

Course Objectives:

- To enable the students to develop communication skills in English, both oral and written.
- To equip the students with the language skills for use in their personal, academic and professional lives.
- To develop the students essential employability skills.
- To help the students to enter the job market with confidence and the ability to work effectively.
- To help the students to learn and practice both language and soft skills.
- To encourage the active involvement of the students in learning process.
- To enable the students to cultivate a broad, human and cultured outlook.

CONTENTS

Semester III

Module I

- A) Oral Skills
- B) A Real Good Smile – **Bill Naughton**
- C) Mending Wall – **Robert Frost**

Module II

- A) Conversation Skills
- B) The Highway – **Ray Bradbury**

Module III

- A) Developing Writing Skills
- B) Whitewashing the Fence – **Mark Twain**

Module IV

- A) Father Returning Home – **Dilip Chitre**
- B) There is a Garden in Her Face – **Thomas Campion**

Semester IV

Module V

- A) E-Communication
- B) Preparation for England – **M.K. Gandhi**

Module VI

- A) Information Transfer and Interpretation of Data
- B) The Selfish Giant – **Oscar Wilde**
- C) Auto Wreck – **Karl Shapiro**

Module VII

- A) English for Banking and Industries
- B) The Journey – **Mary Oliver**

Module VIII

- A) An Old Man's Wisdom – **Sudha Murty**
- B) My Soul has a Hat – **Mário de Andrade**

- **PATTERN OF QUESTION PAPER**

B.A. II
ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)
ENGLISH FOR COMMUNICATION
(Compulsory English)
PATTERN OF QUESTION PAPER (June 2019 Onwards)

Semester III (Paper C)

Total Marks: 50

Q. No	Sub Q.	Type of Question	Based on	Marks
Q. 1	A.	Four multiple choice questions with four alternatives to be set	Prose and Poetry	04
	B.	Answer in one word/phrase/sentence each.	Prose and Poetry	04
Q.2	A.	Answer the following questions in 3-4 sentences each. (3 out of 5)	3 on Prose and 2 on Poetry	06
	B.	Write Short Notes on the following in about 7-8 sentences each. (2 out of 3)	1 on Prose and 2 on Poetry	08
	C.	Two different Vocabulary Exercises to be set for 1 mark each	Prose and Poetry	02
Q.3	A.	Question to be set on ORAL SKILLS	Module I A	04
	B.	Question to be set on ORAL SKILLS	Module I A	05
Q.4	A.	Question to be set on CONVERSATION SKILLS	Module II A	04
	B.	Question to be set on CONVERSATION SKILLS	Module II A	04
Q.5	A.	Question to set on DEVELOPING WRITING SKILLS	Module III A	05
	B.	Question to set on DEVELOPING WRITING SKILLS	Module III A	04

Semester IV (Paper D)**Total Marks: 50**

Q. No	Sub Q.	Type of Question	Based on	Marks
Q. 1	A.	Four multiple choice questions with four alternatives to be set	Prose and Poetry	04
	B.	Answer in one word/phrase/sentence each.	Prose and Poetry	04
Q.2	A.	Answer the following questions in 3-4 sentences each. (3 out of 5)	3 on Prose and 2 on Poetry	06
	B.	Write Short Notes on the following in about 7-8 sentences each. (2 out of 3)	1 on Prose and 2 on Poetry	08
	C.	Two different Vocabulary Exercises to be set for 1 mark each.	Prose and Poetry	02
Q.3	A.	Question to be set on E-COMMUNICATION	Module V A	05
	B.	Question to be set on E-COMMUNICATION	Module V A	04
Q.4	A.	Question to be set on INFORMATION TRANSFER AND INTERPRETATION OF DATA	Module VI A	04
	B.	Question to be set on INFORMATION TRANSFER AND INTERPRETATION OF DATA	Module VI A	04
Q.5	A.	Question to set on ENGLISH FOR BANKING AND INDUSTRIES	Module VII A	05
	B.	Question to set on ENGLISH FOR BANKING AND INDUSTRIES	Module VII A	04

B. A. PART II
LINGUISTICS (I.D.S)
(Paper I) (Semester III)
LANGUAGE AND LINGUISTICS (CBCS)

Detailed Syllabi (June 2019 Onwards)

Course Objectives:

- To acquaint the students with Language and Linguistics in general.
- To acquaint the students with Phonetics and Phonology.
- To acquaint the students with Morphology and Syntax.
- To acquaint the students with the concepts of Semantics and Pragmatics.

Module: I Introduction to Language

- I) Definitions
- II) Characteristics of Language
- III) Difference between Human and Animal Communication System

Module: II Introduction to Linguistics

- I) What is Linguistics?
- II) Linguistics as a Science
- III) Diachronic and Synchronic Linguistics
- IV) The Concepts of 'Signifier' and 'Signified'

Module: III Phonetics

I) Speech Mechanism:

- i) Organs of Speech: lips, teeth, tongue, palate (the roof of the mouth), uvula, and vocal-cords etc.
- ii) Description of English Consonants and Vowels with three-term labels
- iii) Active and Passive Articulators

II) Phonetics:

- i) Difference between Speech Sounds and Letters
- ii) What is Phonetics?
- iii) Branches of Phonetics: The Articulatory Phonetics, Acoustic Phonetics and Auditory Phonetics.
- iv) Phonetic Transcription of Simple Words

Module: IV Phonology

- I) Difference between Phonetics and Phonology
- II) Phonemes and Allophones
- III) Minimal Pairs,

Reference Books:

Gleason, H.A. *An Introduction to Descriptive Linguistics*. Amerind Publishing Co. (Chapter 1). 1961.

Langacker, R.W. *Language and its Structure*. New York: Harcourt Brace Jovanovich. Inc. 1973.

Hockett, C.F. *A Course in Modern Linguistics*. Oxford & IBH Publishing Company (chapter 64). 1958.

Robins, R.H. *General Linguistics: An Introductory Survey*. Longman. 1964.

Verma, S.K. and Krishnaswamy, N. *Modern Linguistics: An Introduction to Modern Linguistics*. Oxford University Press. 1989.

Velayudhan, S. & Mohanan, K.P. *An Introduction to the Phonetics and Structure of English*. Somaiya Publications Pvt. Ltd. New Delhi. 1977.

Bansal, R.K. & Harrison, J.B. *Spoken English for India*. Orient Longman. 1972.

Sethi, J. & Dhamija, P.V. *A Course in Phonetics and Spoken English*. Prentice Hall of India, New Delhi. 1989.

Balasubramanian, T. *A Textbook of English Phonetics for Indian Students*. Macmillan. 1981.

Hornby, A.S. *Oxford Advanced Learner's Dictionary of Current English*. 1974.

Varshney, R.L... *An Introductory Textbook of Linguistics and Phonetics*. Students store, Bareilly. 1986.

B. A. PART II LINGUISTICS (I.D.S) (Paper I) (Semester III) LANGUAGE AND LINGUISTICS (CBCS)

QUESTION PAPER PATTERN

June 2019 Onwards

Total Marks: 50

- | | |
|---|------|
| Q. 1. Five multiple choice questions with four alternatives to be set on all modules | [5] |
| Q. 2. Short notes in about 5 - 6 sentences each: (5 out of 7)
(On Module 1 & 2) | [15] |
| Q. 3. A) Short Answer type questions in about 4 - 5 sentences each: (5 out of 7)

(On Module 3 & 4) | [15] |
| B) Description of English phonemes/ speech sounds with three-term labels: | [5] |

- (5 out of 7)
- Q. 4. A) Conventional spellings of the transcribed words: (5 out of 7) [5]
B) Identification of the different phonemes from the minimal pairs given [5]
(5 out of 7)

B. A. PART II
LINGUISTICS (I.D.S)
(Paper II) (Semester IV)
LANGUAGE AND LINGUISTICS (CBCS)

Detailed Syllabi (June 2019 Onwards)

Module: I Morphology

- I) The Concept of Morpheme
- II) Types of Morpheme
- III) Allomorphs
- IV) Morphological Analysis
- V) Morphological Processes: Affixation, Conversion, Compounding, Reduplication, Blending, Clipping etc.

Module: II Syntax

- I) What is Syntax?
- II) Elements of Clause [SPOCA]
- III) Basic Clause Patterns
- IV) Simple Sentences and Complex Sentences
- V) Immediate Constituent Analysis [IC Analysis]

Module: III Semantics

- I) What is Semantics?
- II) Lexical Relations: Synonymy, Antonymy, Polysemy, Homonymy, Hyponymy and Collocation

Module: IV Pragmatics

- I) What is Pragmatics?
- II) Difference between Semantics and Pragmatics
- III) Deixis: Person, Place, Time, Discourse and Social
- IV) Adjacency Pairs
- V) Cooperative Principle (CP)

Reference Books:

Leech, G.N. *English Grammar for Today: An Introduction*. The Macmillan: London. 1984.

Hockett Charles, *A Course in Modern Linguistics*. Oxford & IBH Publishing Company, Bombay. 1970.

Palmer, F.R. *Semantics*. Cambridge University Press. 1981.

Leech, G.N. *Semantics*. Penguin Books, London. 1981.

Levinson S.C. *Pragmatics*. Cambridge: CUP. 1983.

Leech, G.N. *Principles of Pragmatics*. Longman Group Ltd, London. 1986.

Yule, George. *Pragmatics*. Oxford University Press. 2004.

Onions, C.T. & Miller B.D.H. *Modern English Syntax*. Rutledge, London. 1971.

Jupp, T.C. & Milne J.L. *English Sentence Structure*. The English Book Society and Heinemann Educational Books. 1968.

B. A. PART II LINGUISTICS (I.D.S)
(Paper II) (Semester IV)
LANGUAGE AND LINGUISTICS (CBCS)

QUESTION PAPER PATTERN
June 2019 Onwards

Total Marks: 50

- | | |
|--|------|
| Q. 1. Five multiple choice questions with four alternatives to be set on all modules | [5] |
| Q. 2. A) Short notes in about 5 - 6 sentences each: (5 out of 7) | [15] |
| (On Module I & II) | |
| B) Morphological analysis of the words using tree diagrams. | |
| (5 out of 7) | [5] |
| Q. 3. A) Short Answer type questions in about 4 - 5 sentences each (5 out of 7) | |
| (On Module III & IV) | [15] |
| B) I C Analysis of the sentences (5 out of 7) | [5] |
| Q. 4. A) Identification of different deixis given in the passage/dialogue: | [5] |

B. A. Part II
(Discipline Specific Core) (DSC-C5)
English (Paper III) (Semester III)
LITERATURE AND CINEMA (CBCS)

Course Objectives:

- To introduce film and its relationship to literature to the students
- To acquire film literacy through a working knowledge of basic film terminology
- To develop critical approaches to engage with film adaptations
- To establish a clear understanding of literature through film adaptations of literary texts
- To introduce the students to the issues and practices of cinematic adaptations

Detailed Syllabi
June 2019 Onwards

Module I

Theories of Adaptation

Module II

Adaptation as Interpretation

Module III

William Shakespeare's *Comedy of Errors* and its Adaptation *Angoor* (dir. Gulzar, 1982)

Module IV

William Shakespeare's *Comedy of Errors* and its Adaptation *Angoor* (dir. Gulzar, 1982)

Division of Teaching: 4 Modules X 15 Periods = 60 Periods

Prescribed Texts:

Shakespeare, William. *The Comedy of Errors*, ed. Wells (Oxford, 1995).

William Shakespeare's *Comedy of Errors* and its Adaptation *Angoor* (dir. Gulzar, 1982)

Suggested Reading:

Linda Hutcheon, 'On the Art of Adaptation', *Daedalus*, vol. 133, (2004).

Thomas Leitch, 'Adaptation Studies at Crossroads', *Adaptation*, 2008, vol.1, no.1, pp. 63–77.

Poonam Trivedi, 'Filmi Shakespeare', *Litfilm Quarterly*, vol. 35, issue 2, 2007.

Tony Bennett and Janet Woollacott, 'Figures of Bond', in *Popular Fiction: Technology, Ideology, Production, Reading*, ed. Tony Bennet (London and New York: Routledge, 1990).

Deborah Cartmell and Imelda Whelehan, eds., *The Cambridge Companion to Literature on Screen* (Cambridge: Cambridge University Press, 2007).

John M. Desmond and Peter Hawkes, *Adaptation: Studying Film and Literature* (New York: McGraw-Hill, 2005).

Linda Hutcheon, *A Theory of Adaptation* (New York: Routledge, 2006).

J.G. Boyum, *Double Exposure* (Calcutta: Seagull, 1989).

B. Mcfarlens, *Novel to Film: An Introduction to the Theory of Adaptation* (Clarendon University Press, 1996).

B. A. Part II
(Discipline Specific Core) (DSC-C5)
English (Paper III) (Semester III)
LITERATURE AND CINEMA
(CBCS)
June 2019 Onwards
Pattern of Question Paper

Marks: 50

- Q1. A) Five multiple choice questions with four alternatives (5)
B) Answer the following questions in one word/ phrase/sentence each.
(Q. 1 A and B to be set on Module III and IV) (5)
- Q.2. Answer the following questions in about 250-300 words (10)
(A or B on Module I and II)
- Q.3. Answer the following questions in about 250-300 words (10)
(A or B on Module III and IV)
- Q.4. Write Short Notes in about 100-150 words each (4 out of 6) (20)
(three to be set on Module I, II, and three on Module III, IV)

Suggestions for Q.3 and Q.4:

- A film/book review of the prescribed film/text
- Comparative study of the text and film adaptation based on technique, cinematic liberty, distortion, plot, characterization, language, theme, etc.
- From page to stage difference between the textual aesthetics and film aesthetics
- Questions based on the theory of adaptation
- Structural elements of the text and the film
- Questions based on text and context

B. A. Part II
(Discipline Specific Core) (DSC-C29)
English (Paper V) (Semester IV)
LITERATURE AND CINEMA
(CBCS)

Course Objectives:

- To introduce film and its relationship to literature to the students
- To acquire film literacy through a working knowledge of basic film terminology
- To develop critical approaches to engage with film adaptations
- To establish a clear understanding of literature through film adaptations of literary texts
- To introduce students to the issues and practices of cinematic adaptations

Detailed Syllabi
June 2019 Onwards

Module I

Transformation and Transposition

Module II

Hollywood and 'Bollywood'

Module III

Chetan Bhagat's *Five Point Someone* and its Adaptation *3 Idiots* (dir. Rajkumar Hirani, 2009)

Module IV

Chetan Bhagat's *Five Point Someone* and its Adaptation *3 Idiots* (dir. Rajkumar Hirani, 2009)

Division of Teaching: 4 X 15 Periods = 60 Periods

Prescribed Text:

Bhagat, Chetan, *Five Points Someone*. New Delhi: Rupa & Co. 2004.

Chetan Bhagat's *Five Point Someone* and its Adaptation *3 Idiots* (dir. Rajkumar Hirani, 2009)

Suggested Reading:

Linda Hutcheon, 'On the Art of Adaptation', *Daedalus*, vol. 133, (2004).

Thomas Leitch, 'Adaptation Studies at Crossroads', *Adaptation*, 2008, vol.1, no.1, pp. 63–77.

Poonam Trivedi, 'Filmi Shakespeare', *Litfilm Quarterly*, vol. 35, issue 2, 2007.

Tony Bennett and Janet Woollacott, 'Figures of Bond', in *Popular Fiction: Technology, Ideology, Production, Reading*, ed. Tony Bennet (London and New York: Routledge, 1990).

Deborah Cartmell and Imelda Whelehan, eds., *The Cambridge Companion to Literature on Screen* (Cambridge: Cambridge University Press, 2007).

John M. Desmond and Peter Hawkes, *Adaptation: Studying Film and Literature* (New York: McGraw-Hill, 2005).

Linda Hutcheon, *A Theory of Adaptation* (New York: Routledge, 2006).

J.G. Boyum, *Double Exposure* (Calcutta: Seagull, 1989).

B. Mcfarlens, *Novel to Film: An Introduction to the Theory of Adaptation* (Clarendon University Press, 1996).

Biswas Mun Mun Das, "Depiction of Youth Culture in Chetan Bhagat's *Five Point Someone*"
The Criterion: An International Journal in English, Vo.4, Issue-II, April 2013,
<http://www.the-criterion.com/V4/n2/Mun.pdf>

B. A. Part II
(Discipline Specific Core) (DSC-C29)
English (Paper V) (Semester IV)
LITERATURE AND CINEMA (CBCS)

June 2019 Onwards
Pattern of Question Paper

Marks: 50

- Q1. A) Five multiple choice questions with four alternatives (5)
B) Answer the following questions in one word/ phrase/sentence
(Q. 1 A and B to be set on Module III and IV) (5)
- Q2. Answer the following questions in about 250-300 words [10]
(A or B on Module I and II)
- Q3. Answer the following questions in about 250-300 words [10]
(A or B on Module III and IV)
- Q4. Write Short Notes in about 100-150 words each (4 out of 6) [20]
(three to be set on Module I, II, & three on Module III, IV)

Suggestions for Q.3 and Q.4:

- A film/book review of the prescribed film/text
- Comparative study of the text and film adaptation based on technique, cinematic liberty, distortion, plot, characterization, language, theme, etc.
- From page to stage difference between the textual aesthetics and film aesthetics
- Questions based on the theory of adaptation
- Structural elements of the text and the film
- Questions based on text and context

B. A. Part II
(Discipline Specific Core) (DSC-C6)
English (Paper IV) (Semester III)
PARTITION LITERATURE (CBCS)

Course Objectives:

- To create an awareness of the partition scenario among the students
- To explain the hidden human dimensions of the partition to the students
- To elaborate on the impact of partition on society

Detailed Syllabi
June 2019 Onwards

Module I

Partition: Causes and Effects

Module II

Communal conflicts and Violence

Module III

Khushwant Singh's *A Train to Pakistan*

Module IV

Khushwant Singh's *A Train to Pakistan*

Division of Teaching: 4 Modules X 15 Periods = 60 Periods

Prescribed Text:

Singh, Khushwant. *A Train to Pakistan*. New Delhi: Ravi Dayal Publishers, 1956.

Suggested Reading:

Ritu Menon and Kamala Bhasin, 'Introduction', in *Borders and Boundaries* (New Delhi: Kali for Women, 1998).

Sukirta P. Kumar, *Narrating Partition* (Delhi: Indialog 2004).

Urvashi Butalia, *The Other Side of Silence: Voices from the Partition of India* (New Delhi: Kali for Women, 2000).

More, D.R. *The Novels on the Indian Partition*, Jaipur, Shruti Publication, 2008.

Sigmund Freud, 'Mourning and Melancholia', in *The Complete Psychological Works of Sigmund Freud*, tr. James Strachey (London: Hogarth Press, 1953) pp.3041-53.

Beniwal, Anup. *Representing Partition: History, Violence and Narration*. Delhi: Shakti Book House. 2005.

Bhalla, Alok. *Partition Dialogues: Memories of a Lost Home*. New Delhi: Oxford University Press. 2006.

Sharma, V.P. "Communalism and its Motifs in three Post Independence Novels: Khushwant Singh's *A Train to Pakistan*, Bhisham Sahni's *Tamas* and Chaman Nahal's *Azadi*," *Recent Indian English Literature*. Ed. S.D. Sharma, Karnal: Natraj Publishing House, 1998. Print.

Shyam. M. Asnani. "The Theme of Partition in the Indo-English Novel." *New Dimensions of Indian English Novel*. New Delhi: Doaba House Publication, 1988.38-50. Print.

B. A. Part II
(Discipline Specific Core) (DSC-C30)
English (Paper VI) (Semester IV)
PARTITION LITERATURE (CBCS)
Detailed Syllabi
June 2019 Onwards

Module I

Impact of Partition on Women

Module II

Home and Exile

Module III

Short Stories:

Toba Tek Singh - Saadat Hasan Manto
The Final Solution - Manik Bandopadhyay

Module IV

Short Stories:

Defend Yourself Against Me - Bapsi Sidhwa
A Leaf in the Storm - Lalithambika Antharjanam

Division of Teaching: 4 Modules X 15 Periods = 60 Periods

Short Stories Prescribed From:

Saadat Hasan Manto, "Toba Tek Singh", in *Black Margins: Manto*, tr. M. Asaduddin (New Delhi: Katha, 2003) pp. 212–20.

Manik Bandhopadhyaya, 'The Final Solution', tr. Rani Ray, *Mapmaking: Partition Stories from Two Bengals*, ed. Debjani Sengupta (New Delhi: Srishti, 2003) pp. 23–39.

Sidhwa, Bapsi. "Defend Yourself Against Me." in *And the World Changed: Contemporary Stories by Pakistani Women*, ed. M. Shamsie, 27–52. New York: The Feminist Press, 2008.

Lalithambika Antharjanam, "A Leaf in the Storm", tr. K. Narayana Chandran, in *Stories about the Partition of India*. ed. Alok Bhalla (New Delhi: Manohar, 2012) pp. 137–45.

Suggested Reading:

Ritu Menon and Kamala Bhasin, 'Introduction', in *Borders and Boundaries* (New Delhi: Kali for Women, 1998).

Sukirta P. Kumar, *Narrating Partition* (Delhi: Indialog 2004).

Urvashi Butalia, *The Other Side of Silence: Voices from the Partition of India* (New Delhi: Kali for Women, 2000).

More, D.R. *The Novels on the Indian Partition*, Jaipur, Shruti Publication, 2008.

- Sigmund Freud, 'Mourning and Melancholia', in *The Complete Psychological Works of Sigmund Freud*, tr. James Strachey (London: Hogarth Press,1953) pp.3041-53.
- Beniwal, Anup. *Representing Partition: History, Violence and Narration*. Delhi: Shakti Book House. 2005.
- Bhalla, Alok. *Partition Dialogues: Memories of a Lost Home*. New Delhi: Oxford University Press. 2006.
- Sharma, V.P. "Communalism and its Motifs in three Post Independence Novels: Khushwant Singh's *A Train to Pakistan*, Bhisham Sahni's *Tamas* and Chaman Nahal's *Azadi*," *Recent Indian English Literature*. Ed. S.D. Sharma, Karnal: Natraj Publishing House, 1998. Print.
- Shyam. M. Asnani. "The Theme of Partition in the Indo-English Novel." *New Dimensions of Indian English Novel*. New Delhi: Doaba House Publication, 1988.38-50. Print.

B. A. Part II
(Discipline Specific Core) (DSC-C6 and C30)
Semester III (Paper IV) and Semester IV (Paper IV)
PARTITION LITERATURE
(CBCS)
June 2019 Onwards

Pattern of Question Paper for (Paper IV) and (Paper IV)

- Q.1. A) Multiple Choice Questions with four alternatives. (5)
 B) Answer the following questions in one word/ phrase/sentence each. (5)
 (Q.1 A and B to be set on Module III and IV)
- Q.2.A) Answer the following question in about 250-300words. (10)
 OR
 B) Answer the following question in about 250-300words. (10)
 (A and B to be set on Module I and II)
- Q.3. A) Answer the following question in about 250-300words. (10)
 OR
 B) Answer the following question in about 250-300words. (10)
 (A and B to be set on Module III and IV)
- Q.4 A) Write short notes in about 100-150words each: (4 out of 6) (20)
 (3 to be set on Module I and II and 3 to be set on Module III and IV)

B. A. Part II
(Discipline Specific Core) (DSC-D17)
LINGUISTICS (Paper III) (Semester III)
INTRODUCTION TO MODERN GRAMMAR (CBCS)

Course Objectives:

- To acquaint the students with basic concepts in Linguistics in general
- To acquaint the students with units of language – Words, Phrases, Clauses, and Sentences
- To acquaint the students with the form and function of units of language
- To acquaint the students with basic concepts in Semantics
- To acquaint the students with basic concepts in Socio-linguistics

Detailed Syllabi
June 2019 Onwards

Module I

Orientation:

1. What is Grammar?
2. Prescriptive and Descriptive Grammar

Module II

Word Classes:

1. Open Class Words
2. Closed Class Words

Module III

Phrases:

1. Noun Phrase
2. Prepositional Phrase
3. Adjective Phrase

Module IV

Phrases:

1. Adverb Phrase
2. Genitive Phrase
3. Verb Phrase

Reference Books:

- Kanbarkar R.K. and Kulkarni R. A. *A Grammar of English*. Unique Publisher House, 1978.
- Leech G. N. et.al *English Grammar for Today*. Macmillan, 1973.
- Shastri S.V. & Shaikh M.A. *A Course in English Grammar and Composition*, Kolhapur, Phadake Publications, 1978.
- Thomson and Martinet. *A Practical English Grammar*. Oxford University Press, 1960.

Suggested Reading:

- Balasubramaniam, T. *A Textbook of English Phonetics for Indian Students*. Macmillan, 1981.
- Bolinger, Dwight. *Aspects of Language*. Harcourt Brace Javonovich, New York, 1968
- Quirk Randolph, *A University Grammar of English*. Oxford University Press. 1973.
- Crystal, David. *Linguistics*. Penguin Books, England. 1982
- Hockett, Charles F. *A Course in Modern Linguistics*. New York: Macmillan, 1958
- Rajimwale, Sharad. *Elements of General Linguistics Vol. I, II* Rama Brothers, New Delhi. 2001
- Ullman S. *The Principals of Semantics*. Oxford, Blackwell. 1957
- Yule, George. *Pragmatics*. Oxford OUP. 1996

B. A. Part II
(Discipline Specific Core) (DSC-D17)
LINGUISTICS (Paper III) (Semester III)
INTRODUCTION TO MODERN GRAMMAR (CBCS)
The Pattern of Question Paper
June 2019 Onwards

	Total Marks 50
Q. 1. Five Multiple Choice questions based on all Modules	[5]
Q. 2. Short answer type questions on Module I and II (2 out of 3)	[10]
Q. 3. Short Notes on Module III and IV (3 out of 4)	[15]
Q. 4. Give form and function labels on Module III (5 out of 6)	[10]
Q. 5. Correction of Sentences (based on articles, preposition, adverbs. Concord, number, voice, etc) (10 out of 10)	[10]

B. A. Part II
(Discipline Specific Core) (DSC-D45)
LINGUISTICS (Paper V) (Semester IV)
INTRODUCTION TO MODERN GRAMMAR (CBCS)

Course Objectives:

- To acquaint the students with Clauses
- To acquaint the students with different type of Sentences
- To acquaint the students with basic concepts in Stylistics and Sociolinguistics
- To acquaint the students with Varieties of Language

Detailed Syllabi (June 2019 Onwards)

Module I

Clauses:

1. Finite Clauses
2. Non-finite Clauses
3. Main Clauses

Module II

1. Subordinate Clauses
2. Co-ordination

Module III

Sentences:

1. Statements
2. Interrogative
3. Exclamatory
4. Imperative
5. Negative
6. Affirmative

Module IV

Sentences:

1. Simple
2. Compound
3. Complex
4. Active
5. Passive

Reference Books:

Kanbarkar R.K. and Kulkarni R. A. *A Grammar of English*. Unique Publisher House, 1978.

Leech G. N. et.al *English Grammar for Today*. Macmillan, 1973.

Shastri S.V. & Shaikh M.A. *A Course in English Grammar and Composition*, Kolhapur, Phadake Publications, 1978.
Thomson and Martinet. *A Practical English Grammar*. Oxford University Press, 1960.

Suggested Reading:

Balasubramaniam, T. *A Textbook of English Phonetics for Indian Students*. Macmillan, 1981.
Bolinger, Dwight. *Aspects of Language*. Harcourt Brace Javonovich, New York, 1968.
Quirk Randolph, *A University Grammar of English*. Oxford University Press. 1973.
Crystal, David. *Linguistics*. Penguin Books, England. 1982.
Hockett, Charles F. *A Course in Modern Linguistics*. New York: Macmillan, 1958.
Sharad. *Elements of General Linguistics Vol. I, II* Rama Brothers, New Delhi. 2001.
Ullman S. *The Principals of Semantics*. Oxford, Blackwell. 1957.
Yule, George. *Pragmatics*. Oxford OUP. 1996.

B. A. Part II
(Discipline Specific Core) (DSC-D45)
LINGUISTICS (Paper V) (Semester IV)
INTRODUCTION TO MODERN GRAMMAR (CBCS)
PATTERN OF QUESTION PAPER
June 2019 Onwards

	Total Marks 50
Q. 1. Five Multiple Choice questions based on all Modules.	[5]
Q. 2. Short answer type question on Module 1 and 2 (2 out of 3)	[10]
Q. 3. Short Note on Module 3 & 4 (3 out of 4)	[15]
Q. 4. Give form and function labels (on Module III) (5 out of 6)	[10]
Q. 5. Correction of Sentences (based on articles, preposition, adverbs, Concord, number, voice etc) (10 out of 10)	[10]

B. A. Part II
(Discipline Specific Core) (DSC-D18)
LINGUISTICS (Paper IV) (Semester III)
PERSPECTIVES ON MODERN LINGUISTICS (CBCS)

Detailed Syllabi
June 2019 Onwards

Module I

Orientation:

1. What is Linguistics?
2. Branches of Linguistics
3. What is Semantics?

Module II

Orientation:

1. What is style?
2. What is stylistics?
3. What is sociolinguistics?

Module III

Linguistics:

1. History of Linguistics?
2. Langue and Parole
3. Language as a System of Sign:
(Sign- Signifier-Signified.)
4. Diachronic and Synchronic Linguistics

Module IV

Semantics:

1. Synonymy
2. Antonymy
3. Polysemy

Reference Books:

- Crystal, David. *Linguistics*. Penguin Books, England.1982
Hudson R. A. *Sociolinguistics*. Cambridge, C.U.P. 1980
Leech, G. N. *A Linguistic Guide to English Poetry*. Longman, London.1969
Palmar, F. R. *Semantics*. Cambridge University Press.1996
Rajimwale, Sharad. *Elements of General Linguistics* Vol. I, II Rama Brothers, New Delhi. 2001.

Suggested Reading:

- Balasubramaniam, T. *A Textbook of English Phonetics for Indian Students*.
Macmillan. 1981.
Bolinger, Dwight. *Aspects of Language*. Harcourt Brace Javonovich, New York,1968.

Corder, S. Pit. *Introducing Applied Linguistics*. Harmondsworth, Penguin 1973.
Hockett, Charles F. *A Course in Modern Linguistics*. New York: Macmillan, 1958.
Ullman S. *The Principals of Semantics*. Oxford, Blackwell.1957.

B. A. Part II
(Discipline Specific Core) (DSC-D18)
LINGUISTICS (Paper IV) (Semester III)
PERSPECTIVES ON MODERN LINGUISTICS (CBCS)

PATTERN OF QUESTION PAPER
June 2019 Onwards

	Total Marks 50
Q. 1. Five Multiple Choice questions based on all Modules	[5]
Q. 2. Short answer type questions on Module I and II (2 out of 3)	[10]
Q. 3. Short Notes on Module III and IV (2 out of 3)	[10]
Q. 4. Short Answer type questions on Module II and III (5 out of 7)	[10]
Q. 5. Essay type question on Module III and IV (1 out of 2)	[15]

B. A. Part II (Discipline Specific Core) (DSC-D46)
LINGUISTICS (Paper VI) (Semester IV)
PERSPECTIVES ON MODERN LINGUISTICS
(CBCS)

Detailed Syllabi
June 2019 Onwards

Module I

1. Hyponymy
2. Homonymy
3. Collocation

Module II

Stylistics:

1. Ordinary and Literary Language
2. Poetic Devices:
 - a) Sense Devices
Figures of Speech
 - b) Sound Devices:
Rhyme & Rhythm, Alliteration, Onomatopoeia
3. Stylistic Analysis of a Short Poem.

Module III

Sociolinguistics:

- a. Varieties of Language
- b. Dialect: Regional & Social
- c. Standard Language

Module IV

Varieties of Language:

- a. Code-mixing and code-switching
- a. Pidgin and Creole

Reference Books:

1. Crystal, David. *Linguistics*. Penguin Books, England.1982
2. Hudson R. A. *Sociolinguistics*. Cambridge, C.U.P. 1980
3. Leech, G. N. *A Linguistic Guide to English Poetry*. Longman, London.1969
4. Palmar, F. R. *Semantics*. Cambridge University Press.1996
5. Rajimwale, Sharad. *Elements of General Linguistics* Vol. I, II Rama Brothers, New Delhi.2001

Suggested Reading:

1. Balasubramaniam, T. *A Textbook of English Phonetics for Indian Students*. Macmillan, 1981.
2. Bolinger, Dwight. *Aspects of Language*. Harcourt Brace Javonovich, New York,1968

3. Quirk Randolph, *A University Grammar of English*. Oxford University Press.1973.
4. Crystal, David. *Linguistics*. Penguin Books, England.1982
5. Hockett, Charles F. *A Course in Modern Linguistics*. New York: Macmillan, 1958
6. Rajimwale, Sharad. *Elements of General Linguistics Vol. I, II* Rama Brothers, New Delhi.2001
7. Ullman S.*The Principals of Semantics*.Oxford, Blackwell.1957
8. Yule, George. *Pragmatics*. Oxford OUP. 1996

B. A. Part II (Discipline Specific Core) (DSC-D46)
Linguistics (Paper VI) (Semester IV)
PERSPECTIVES ON MODERN LINGUISTICS
(CBCS)
Pattern of Question Paper
June 2019 Onwards

	Total Marks 50
Q. 1 Five Multiple Choice questions based on all Modules	[5]
Q 2 Short answer type questions on Module 1 & 2 (2 out of 3)	[10]
Q 3 Short Note on Module 3 & 4 (2 out of 3)	[10]
Q 4 Short Answer type questions on Module 2 to 3 (5 out of 7)	[10]
Q. 5 Essay type question on Unit- 3 to 4 (1 out of 2)	[15]

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

Syllabus

B.A.-II

SEMESTER - III

PAPER III- HISTORY OF MODERN MAHARASHTRA (1900 to 1960)

(CHOICE BASED CREDIT SYSTEM – (CBCS)

Credits: 04

(introduced from June 2019)

The first sixty years of 20th century was a period of great upheaval in Maharashtra. The events and changes that took place during this period made a lasting impact on the polity, society and economy of the region. The identity of Maharashtra region was forged during this period. This course introduces the students to the key historical events and transformations which have played an important role in making of modern Maharashtra

After studying the course the student will be able to...

CO1. Understand the beginnings and growth of nationalist consciousness in Maharashtra

CO2. Explain the contribution of Maharashtra to the national movement

CO3. Give an account of various movements of the peasants, workers, women and backward classes

CO4. Know the background and events which led to the formation of separate state of Maharashtra.

MODULE-1 Rise and Growth of Nationalism

- a) Rise of Nationalism 15
- b) Contribution of Gopal Krishna Gokhale
- c) Contribution of Lokmanya Tilak

MODULE -2 Role of Maharashtra in the National Movement

- a) Revolutionary Movement 15
- b) Non-Cooperation Movement
- c) Civil Disobedience Movement with special reference to the uprising in Solapur
- d) Quit India Movement with special reference to Prati Sarkar Movement

MODULE -3 Social Movements

- a) Peasants and Workers 15
- b) Women's rights
- c) Emancipation of Backward Classes

MODULE -4 Samyukta Maharashtra Movement

- a) Background 15
- b) Contribution of the Samyukta Maharashtra Samiti
- c) Events leading to the formation of Maharashtra State

Readings:

- Sukhatankar B R, Nineteenth Century history of Maharashtra, Shubadha-Saraswati Prakashan,1988
- Lederle Mathew, Philosophical Trends in Modern Maharashtra, Popular Prakashan, Bombay, 1976.
- Masselos J.C., Towards Nationalism, Group Affiliations and the Politics Associations Nineteenth Century Western India, Popular Prakashan, Bombay, 1974.
- Dhanagare, D. N. (1990), 'Shetkari Sanghatana: The Farmers' Movement in Maharashtra — Background and Ideology', Social Action, Vol. 40
- Doctor, A.H. Low caste protest movements in 19th and 20th century Maharashtra: A study of Jotirao Phule and B.R. Ambedkar, Indian Journal of Social Science. 4(2); 1991; 199-222
- पंडित नलिनी, महाराष्ट्रातील राष्ट्रवादाचा विकास,मॉडर्न बुक डेपो, मुंबई,१९७२
- परंपरा आणि परिवर्तन, प्रा.गं बा सरदार यांचे निवडक लेख, गोखले एजुकेशन सोसायटी, पुणे,१९८८
- फडणीस जगन,शेतकरी कामगार पक्षाचे राजकारण, अजब पुस्तकालय, कोल्हापूर,१९७८.
- पर्वते विष्णू,गांधी पर्व, महाराष्ट्र साहित्य आणि संस्कृती मंडळ, १९८५
- मनोहर कदम, नारायण मेघाजी लोखंडे: भारतीय कामगार चळवळीचे जनक, मुंबई, १९९५
- फडके य दि, विसाव्या शतकातील महाराष्ट्र, १ ते ४ खंड, श्रीविद्या प्रकाशन , १९८३ -
- प्रबोधनातील पाउल खुणा, प्रा.गं बा सरदार यांचे निवडक लेख, कॉन्टीनेन्टल प्रकाशन, १९७८
- गडकरी माधव - संयुक्त महाराष्ट्र लढ्याचे महारथी, पुणे,१९८७
- देवगिरीकर त्र्यं र -१९२० ते १९६२ काळातील राजकीय आठवणी,चित्रशाळा प्रेस प्रकाशन, पुणे, १९६५
- देशमुख जी व्ही, संयुक्त महाराष्ट्राचे मारेकरी, अरविंद प्रकाशन मुंबई, प्रकाशन वर्ष नाही
- जाधव वि तू, (अनु) राज्याची कारणमीमांसा, डॉ बाबासाहेब आंबेडकर, १९५५
- शिवणीकर राघव, सातारच सिंह, अंधाटे एस एस, पुणे २०००.
- भोले भा ल., बेडकिहाळ किशोर (संपा) बदलता महाराष्ट्र,(साठोत्तरी परिवारातच मागोवा) डॉ बाबासाहेब आंबेडकर अकादमी, सातारा,२००३.
- बडेकर दि के, संयुक्त महाराष्ट्र, चित्रशाळा प्रेस प्रकाशन, पुणे, १९४७.
- जोशी एस एम, मी एस एम,संयुक्त महाराष्ट्र (पूर्वार्ध) कॉन्टीनेन्टल प्रकाशन पुणे १९८४.

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

Syllabus B.A.-II

SEMESTER - IV

PAPER- V: HISTORY OF MODERN MAHARASHTRA (1960-2000)

(CHOICE BASED CREDIT SYSTEM – (CBCS)

Credits: 04

(introduced from June 2019)

After 1960 a new period of development began in the state of Maharashtra. The eminent leaders played a pioneering role in this period of rapid transformation. This was also a period of massive expansion of education as well as social transformation. This course introduces the students to significant leaders, events and transformations in history of Maharashtra

After completion of the course, the student will...

CO1. Acquaint himself with the contribution of eminent leaders of Maharashtra

CO2. Know about the economic transformation of Maharashtra

CO3. Understand the salient features of changes in society

CO4. Explain the growth of education

MODULE -1 Leaders:

- a) Congress : Y B Chavan, Vasantdada Patil 15
- b) Socialist: Nagnath Nayakawadi, S M Joshi, P K Atre
- c) Communist: Comrade S.A. Dange

MODULE -2 Major Issues and Events

- a) Agriculture Development with special reference to role of Vasanttrao Naik 15
- b) Industry –Sugar (Pravara Sugar Factory) and Milk (Aarey Dairy Mumbai)
- c) Natural Disasters (Earthquakes- Koyna 1967 and Latur 1993)

MODULE -3 Social Movements

- a) Muslim Satyashodhak Samaj 15
- b) Satyashodhak Communist Party
- c) Vidrohi Movement

MODULE -4 Educational Development

- a) Primary 15
- b) Secondary
- c) Higher and Technical Education

Readings:

- Baviskar B.S., The Politics of Development: Sugar Cooperatives in Rural Maharashtra, Oxford University Press, New Delhi, 1981
- Deshpande S.H., Economy of Maharashtra: Shri C. V. Joag Felicitation Volume Samaj Prabhodhan Sanstha, Poona, 1973
- Thakkar Usha & Kulkarni Mangesh, Politics in Maharashtra, Himalaya Publishing House, Mumbai, 1995
- Palshikar Suhas and Nitin Birmal (eds), Maharashtrache Rajkaran, Pratima, Pune.
- Baviskar B.S. and Attwood Donald (eds.), Finding the Middle Path, Vistaar Publications, New Delhi, 1995
- Bhole and Bedkiyal, Badalta Maharashtra (Marathi), Dr. Babasaheb Ambekar Academy Satara, 2003, 1981
- Pradeep Chavan, The Sugar Industry in Maharashtra, EPW, Vol.53, No 8, Feb,2018.
- Mohanty, Agrarian Transformation in Western India, Economic Gains and social costs, Taylor and Francis,2018
- Kulkarni B D. Role of Cooperative Factories, in Rural Development (An Interdisciplinary Study) Tilak Maharashtra Vidyapith Pune,1993.
- बेडकीहाळ किशोर, बदलता महाराष्ट्र, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अकॅडमी, सातारा २०१३
- श्री.ग. मुणगेकर (संपादक), परिवर्तनाचे प्रवाह महाराष्ट्र १९३१ ते १९८१, सकाळ सुवर्णमोहोत्सव प्रकाशन, १९८१
- पाटील पी सी, कर्मविरोपनिषिद्ध, ग्रामीण जीवन अभ्यास केंद्र १९६४.
- ठोके मो नि, श्रमिकांचे कैवारी, अभिनंदन प्रकाशन, कोल्हापूर, १९८३,
- पाटील सुभाष, (संपा) क्रांतिसिंह नाना पाटील स्मरणिका, हनमंतवडीये, १९९६.
- माने किरण, कथा क्रांती सूर्याची, कॉम्रेड गोविंदराव पानसरे अमृत महोत्सव समिती कोल्हापूर, २०१४.
- यादव सुमित, क्रांतिसिंह नाना पाटील जीवन व कार्य, सातारा इतिहास संशोधन मंडळ, २०१५.
- पाटील रा.तु यशवंतराव चव्हाण: एक वादग्रस्त पण कर्तबगार, मुत्सदी, सन्मित्र प्रकाशन कोल्हापूर.
- पाटील रा.तू., महाराष्ट्राच्या इतिहासातील कांही ताजी पाने, वसंतराव आणि यशवंतराव, सन्मित्र प्रकाशन कोल्हापूर.
- अहिर ज य, क्रांतिवीर नागनाथ अण्णा नायकवडी वाळवा, २०१०
- कुलकर्णी हेरंब, दारिद्र्याची शोध यात्रा,समकालीन प्रकाशन पुणे.
- घोटाळे विवेक,अभय कांता, महाराष्ट्रातील दुष्काळ, युनिक अकादमी पुणे.
- देसाई दत्ता, महाराष्ट्राच्या विकासाची दिशा, हवी नवी मळवाट, परिवर्तन प्रकाशन
- गवेकर अरुण (डॉ) उच्च शिक्षण समस्या प्रवाह, उत्कर्ष प्रकाशन,पुणे,२०११.
- तावडे स्नेहल (डॉ) माध्यमिक व उच्चमाध्यमिक शिक्षण व्यवस्थापन, समस्या आणि उपाय,डायमंड प्रकाशन पुणे.
- शहा सुरेखा, महाराष्ट्राचे जलनायक, सुमेरू प्रकाशन
- मोरवंचीकर रा.श्री. भारतीय जलसंस्कृती स्वरूप व व्याप्ती, सुमेरू प्रकाशन
- कणिकर राजश्री, जलसंपदा, परममित्र प्रकाशन
- पाटील दिनेश, असंतोषाचा अब्राम्हणी क्रांतिसूर्य कॉम्रेड शरद पाटील,पार्थ पब्लिकेशन कोल्हापूर,२०१९.

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

Syllabus

B.A.-II

SEMESTER - III

PAPER IV: HISTORY OF INDIA (1757-1857)

(CHOICE BASED CREDIT SYSTEM – (CBCS)

Credits: 4

(introduced from June 2019)

This course will acquaint the students with the history of India under British rule. It will help the students to understand how the East India Company established and consolidated its rule in India. They will know about the impact of colonial rule on the Indian Economy. It will also familiarize the students with the revolts against the company rule.

After studying this course, the student will...

CO1. Acquaint himself with significant events leading to establishment of the rule of East India Company

CO2. Know the colonial policy adopted by the company to consolidate its rule in India

CO3. Understand the structural changes initiated by colonial rule in Indian economy.

CO4. Explain the various revolts against rule of the East India Company.

Module- 1 Establishment of Company rule in India 15

- a) Causes for establishment of Company rule
- b) Struggle with Native Powers (Bengal and Mysore)
- c) Struggle with Marathas

Module -2 Making of a Colonial Policy 15

- a) Dual Government - Robert Clive
- b) Subsidiary Alliance - Lord Wellesley,
- c) Doctrine of Lapse - Lord Dalhousie,

Module -3 Making of a Colonial Economy 15

- a) Land revenue settlements- (*Permanent Settlement, Ryotwari, Mahalwari*)
- b) De-industrialization
- c) Drain of Wealth

Module -4 Revolts against Company Rule 15

- a) Tribal Revolts
- b) Revolt of 1857
- c) Queen's Proclamation of 1858 and its effects

Readings:

- Bandyopadhyay, S. From Plassey to Partition. Delhi: Orient Longman, 2004.
- Bose, S and Ayesha Jalal. Modern South Asia: History, Culture, Political Economy. New Delhi: OUP, 1998
- Chandra, B. Nationalism and Colonialism in Modern India. Delhi: Orient Longman, 1996.
- Habib, I. Indian Economy 1757-1857: A People's History of India Series. Vol. 25. Delhi, Tulika Books, 2013
- Habib, I. Indian Economy 1858-1914: A People's History of India. Vol. 28. New Delhi:Tulika Books, 2006
- Grover B. L. and Mehta Alka- A New Look at Modern Indian History –
- Majumdar, Ray Choudhary, Datta- An Advanced History of India –
- Prasad, Ishwari and Subedar. - A History of Modern India
- Chhabra, G.S.-An Advanced Study in the History of Modern India, Vol. I, II, III
- Tara Chand - History of Freedom Movement in India – Four Volumes
- Chakravarty, Subhash, The Raj Syndrome: A study in Imperial Perceptions, 1989
- Cohn, B., Colonialism and its Forms of Knowledge, Princeton, New Jersey, Princeton University Press, 2001
- Stokes, Eric, The Peasant Armed: The Indian Rebellion of 1857, (ed.) Bayly, C.A, New Delhi, Oxford University Press, 1986
- Mukherji, Ramakrishna: The Rise and Fall of the East India Company
- S.C. Sarkar: The Bengal Renaissance (हिंदी- बंगाल का नवजागरण)
- R.C. Mazumdar, H.C. Raychaudhuri and Kalikinkar, Datta: An Advanced History of India (हिंदी- भारत का बृहद इतिहास)
- ग्रीवर, बी. एल., व बेल्लेकर एन.के.- आधुनिक भारताचा इतिहास - एक नवीन मुल्यांकन, एस.चंद पब्लिकेशन नई दिल्ली.
- वैध, सुमन व कोठेकर शांता – आधुनिक भारताचा इतिहास (१७५७-१८५७), (१८५७-१९२०),(१९२०-१९४७)
- बंद्योपाध्याय, शेखर- प्लासी से विभाजन तक, आधुनिक भारत का इतिहास (हिंदी)
- कुलकर्णी , अ. रा.- कंपनी सरकार (ईस्ट इंडिया कंपनी), राजहंस प्रकाशन प्रा. लिमिटेड,पुणे.

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

Syllabus

B.A.-II

SEMESTER – IV

PAPER VI: History of Freedom Struggle (1858-1947)

(CHOICE BASED CREDIT SYSTEM – (CBCS)

Credits: 04

(introduced from June 2019)

The course is designed to study the freedom struggle in India from 1858 to 1947. It will familiarize the students with events leading to emergence of national consciousness in India. They will be acquainted with the prolonged struggle launched by the Indian National Congress under the leadership of Mahatma Gandhi. They will also know about the struggle of the revolutionaries, leftists and the Indian National Army. The course will introduce students to the concept of Communalism and the process which led to the partition of India.

After completion of this course, the student will be able to...

CO1. Understand the events which lead to the growth of nationalism in India

CO2. Acquaint himself with major events of the freedom struggle under the leadership of Mahatma Gandhi

CO3. Explain the contribution of Revolutionaries, Left Movement and Indian National Army

CO4. Know the concept of Communalism and the causes and effects of the partition of India

Module- 1	Rise of Nationalism	15
	a) Formation of Indian National Congress	
	b) Contribution of Moderates	
	c) Contribution of Extremists (Swadeshi Movement and Home Rule Movement)	
Module -2	Gandhian Era	15
	a) Non-Cooperation Movement	
	b) Civil Disobedience Movement	
	c) Quit India Movement	
Module -3	Other Strands	15
	a) Revolutionary Movement	
	b) Leftist Movement	
	c) Subhash Chandra Bose and Indian National Army	
Module -4	Communalism and Partition	15
	a) Concept of Communalism	
	b) Causes for Partition	
	c) Effects of Partition	

Readings

- Bandyopadhyay, S. From Plassey to Partition. Delhi: Orient Longman, 2004.
- Chandra Bipan, Rise and Growth of Economic Nationalism in India, Delhi, 1966
- Chandra, B. Nationalism and Colonialism in Modern India. Delhi: Orient Longman, 1996.
- Mujumdar R. C. - British Paramountcy & Indian Renaissance, Part I & II, Bhartiya Vidhya Bhavan (3rd Ed.) 1991.
- Bhattacharjee, Arun, History of Modern India (1707 – 1947), Ashish Publishing House, New Delhi 1976
- Dutt, R.P. India Today. Calcutta: Manisha, 1986
- Sarkar, S. Modern India 1885-1947. Delhi: Macmillan, 1983.
- Tara Chand, History of Freedom Movement in India, Vol. 1to 4, Publication Division, Government of India, New Delhi, 1961-1972
- Chousalkar, Ashok, Indian Idea of Political Resistance, Ajanta Publication, Delhi 1990
- B.R. Nanda (ed), Gokhale: The Indian Moderates and the British Raj, Princeton University Press, New Jersey, 1977
- Daniel Argov, Moderates and Extremists in the Indian National Movement, 1833-1920, 1967.
- ताराचंद - भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास खंड-१,२,३,४,(हिंदी)
- चंद्र, बिपीन, एवं अन्य - भारत का स्वतंत्रता संघर्ष , हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, नई दिल्ली. (हिंदी)
- चंद्र, व इतर - (अनु. मा. कृ. पारधी)- स्वातंत्र्याचा लढा, नॅशनल बुक ट्रस्ट इंडिया, नवी दिल्ली .
- ग्रोव्हर, बी. एल., व बेल्लेकर एन.के.-आधुनिक भारताचा इतिहास - एक नवीन मुल्यांकन
- जावडेकर, श.द., आधुनिक भारत, पुणे, १९७९(reprint)
- केळकर, श्रीपाद , असहकाराचे आंदोलन
- लिमये, मधु. - स्वातंत्र्य चळवळीची विचारधारा, समाजवादी मित्र बिरादरी, पुणे.
- सरकार, सुमित - आधुनिक भारत का इतिहास , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली. (हिंदी)
- वाळिंबे, व्ही.एस.- सत्तावन ते सत्तेचाळीस, स्वातंत्र्य लढ्याची संस्मरणीय कहाणी, राजहंस पब्लिकेशन पुणे.
- ग्रोव्हर, बी. एल., व बेल्लेकर एन.के.- आधुनिक भारताचा इतिहास - एक नवीन मुल्यांकन, एस.चंद पब्लिकेशन नई दिल्ली.
- वैध, सुमन व कोठेकर शांता - आधुनिक भारताचा इतिहास (१७५७-१८५७), (१८५७-१९२०),(१९२०-१९४७)
- बंद्योपाध्याय, शेखर- प्लासी से विभाजन तक, आधुनिक भारत का इतिहास (हिंदी)

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

Syllabus

B.A.-II

SEMESTER - III

IDS PAPER I: SOCIAL REFORMS IN INDIA

(CHOICE BASED CREDIT SYSTEM – (CBCS)

Credits: 04

(introduced from June 2019)

This course is conceived to introduce the students to the social and religious change in India expressed in various social reform movements. Students will explore the significance and impact of prominent social and reform movements. It will help the students to understand how the ideals of rationalism, humanism and universalism were encouraged by the Indian social reformers. The course will attract students from a wide variety of social science disciplines.

After completion of the course, the student will be able to ...

CO1. Understand the salient features of prominent socio-religious reform movements

CO2. Explain the thought and work of Mahatma Phule for radical transformation of Indian society

CO3. Know the measures taken by Rajashri Shah Maharaj for emancipation of lower classes and women

CO4. Understand the thoughts of Ambedkar on the annihilation of the caste system and untouchability in India

CO5. Know how the Indian constitution embodies the values of social justice and equality

MODULE-1 Socio-Religious Reform Movements

- a) Raja Ram Mohan Roy and Brahma Samaj 15
- b) Swami Dayanand Saraswati and Arya Samaj
- c) Swami Vivekanand and Ramakrishna Mission

MODULE-2 Mahatma Phule

- a) Educational and Social Work 15
- b) Satyashodhak Samaj
- c) Thoughts of Mahatma Phule (with special reference to *Shetkaryancha Asud* and *Gulamgiri*)

MODULE-3 Rajashri Shahu Maharaj

- a) Educational and Social upliftment of lower classes 15
- b) Women's Rights
- c) Hostel Movement

MODULE-4 Dr Babasaheb Ambedkar

- a) Thoughts on Annihilation of Caste 15
- b) Mahad Incident and the Temple entry movement
- c) Social Justice and Indian Constitution

Readings:

- Kenneth W. Jones, Socio-religious reform movements in British India, Cambridge University Press, 1994
- David Kopf, The Brahmo Samaj and the Shaping of the Modern Indian Mind, Princeton, 1979
- Amiya P. Sen , Social and Religious Reform, Oxford University Press, 2005
- J.T.F. Jordens, Dayananda Saraswati, Oxford University Press, Delhi, 1997
- Kopf, The Bramho Samaj and Shaping of the Modern India, Princeton University press, 1979.
- Rosalind O Hanlon, Caste Conflict and Ideology: Mahatma Jotirao Phule and low caste protest in nineteenth century western India, South Asia Publication CUP, 1985
- Salunkhe, P.B. and Mali M.G; “Chhatrapati Shahu the Pillar of Social Democracy” ; Education Department Government of Maharashtra, Gargoti, Kolhapur, 1994.
- Sarkar Sumit: “Bibliographical Survey of Social Reform Movements in the Eighteenth and Nineteenth centuries”, Indian Council of Historical Research, New Delhi,1975.
- Vaidya, G.N, “Shahu Chhatrapati- Ruler and a Revolutionary”, Shivaji University,
- Suraj Yengade, Anil Teltumbde, (ed.), The Radical in Ambedkar, Penguin Random House India, 2018
- Babasaheb Ambedkar, Annihilation Of Caste, Dr. Babasaheb Ambedkar Writings and Speeches, Vol. 1, Education Department, Government of Maharashtra, 2016
- Chavan Sheshrao, The Constitution of India: Role of Dr. B.R. Ambedkar— Legend and Reality, Atlantic ,2014.
- कीर धनंजय, डॉ बाबास्हेब आंबेडकर, पॉपुलर प्रकाशन, १९६६.
- वाघमारे जनार्दन (डॉ) स्वामी दयानंद सरस्वती, कीर्ती प्रकाशन, औरंगाबाद, २०१०
- घोष गौतम, आधुनिक भारताचे प्रेषित स्वामी दयानंद, (अनु) मोर्डेकर माधव, मेहता पब्लिशिंग हौस, पुणे
- वैद्य प्रभाकर, महात्मा फुले आणि त्यांची परंपरा, प्रेरणा- शिकवण-विपर्यास, लोकवाड्मय, मुंबई
- फडके य दि, (संपा) महात्मा फुले समग्र वाडमय, महाराष्ट्र साहित्य संकृती मंडळ मुंबई, १९९१
- नरके हरी, (डॉ) संशोधनाच्या नव्या वाटा, महाराष्ट्र साहित्य संकृती मंडळ मुंबई, १९९८
- कीर धनंजय, महात्मा फुले, पॉपुलर प्रकाशन, १९७३.
- पवार जयसिंगराव, राजर्षी शाहू छत्रपती- एक मागोवा, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, कोल्हापूर, २०१८
- पवार जयसिंगराव, राजर्षी शाहू – एक दृष्टीक्षेप, कोल्हापूर, १९८९
- पी.बी. साळुंखे (संप) , राजर्षी शाहू गौरव ग्रंथ, मुंबई, १९७६
- बाबर अशोक (डॉ) आंबेडकरवाद, कोटी अंड बाबर पब्लिकेशन, सोलापूर, २०१६.
- बाबासाहेब आंबेडकर, जातिव्यवस्थेचे निर्मुलन (मराठी अनुवाद- प्रा. प्रकाश सिरसाट, उच्च व तंत्रशिक्षण विभाग, महाराष्ट्र शासन, २०१५

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

Syllabus B.A.-II

SEMESTER - IV

IDS PAPER- II: SOCIAL REFORMS IN MAHARASHTRA

(CHOICE BASED CREDIT SYSTEM – (CBCS)

Credits: 04

(introduced from June 2019

Fundamental changes took place in the society of Maharashtra during the 19th and 19th centuries. The beginnings of Western education, press and industrialization made a lasting impact on the thinking of people. Eventually some reform-oriented people started movements to reform the society. This course introduces the students to the salient features of social reforms in Maharashtra.

After studying the course, the student will be able to...

CO1. Know about the beginnings of social reforms in Maharashtra by the Paramhansa Mandali and Prarthana Samaj.

CO2. Understand the contribution of women reformers

CO3. Explain the contribution of Social reformers in the fight for social justice

CO4. Explain the role played by educational reforms in transformation of society.

MODULE-1 Beginnings of Social Reform

a) Social condition in early 19th century 15

b) Paramhansa Mandali

c) Prarthana Samaj

MODULE -2 Women Reformers

a) Savitribai Phule 15

b) Tarabai Shinde

c) Pandita Ramabai

MODULE -3 Social Reformers

a) Lahuji Salve 15

b) Maharshi Vitthal Ramji Shinde

c) Gadage Maharaj

d) Annabhu Sathe

MODULE -4 Educational Reforms

a) Karmaveer Bhaurao Patil 15

b) Dr. Bapuji Salunkhe

c) Punjabrao Deshmukh

Readings:

- Kenneth W. Jones, Socio-religious reform movements in British India, Cambridge University Press, 1994
- Amiya P. Sen, Social and Religious Reform, Oxford University Press, 2005
- Articles on Paramhansa Sabha, Prarthana Samaj, Satyashodhak Samaj in Murali Ranganathan (ed.), The Collected Works of JV Naik, Asiatic Society of Mumbai, 2016

- Ravindra Kumar, Western India in the Nineteenth Century: A study in the social history of Maharashtra: Volume 27 (Studies in Social History) Routledge & Kegan Paul,1968
- Feldhaus Anne (Edit)Images of Women in Maharashtrian Society, State University of New York Press ,1998
- The Pandita Ramabai Story: In Her Own Words, Mukati Mission Clinton,2018
- Ganachari A. G., Nationalism and Social Reform in a Colonial Situation, Kalpaze, Publication, New Delhi, 2005.
- Ghugare Shivprabha, Renaissance in Western India: Karmveer V.R.Shinde Himalaya Publishing House, Bombay, 1983.
- उमेश बागाडे, महाराष्ट्रातील प्रबोधन आणि वर्गजातिप्रभुत्व, सुगावा प्रकाशन, पुणे, २००६
- मा. प. मंगुडकर, महात्मा फुले आणि सत्यशोधक चळवळ, दादर, प्रकाशन तारीख नाही
- पवार बा ग, महर्षी विठ्ठल रामजी शिंदे, मातृभूमी प्रकाशन पुणे
- माळी मा गो, सावित्रीबाई फुले समग्र वाडमय
- पवार ब. ग. सावित्रीबाई फुले चरित्र, मातृभूमी प्रकाशन,पुणे
- खोले विलास, (संपा) स्त्री पुरुष तुलना, ताराबाई शिंदे, संशोधित आवृत्ती, प्रतिमा प्रकाशन,१९९७
- पवार एम जी, महर्षी विठ्ठल रामजी शिंदे समग्र वाडमय, अक्षरधारा प्रकाशन कोल्हापूर,
- भगत रा तू, समतासूर्य गाडगेबाबा, चैतन्य प्रकाशन कोल्हापूर.
- भगत रा तू, चैतन्य प्रकाशन कोल्हापूर असे होते गाडगेबाबा.
- घोडे अनंत कोल्हापूर सशत्रु क्रांतीचे जनक लहूजी वस्ताद
- कदम सोमनाथ डी, मातंग समाजाचा इतिहास, अरुणा प्रकाशन, लातूर.
- साहित्यरत्न लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे, निवडक वाडमय, खंड क्र १ व २लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे चरित्र साधने प्रकाशन समिती, महाराष्ट्र शासन ,मुंबई
- गुरव बाबुराव (डॉ) अण्णाभाऊ साठे समाज विचार आणि साहित्य विवेचन,, लोकवाडमय प्रकाशन मुंबई
- सुर्वे गजानन, शिक्षण महर्षी बापुजी साळुंखे चरित्र ग्रंथ, ,शिक्षण महर्षी बापुजी साळुंखे सत्कार समिती,कराड १९८१
- मोहिते कल्पना, डॉ पंजाबराव देशमुख यांचे जीवन व कार्य, मुक्ता पब्लिशिंग हाउस कोल्हापूर,२०१२.

Equivalence of Old papers

Sr. No	Semester No	Title of Old Paper	Title of New Paper
1	III	History of Social Reforms in India	IDS PAPER I: SOCIAL REFORMS IN INDIA
2	IV	History of Social Reforms in Maharashtra	IDS PAPER- II: SOCIAL REFORMS IN MAHARASHTRA
3.	III	Paper III:World Revolution-I	PAPER III- HISTORY OF MODERN MAHARASHTRA (1900 to 1960)
4.	IV	Paper-V World Revolution-II	PAPER- V: HISTORY OF MODERN MAHARASHTRA (1960-2000)
5.	III	Paper IV:Freedom Struggle of India-	PAPER IV: HISTORY OF INDIA (1757-1857)
6.	IV	Paper VI - Freedom Struggle of India-II	PAPER VI: HISTORY OF FREEDOM STRUGGLE (1858-1947)

Structure of Question Paper

Faculty of Humanities

Common Nature of Question Paper (Except Languages)

Choice Based Credit System

B.A.-Part II (Semester III and IV) Examination

Day and Date:

Total Marks: 50

Time:

Instruction: 1) All Questions are compulsory

2) Figures to the right indicate full marks

1. Select the correct alternative from the following (10)

1).....

a) b) c) d)

2).....

a) b) c) d)

3).....

a) b) c) d)

4).....

a) b) c) d)

5).....

a) b) c) d)

6).....

a) b) c) d)

7).....

a) b) c) d)

8).....

a) b) c) d)

9).....

- a) b) c) d)

10).....

- a) b) c) d)

2. Write short notes on any FOUR out of six (20)

3. (A) Essay Question: (10)

OR

(B) Essay Question:

4. (A) Essay Question: (10)

OR

(B) Essay Question:

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

बी.ए. भाग-२ : B.A. Part-II

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2019 onward

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

Choice Based Credit System

सत्र-३ : Semester No. III

Discipline Specific Core Course (DSC-C1) Marathi Paper No.III

विद्याशाखीय विशेष गाभा (DSC-C1) (अभ्यासपत्रिका - ३)

साहित्यकृती : काय डेंजर वारा सुटलाय! (नाटक)

जयंत पवार, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई, २०११

: मराठी भाषिक कौशल्ये

शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन, कोल्हापूर, २०१९

उद्दिष्ट्ये:

१. नाटक या वाङ्मय प्रकाराचे आकलन करून घेणे.
२. समकालीन नाटकातून नाटककाराच्या समकालाचे प्रतिबिंब कशाप्रकारे प्रकट होते याचा अभ्यास करणे.
३. नाट्याभ्यासाद्वारे प्रयोगरूप नाटक व नाट्यक्षेत्रातील ज्ञानसंपादनास चालना देणे.
४. नाट्याभ्यासातून सभ्यता, संस्कृती, राष्ट्रीय एकात्मता व बंधुता वाढीस लावणे.
५. विद्यार्थ्यांमध्ये संवादलेखन कौशल्ये विकसित करणे.

अ. क्र. Sr. No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	काय डेंजर वारा सुटलाय! – आशयसूत्रे	१५	१
विभाग २ Module II	काय डेंजर वारा सुटलाय! – पात्रे, घटनाप्रसंग, संवाद व संघर्षाचे स्वरूप	१५	१
विभाग ३ Module III	काय डेंजर वारा सुटलाय! – नाट्यविशेष व भाषाविशेष	१५	१
विभाग ४ Module IV	उपयोजित मराठी – संवाद लेखन ● संवाद : स्वरूप आणि व्याख्या ● संवाद कौशल्यासाठी आवश्यक बाबी ● संवादाचे प्रकार ● उदाहरणदाखल कथानकावर संवादलेखन	१५	१

मूलभूत वाचन :

१. कदम-जांगडा, नीलिमा लेख- 'अंतर्बाह्य हादरवणारा वारा' दै. वृत्तमाणूस, मुंबई, १४/८/२०१०
२. करमकर, दीपेश लेख- 'जागतिकीकरणाचा डेंजर वारा' आपला परममित्र (दिवाळी अंक) नोव्हें., डिसेंबर, २०१२
३. बागले, प्रभाकर लेख- 'काय डेंजर वारा सुटलाय-एक विचार' साहित्य आणि सांस्कृतिक संवेदन, शब्दालय प्रकाशन, श्रीरामपूर.
४. जोशी, संजय भास्कर लेख- 'लक्षवेधी पुस्तके - काय डेंजर वारा सुटलाय' ललित, सप्टें., २०११
५. पवार, जयंत लेख- 'एका गुंत्याचा गुंताडा' साधना, पुणे, १२ जाने., २०१३
६. आठलेकर, मंगल लेख- 'खूप मोठं अवसान गोळा करावं लागतं' साधना, पुणे, १२ जाने., २०१३
७. गमरे, गौतम बा. लेख- 'काय डेंजर वारा सुटलाय' रंगवाचा (मासिक), फेब्रु., २०१७
८. गुप्ते, विश्राम लेख- 'काय डेंजर वारा सुटलाय-बोलकी हिंसा' परिवर्तन (त्रैमासिक), मुंबई, एप्रिल, मे, जून, २०१२
९. नाडकर्णी, कमलाकर लेख- 'काय डेंजर वारा सुटलाय' दै. आपलं महानगर, मुंबई, २० ऑगस्ट, २०१०

पूरक वाचन :

१०. धांडे, चंद्रकांत मराठी नाट्यसमीक्षेचा इतिहास, परिमल प्रकाशन, औरंगाबाद
११. कुलकर्णी, व. दि. नाटक : रंगाविष्कार आणि रंगास्वाद, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे
१२. शिंदे, विश्वनाथ व स्मार्त, हिमांशू मराठी नाटक आणि रंगभूमी, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे, २००८
१३. कुलकर्णी, द. भि. नाटक : स्वरूप आणि समीक्षा, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे
१४. भावे, पुष्पा रंग नाटकाचे, राजहंस प्रकाशन, मुंबई
१५. गावडे, गोपाळ मामा वरेरकर : प्रयोगाची नांदी, मनोकामना प्रकाशन, इस्लामपूर, २०१७
१६. भगत, दत्ता मराठी नाटक आणि रंगभूमीचा इतिहास: आरंभ ते १९९० पर्यंत, प्रकाशक महाराष्ट्र राज्य साहित्य, संस्कृती मंडळ, २०१९
१७. कानडे, मु. श्री. मराठी रंगभूमीची १२५ वर्षे : नाट्यविषयक ठळक नोंदी, स्नेहवर्धन पब्लिशिंग हाऊस पुणे, २०१०
१८. घोरपडे, अक्षय संवाद आणि लेखन कौशल्ये, प्रशांत पब्लिकेशन, जळगांव, २०१९
१९. तौर, पृथ्वीराज (संपा.) मराठी भाषिक कौशल्ये विकास, अथर्व पब्लिकेशन, धुळे, २०१८
२०. जोशी, प्रभाकर व वले, वासुदेव उपयोजित मराठी भाग १, प्रशांत पब्लिकेशन, जळगांव, २०१७
२१. जोशी, प्रभाकर उपयोजित मराठी, प्रशांत पब्लिकेशन, जळगांव, २०१७

* प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप *

Pattern of Question Paper

एकूण गुण - ५० : Total Marks-50

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	१० गुण
प्रश्न २	विभाग १ वरील अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ३	विभाग २ वरील अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ४	विभाग ३ वर थोडक्यात उत्तरे द्या (तीन पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ५	विभाग ४ वर लघुत्तरी प्रश्न (चार पैकी दोन)	१० गुण

टीप : प्रश्न क्र. १ मधील वस्तुनिष्ठ प्रश्न विभाग १, २ व ३ वर असतील.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

बी.ए. भाग-२ : B.A. Part-II

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2019 onward

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

Choice Based Credit System

सत्र-३ : Semester No. III

Discipline Specific Core Course (DSC-C2) Marathi Paper No. IV

विद्याशाखीय विशेष गाभा (DSC-C2) (अभ्यासपत्रिका - ४)

पाठ्यपुस्तक : काव्यगंध

शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन, कोल्हापूर, २०१९

: मराठी भाषिक कौशल्ये

शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन, कोल्हापूर, २०१९

उद्दिष्ट्ये:

१. मराठी काव्यपरंपरा व प्रवाहांची ओळख करून घेणे.
२. मराठी काव्यातून प्रकट होणारे माणूस आणि समाज यातील परस्पर संबंध शोधणे.
३. कवितेच्या कलात्मक आकृतीबंधाचे मोल अभ्यासणे.
४. काव्यप्रवाहानुरूप काव्यलेखनाचे विशेष अभ्यासणे.
५. प्रात्यक्षिकाद्वारे काव्यलेखन कौशल्ये रुजविणे.

अ. क्र. Sr. No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	केशवसुत- १. अंत्यजाच्या मुलाचा पहिला प्रश्न २. नवा शिपाई (सामाजिक) ३. तुतारी ४. मजुरावर उपासमारीची पाळी ५. गोफण केली छान! वसंत बापट- १. फुंकर २. जपावयाला शिकली होतीस ३. आज (प्रेमविषयक) अचानक ४. नाजुक रुपडे ५. विस्मृती	१५	१
विभाग २ Module II	नारायण सुर्वे- १. दोन दिवस २. माझी आई ३. गिरणीची लावणी (श्रमविषयक) ४. पोष्टर ५. नेहरू गेले त्या वेळची गोष्ट वसंत आबाजी डहाके- १. त्या संध्याकाळी समुद्र २. आख्यान (महानगरीय) ३. खेळ ४. पुतळे ५. वास्तववाद	१५	१
विभाग ३ Module III	अजीम नवाज राही- १. दुष्काळ : काही संदर्भ (वंचितांची कविता) २. जातीय दंगल : बारा भानगडींची तेरा वळणे ३. सुरक्षेची हमी देणारा कळपवाद! ४. मोडतोडीतून डागडुजीची भाषा शिकताना ५. मोहल्ला, पक्षी आणि कातरवेळ कल्पना दुधाळ- १. बाय आणि गाय २. झुलत्या फांदीला (कृषी जाणीव) ३. घोषणा ४. खस्ता ५. धग असतेच आसपास	१५	१
विभाग ४ Module IV	उपयोजित मराठी - काव्यनिर्मिती प्रक्रिया १. प्रसंगावर २. घटनेवर ३. चित्रावर ४. अनुभवावर	१५	१

मूलभूत वाचनः

१. पंडित, भ. श्री. (संपा.) समग्र केशवसुत, व्हीनस प्रकाशन, पुणे
२. क्षीरसागर, शकुंतला संपूर्ण केशवसुत, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई, २००१
३. बापट, वसंत सेतू, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई, पुनर्मुद्रण, २००४
४. कुसुमाग्रज (संपा.) निवडक नारायण सुर्वे, लोकवाङ्मयगृह, मुंबई, १९९४
५. सुर्वे, नारायण माझे विद्यापीठ, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई, आवृत्ती २ री, २००५
६. डहाके, वसंत आबाजी शुभवर्तमान, मौज प्रकाशन, मुंबई, १९९७
७. डहाके, वसंत आबाजी शुनःशेष, लोकवाङ्मयगृह, मुंबई, १९९६
८. डहाके, वसंत आबाजी चित्रलिपी, लोकवाङ्मयगृह, मुंबई, २००६
९. राही, अजीम नवाज व्यवहाराचा काळा घोडा, मुक्तछंद प्रकाशन, नागपूर, २००४
१०. राही, अजीम नवाज कल्लोळातला एकांत, अक्षरमानव प्रकाशन, पुणे, २०१२
११. राही, अजीम नवाज वर्तमानाचा वतनदार, लोकवाङ्मयगृह, मुंबई, २०१७
१२. दुधाळ, कल्पना सिद्धर कर म्हणतेय माती, हर्मिस प्रकाशन, पुणे
१३. दुधाळ, कल्पना धग असतेच आसपास, लोकवाङ्मयगृह, मुंबई
१४. कदम, महेंद्र लेख-कल्पना दुधाळ यांचं शेतीशास्त्र, साप्ता. विवेक, ५ मार्च, २०१८
१५. धसकटे, सुशील मुलाखत-कल्पना दुधाळ यांची मुलाखत, अक्षरनामा, १२ जाने., २०१८
१६. शर्मा, नीला लेख-कल्पना व वास्तवादर्श्यानाचा पूल ठरलेली कविता, दै.सकाळ, ८ मार्च, २०१८
१७. कदम, महेंद्र लेख-कल्पना दुधाळ यांच्या कवितेची शैली, कवितेची शैली, अक्षरवाङ्मय, पुणे, २०१९
१८. शानेदिवान, राजेखान भारतीय मुसलमानःवर्तमान आणि भविष्य, अक्षरदालन प्रकाशन, कोल्हापूर
१९. कुलकर्णी, अंजली लेख-वर्तमानाचा स्वशोध, दै. लोकसत्ता, पुणे १५ एप्रिल, २०१८
२०. चांदवडकर, तुषार लेख-वर्तमानाचा वतनदार, दै.सकाळ, रविवार पुरवणी, २९ एप्रिल, २०१८

पूरक वाचनः

२१. सानप, किशोर युगांतराची कविता, ग्रंथाली प्रकाशन, मुंबई
२२. पी. विठ्ठल मराठी कविताःसमकालीन परिदृश्य, कैलाश पब्लिकेशन्स, औरंगाबाद, २०१९
२९. रसाळ, सुधीर काही मराठी कवी : जाणवा आणि शैली, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे, १९९६
३०. सुर्वे, कृष्णाबाई नारायण मास्तरांची सावली, डिंपल प्रकाशन, मुंबई

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

Pattern of Question Paper

एकूण गुण - ५० : Total Marks-50

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	१० गुण
प्रश्न २	विभाग १ वरील अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ३	विभाग २ वरील अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ४	विभाग ३ वर थोडक्यात उत्तरे द्या (चार पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ५	विभाग ४ वर लघुत्तरी प्रश्न (चार पैकी दोन)	१० गुण

टीप : प्रश्न क्र. १ मधील वस्तुनिष्ठ प्रश्न विभाग १, २ व ३ वर असतील.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

बी.ए. भाग-२ : B.A. Part-II

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2019 onward

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

Choice Based Credit System

सत्र-४ : Semester No. IV

Discipline Specific Core Course (DSC-C25) Marathi Paper No. V

विद्याशाखीय विशेष गाभा (DSC-C25) (अभ्यासपत्रिका - ५)

साहित्यकृती : माती, पंख आणि आकाश (आत्मचरित्र)

ज्ञानेश्वर मुळे, मनोविकास प्रकाशन, पुणे, आवृत्ती अकरावी, २०१७

: मराठी भाषिक कौशल्ये

शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन, कोल्हापूर, २०१९

उद्दिष्ट्ये:

१. आत्मचरित्र या वाङ्मयप्रकाराची ओळख करून घेणे.
२. इतर वाङ्मयप्रकार आणि आत्मचरित्र यातील अभिव्यक्ती रूपांचा अभ्यास करणे.
३. आत्मचरित्रकाराच्या व्यक्तिमत्त्वाची जडण-घडण आणि त्याचा समकाल समजून घेणे.
४. वेगवेगळ्या भारतीय प्रांतातील व परदेशातील जीवनदर्शन समजून घेणे.
५. आत्मवृत्तपर लेखन कौशल्ये विकसित करणे.

अ. क्र. Sr. No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	माती, पंख आणि आकाश - जीवनानुभवाचे स्वरूप	१५	१
विभाग २ Module II	माती, पंख आणि आकाश - शैक्षणिक, सामाजिक आणि सांस्कृतिक पर्यावरण	१५	१
विभाग ३ Module III	माती, पंख आणि आकाश - वाङ्मयीन गुणविशेष	१५	१
विभाग ४ Module IV	उपयोजित मराठी - आत्मवृत्तलेखनाचे स्वरूप १. आत्मकथन/स्वकथन २. प्रवास वर्णन ३. रोजनिशी	१५	१

मूलभूत वाचनः

१. हातकणंगलेकर, म.द. लेख-अंतःकरणाचा ठाव घेणारे वेगळ्या धाटणीचे आत्मकथन, दै.सकाळ, १ मार्च, १९९८
२. खाडिलकर, मीना लेख-वेगळ्या घाटाचे आत्मचरित्र, दै. तरुण भारत, २६ जुलै, १९९८
३. लोकापुरे, राजू लेख-माती, पंख आणि आकाश, दै. महासत्ता, ३० ऑगस्ट, १९९८
४. लाटकर, मानसी लेख-माती, पंख आणि आकाश, दै. लोकसत्ता, लोकरंग, ६ सप्टें., १९९८
५. कोटीभस्कर, मधुमालती लेख-ललितरम्य शैलीतील आत्मचरित्र, दै. पुढारी, ३१ जाने., १९९९.
६. महांबरे, गंगाधर लेख-मातीतून घेतलेल्या आकाशभरारीची सुरस, सफल आत्मकहाणी, दै.सकाळ, ४ जुलै, १९९९

पूरक वाचनः

८. जोशी, अ. म. चरित्र-आत्मचरित्र, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
९. भोसले, नारायण अविस्मरणीय चरित्र - आत्मचरित्रे, अथर्व पब्लिकेशन, जळगाव
१०. हस्तक, उषा मराठीतील आत्मचरित्रात्मक लेखन, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
११. शानेदिवान, राजेखान खाली जमीन वर आकाश - एक विमर्ष, शब्दवेल प्रकाशन, कोल्हापूर, २००८
१२. काळसेकर, सतीश वाचणाऱ्याची रोजनिशी, लोकवाङ्मयगृह, मुंबई

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

Pattern of Question Paper

एकूण गुण - ५० : Total Marks-50

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	१० गुण
प्रश्न २	विभाग १ वरील अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ३	विभाग २ वरील अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ४	विभाग ३ वर थोडक्यात उत्तरे द्या (तीन पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ५	विभाग ४ वरील लघुत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन)	१० गुण

टीप : प्रश्न क्र. १ मधील वस्तुनिष्ठ प्रश्न विभाग १, २ व ३ वर असतील.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

बी.ए. भाग-२ : B.A. Part-II

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2019 onward

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

Choice Based Credit System

सत्र-४ : Semester No. IV

Discipline Specific Core Course (DSC-C26) Marathi Paper No. 6

विद्याशाखीय विशेष गाभा (DSC-C26) (अभ्यासपत्रिका - ६)

साहित्यकृती : जुगाड (कादंबरी)

किरण गुरव, दर्या प्रकाशन, पुणे, २०१८

: मराठी भाषिक कौशल्ये

शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन, कोल्हापूर, २०१९

उद्दिष्ट्ये:

१. कादंबरी वाङ्मयप्रकाराची ओळख करून घेणे.
२. समकालीन कादंबरीतील नव्या अवकाशाचा शोध घेणे व आधुनिकतेमधील अंतर्विरोध समजून घेणे.
३. मानवी मूल्यांविषयी जाणीव निर्माण करणे.
४. कादंबरीलेखनाचे विशेष अभ्यासणे.
५. वृत्तांतलेखन कौशल्ये रुजविणे.

अ. क्र. Sr. No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	जुगाड - आशयसूत्रे	१५	१
विभाग २ Module II	जुगाड - घटना, प्रसंग आणि व्यक्तिरेखांचे स्वरूप व पर्यावरण	१५	१
विभाग ३ Module III	जुगाड - वाङ्मयीन विशेष	१५	१
विभाग ४ Module IV	उपयोजित मराठी - वृत्तांतलेखन : <ul style="list-style-type: none">● वृत्तांतलेखनाचे स्वरूप● वृत्तांतलेखनाचे घटक आणि वैशिष्ट्ये● वृत्तांतलेखकाच्या अंगी आवश्यक गुण● साहित्य/संशोधन/शैक्षणिक स्थळास अभ्यास सहलीद्वारे प्रत्यक्ष भेट देऊन त्यावर आधारित वृत्तांतलेखनाचा सराव करवून घेणे	१५	१

मूलभूत वाचनः

१. थोरात, हरिश्चंद्र लेख- 'आधुनिकतेला सामोरे जाणारे जुगाड' मुक्तशब्द (मासिक), फेब्रु.२०१९
२. खरे, नंदा लेख- 'उद्योगविश्वावर क्ष किरण' दै. लोकसत्ता, रविवार पुरवणी, २०/१/२०१९
३. मुनघाटे, प्रमोद लेख- तरुण पिढीची होरपळ, दै. महाराष्ट्र टाईम्स, रविवार संवाद, १०/२/२०१९

पूरक वाचनः

४. बांदिवडेकर, चंद्रकांत मराठी कादंबरीचा इतिहास, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे, दु.आ., १९९६
५. बांदिवडेकर, चंद्रकांत मराठी कादंबरी चिंतन आणि समीक्षा, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे, दु.आ., १९९६
६. डहाके, वसंत आबाजी दृश्यकला आणि साहित्य, लोकवाङ्मयगृह, मुंबई, २०१३
७. यादव, आनंद साहित्याची निर्मितीप्रक्रिया, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे, तिसरी आ., २००२
८. पाटील, आनंद सृजनात्मक लेखन, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे, २००५
९. इनामदार-साने, रेखा अस्तित्ववाद आणि मराठी कादंबरी, राजहंस प्रकाशन, पुणे, २००४
१०. शेलार, सुधाकर मराठी साहित्य : काही लेखनबंध, स्वरूप प्रकाशन, औरंगाबाद, २०१३
११. पाटील, म. सु. साहित्याचे सामाजिक व सांस्कृतिक अनुबंध, शब्दालय प्रकाशन, श्रीरामपूर, २००१
१२. थोरात, हरिश्चंद्र कादंबरीविषयी, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे
१३. थोरात, हरिश्चंद्र कादंबरी एक साहित्य प्रकार, शब्द प्रकाशन, मुंबई
१४. टापरे, पंडित कादंबरी : संवाद, शब्द प्रकाशन, मुंबई
१५. खोले, विलास गेल्या अर्धशतकातील कादंबरी, लोकवाङ्मयगृह, मुंबई
१६. मोहिते, गणेश समकालीन मराठी कादंबरी, जनशक्ती वाचक चळवळ, औरंगाबाद

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

Pattern of Question Paper

एकूण गुण - ५० : Total Marks-50

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	१० गुण
प्रश्न २	विभाग १ वरील अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ३	विभाग २ वरील अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ४	विभाग ३ वर थोडक्यात उत्तरे द्या (चार पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ५	विभाग ४ वरील लघुत्तरी प्रश्न (चार पैकी दोन)	१० गुण

टीप : प्रश्न क्र. १ मधील वस्तुनिष्ठ प्रश्न विभाग १, २ व ३ वर असतील.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

बी.ए. भाग-२ : B.A. Part-II

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2019 onward

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

Choice Based Credit System

सत्र-३ : Semester No. III

Inter Disciplinary Studies (IDS-1) Marathi Paper No. 1

साहित्यकृती : कर्मवीर भाऊराव पाटील (चरित्र)

ए.व्ही.मॅथ्यू, प्रकाशक-सचिव, रयत शिक्षण संस्था, सातारा

(सदर ग्रंथाचा पहिला खंड पृ.क्र. १ ते २९३ पर्यंत अभ्यासक्रमासाठी ग्राह्य असेल)

उद्दिष्ट्ये:

१. मराठीतील चरित्रात्मक वाङ्मयाचा परिचय करून घेणे.
२. चरित्रात्मक वाङ्मयातील चरित्र नायकाच्या व्यक्तित्वाचे पैलू अभ्यासणे.
३. चरित्रात्मक वाङ्मयातून सामाजिक, शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक जीवनाची पार्श्वभूमी समजून घेणे.
४. चरित्रात्मक वाङ्मयाधारे राष्ट्रीय एकात्मता आणि मानवी मूल्यांविषयी जाणीव निर्माण करणे.
५. जाहिरात लेखनाची कौशल्ये विकसित करणे.

अ. क्र. Sr. No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	कर्मवीर भाऊराव पाटील यांच्या व्यक्तिमत्त्वाची जडणघडण व व्यक्तित्वाचे पैलू	१५	१
विभाग २ Module II	कर्मवीर भाऊराव पाटील यांचे कार्य	१५	१
विभाग ३ Module III	कर्मवीर भाऊराव पाटील या चरित्र ग्रंथातील वाङ्मयीन विशेष	१५	१
विभाग ४ Module IV	उपयोजित मराठी - जाहिरात लेखन १. वृत्तपत्रासाठी जाहिरात लेखन २. आकाशवाणीवरील जाहिरात लेखन ३. चित्रवाणीवरील जाहिरात लेखन	१५	१

मूलभूत वाचनः

१. पाटील, अजित	माणसातील देव, प्रकाशक-मॅकमिलन इंडिया लिमिटेड, पुणे
२. पाटील, अजित	कर्मविरायण, प्रकाशक- सचिव, रयत शिक्षण संस्था, सातारा
३. पवार, बा. ग.	कर्मवीर भाऊराव पाटील, मातृभूमी प्रकाशन, पुणे
४. भोसले, द. ता.	कर्मवीर भाऊराव पाटील,
५. जाधव, रमेश	कर्मवीर भाऊराव पाटील,
६. तोडमल, ह. कि.	कर्मवीर पाटील,
७. पाटील, पी. जी.	कर्मवीरोपनिषद् अर्थात कर्मवीर भाऊराव पाटील यांच्या आठवणी,
८. पाटील, विमल	वटवृक्ष,
९. पाटणे, संभाजीराव	त्यागमूर्ती कर्मवीर भाऊराव,

पूरक वाचनः

११. जोशी, अ. म.	चरित्र-आत्मचरित्र, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
१२. भोसले, नारायण	अविस्मरणीय चरित्र - आत्मचरित्रे, अथर्व पब्लिकेशन, जळगांव
१३. नसिराबादकर, ल. रा.	व्यवहारोपयोगी मराठी, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर, १९९४
१४. घोरपडे, अक्षय	संवाद आणि लेखन कौशल्ये, प्रशांत पब्लिकेशन, जळगांव, २०१९
१५. तौर, पृथ्वीराज (संपा.)	मराठी भाषिक कौशल्ये विकास, अथर्व पब्लिकेशन, धुळे, २०१८
१६. जोशी, प्रभाकर व वले, वासुदेव	उपयोजित मराठी भाग १, प्रशांत पब्लिकेशन, जळगांव, २०१७
१७. जोशी, प्रभाकर	उपयोजित मराठी, प्रशांत पब्लिकेशन, जळगांव, २०१७
१८. कुंभार, प्रकाश	उपयोजित भाषाविज्ञान आणि प्रसारमाध्यमे, अक्षरदालन, कोल्हापूर, २०१८

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

Pattern of Question Paper

एकूण गुण - ५० : Total Marks-50

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	१० गुण
प्रश्न २	विभाग १ वरील अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ३	विभाग २ वरील अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ४	विभाग ३ वर थोडक्यात उत्तरे द्या (चार पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ५	विभाग ४ वरील लघुत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन)	१० गुण

टीप : प्रश्न क्र. १ मधील वस्तुनिष्ठ प्रश्न विभाग १, २ व ३ वर असतील.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

बी.ए. भाग-२ : B.A. Part-II

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2019 onward

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

Choice Based Credit System

सत्र-४ : Semester No. IV

Inter Disciplinary Studies (IDS-2) Marathi Paper No. 2

साहित्यकृती : आटपाटनगरीच्या कथा (कथासंग्रह)

द.ता. भोसले, ग्रंथाली प्रकाशन, मुंबई, २०१८

उद्दिष्ट्ये:

१. मराठी कथा वाङ्मयाचा उगम, विकास व स्वरूप अभ्यासणे.
२. लोककथेचे रचनाविशेष आणि आजची प्रयोगशील कथा यांचा परस्पर अनुबंध अभ्यासणे.
३. वर्तमानातील प्रश्न लोककथांचे तंत्र व आविष्कार पद्धतीद्वारे कसे मांडले जातात याचा अभ्यास करणे.
४. मुलाखतलेखन तंत्र विकसित करणे.

अ. क्र. Sr. No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	आटपाटनगरीच्या कथा - आशयसूत्रे	१५	१
विभाग २ Module II	आटपाटनगरीच्या कथा - मिथकातून उलगडणारे समकालीन वास्तव	१५	१
विभाग ३ Module III	आटपाटनगरीच्या कथा - वाङ्मयीन विशेष	१५	१
विभाग ४ Module IV	उपयोजित मराठी - मुलाखतलेखन तंत्र १. मुलाखतीची पूर्वतयारी २. वृत्तपत्रासाठी मुलाखतलेखन ३. आकाशवाणीवरील मुलाखत ४. दूरचित्रवाणीवरील मुलाखत	१५	१

मूलभूत वाचनः

१. पंचभाई, विनोद लेख-एक विलक्षण कलाकृती:आटपाटनगरीच्या कथा,चपराक (मासिक), सप्टेंबर, २०१५
२. जवंजाळ, सुनिल लेख-जगण्याला श्रीमंत करणाऱ्या विचारांची संपत्ती म्हणजे आटपाटनगरीच्या कथा, दै.एकमत, ७ फेब्रु. २०१६
३. काळे, चांगदेव ग्रंथपरिचय, शब्दरुची (मासिक), सप्टें., २०१५
४. कदम, महेंद्र लेख-आटपाटनगरीच्या कथा, म.सा.प. पुणे, ऑक्टों., २०१८

पूरक वाचनः

५. जोशी, सुधा कथा : संकल्पना आणि समीक्षा, मौज प्रकाशन, मुंबई
६. जाधव, रा. ग. मराठीतील कथारूपे, स्नेहवर्धन पब्लिशिंग हाऊस, पुणे, १९९९
७. ऐनापुरे, जी. के. मराठी कथा : मूल्य आणि ज्हास, ललित पब्लिकेशन, मुंबई, २०१८
८. बेंडखळे, अशोक मराठी कथा : परंपरा आणि नवता (अक्षरयात्रा), राजा प्रकाशन, मुंबई
९. हातकणंगलेकर, म. द. मराठी कथा : रूप आणि परिसर, श्रीविद्या प्रकाशन, पुणे
१०. टापरे, पंडित कथा : रूप आणि आस्वाद, नीहारा प्रकाशन, पुणे
११. नसिराबादकर, ल. रा. व्यवहारोपयोगी मराठी, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर, १९९४
१२. घोरपडे, अक्षय संवाद आणि लेखन कौशल्ये, प्रशांत पब्लिकेशन, जळगांव, २०१९
१३. तौर, पृथ्वीराज (संपा.) मराठी भाषिक कौशल्ये विकास, अथर्व पब्लिकेशन, धुळे, २०१८
१४. जोशी, प्रभाकर व वले,वासुदेव उपयोजित मराठी भाग १, प्रशांत पब्लिकेशन, जळगांव, २०१७
१५. जोशी, प्रभाकर उपयोजित मराठी, प्रशांत पब्लिकेशन, जळगांव, २०१७
१६. कुंभार, प्रकाश उपयोजित भाषाविज्ञान आणि प्रसारमाध्यमे, अक्षरदालन, कोल्हापूर, २०१८
१७. बागाडे, जयप्रकाश मुलाखत तंत्र व मंत्र, साकेत प्रकाशन, औरंगाबाद

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

Pattern of Question Paper

एकूण गुण - ५० : Total Marks-50

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	१० गुण
प्रश्न २	विभाग १ वरील अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ३	विभाग २ वरील अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ४	विभाग ३ वर थोडक्यात उत्तरे द्या (चार पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ५	विभाग ४ वरील लघुत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन)	१० गुण

टीप : प्रश्न क्र. १ मधील वस्तुनिष्ठ प्रश्न विभाग १, २ व ३ वर असतील.

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR



Revised Syllabus For

Bachelor of Arts (B. A. POLITICAL SCIENCE)

Faculty of Humanities B. A. Part - II (Sem. III and IV)

CBCS based Syllabus to be implemented from June 2019 onwards.

Equivalence Table

Paper	Old Syllabus		New Syllabus
B.A. Part- II Semester III			
Paper-III	Basic Concepts in Political Science	DSC D7 Paper-III	Political Process in India
Paper-IV	Ancient Indian Political Thought	DSC D8 Paper-IV	Indian Political Thought Part -I
IDS Paper-I	Public Administration	CGE Paper I	Public Administration
B.A. Part- II Semester IV			
Paper	Old Syllabus		New Syllabus
Paper-V	Local Self Government and Movements in Maharashtra	DSC D35 Paper-V	Local Self Government in Maharashtra
Paper-VI	Modern Indian Political Thought	DSC D36 Paper-VI	Indian Political Thought Part -II
IDS Paper-II	Public Administration	CGE Paper II	Public Administration

Course Structure for B.A.II Political Science
B.A.II

Sr. No.	Semester	Name of the Course	Discipline Specific Elective
1.	III	Political Process in India - III	Political Science Course - III
		Indian Political Thought Part I - IV	Political Science Course - IV
		Public Administration - I	Compulsory Generic Elective - I
2.	IV	Local Self Government in Maharashtra - V	Political Science Course - V
		Indian Political Thought Part II - VI	Political Science Course - VI
		Public Administration - II	Compulsory Generic Elective - II

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
SYLLABI AND READING LIST
B.A.II Political Science
Semester III
Discipline Specific Course (D7)
DSC (D7) Paper-III Political Process in India

Sr. No.	Unit No. and Title of the Unit	Teaching Hours	Credits
1.	Unit 1: Indian Federalism a) Nature & Characteristics of Indian Federalism b) Centre-State Relations : Legislative, Administrative, Financial c) Changing nature of federal System	15	01
2.	Unit 2: Electoral Process in India a) Election Commission : Composition and Functions b) Review of Selected General Election 1952, 1977, 1989, 2014 c) Electoral Reforms - Corruption and Criminalization of Electoral Politics	15	01
3.	Unit 3: Party System of India a) Nature and Changing Pattern of Party System b) Selected National Political Parties: Indian National Congress, Bhartiya Janata Party, Communist Parties (CPM, CPI), Bahujan Samajwadi Party (BSP) c) Rise and Role of Regional Parties	15	01
4.	Unit 4: Issues in Indian Politics a) Caste and Politics of Identity b) Religion and Politics of Communalism c) Regionalism & Challenges before Development	15	01

References

- 1) Basu D. D., Introduction to Indian Constitution, Lexis Nexis (Pub.)
- 2) Laxmikanth M., Indian Polity, Mc Graw Hill Education, New Delhi.
- 3) Dasarathy Bhuyan, 2016, Political Process in India, Cattack Kitab Mandal
- 4) Appadorai, A. (2005). *The Substance of Politics*. N. Delhi: 2005.
- 5) Austin, Granville (1966). *Indian Constitution: A Cornerstone of a Nation*. N. Delhi: OUP.
- 6) Bandyopadhyay, Sekhar (2004). *From Plassey to Partition and After: A History of Modern India*. N. Delhi: Orient BlackSwan.
- 7) Badrinarayan (2011). *The Making of The Dalit Public in North India: Uttar Pradesh 1950- Present*. N. Delhi: OUP.
- 8) Chatterjee, Parth (2010). *Empire and Nation. Essential Writings (1985-2005)*. N. Delhi: Permanent Black.
- 9) Constituent Assembly Debates, Volumes I, II, and III. (Available in ILU Library).
- 10) Dhavan, Rajeev (2008). *Reserved! How Parliament Debated Reservations 1995-2007*. N. Delhi: Rupa & Company.
- 11) Ganguly, Sumit, Larry Diamond & Marc F. Plattner (eds.). (2007). *The State of India's Democracy*. Baltimore: The John Hopkins University Press.
- 12) Guaba, O.P. (2008). *An Introduction to Political Theory*. N. Delhi: Macmillan India Limited. Fourth Edition.
- 13) Gudavathy, Ajay. (2013). *Politics of Post-Civil Society: Contemporary History of Political Movements in India*. N. Delhi: Sage.
- 14) Guru, Gopal & Sundar Surakkai. (2006). *The Cracked Mirror*. N. Delhi: OUP.
- 15) Hasan, Zoya, E. Shridharan & R. Sudarshan (eds.) (2002). *India's Living Constitution: Ideas*,
- 16) भोले भा. ल., भारताचे गणराज्याचे शासन,
- 17) जोशी प. ल. भारतीय संविधान शासन आणि राजकारण, विद्या प्रकाशन नागपुर
- 18) बी. बी. पाटील & उर्मिला चव्हाण, भारतातील राजकीय प्रक्रिया , फडके प्रकाशन, कोल्हापूर.

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
B.A.II Political Science
Semester III

Discipline Specific Course (D8)
DSC (D8) Paper-IV Indian Political Thought Part -I

Sr. No.	Unit No. and Title of the Unit	Teaching Hours	Credits
1.	Unit 1: Kautilya a) Nature of State - Saptang Theory b) King and His Administration, Council of Ministers c) Mandal Theory & Shadgunya Theory	15	01
2.	Unit 2: Mahatma Phule a) Theory of State – Concept of Balirajya b) Religion – Critique on Brahmanism c) Satyashodhak Samaj & it's Revolutionary Thought	15	01
3.	Unit 3: Justice M. G. Ranade a) Political Liberalism b) Thoughts on Social Reforms c) Economic Ideas	15	01
4.	Unit 4: B. G. Tilak a) Cultural Nationalism b) Concept on Swarajya (Four Fold Program) c) Right to Resist (Pratiryogita Sahakarita)	15	01

Reference Books:

- Altekar A.S., State and Government in India, Motilal Banarasidas , Delhi,1958
- Chakrabarty Bidyut & Pandey R.K., Modern Indian Thought, Sage, 2009
- Deshpande G.P. (ed.), 'Introduction', *Selected Writings of Jotirao Phule* , Leftword: New Delhi,2002
- Jayswal K.P. Hindu Polity: A Constitutional History of India in Hindu Times, Butterwort, Calcutta, 1924
- Kangale R.P. , Arthshastra of Kautilya , Motilal Banarasidas , Delhi,1965
- Omvedt Gail, Dalit Visions: *The Anti Caste Movement and the Construction of an Indian Identity*, Orient Longman Pvt. Ltd., 2006

- Pantham Thomas & Deutsch (ed.), Political Thought in Modern India, Sage, 1986
- Singh, M.P., Indian Political Thought- Themes and Thinkers, Pearson, New Delhi, 2011
- Verma V.P., Studies in Hindu political Thought and its Metaphysical Foundations, Delhi, 1954
- कीर धनंजय, महात्मा फुले समग्र वाङ्मय, महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळ, मुंबई १९८८
- चौसाळकर अशोक, प्राचीन भारतीय राजकीय विचार: प्रवाह व अंतःप्रवाह, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे, २०११.
- डोळे ना. य., भारतीय राजकीय विचारवंत, विद्या पब्लिशर्स, औरंगाबाद, १९९९
- भोळे भा.ल., आधुनिक भारतीय राजकीय विचार, पिंपलापुरे, नागपूर, २००३
- चव्हाण, रा. ना., महात्मा फुले यांचा शोध व बोध, चव्हाण प्रतिष्ठान पुणे.
- चव्हाण, रा. ना., महात्मा फुले यांचे नवदर्शन – एक तौलनिक अभ्यास, चव्हाण प्रतिष्ठान पुणे.
- चव्हाण, रा. ना., महात्मा फुले, सत्यशोधक समाज, चव्हाण प्रतिष्ठान पुणे.
- चव्हाण, रा. ना., महात्मा जोतीराव फुलेकृत सार्वजनिक सत्यधर्म (पुस्तक सार)
- बाचल वि. मा. भारतीय राजकीय विचारवंत, के सागर पब्लिकेशन्स, 2006.
- काणे प. सी., राजकीय सिद्धांत आणि राजकीय विचार, पिंपळापुरे आणि कंपनी पब्लिशर्स, नागपूर, २०००.
- बी. बी. पाटील & उर्मिला चव्हाण, आधुनिक भारतीय राजकीय विचार, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
B.A.II Political Science
Semester III
Compulsory Generic Elective - I
CGE Paper-I Public Administration

Sr. No.	Unit No. and Title of the Unit	Teaching Hours	Credits
1.	Unit 1: Public Administration a) Meaning, Definition and Nature b) Scope and Importance c) Public Administration and Private Administration	15	01
2.	Unit 2: Organization a) Meaning, Definition and Bases b) Principles : Hierarchy, Coordination, Span of Control, Centralization and Decentralization c) Units: Line and Staff.	15	01
3.	Unit 3: Public Corporations a) Meaning and Characteristics b) Control over Public Corporations c) Challenges of Privatization	15	01
4.	Unit 4: Changing Perspectives in Public Administration a) Development Administration b) Public Choice Approach c) New Public Management	15	01

Recommended Books

1. Dr.Sharma M. P. : Public Administration in theory and practice, Kitab Mahal, Allahabad.
2. Dr.Avasthi A.; Dr.Maheshwari S., Public Administration, Lakshmi Narain Agrawal,Agra.6
3. Basu R.,Public Administration - Concept and Theories, Sterling Publisher Pvt.Ltd.,New Delhi.

4. White L. D. : Introduction to the study of public administration
5. Bhattacharya M., Restructuring of Public Administration,
Jawahar Publishers, New Delhi.
6. इनामदार ना. र., लोकप्रशासन
7. गर्दे दि. का., लोकप्रशासन तत्त्व व तंत्र
8. प्रा. बी. बी. पाटील लोकरशासन, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर.
9. व्हा. भा. पाटील, लोकप्रशासन,
10. डॉ. पारस बोरा, प्रा. शाम शिरसाट, लोकप्रशासनशास्त्र, ज्ञानसमिधा पब्लिशिंग
वर्ल्ड, औरंगाबाद.

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
B.A.II Political Science
Semester IV
Discipline Specific Course (D35)
DSC (D35) Paper-V Local Self Government in Maharashtra

Sr. No.	Unit No. and Title of the Unit	Teaching Hours	Credits
1.	Unit 1: Historical Background of Local Self Government a) Community Development Program b) Balawantrao Mehta Committee c) Vasantao Naik, L. N. Bongirwar, P. B. Patil Committee	15	01
2.	Unit 2: Rural Local Self Government a) Gram Panchayat b) Panchayat Samiti c) Zilla Parishad	15	01
3.	Unit 3: Urban Local Self Government a) Municipal Council b) Municipal Corporation	15	01
4.	Unit 4: Constitutional Amendments & Challenges a) 73 rd Constitutional Amendment Importance & Features b) 74 th Constitutional Amendment Importance & Features c) Challenges before local self Government	15	01

Reference Books:

- Maheshwari S.R. - Local Government in India, 2004
- Gadkari S.S. - Organization of the State Government in Maharashtra, 1965
- Bhat K.S. - Panchayat Raj Administration in Maharashtra, 1974
- Government of Maharashtra - Maharashtra Zilla Parishads and Panchayats Act.1961
- Government of Maharashtra – Municipal Act,1965
- पाटील पी. बी., पंचायत राज्याकडून ग्राम स्वराज्याकडे, समाजवादी प्रबोधिनी, इचलकरंजी
- शिरसाठ शाम, भारतीय स्थानिक स्वशासन, विद्या बुक्स, औरंगाबाद, २०१०

- पाटील शिवाजी आणि लॉडे प्रदीप, महाराष्ट्रातील पंचायतराज व पोलीस प्रशासन, प्ररूप प्रकाशन, कोल्हापूर, २०१६
- यमलवाड वसंत, महाराष्ट्रातील, कल्पना प्रकाशन, नांदेड १९९९
- एखेलीकर रमेश, भारतीय स्थानिक स्वराज्य संस्था, विद्या बुक्स, १९९९.
- बी. बी. पाटील & उर्मिला चव्हाण, महाराष्ट्रातील स्थानिक स्वराज्य संस्था आणि चळवळी, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
B.A.II Political Science
Semester IV
Discipline Specific Course (D36)
DSC (D36) Paper-VI Indian Political Thought Part -II

Sr. No.	Unit No. and Title of the Unit	Teaching Hours	Credits
1.	Unit 1: M. K. Gandhi a) Satya, Ahimsa, Satyagraha b) Concept of Swaraj – Ramrajya & Trusteeship c) Theory of Gandhi’s concept of Religion	15	01
2.	Unit 2: Jawaharlal Nehru a) Democratic Socialism b) Composite Nationalism & Secularism c) Panchsheel & Non-Alignment	15	01
3.	Unit 3: Dr. B. R. Ambedkar a) Critique of Caste System b) Social and Parliamentary Democracy c) State Socialism	15	01
4.	Unit 4: M. N. Roy a) Views on Marxism b) Radical Democracy c) New Humanism	15	01

Reference Books:

- Singh, M.P., Indian Political Thought- Themes and Thinkers, Pearson, New Delhi, 2011
- Chakrabarty Bidyut & Pandey R.K., Modern Indian Political Thought, Sage, 2009
- Pantham Thomas & Deutsch (ed.), Political Thought in Modern India, Sage, 1986
- चौसाळकर अशोक, आधुनिक भारतीय राजकीय विचार: प्रवाह आणि अंतः प्रवाह , प्रतिमा प्रकाशन, पुणे, २०१४
- भोळे भा.ल., आधुनिक भारतीय राजकीय विचार , पिंपलापुरे, नागपूर , २००३
- डोळे ना. य., भारतीय राजकीय विचारवंत , विद्या पब्लिशर्स , औरंगाबाद, १९९९

- सुखटणकर, भा.र.,नवमानवतावाद, तारकुंडे प्रकाशन, मुंबई,१९४७
- सुमंत यशवंत, महात्मा गांधी : काही अलक्षित पैलू, साधना प्रकाशन, पुणे, २०१५
- बाचल वि. मा. भारतीय राजकीय विचारवंत, के सागर पब्लिकेशन्स, 2006.
- काणे प. सी., राजकीय सिद्धांत आणि राजकीय विचार, पिंपळापुरे आणि कंपनी पब्लिशर्स, नागपूर, २०००.
- चव्हाण, रा. ना., डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांचा शोध व बोध, चव्हाण प्रतिष्ठान पुणे.
- चव्हाण, रा. ना., डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर दलित चळवळ एक मागोवा, चव्हाण प्रतिष्ठान पुणे.
- बी. बी. पाटील & उर्मिला चव्हाण, आधुनिक भारतीय राजकीय विचार, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
B.A.II Political Science
Semester IV
Compulsory Generic Elective - II
CGE Paper-II Public Administration

Sr. No.	Unit No. and Title of the Unit	Teaching Hours	Credits
1.	Unit 1: Personnel Administration a) Meaning, Definitions and Importance b) Recruitment, Training and Promotion c) Political Neutrality of Civil Servants	15	01
2.	Unit 2: Financial Administration in India a) Meaning, Definitions and Importance of Budget b) Preparation, Enactment and Execution of the Budget c) Financial committees – Public Accounts Committee, Estimates Committee, Public Undertakings Committee.	15	01
3.	Unit 3: Delegated Legislation a) Meaning, Definition and Causes of its growth b) Merits and Demerits d) Safeguards against Delegated Legislation	15	01
4.	Unit 4: New Trends in Public Administration a) E-Governance b) Right to Information c) Peoples participation	15	01

Recommended Books

1. Dr.Sharma M. P. : Public Administration in theory and practice, Kitab Mahal, Allahabad.
2. Dr.Avasthi A.; Dr.Maheshwari S., Public Administration, Lakshmi Narain Agrawal,Agra.6
3. Basu R.,Public Administration - Concept and Theories, Sterling Publisher Pvt.Ltd.,New Delhi.
4. White L. D. : Introduction to the study of public administration
5. Bhattacharya M., Restructuring of Public Administration, Jawahar Publishers, New Delhi.
6. इनामदार ना. र., लोकप्रशासन
7. गर्दे दि. का. लोकप्रशासन तत्त्व व तंत्र
8. प्रा. बी. बी. पाटील लोकप्रशासन, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर.
9. व्हा. भा. पाटील, लोकप्रशासन,
10. डॉ. पारस बोरा, प्रा. शाम शिरसाट, लोकप्रशासनशास्त्र, ज्ञानसमिधा पब्लिशिंग वर्ल्ड, औरंगाबाद.

Shivaji University, Kolhapur
B.A. (Part II) Semester III (CBCS Pattern)

Introduced from June, 2019 Onwards

- i. Paper : I**
ii. Title of paper : FOUNDATIONS OF HUMAN DEVELOPMENT (I.D.S.)

iii. Specific objectives :

1. To acquaint the students with processes of change and stability through about the human lifespan.
2. To introduce the birth process.
3. To recognize characteristics of the infant & babyhood.
4. To acquaint the students physical development in babyhood.
5. To recognize the common physical hazards of babyhood.
6. To introduce characteristics of the childhood.
7. To acquaint the students emotions of early childhood.
8. To recognize the physical & psychological hazards of late childhood.

iv. Module	No. of credits
Module- 1: About Human Development	01
Module- 2: Conceiving New Life	01
Module- 3: Infancy and Babyhood	01
Module- 4: Childhood	01

v. Equivalence

Old Paper	New Paper
Human Development (I.D.S.)	Foundations of Human Development(I.D.S.)

vi. Recommended reading

a) Basic Reading :

1. Hurlock, Elizabeth B. (1980). Developmental Psychology- A Life - span Approach, Fifth edition 8th 1989, Reprint.
New Delhi: Tata McGraw – Hill Publishing Company Ltd.

2. Papalia, Diane E., Olds, Sally Wendkos, (1992). Human Development, 5th edition, second reprint 1996, New Delhi :Tata McGraw – Hill Publishing Company Limited .

b) References :

1. Berk, Laura E. (2007). Development Through the Lifespan – Third Edition, Law Price Edition, Pearson Education Inc.
2. Hurlock E. B. (2001) : Developmental Psychology, A Life Span Approach, New Delhi : TMH Publishing Company Ltd.
3. Papalia, Diane E and Olds Sally Wendkas (2002). Human Development, 7th edition, Second print, New Delhi: Tata McGraw Hill Publishing Company Ltd.
4. Door Shikshan Kendra, Shivaji Vidyapeeth, (2008). Manavi vikas, Kolhapur: Kulsachiv, Shivaji University, Kolhapur.
5. Borude, Kumthekar, Desai, Golvilkar (2013). Vaikasik Manasshatra, dusari aavrutti, Pune: Vidyarthi Gruha Prakashan.
6. Kandalkar Leena (2000). Manav Vikas, Nagpur : Vidya Prakashan.
7. Vharadpande, Nalini (2001). Balvikas, Nagpur : Maharashtra Grantha Nirmiti Mandal.
8. Jadhav, K.M. (2007). Manavi Vikasache Manasshstra, Pune: Dimond Publication.
9. Hirve, Tadsare (1997). Vaikasik Manasshstra, Kolhapur: Phadake Prakashan.

Shivaji University, Kolhapur
B.A. (Part II) Semester III (CBCS Pattern)
Foundations of Human Development (I.D.S.)
Revised Course Syllabus to Be Implemented From June, 2019 Onwards

Paper- I

Module - I About Human Development

- 1.1- Introduction to Human Development**
- 1.2- Domains of Human Development**
 - a. Major Domains
 - b. Periods of Life-span
- 1.3- Influences on Development**
 - a. Individual Differences
 - b. Heredity
 - c. Environment
 - d. Maturation
- 1.4- Theoretical Perspectives**
 - a. Psychoanalytic Perspectives
 - b. Learning Perspectives
 - c. Cognitive Perspectives
- 1.5- Research Methods**
 - a. Sampling
 - b. Forms of Data Collection

Module – II Conceiving New Life

- 2.1- How Fertilization Takes Place?**
 - a. Fertilization
 - b. What Causes Multiple Births?
 - c. What Determines Sex?
- 2.2- Prenatal Development**
 - a. Stages of Prenatal Development
 - b. Environmental Influences
 - c. Prenatal Care
- 2.3- The Birth Process**
 - a. Stages of Child Birth
 - b. Methods of Delivery.

Module – III Infancy and Babyhood

- 3.1- Characteristics of Infancy**
- 3.2- Major Adjustments of Infancy**

- 3.3- Characteristics of Babyhood
- 3.4- Physical Development
- 3.5- Physical Hazards of Babyhood

Module - IV Childhood

- 4.1- Characteristics of Childhood
 - a. Characteristics of Early Childhood
 - b. Characteristics of Late Childhood
 - 4.2- Emotions of Early Childhood
 - 4.3- Factors Affecting the Self-Concept in Late Childhood
 - 4.4- Hazards of Late Childhood
 - a. Physical Hazards
 - b. Psychological Hazards
-

Shivaji University, Kolhapur
B.A. (Part II) Semester IV (CBCS Pattern)
 Introduced from June, 2019 Onwards
Modern Human Development (I.D.S.)

- i) **Paper** : II
- ii) **Title of paper** : **Modern Human Development (I.D.S.)**
- iii) **Specific objectives** :
 1. To makes the students familiar with adolescence developmental process & health.
 - 2) To recognize the family relationship with adolescents.
 - 3) To introduced the problems of adolescents.
 - 4) To introduced the physical development of adulthood.
 - 5) To acquaint the students attraction, love & close relationship.
 - 6) To introduced the physical development of middle age.
 - 7) To recognize the work & personal relationships of middle age.
 - 8) To acquaint the students with process of physical changes & physical development of old age.
 - 9) To introduced the health, process of work & retirement of old age.
- iv)

Module	No. of credits
Module- 1: Adolescence	01
Module- 2: Adulthood	01
Module- 3: Middle adulthood (Middle age)	01
Module- 4: Late adulthood (Old Age)	01

v) **Equivalence**

Old Paper	New Paper
Human Development (I.D.S.)	Modern Human Development(I.D.S.)

vi) **Recommended reading**

a). Basic Reading :

1. Diane, E. Papalia, Sally Wendkos Olds, (1994). Human Development, Fifth Editions, New Delhi: TMH Publishing Co. Ltd.
2. Santrock, J. W. (2011). Life span Development, Thirteenth edition, New Delhi: McGraw – Hill Education (India) Pvt. Ltd.

b). References :

1. Berk, Laura E. (2007). Development Through the Lifespan – Third Edition, Law Price Edition, Pearson Education Inc.
2. Hurlock E. B. (2001). Developmental Psychology, A Life Span Approach, New Delhi : TMH Publishing Company Ltd.
3. Papalia, Diane E and Olds Sally Wendkas (2002). Human Development, 7th edition, Second print, New Delhi: Tata McGraw Hill Publishing Company Ltd.
4. Door Shikshan Kendra, Shivaji Vidyapeeth, (2008). Manavi vikas, Kolhapur: Kulsachiv, Shivaji University, Kolhapur.
5. Borude, Kumthekar, Desai, Golvilkar (2013). Vaikasik Manasshatra, dusari aavrutti, Pune: Vidyarthi Gruha Prakashan.
6. Kandalkar Leena (2000). Manav Vikas, Nagpur : Vidya Prakashan.
7. Vharadpande, Nalini (2001). Balvikas, Nagpur : Maharashtra Grantha Nirmiti Mandal.
8. Jadhav, K.M. (2007). Manavi Vikasache Manasshstra, Pune: Dimond Publication.
9. Hirve, Tadsare (1997). Vaikasik Manasshstra, Kolhapur: Phadake Prakashan.

Shivaji University, Kolhapur
B.A. (Part II) Semester IV (CBCS Pattern)
Revised Course Syllabus to Be Implemented From June, 2019 Onward

Modern Human Development (IDS)

Paper- II

Module –I Adolescence

1.1- Physical Changes

- a. Puberty
- b. The Brain
- c. Adolescent Sexuality

1.2- Adolescent Health

- a. Nutrition and Exercise
- b. Substance Use and Abuse
- c. Eating Disorders

1.3- Families Relationship

- a. Parental Monitoring
- b. Autonomy and Attachment
- c. Parent- Adolescent Conflict

1.4- Adolescent Problems

- a. Juvenile Delinquency
- b. Depression and Suicide
- c. The Interrelation of Problems and Intervention Programs

Module-II Adulthood

2.1- Physical Development

- a. Physical Performance and Development
- b. Health
- c. Eating and Weight
- d. Regular Exercise

2.2- Attraction, Love and Close Relationship

- a. Attraction
- b. Faces of Love
- c. Falling Out of Love

2.3- Marriage and Family

- a. Making Marriage Work
- b. Becoming a Parent
- c. Dealing with Divorce

Module- III Middle Adulthood

3.1- Physical Development

- a. Sensory and Psychomotor Functioning

- b. Sexuality
- 3.2- Health in Middle Adulthood**
 - a. Health Status
 - b. Health Problems
- 3.3- Works in Middle Adulthood**
 - a. Occupational Patterns
 - b. Occupational Stress
 - c. Unemployment
- 3.4- Personal Relationships**
 - a. Marriage and Divorce
 - b. Relationships with Siblings
 - c. Relationships with Maturing Children
 - d. Relationships with Aging Parents

Module- IV Late Adulthood (Old Age)

- 4.1- Physical Development**
 - a. Longevity and the Aging Process
 - b. Life Expectancy
 - c. Why People Age?
- 4.2- Physical Changes**
 - a. Sensory and Psychomotor Functioning
 - b. Other Physical Changes
 - c. Reserve Capacity
- 4.3- Health**
 - a. Influences on Health and Fitness
 - b. Health Care and Health Problems
- 4.4- Work and Retirement**
 - a. Why People Retire?
 - b. How People Feel about Retirement?
 - c. Making the Most of Retirement

Nature of Question Paper for semester III & IV (Paper I & II)

	Total Marks- 50
Q.1) Select the correct alternative from the following	10
Q.2) Write Short Notes (any four out of six)	20
Q.3) A) Broad question	10
Or	
B) Broad question	
Q.4) A) Broad question	10
Or	
B) Broad question	

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
SYLLABUS
Choice Based Credit System
B.A. (Part II)
Psychology
(Introduced from June 2019 onwards)

Semester - III

- i. Paper : III**
ii. Title of paper : PSYCHOLOGY FOR LIVING

iii. Specific objectives :

1. To acquaint the students with processes of Psychology for living.
2. To introduce students the concept of Stress.
3. To acquaint the students with Understanding mental disorders.
4. To introduce students various Psychotherapies and their uses.

iv. Module	No. of credits
Module- 1:Towards Better Health	01
Module- 2:Stress	01
Module- 3:Understanding Mental Disorders	01
Module- 4:If You go for help	01

v. Equivalence

Old Paper	New Paper
CHILD PSYCHOLOGY	PSYCHOLOGY FOR LIVING

vi. Recommended reading

a) Book for Study:

Kirsh, S.J., Duffy, K.G., & Atwater, E. (2015). *Psychology for Living- Adjustment, Growth, and Behavior Today*. (11th ed.). Noida (UP) :Pearson India Education Services Pvt. Ltd.

b) Books for Reference:

- c) Atwater, E. (1994). *Psychology for Living* (5th ed.). New Delhi: Prentice-Hall of India Private Ltd.
- d) Barve, B. N. (1998). *Jivanmanache Manasshastra*. Jalana: Sankalp Pub.
- e) Weiten, W. & Margaret, A.L. (1994). *Psychology Applied to Modern Life*, (7th ed.).Singapore: Thomson Asia Pvt. Ltd.

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
SYLLABUS
Choice Based Credit System
B.A. (Part II)
Psychology
(Introduced from June 2019 onwards)

Semester – III

PSYCHOLOGY FOR LIVING (Paper III)

Module I: Towards Better Health

1.1 Body Image

- A. How We Feel About Our Bodies?
- B. Media and Body Image
- C. Our Ideal Body

1.2 Health and the Mind-Body Relationship

- A. The Immune System
- B. Personality
- C. Life Style Choices
- D. Environmental Issues

1.3 Promoting Wellness

- A. Taking Charge of Your Own Health
- B. Eating Sensibly
- C. Keeping physically fit
- D. Finding Social Support

Module II: Stress

2.1 Understanding Stress

- A. Conceptualizing Stress
- B. Major Causes of Stress
- C. Stress in College

2.2 Reactions to Stress

- A. Physiological Stress Reactions
- B. Psychological Stress Reactions
- C. How Do You React to Stress?

2.3 Managing Stress

- A. Modifying Your Environment
- B. Altering Your Lifestyle
- C. Using Stress for Personal Growth

Module III: Understanding Mental Disorders

3.1 Psychological Disorders

- A. What are Psychological Disorders?

B. How Common Are Psychological Disorders?

C. Putting Mental Health in Perspective

3.2 Anxiety disorders

A. Generalized Anxiety Disorders

B. Panic Disorders

C. Phobias

D. Obsessive-Compulsive Disorder

3.3 Mood Disorders

A. Depressive Disorders

B. Bipolar Disorder

C. Suicide

Module 4: If You go for help

4.1 Psychotherapy

A. Gender differences in adulthood

B. Cultural Issues

C. Applying it to Yourself

4.2 Insight Therapies

A. Psychoanalysis

B. Person-centered Approach

4.3 Cognitive and Behavioural Therapies

A. Behavioural Therapies

B. Cognitive Therapies

C. Cognitive-Behavioural Therapy

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
SYLLABUS
Choice Based Credit System
B.A. (Part II)
Psychology
(Introduced from June 2019 onwards)
Semester – III

i. Paper : IV

ii. Title of paper : SOCIAL PSYCHOLOGY

iii. Specific objectives :

1. To acquaint the students with processes of Social Psychology
2. To introduce students the concept of Social Perception.
3. To acquaint the students with the Self and self esteem.
4. To introduce students concept of attitude formation, persuasion and cognitive dissonance.

iv. Module	No. of credits
Module- 1: Introduction to Social Psychology	01
Module- 2: Social Perception	01
Module- 3: The Self	01
Module- 4: Attitude	01

v. Equivalence

Old Paper	New Paper
SOCIAL PSYCHOLOGY	SOCIAL PSYCHOLOGY

vi. Recommended reading

a) Book for Study:

Branscombe, N. R., Baron, R. A. & Kapur, P. (2017). Social Psychology.(14th ed.), Noida (UP) :Pearson India Education Services Pvt. Ltd., Second Impression 2018 .

b) Books for Reference:

1. Aronson, E., Wilson, T. D., Akert, R. M. & Sommers, S. R. (2015). Social Psychology, (9th ed.), New Jersey: Pearson Education Prentice Hall.
2. Baron, R. A., & Branscombe, N. R. (2012). Social Psychology. (13th ed.). New Delhi: Pearson Education; Indian reprint 2014.
3. Mercer, J. & Clayton, D.(2014). Social Psychology, New Delhi: Dorling Kindersley India Pvt. Ltd.

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
SYLLABUS
Choice Based Credit System
B.A. (Part II)
Psychology
(Introduced from June 2019 onwards)

Semester – III

SOCIAL PSYCHOLOGY (Paper – IV)

Module 1. Introduction to Social Psychology

1.1: Definition of Social Psychology:

- A. Social Psychology Is Scientific in Nature
- B. Social Psychology Focuses on the Behavior of Individuals
- C. Social Psychology Seeks to Understand the Causes of Social Behavior

1.2: Social Psychology: Advances at the Boundaries

- A. Cognition and Behavior
- B. The Role of Emotion in the Social Side of Life
- C. Social Relationships

1.3: Research as the Route to Increased Knowledge

- A. Systematic Observation
- B. The Experimental Method
- C. Correlational Method

Module 2. Social Perception

2.1: Nonverbal Communication

- A. Basic Channels of Nonverbal Communication
- B. Nonverbal Cues in Social Life
- C. Recognizing Deception

2.2: Attribution

- A. Theories of Attribution
- B. Basic Sources of Error in Attribution
- C. Applications of Attribution Theory

2.3: Impression Formation and Management

- A. Impression Formation
- B. Impression Management

Module 3. The Self

3.1: Self-Presentation

- A. Self–Other Accuracy in Predicting Our Behavior
- B. Self-Presentation Tactics

3.2: Personal Identity versus Social Identity

- A. Who I Think I Am Depends on the Social Context?
- B. Who I Am Depends on Others' Treatment ?

3.3: Self-Esteem

- A. The Measurement of Self-Esteem
- B. How Migration Affects Self-Esteem?
- C. Do Women and Men Differ in Their Level of Self-Esteem?

Module 4. Attitude

4.1: Attitude Formation

- A. Classical Conditioning
- B. Instrumental Conditioning
- C. Observational Learning

4.2: The Science of Persuasion

- A. Persuasion: Communicators, Messages, and Audiences
- B. The Cognitive Processes Underlying Persuasion

4.3: Cognitive Dissonance

- A. Dissonance and Attitude Change
- B. Alternative Strategies for Resolving Dissonance
- C. When Dissonance Is a Tool for Beneficial Changes in Behavior?

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
SYLLABUS
Choice Based Credit System
B.A. (Part II)
Psychology
(Introduced from June 2019 onwards)
Semester IV

- i. Paper : V**
ii. Title of paper : MODERN SOCIAL PSYCHOLOGY

iii. Specific objectives :

1. To acquaint the students with processes of liking (attraction) and sources of liking.
2. To introduce students the concept of Social influence, Conformity and Compliance.
3. To acquaint the students with Understanding Prosocial Behavior.
4. To introduce students the concept of Aggression, its causes and control.

iv. Module	No. of credits
Module- 1: Liking (Attraction)	01
Module- 2: Social Influence	01
Module- 3: Prosocial Behavior	01
Module- 4: Aggression	01

v. Equivalence

Old Paper	New Paper
DEVELOPMENTAL PSYCHOLOGY	MODERN SOCIAL PSYCHOLOGY

vii. Recommended reading

a) Book for Study:

Branscombe, N. R., Baron, R. A. & Kapur, P. (2017). Social Psychology.(14th ed.), Noida (UP) :Pearson India Education Services Pvt. Ltd., Second Impression 2018 .

b) Books for Reference:

- 1) Aronson, E., Wilson, T. D., Akert, R. M. & Sommers, S. R. (2015). Social Psychology, (9th ed.), New Jersey: Pearson Education Prentice Hall.
- 2) Baron, R. A., & Branscombe, N. R. (2012). Social Psychology. (13th ed.). New Delhi: Pearson Education; Indian reprint 2014.
- 3) Mercer, J. & Clayton, D.(2014). Social Psychology, New Delhi: Dorling Kindersley India Pvt. Ltd.

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
SYLLABUS
Choice Based Credit System
B.A. (Part II)
Psychology
(Introduced from June 2019 onwards)
Semester IV

MODERN SOCIAL PSYCHOLOGY (Paper V)

Module 1. Liking (Attraction)

1.1: Internal Sources of Liking Others

- A. The Importance of Affiliation in Human Existence
- B. The Role of Affect

1.2: External Sources of Attraction

- A. The Power of Proximity
- B. Physical Beauty

1.3: Sources of Liking Based on Social Interaction

- A. Similarity
- B. Reciprocal Liking or Disliking
- C. Social Skills
- D. Personality and Liking

Module 2. Social Influence

2.1: Conformity

- A. Social Pressure
- B. How Social Norms Emerge
- C. Factors Affecting Conformity
- D. Social Foundations of Conformity
- E. Reasons for Nonconformity

2.2: Compliance

- A. The Underlying Principles of Compliance
- B. Tactics Based on Friendship or Liking
- C. Tactics Based on Commitment or Consistency
- D. Tactics Based on Reciprocity

Module 3. Prosocial Behavior

3.1: Why People Help?

- A. Empathy-Altruism
- B. Negative-State Relief
- C. Empathic Joy

3.2: Factors That Increase or Decrease the Tendency to Help

- A. Factors That Increase Prosocial Behavior
- B. Factors That Reduce Helping

3.3: Crowd funding: A New Type of Prosocial Behavior

- A. Emotion and Prosocial Behavior
- B. Gender and Prosocial Behavior

3.4: Final Thoughts: Are Prosocial Behavior and Aggression Opposites?

Module 4. Aggression

4.1: Perspectives on Aggression

- A. The Role of Biological Factors
- B. Drive Theories
- C. Modern Theories of Aggression

4.2: Causes of Human Aggression

- A. Basic Sources of Aggression
- B. Social Causes of Aggression
- C. Gender and Aggression
- D. Situational Determinants of Aggression

4.3: The Prevention and Control of Aggression

- A. Punishment
- B. Self-Regulation
- C. Catharsis
- D. Reducing Aggression by Thinking Nonaggressive Thoughts

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
SYLLABUS
Choice Based Credit System
B.A. (Part II)
Psychology
(Introduced from June 2019 onwards)
Semester IV

- i. Paper : VI**
ii. Title of paper : APPLIED PSYCHOLOGY

iii. Specific objectives :

1. To acquaint the students with processes of Personal control, Decision Making and Personal growth.
2. To introduce students the work, career, play and using leisure positively.
3. To acquaint the students with Making and keeping friends
4. To introduce students the concept of Love and Commitment.

iv. Module	No. of credits
Module- 1: Taking Charge	01
Module- 2: At Work and Play	01
Module- 3: Making and keeping friends	01
Module- 4: Love and Commitment	01

v. Equivalence

Old Paper	New Paper
APPLIED PSYCHOLOGY	APPLIED PSYCHOLOGY

viii. Recommended reading

Recommended Reading:

a) Book for Study:

Kirsh, S.J., Duffy, K.G., & Atwater, E. (2015). *Psychology for Living- Adjustment, Growth, and Behavior Today*. (11th ed.). Noida (UP) :Pearson India Education Services Pvt. Ltd.

b) Books for Reference:

1. Atwater, E. (1994). *Psychology for Living* (5th ed.). New Delhi: Prentice-Hall of India Private Ltd.
2. Barve, B. N. (1998). *Jivanmanache Manasshastra*. Jalana: Sankalp Pub.
3. Weiten, W. & Margaret, A.L. (1994). *Psychology Applied to Modern Life* (7th ed.).Singapore: Thomson Asia Pvt. Ltd.

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
SYLLABUS
Choice Based Credit System
B.A. (Part II)
Psychology
(Introduced from June 2019 onwards)
Semester IV

APPLIED PSYCHOLOGY (Paper VI)

Module I: Taking Charge

1.1 Personal Control

- A. Explaining Perceived Control
- B. The Benefits of Perceived Control
- C. Misperception and Maladjustment
- D. Learned Optimism
- E. Defensive Pessimism

1.2 Decision Making

- A. The Process of Decision Making
- B. Critical Elements in Decision Making
- C. Post-Decision Regret
- D. Making Better Decisions

1.3 Decisions and Personal Growth

- A. Making New Decisions
- B. Some practical Applications

Module II: At Work and Play

2.1 At Work

- A. Taking Stalk of Yourself
- B. Identifying Compatible Careers
- C. Arriving at Your Career Decision
- D. Landing a Job
- E. Changing Jobs or Careers
- F. Work Issues Related to Culture and Gender

2.2 At Play

- A. What is Leisure?
- B. Using Leisure Positively
- C. Leisure across Adulthood

Module III: Making and keeping friends

3.1 Meeting People

- A. Are First Impressions Most Important?
- B. Factors that Influence First Impressions
- C. Mistaken Impressions

3.2 Keeping Friends

- A. When Friends Get Together?
- B. Self-disclosure – Those Little Secrets
- C. Gender Differences in Friendship
- D. Staying Friends

3.3 When It's Hard to Make Friends?

- A. Shyness
- B. Loneliness

Module IV: Love and Commitment

4.1 Love is a Many Splendored (and Defined) Thing

- A. The Many Definitions of Love
- B. Love and Friendship
- C. Love and Attachment

4.2 Finding Love

- A. Online Dating
- B. The importance of Self-disclosure

4.3 Marriage and Other Committed Relationships

- A. Cohabitation
- B. Marriage

4.4 Adjusting to Intimate Relationships

- A. Attitude adjustment
 - B. Sharing Responsibilities
 - C. Communication and Conflict
 - D. Making the Relationship Better
 - E. Sexuality
-

Nature of Question Paper for B. A. II Psychology (Paper III to VI)

(Semester III and IV) (Per Paper Total Marks = 50)

- Q.1. Multiple Choice Questions-(10 questions with 4 alternatives) 10 marks
- Q.2.Short notes (any four out of six) 20 marks
- Q.3. A) Broad Question 10 marks
- OR
- B) Broad Question 10 marks
- Q.4. A) Broad Question 10 marks
- OR
- B) Broad Question 10 marks

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR



Accredited By NAAC with 'A' Grade

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Syllabus For

B.A. Part - II

Geography

(Syllabus to be implemented from June, 2019 onwards.)

**Accredited By NAAC
With 'A' Grade
New/Revised Syllabus For
Bachelor/Master of**

B. A. Part - II
DSC (Discipline Specific Core Course) Geography (Course / Paper No. III)
Semester - III
June 2019 onwards

A] Ordinance and Regulations:-

(As applicable to degree/program)

B] Shivaji University, Kolhapur

New/Revised Syllabus For **Bachelor of -Arts.**

1. TITLE: Subject – SOIL GEOGRAPHY

Optional/Compulsory/Additional/IDS under the Faculty of Science

2. YEAR OF IMPLEMENTATION: - New/Revised Syllabi will be implemented from June 2019 onwards.

3. PREAMBLE:-

Soil Geography which is the most important and comparatively neglected branch of Physical Geography. But after 1960 this branch of Geography becomes popular due to its own significance in the World. Therefore, it has been introduced to B. A. Part-II. In this course the fundamental as well basic concepts and knowledge of Soil Geography have been included. The present syllabus of this course includes nature, scope, branches, significance of Soil Geography and its relevance to pedology; factors of soil formation, soil formation process, soil profile, soil properties, soil: characteristics and genetic classification, soil degradation, soil erosion and conservation of soil; physical and chemical properties of soils, classification of soils and soil management.

4. GENERAL OBJECTIVES OF THE COURSE/ PAPER/:

(As applicable to the Degree /Subject- Paper concerned)

- i) Students should know soil geography which is the fundamental branch of Physical Geography.
- ii) To familiarize the students with the basics and fundamental concepts of soil geography.
- iii) With this study, students understand soil is key resource for the development of any country.

- iv) Students are aware about process of soil formation and development as well as soil properties.
- v) Students should know classification, characteristics and distribution of soils.
- vi) Students should know the concepts related to soil degradation and erosion, causes and controlling factors of soil erosion, conservation of soils.
- vii) Students should know the concept, need and methods soil of management.

5. DURATION

- **The course shall be a full time course.**
- **The duration of course shall be of Three years, as applicable to the respective degree.**

6. PATTERN:-

Pattern of Examination will be Semester.

7. FEE STRUCTURE :-

As per Government /University rules.

[Note: - In case of any New degree/Program started at university/college, the respective colleges/ Dept. should submit a separate proposal of fee structure to BOS office. (i. e. Tution Fee & Laboratory Fee, if any.)]

8. ELIGIBILITY FOR ADMISSION:-

As per eligibility criteria prescribed for respective degree program and the merit in the qualifying examination (i.e. Entrance Examination), if any.

9. MEDIUM OF INSTRUCTION:

The medium of instruction shall be in English or Marathi. (as applicable to the course / programme concerned.)

10. STRUCTURE OF COURSE = 50 marks

(Note – The structure & title of papers of the degree as a whole should be submitted at the time of submission/revision of first year syllabus.)

SEMESTER FOURTH

Paper No.	Title Marks
Course / Paper - III, Soil Geography	50

11. SCHEME OF TEACHING:

The scheme of teaching and examination should be given as applicable to the course / paper concerned.

Sr. No.	Subject/Papers	Teaching Scheme Per Week	Examination Scheme Sr. (Marks)
---------	----------------	--------------------------	--------------------------------

		L	T	P	Total	Theory	Practical	Total
1	Soil Geography	04	04	-	04	50	-	50

12. SCHEME OF EXAMINATION:

- The examination shall be conducted at the end of each term for semester pattern.
- The Theory paper shall carry 50 marks (as applicable to the course).
- The evaluation of the performance of the students in theory papers shall be on the basis of Semester Examination of 50 marks.
- Question Paper will be set in the view of the /in accordance with the entire Syllabus and preferably covering each unit of syllabi.

13. STANDARD OF PASSING:

As per Prescribed rules and regulation for each degree / programme.

14. NATURE OF QUESTION PAPER AND SCHEME OF MARKING:

Common Nature of Paper as per Social Sciences Faculty

15. EQUIVALENCE IN ACCORDANCE WITH TITLES AND CONTENTS OF PAPERS- (FOR REVISED SYLLABUS)

Sr. No.	Title of Old Paper	Old paper No.	Title of New paper	New Paper No.
1	Soil Geography	III	Soil Geography	III

16. SPECIAL INSTRUCTIONS, IF ANY – Nil

**NEW/REVISED SYLLABUS FOR
B. A. Part-II Geography
(Introduced from June 2019 onwards)
Semester - III**

(i) Course / Paper No. III

(ii) Title of Paper: - SOIL GEOGRAPHY

(iii) Specific Objectives: - -----

(iv) A brief note: - (On expected level of study from examination and assessment point of view):- -----

Module	Teaching Hours	Credits
Module I: Basics of Soil Geography	12 Lectures	01
1.1 Definition, Nature and Scope of Soil Geography		
1.2 History of Soil Geography and Pedology		
1.3 Significance of Soil Geography		
Module II: Soils: Formation and Properties	18 Lectures	01
2.1 Jenny's Factorial Model of Soil Formation: Parent Material, Biotic, Climatic, Relief and Time factor.		
2.2 Process of Soil Formation: Physical, Biotic and Chemical.		
2.3 Physical Properties of Soils: Morphology, Texture, Structure, Water, Air and Temperature.		
2.4 Chemical Properties of Soils: P ^H , Organic Matter, NPK (Nitrogen, Phosphorous and Potassium).		
Module III: Soils: Classifications and Distribution	18 Lectures	01
3.1 Genetic Classification of Soils.		
3.2 Soil Characteristics and Major Soils Distribution in Maharashtra.		
3.3 Soil Degradation: Concept, Causes, Consequences and Measures		
Module IV: Practical (Theory Only)	12 Lectures	01
4.1 Soil Profile		
4.2 Soil Sample: Tools		
4.3 Soil Analysis: Saline and Alkaline		
4.4 Vermicompost Process		

REFERENCES

1. Backman, H.O and Brady, N.C.(1960.)The Nature and Properties of Soils, Mc Millan NewYork.
2. Bennet, Hugh H.: Soil Conservation, McGraw Hill, New York .
3. Bunting, B.T.(1973) The Geography of Soils, Hutchinson, London.
4. Chairas, D. D., Reganold, J. P., and Owen, O. S., (2002): National Resource Conservation and Management for a Sustainable Fecture, 8th edition, Prentice Hall, Englewood Cliffs.
5. Clarke G.R.(1957) Study of the Soil in the Field, Oxford University Press, Oxford.
6. Daji, J. A., (1970): A Text Book of Soil Science, Asia Publishing House, Londaon.
7. Foth H.D. and Turk, L.M.(9172) Fundamentals of Soil science, John Wiley, New York.
8. Govinda Rajan, S.V. and Gopala Rao, H.G.(9178) Studies on Soils of India Vikas, New Delhi.
9. Mathur Neeru, (2012): Soils, Rajat Publications, New Delhi-02 (India).
10. Mc. Bride, M.B.(1999)Environmental Chemistry of Soils, Oxford University Press, New York.
11. Morgan, R. P. C., (1995): Soil Erosion and Conservation, 2nd edition, Longman, London.
12. Nye, P.H. and Greene, D.J.(1960)The Soil under Shifting Cultivation Commonwealth Bureau of Soil Science, Technical Communication, No. 51; Harpender, England.
13. Plaster, E. J., (2009): Soil Science and Management, Cengage Learning, Boston.
14. Raychoudhuri, S.P., (1958): Soils of India, ICAR, New Delhi.
15. Russell, Sir Edward J.:(1961) Soil Conditions and Plant Growth, Wiley, New York.
16. Sarkar, D., (2003): Fundamentals and Applications of Pedology, Kalyani Publishers, New Delhi.
17. Sehgal, J., (1996): Pedology: Concepts and Applications, Kalyani Publishers, New Delhi.
18. खतिब के. ए., (२०१४): मृदा भूगोल, संजोग प्रकाशन, कदमवाडी, कोल्हापूर-०३.

A- Accredited By NAAC

Revised Syllabus For

Bachelor of Arts

Geography

Resource Geography

(Subject to the modifications to be made from time to time)

Syllabus to be implemented from June 2019 onwards.

**Accredited By NAAC
With 'A' Grade
New/Revised Syllabus For
Bachelor/Master of**

B. A. Part - II
DSC (Discipline Specific Core Course) Geography (Course / Paper No. IV)
Semester - III
June 2019 onwards

A] Ordinance and Regulations:-

(As applicable to degree/program)

B] Shivaji University, Kolhapur

New/Revised Syllabus For **Bachelor of -Arts.**

1. TITLE: Subject – RESOURCE GEOGRAPHY

Optional/Compulsory/Additional/IDS under the Faculty of Science

2. YEAR OF IMPLEMENTATION: - New/Revised Syllabi will be implemented from June 2019 onwards.

3. PREAMBLE:-

Resource Geography is a major and developing branch of Economic Geography. The world countries are trying to make overall development with blindly utilizing different resources. The growing population exerts its pressure on present resources which generates various problems in front of countryside. The present syllabus of this paper includes Definition, Scope, concept, classification and significance of Resource Geography. It also includes major resources such as water, forest, energy and human resources with its distribution, utilization and problems. Newly evolved concept sustainable development is also studied with said resources. This paper (Resource Geography) will be helpful to the students of B. A. part-II to think over resources for their and next generations features.

4. GENERAL OBJECTIVES OF THE COURSE/ PAPER:

- To understand the concept and classification of Resources.
- To examine the major resources (water, forest, energy and human) with their distribution, utilization and problems.
- To study the sustainable resource development.
- The course also aims to familiarize the students with cartographic techniques.

5. DURATION

- The course shall be a full time course.

- The duration of course shall be of Three years, as applicable to the respective degree.

6. PATTERN:-

Pattern of Examination will be Semester

7. FEE STRUCTURE:-

As per Government /University rules.

[Note: - In case of any New degree/Program started at university/college, the respective colleges/ Dept. should submit a separate proposal of fee structure to BOS office. (i. e. Tution Fee & Laboratory Fee, if any.)]

8. ELIGIBILITY FOR ADMISSION:-

As per eligibility criteria prescribed for respective degree program and the merit in the qualifying examination (i.e. Entrance Examination), if any.

9. MEDIUM OF INSTRUCTION:

The medium of instruction shall be in English or Marathi. (as applicable to the course / programme concerned.)

10. STRUCTURE OF COURSE = 50 marks

(Note – The structure & title of papers of the degree as a whole should be submitted at the time of submission/revision of first year syllabus.)

SEMESTER FOURTH

Paper No.	Title Marks
Course / Paper - IV, Resource Geography	50

11. SCHEME OF TEACHING:

The scheme of teaching and examination should be given as applicable to the course / paper concerned.

Sr. No.	Subject/Papers	Teaching Scheme Per Week				Examination Scheme Sr. (Marks)		
		L	T	P	Total	Theory	Practical	Total
1	Resource Geography	04	04	-	04	50	-	50

12. SCHEME OF EXAMINATION:

- The examination shall be conducted at the end of each term for semester pattern.
- The Theory paper shall carry 50 marks (as applicable to the course).
- The evaluation of the performance of the students in theory papers shall be on the basis of Semester Examination of 50 marks.
- Question Paper will be set in the view of the /in accordance with the entire Syllabus and preferably covering each unit of syllabi.

13. STANDARD OF PASSING:

As per Prescribed rules and regulation for each degree / programme.

14. NATURE OF QUESTION PAPER AND SCHEME OF MARKING:

Common Nature of Paper as per Social Sciences Faculty

15. EQUIVALENCE IN ACCORDANCE WITH TITLES AND CONTENTS OF PAPERS- (FOR REVISED SYLLABUS)

Sr. No.	Title of Old Paper	Old paper No.	Title of New paper	New Paper No.
1	Human Geography	IV	Resource Geography	IV

16. SPECIAL INSTRUCTIONS, IF ANY – Nil

NEW/REVISED SYLLABUS FOR
B. A. Part – II, DSC Geography
(Introduced from June 2019 onwards)
Semester - III

(i) Course / Paper No. IV

(ii) Title of Paper: Resource Geography

(iii) Specific Objectives:-

(iv) A brief note:- (On expected level of study from examination and assessment point of view) :- -----

Module	Teaching Hours	Credits
Module I: Introduction to Resource Geography	10 Lectures	01
1.1 Definition and Scope of Resource Geography		
1.2 Resource: Concept and Classification		
1.3 Importance of Resource Geography		
Module II: Major Resources	20 Lectures	01
2.1 Water Resources: Distribution, Utilization and Problems		
2.2 Forest Resources: Distribution, Utilization and Problems		
2.3 Energy Resources: Distribution, Utilization and Problems		
2.4 Human Resources: Distribution, Utilization and Problems		
Module III: Sustainable Resource Development	18 Lectures	01
3.1 Concept of Sustainable Resource Development		
3.2 Sustainable Natural Resource Development: Water, Forest and Energy		
3.3 Sustainable Human Resource Development		
Module IV: Practical (Theory Only)	12 Lectures	01
4.1 Proportional Circle		
4.2 Choropleth Map		
4.3 Dot Map		
4.4 Isopleth Map		

References :

1. Cutter S. N., Renwich H. L., and Renwick W., (1991): Exploitation, Coservation, Preservation: A Geographical Perspective on Natural Resources Use, John Wiley and Sons, New York.

2. Gadgil M. and Guha R., (2005): *The use and Abuse of Nature: Incorporating This Fissured Land: An Ecological History of India and Ecology and Equity*, Oxford University Press, USA.
3. Holechek J. L. C., Richard A., Fisher J. T. and Valdez R., (2003): *Natural Resources: Ecology, Economics and Policy*, Prentice Hall, New Jersey.
4. Jones G. and Hollier G., (1997): *Resources, Society and Environmental Management*, Paul Chapman, London.
5. Klee G., (1991): *Conservation of Natural Resources*, Prentice Hall, Englewood.
6. Mather A. S. and Chapman K., (1995): *Environmental Resources*, John Wiley and Sons, New York.
7. Mitchell B., (1997): *Resource and Environmental Management*, Longman Harlow, England..
8. Owen S. and Owen P. L., (1991): *Environment, Resources and Conservation*, Cambridge University Press, New York.
9. Rees J., (1990) *Natural Resources: Allocation, Economics and Policy*, Routledge, London.
- 90^o Zrlu Senyucel, *Managing the Human Resource in the 21st Century*.
- 99^o George W., B., and Scolt, (2013): *Principles of Human Resource Management*, Cengage.
12. Chiras, D.D., Reganold, J.P. 2009. *Natural Resource Conservation: Management for a Sustainable Future*, 10th ed, Pearson.
13. Gregory, D., Johnston, R., Pratt, G., Watts, M., Whatmore, S. (Eds) 2009. *The Dictionary of Human Geography*, 5th ed, Wiley.
14. Mather, A.S., Chapman, K. 1995. *Environmental Resources*, John Wiley and Sons.

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR



Accredited By NAAC with 'A' Grade

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Syllabus For

B.A. Part - II

Geography

(Syllabus to be implemented from June, 2019 onwards.)

B. A. Part - II
DSC (Discipline Specific Core Course) Geography (Course / Paper –V)
Semester - IV
June 2019 onwards

A] Ordinance and Regulations:- (As applicable to degree/program)

B] Shivaji University, Kolhapur

New/Revised Syllabus For **Bachelor of—Arts.**

1. TITLE: Subject – OCEANOGRAPHY

Optional under the Faculty of Science

2. YEAR OF IMPLEMENTATION: - New/Revised Syllabi will be implemented from June 2019 onwards.

3. PREAMBLE:-

Oceanography which is the most important and comparatively neglected branch of Physical Geography has been introduced to B.A. Part II. In this course the fundamental as well basic concepts and knowledge of oceanography have been included. The present syllabus of this course includes definition nature, scope, history and significance of Oceanography and its relevance to the earth and atmospheric sciences; properties and dynamics of oceanic water, Oceanic currents and their influence and applied oceanography.

4. GENERAL OBJECTIVES OF THE COURSE/ PAPER

- i) Students should know oceanography is the fundamental branch of Physical Geography.
- ii) To familiarize the students with the basic and fundamental concepts of oceanography.
- iii) With this study, students understand marine is key resource for the development of any country.
- iv) Students should know physical and chemical properties of oceans.
- v) Students should know types of oceanic currents and currents of Atlantic, Pacific and Indian oceans.
- vi) Students should know hypsographic curve, wind rose, iso-salinity lines and isotherms.

5. DURATION

- The course shall be a full time course.
- The duration of course shall be of Three years, as applicable to the respective degree.

6. PATTERN:-

Pattern of Examination will be Semester.

7. FEE STRUCTURE :-

As per Government /University rules

[Note: - In case of any New degree/Program started at university/college, the respective colleges/ Dept. should submit a separate proposal of fee structure to BOS office. (i. e. Tution Fee & Laboratory Fee, if any.)]

9. ELIGIBILITY FOR ADMISSION:-

As per eligibility criteria prescribed for respective degree program and the merit in the qualifying (i.e. Entrance Examination) examination, if any.

10. MEDIUM OF INSTRUCTION:

The medium of instruction shall be in English or Marathi. (as applicable to the Course / programme concerned.)

11. STRUCTURE OF COURSE – 50 Marks

(Note – The structure & title of papers of the degree as a whole should be submitted at the time of submission/revision of first year syllabus.)

Sr. No.	Subject/Papers	Teaching Scheme Per Week				Examination Scheme Sr. (Marks)		
		L	T	P	Total	Theory	Practical	Total
1	Oceanography	04	04	-	04	50	-	50

12. SCHEME OF TEACHING AND EXAMINATION:-

[The scheme of teaching and examination should be given as applicable to the course / paper concerned.]

SECOND YEAR / SEMESTER – IV

Scheme of Teaching and Examination

13. SCHEME OF EXAMINATION:-

- The examination shall be conducted at the end of each term for semester pattern.
- The Theory paper shall carry 50 marks (as applicable to the course)
- The evaluation of the performance of the students in theory papers shall be on the basis of Semester Examination of 50 marks.
- Question Paper will be set in the view of the /in accordance with the entire Syllabus and preferably covering each unit of syllabi.

14. STANDARD OF PASSING:-

[As Prescribed under rules & regulation for each degree/programme.]

15. NATURE OF QUESTION PAPER

NATURE OF QUESTION PAPER AND SCHEME OF MARKING:-

Common Nature of Paper as per Social Sciences Faculty

16. EQUIVALENCE IN ACCORDANCE WITH TITLES AND CONTENTS OF PAPERS - (FOR REVISED SYLLABUS)

Sr. No.	Title of Old paper	Old Paper No.	Title of New Paper	New Paper No.
1.	Oceanography	V	Oceanography	V

**NEW/REVISED SYLLABUS FOR
B. A. (Part II) Geography
(Introduced from June 2019 onwards)
Semester - IV**

(i) Course / Paper No. V

(ii) Title of Paper :- OCEANOGRAPHY

(iii) Specific Objectives:- -----

(iv) A brief note :- (On expected level of study from examination and assessment point of view):- -----

Module	Teaching Hours	Credits
1.0 Introduction to Oceanography	15 Lectures	01
1.1 Definition, Nature and Scope of Oceanography		
1.2 Oceanography and Physical Sciences		
1.3 Branches of Oceanography		
1.4 Significance of Oceanography		
2.0 Properties and Dynamics of Ocean	15 Lectures	01
2.1 Oceanic Temperature: Factors affecting on ocean temperature and Distribution of oceanic temperature		
2.2 Salinity of Ocean: Factors affecting on Oceanic salinity and Horizontal distribution of oceanic salinity		
2.3 Oceanic Currents: Types of Oceanic currents, Responsible factors for origin of ocean currents and Ocean currents of the Pacific, Atlantic and Indian Ocean		
3.0 Applied Oceanography	15 Lectures	01
3.1 Ocean or Marine deposits: Sources and Classification		
3.2 Ocean Resources – Biotic- Mineral and Energy Resources		
3.4 Ocean Pollution – Causes, Effects and Measures		
4.0 Practical's (Theory Only)	15 Lectures	01
4.1 Hypsographic Curve		
4.2 Wind rose		
4.3 Isohalines		

4.4 Isotherms

References

1. Anikouchine, W.A. and Sternberg, R.W. (1973) The World Oceans - An Introduction to Oceanography, Englewood Cliffs, N.J.
2. Grald, S. (1980) General Oceanography - An Introduction, John Wiley & Sons, New York.
3. Garrison, T.(1998) Oceanography. Wadsworth.com. USA .
4. King, C.A.M.(1972) Beaches and Coasts, E. Arnold, London.
5. King, C.A.M(1975) Oceanography for Geographers E. Arnold, London .
6. Sharma, R.C. Vatel M. (1986) Oceanography for Geographers, Chetnya Publishing House, Allahabad.
7. Shepard, F.P.(1948) Submarine Geology, Harper & Sons, New York.
8. Thurman, H.B.(1984) Introductory Oceanography, Charles Webber E. Merrill Publishing Co.
9. Weisberg, J. and Howard(1976) Introductory Oceanography, McGraw-Hill Book Co., New York.
10. Davis. Richard J.A.(1986) "Oceanography - An Introduction to the Marine Environment". Wm. C. Brown Iowa.
11. Duxbury, C.A and Duxbury B.(1996) An Introduction to the world's Oceans - C.Brown. Iowa ,2nd ed.
12. Garrison, T.(2001) "Oceanography - An Introduction to Marine Science, Books/Cole, Pacific Grove, USA.
13. Gross, M.Gran (1987) Oceanography: A View of the Earth , Prantice - Hall Inc. New Jersey.
14. Sharma, R.C.(1985) " The Oceans " Rajesh N.Delhi.
15. Ummerkutty, A.N.P.(1985) Science of the Oceans and Human life, NBT, New Delhi .
16. Denny, M.(200) How the Ocean works : An introduction to Oceanography, Princeton University Press, New Jersey

- 17 Thurman, H. B.:Introductory Oceanography, Charles Webber E. Merril publishing
- 18 Weisberg J. and Howard:Introductory Oceanography, McGraw- Hill Book ,New York.
- १९ .प्रा. देशमुख , सावरकर, भेंडकर (२००५): हवामानशास्त्र व सागरशास्त्र , विद्या प्रकाशन, नागपूर.
२०. पाध्ये अशोक (१९९८): सागरविज्ञान , नशनल बुक टष्ट इंडिया , नवी दिल्ली.
२१. घारपुरे , पवार (१९९८): सागरविज्ञान, पिंपळापुरे अंड कं. पब्लिशर्स , नागपूर.
२२. सवदी , कोळेकर (२००४): हवामानशास्त्र व सागरशास्त्र , निराली प्रकाशन , पुणे.
- २३ . श्री. दाते व सौ. दाते (१९७०): प्राकृतिक भूगोल , रावील पब्लिकेशन, सातारा.
२४. जाधव बी. एस., जाधव के. आर., पाटील ए. बी., (२०१४): सागरशास्त्र , नाग नालंदा प्रकाशन, इस्लामपूर .
२५. कोलते, पुराणिक कुबडे (१९९०) : हवामानशास्त्र व सागरविज्ञान, विद्या प्रकाशन, नागपूर.

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR



Accredited By NAAC with 'A' Grade

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Syllabus For

B.A. Part - II

Geography

(Syllabus to be implemented from June, 2019 onwards.)

**Accredited By NAAC
With 'A' Grade
New/Revised Syllabus For
Bachelor/Master of**

B. A. Part - II
DSC (Discipline Specific Core Course) Geography (Course / Paper No. VI)
Semester - IV
June 2019 onwards

A] Ordinance and Regulations:-

(As applicable to degree/program)

B] Shivaji University, Kolhapur

New/Revised Syllabus For **Bachelor of -Arts.**

1. TITLE: Subject – AGRICULTURAL GEOGRAPHY

Optional/Compulsory/Additional/IDS under the Faculty of Science

2. YEAR OF IMPLEMENTATION: - New/Revised Syllabi will be implemented from June 2019 onwards.

3. PREAMBLE:-

Agricultural Geography is a major and developed branch of Economic Geography. Being a dominant economic activity it has a great importance in the developing world. The present syllabus of this paper includes Definition, Nature, Scope and significance of Agricultural Geography. It also includes determinants of Agriculture and Agricultural systems of the world. Agricultural regionalization, Green revolution and the modern technology used in agriculture are also of vital importance. To provide a strong theoretical base, models and theories of agricultural land use theories of Von Thune's is also incorporated. This paper of Agricultural Geography will be helpful to the students of B. A. Part-II to sustainable agricultural development.

4. GENERAL OBJECTIVES OF THE COURSE/ PAPER:

- To understand the concept and development of Agriculture.
- To examine the role of agricultural determinants towards the changing cropping pattern.
- To study the Green Revolution.
- The course also aims to familiarize the students with the Agricultural concepts and modern technologies used in Agriculture.

5. DURATION

- **The course shall be a full time course.**

- The duration of course shall be of Three years, as applicable to the respective degree.

6. PATTERN:-

Pattern of Examination will be Semester

7. FEE STRUCTURE:-

As per Government /University rules.

[Note: - In case of any New degree/Program started at university/college, the respective colleges/ Dept. should submit a separate proposal of fee structure to BOS office. (i. e. Tution Fee & Laboratory Fee, if any.)

8. ELIGIBILITY FOR ADMISSION:-

As per eligibility criteria prescribed for respective degree program and the merit in the qualifying examination (i.e. Entrance Examination), if any.

9. MEDIUM OF INSTRUCTION:

The medium of instruction shall be in English or Marathi. (as applicable to the course / programme concerned.)

10. STRUCTURE OF COURSE = 50 marks

(Note – The structure & title of papers of the degree as a whole should be submitted at the time of submission/revision of first year syllabus.)

SEMESTER FOURTH

Paper No.

Course / Paper VI, Agriculture Geography

Title Marks

50

11. SCHEME OF TEACHING:

The scheme of teaching and examination should be given as applicable to the course / paper concerned.

Sr. No.	Subject/Papers	Teaching Scheme Per Week				Examination Scheme Sr. (Marks)		
		L	T	P	Total	Theory	Practical	Total
1	Agricultural Geography	04	04	-	04	50	-	50

12. SCHEME OF EXAMINATION:

- The examination shall be conducted at the end of each term for semester pattern.
- The Theory paper shall carry 50 marks (as applicable to the course).
- The evaluation of the performance of the students in theory papers shall be on the basis of Semester Examination of 50 marks.
- Question Paper will be set in the view of the /in accordance with the entire Syllabus and preferably covering each unit of syllabi.

13. STANDARD OF PASSING:

As per Prescribed rules and regulation for each degree / programme.

14. NATURE OF QUESTION PAPER AND SCHEME OF MARKING:

Common Nature of Paper as per Social Sciences Faculty

15. EQUIVALENCE IN ACCORDANCE WITH TITLES AND CONTENTS OF PAPERS- (FOR REVISED SYLLABUS)

Sr. No.	Title of Old Paper	Old paper No.	Title of New paper	New Paper No.
1	Agricultural Geography	VI	Agricultural Geography	VI

16. SPECIAL INSTRUCTIONS, IF ANY – Nil

NEW/REVISED SYLLABUS FOR
B. A. Part – II, DSC Geography
(Introduced from June 2019 onwards)
Semester - IV

(i) Course / Paper No. VI

(ii) Title of Paper: Agricultural Geography

(iii) Specific Objectives:-

(iv) A brief note:- (On expected level of study from examination and assessment point of view) :- -----

Module	Teaching Hours	Credits
Module I: Introduction to Agricultural Geography	12 Lectures	01
1.1 Definition, Nature, Scope and Significance of Agricultural Geography		
1.2 Evolution of agriculture: Ancient, Medieval and Modern Period		
1.3 Determinants of Agriculture: Physical and Human (economic, social, cultural, political and administrative)		
Module II: Agriculture: Systems and Land-use Theory	18 Lectures	01
2.1 Major Agricultural Systems: Nomadic Herding, Livestock Ranching, Shifting Cultivation, Intensive Subsistence Farming, Commercial Farming and Horticulture		
2.1 Von Thunen's Theory of Agricultural land-use		
Module III: Regionalization, Problems and Modern Concepts in Agriculture	18 Lectures	01
3.1 Methods of Agricultural Regionalization: Crop Combination and Crop Diversification		
3.2 Agricultural Problems: Physical and Non-Physical (Economic, Social, Cultural, Political and Administrative)		
3.3 Sustainable Agriculture		
Module IV: Practical (Theory Only)	12 Lectures	01
4.1 Line Graphs		
4.2 Bar Graphs		
4.3 Divided Circle		
4.4 Proportional Square		

References :

1. Bayliss Smith, T.P. : The Ecology of Agricultural Systems. Cambridge University Press, London, 1987
2. Berry, B.J.L. et. al. : The Geography of Economic Systems. Prentice Hall, New York, 1976
3. Brown, L.R. : The Changing World Food Prospects – The Nineties and Beyond. World Watch Institute, Washington D.C., 1990
4. Cantor L.M. : A World Geography of Irrigation. Oliver and Bord, London, 1967.
5. Desai G.N. and Vaidhanathan A : Strategic Issues in Future Growth of Fertilizer Use in India. McMillan Pub., New Delhi, 1998.
6. Gregor, H.P. : Geography of Agriculture. Prentice Hall, New York, 1970
7. Grigg D.B. : The Agricultural Systems of the World. Cambridge University Press, New York, 1974.
8. Morgan W.B. and Norton, R.J.C. : Agricultural Geography. Mathuen, London, 1971.
9. Nelson, Paul : Greenhouse Operation and Management. Reston Publishing, Virginia, 1985.
10. Sarkar, A.K. : Practical Geography : A Systematic Approach. Oriental Longman, Calcutta, 1997.
11. Sauer, C.O. : Agricultural Origins and Disparities. M.I.T. Press, Mass, U.S.A., 1969.
12. Singh, J and Dhillon, S.S. : Agricultural Geography. Tata McGraw Hill Pub., New Delhi, 1988.
१३. फुलेसुरेश : कृषिभूगोल, श्री. विद्याभारतीप्रकाशन, लातूर- २००२ १४.सांख्येविजया : कृषिभूगोल, शेठपब्लिशर्स, मुंबई- २००३
१५. धारपुरेविठ्ठल : कृषिभूगोलपिंपळापुरेअॅण्ड कं. पब्लिशर्स, नागपूर- २००० १६. खतीब के. अे. : कृषीभूगोल

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR



Accredited By NAAC with 'A' Grade

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Draft Syllabus For

B.A. Part – II

GEOGRAPHY, GENERIC ELECTIVE (IDS)

(Syllabus to be implemented from June, 2019 onwards.)

B. A. Part - II
Cartography Course-I & II GE (IDS)
June 2019 onwards

1. **TITLE** : Subject – CARTOGRAPHY- I & II (GE)
Optional under the Faculty of Science

2. **YEAR OF IMPLEMENTATION**:- Revised Syllabus will be implemented from June 2019 onwards.

3. PREAMBLE:-

Cartography is the most important part of Geography. The present syllabus of this paper includes nature, scope, historical development and importance of cartography, study of maps and their types, map projections, surveying, S.O.I. Topomaps, I.M.D. weather maps, and introduction to modern techniques like computer, G.I.S., G.P.S. etc. In the process of development of science and technology, the changing nature of subject will make aware to the students about the modern technologies used in cartography. This will further help to improve the use of cartographic techniques and methods in teaching-learning and research work.

4. GENERAL OBJECTIVES OF THE COURSE/ PAPER :

- 1) To introduce the students with the importance of cartography.
- 2) To enable the students to understand map, concept of projection and concept of scale.
- 3) To give basic information to the students about S.O.I. top maps and I.M.D. weather maps.
- 4) To familiarize the students with the concept of surveying and different cartographic techniques and methods used for representation of demographic and physiosocio-economic database.
- 5) To aware the students with the modern technology like computer, GIS, GPS etc and their advantages over conventional cartography

5. DURATION

- The course shall be a full time course
- The duration of course shall be of one year (Two semesters, Sem. – III & IV)

6. **PATTERN** Pattern of Examination will be Semester

7. FEE STRUCTURE

As per Government /University rules.

[Note: - In case of any New degree/Program started at university/college, the respective colleges/ Dept. should submit a separate proposal of fee structure to BOS office. (i. e. Tution Fee & Laboratory Fee, if any.)

9. **ELIGIBILITY FOR ADMISSION** : As per eligibility criteria prescribed for each course and the merit list in the qualifying examination.

10. **MEDIUM OF INSTRUCTION** :

The medium of instruction shall be in English or Marathi. (as applicable to the course/programme concerned.)

11. **STRUCTURE OF COURSE- ---**

(Note – The structure & title of papers of the degree as a whole should be submitted at the time of submission/revision of first year syllabus.)

B. A. Part - II

SEMESTER THIRD

Paper No.	Title	Marks
GE – I (IDS)	Cartography-I	50

SEMESTER FOURTH

Paper No.	Title	Marks
GE – II (IDS)	Cartography-II	50

12. **SCHEME OF TEACHING AND EXAMINATION**

[The scheme of teaching and examination should be given as applicable to the course/paper concerned.]

SECOND YEAR

Scheme of Teaching and Examination

Sr. No.	Subject/Paper	Teaching Scheme (Hrs/Week)				Examination Scheme (Marks)		
		L	T	P	Total	Theory	Term Work	Total
1	Cartography Course - I	04	04	00	04	50	00	50
2	Cartography Course - II	04	04	00	04	50	00	50

13. **SCHEME OF EXAMINATION :-**

- The examination shall be conducted at the end of each semester
- The Theory paper shall carry 50 marks
- The evaluation of the performance of the students in theory papers shall be on the basis of semester Examination of 50 marks.
- Question Paper will be set in the view of the /in accordance with the entire Syllabus and preferably covering each unit of syllabi.

14. **STANDARD OF PASSING:-** As Prescribed under rules & regulation for each degree/programme.

15. NATURE OF QUESTION PAPER AND SCHEME OF MARKING :-

Common Nature of Paper as per Social Sciences Faculty

16. EQUIVALENCE IN ACCORDANCE WITH TITLES AND CONTENTS OF PAPERS- (FOR REVISED SYLLABUS)

Sr. No.	Title of Old Paper		Title of New Paper	
1	Semester- III		Semester- III	
	Paper I	Cartography - I	Course - I	Cartography - I
	Semester- IV		Semester- IV	
	Paper II	Cartography - II	Course - II	Cartography - II

17. SPECIAL INSTRUCTIONS , IF ANY.

**NEW/REVISED CBCS PATTERN SYLLABUS FOR
B. A. Part – II, Geography GENERIC ELECTIVE (IDS)
(Introduced from June 2019 onwards)
Semester – III**

(i) Course / Paper No. I

(ii) Title of Paper: **Cartography-I**

Module	Teaching Hours	Credits
Module – I Introduction to Cartography	15	01
1.1 Meaning and Definitions of Cartography		
1.2 Nature and Scope of Cartography		
1.3 Branches of Cartography		
1.4 Importance of Cartography		
Module – II Geodetic and Plane Surveying	15	01
2.1 Definition, Meaning and Objectives of Survey		
2.2 Geodetic surveying and Plane Surveying		
2.3 Plane Table Survey – Equipment and Procedure		
2.4 Digital Laser Distance Meter – Survey Procedure		
Module -III Map Projection	15	01
3.1 Definition and Necessity of Map Projection		
3.2 Classification of Map Projections according to the Methods of Construction		
3.3 Mercator’s Projections: Properties and Uses		
3.4 Choice of Map Projection		
Module – IV Representation of the Earth’s Surface	15	01
4.1 Globe and System of Coordinates		
4.2 Map: Definition, Elements and Methods of expression Of scale of map		
4.3 Types of maps by scale and purpose		
4.4 Enlargement and Reduction of Map by Square Method		

**NEW/REVISED CBCS PATTERN SYLLABUS FOR
B.A. (Part II) Geography GENERIC ELECTIVE (IDS)
(Introduced from June 2019 onwards)
Semester – IV**

(i) Course / Paper No. II

(ii) Title of Paper : Cartography - II

	Modules	Teaching Hours	Credits
Module – I	Methods of Representation of Data by Graphs And Diagrams	15	01
	1.1 Line Graphs		
	1.2 Bar Graphs		
	1.3 Pie Diagram		
	1.4 Population Pyramid		
Module – II	Methods of Representation of Data by Distributional Maps	15	01
	2.1 Choropleth Method		
	2.2 Isopleth Method		
	2.3 Dot Method		
	2.4 Traffic-Flow Cartogram		
Module -III	Introduction to Topographical Maps	15	01
	3.1 Topographical Maps: Definition, Marginal Information		
	3.2 Use of Conventional Signs, Symbols and Colours in S.O.I. Topographical Maps		
	3.3 Methods of Representation of relief in S.O.I. Topographical Maps		
	3.4 Types of Slopes by Contours		
Module – IV	Introduction to Geographical Information System and Global Positioning System	15	01
	4.1 Geographical Information System: Definition, Elements and Functions		
	4.2 Application of Geographical Information System		
	4.3 Global Positioning System: Introduction, Definition and Segments		
	4.4 Application of Global Positioning System		

References:

1. Bygoot, J. : An Introduction to Mapwork and Practical Geography. University Tutorial, London, 1964
2. Kanetkar, T.P. and Kulkarni S.V.: Surveying and Levelling (Part I & II.) A.V.G. Prakashan, Poona, 1965.
3. Mishra R.P and Ramesh A. : Fundamentals of Cartography. Concept Publ. Com., New Delhi, 2000.
4. Monkhouse, F. J. and Wilkinson, H. R.: Maps and Diagrams. Methuen, London, 1971.
5. Raisz, E.: Principles of Cartography. McGraw Hill Book Com., Inc, New York 1962.
6. Robinson, A.H. and Sale, R. D.: Elements of Cartography. John Wiley and Sons, Inc, New York 1969
7. Sarkar, A.K. : Practical Geography : A Systematic Approach. Oriental Longman, Calcutta, 1997.
8. Singh, L.R. and Singh, R.: Mapwork and Practical Geography. Allahabad, 1973.
९. आहिराव, डी.वाय. व करंजखेले, इ.के., : प्रात्यक्षिक भूगोल, सुदर्शन, नाशिक २००२
१०. गाताडे डी.जी.व अडवितोट, एस.सी.: प्रात्यक्षिक भूगोल, अक्षरलेणं प्रकाशन, सोलापूर २००८
११. कुंभार, अर्जुन : प्रात्यक्षिक भूगोल, सुमेरुन प्रकाश, डोंबिवली पूर्व, १९९४
१२. शिंदे, एस. बी. : नकाशाशास्त्रा प्रात्यक्षिक भूगोल, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर, २००२
13. Cartography – Distance Education Department, Shivaji University, Kolhapur, 2002.

NOTE :

- i) The details of field work, seminar, Group Discussion and Oral examination be given wherever necessary.
- ii) General/Specific instructions for Laboratory safety should be given wherever necessary.

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR



Accredited By NAAC with 'A' Grade

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Draft Syllabus For

B. A. Part – II

Geography (GENERIC ELECTIVE)

CBCS PATTERN

(Syllabus to be implemented from June, 2019 onwards.)

B. A. Part - II
Resource Geography of Maharashtra, Course – I & II (IDS)
Semester – III and IV

1. **TITLE** : Subject – Resource Geography of Maharashtra (IDS)

Optional under the Faculty of Science

2. **YEAR OF IMPLEMENTATION**:- Revised Syllabus will be implemented from June 2019 onwards.

3. **PREAMBLE**:-

All of us are part and parcel of the Resource in Maharashtra. We will act as responsible citizens and participate proactively in all.

4. GENERAL OBJECTIVES OF THE COURSE

- 1) To understand the regional approach of Maharashtra State in geographical sense
- 2) To examine use and misuse of various resource in Maharashtra and to analyze future prospects.
- 3) To study various methods and approaches of conservation and management of Natural resources in Maharashtra.
- 4) To understand the concept of sustainable and integrated resource and its application.

5. DURATION

- The course shall be a full time course
- The duration of course shall be of one year (Two semesters Sem. – III & IV)

6. **PATTERN** Pattern of Examination will be Semester

7. FEE STRUCTURE

As per Government /University rules.

[Note: - In case of any New degree/Program started at university/college, the respective colleges/ Dept. should submit a separate proposal of fee structure to BOS office. (i. e. Tution Fee & Laboratory Fee, if any.)

9. **ELIGIBILITY FOR ADMISSION** : As per eligibility criteria prescribed for each course and the merit list in the qualifying examination.

10. MEDIUM OF INSTRUCTION :

The medium of instruction shall be in English or Marathi. (as applicable to the course/programme concerned.)

11. STRUCTURE OF COURSE- ---

(Note – The structure & title of papers of the degree as a whole should be submitted at the time of submission/revision of first year syllabus.

B. A. Part - II

SEMESTER THIRD

Paper No.	Title	Marks
GE – I	Resource Geography of Maharashtra-I	50

SEMESTER FOURTH

Paper No.	Title	Marks
GE – II	Resource Geography of Maharashtra-II	50

12. SCHEME OF TEACHING AND EXAMINATION

[The scheme of teaching and examination should be given as applicable to the course/paper concerned.]

SECOND YEAR

Scheme of Teaching and Examination

Sr. No.	Subject/Paper	Teaching Scheme (Hrs/Week)				Examination Scheme (Marks)		
		L	T	P	Total	Theory	Term Work	Total
1	Resource Geography of Maharashtra - I Course - I	04	04	00	04	50	00	50
2	Resource Geography of Maharashtra - II Course –II	04	04	00	04	50	00	50

13. SCHEME OF EXAMINATION :-

- The examination shall be conducted at the end of each semester
- The Theory paper shall carry 50 marks
- The evaluation of the performance of the students in theory papers shall be on the basis of semester Examination of 50 marks.
- Question Paper will be set in the view of the /in accordance with the entire Syllabus and preferably covering each unit of syllabi.

14. **STANDARD OF PASSING:-** As Prescribed under rules & regulation for each degree/programme.

15. NATURE OF QUESTION PAPER AND SCHEME OF MARKING :-

Common Nature of Paper as per Social Sciences Faculty

16. EQUIVALENCE IN ACCORDANCE WITH TITLES AND CONTENTS OF PAPERS- (FOR REVISED SYLLABUS)

Sr. No.	Title of Old Paper		Title of New Paper or Course	
1	Semester- III		Semester- III	
	Paper-I	Resource Geography of Maharashtra -I	Course -I	Resource Geography of Maharashtra - I
	Semester- IV		Semester- IV	
	Paper-II	Resource Geography of Maharashtra - II	Course -II	Resource Geography of Maharashtra - II

17. SPECIAL INSTRUCTIONS , IF ANY.

**NEW/REVISED CBCS PATTERN SYLLABUS FOR
B. A. Part - II Geography GENERIC ELECTIVE (IDS)
(Introduced from June 2019 onwards)
Semester – III**

(i) Course / Paper No. I

(ii) Title of Paper: **Resource Geography of Maharashtra-I**

Modules	Teaching Hours	Credits
Module – I: Introduction	15	01
1.1 Location of Maharashtra		
1.2 Physiography		
1.3 Climate		
1.4 Drainage Pattern		
Module – II: Resources	15	01
2.1 Definition and Classification of resources		
2.2 Conservation and sustainable development of resources		
2.3 Role of resources in regional development		
Module – III: Mineral and power resources in Maharashtra	15	01
Importance, Distribution and Production of		
3.1 Manganese		
3.2 Coal		
3.3 Conventional Power Resources: Oil, Natural Gas, Hydroelectricity & Thermal power		
3.4 Non- conventional Power Resource – Solar and Wind		
Module – III: Water and Soil Resources in Maharashtra	15	01
4.1 Sources of irrigation and distribution		
4.2 Water Management		
4.3 Major soil types and their distribution		
4.4 Need of conservation and sustainable development of soil resources.		

References:

1. B. Arunchalm, Regional Geography of Maharashtra
2. B.D. Nag Choudhary, “Inhoduction to Enviroment Management” Inter Prind Mehata House, New Delhi.
3. Bruclu Mitchell “Geography and resources analysis” John willey and sons, New York.
4. C.D. Deshpande, “Geography of Maharashtra” National book Trust of India, New Delhi.
5. Cutler L, Renwick H.L. Exploitation conservation and preservation : A Geographical perspective and natural resource use, Rowmon and Allanhed, Towata.
6. Govt. of Maharashtra “Economic development of Maharashtra.” (Maharashtra Economic Development Council)
7. Karve “Maharashtra – Land and People
8. Dixit K.R., “Maharashtra in Maps”
9. Matthews O.P., “Water resources Geopgraphy and Laow, Scientific Publishers, Jodhapur.
10. Deshpande, S.H. “Economy of Maharashtra”
11. खतीब के. ए., महाराष्ट्राचा भूगोल मेहला पब्लिशिंग हाऊस, पुणे

12. सावंत प्रकाश – महाराष्ट्राचा भूगोल, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर
13. पाटील टी.पी. – महाराष्ट्राचा भूगोल
14. सवदी ए. बी – द मेगा स्टेट महाराष्ट्र, निराली प्रकाशन, पुणे
15. दास्ताने संतोष – महाराष्ट्र दास्ताने रामचंद्र आणि कंपनी, पुणे (2005)
16. देशपांडे चं. धु. – महाराष्ट्राचा भूगोल, अनुवादक मो. द. तावडे
17. सवदी ए.बी. – महाराष्ट्राचा भूगोल निराली प्रकाशन पुणे (1999)
18. दाते एस. पी. – महाराष्ट्राचा साधन संपत्तीचा भूगोल, नॅशनल बुक स्टेट ऑफ इंडिया, नवी दिल्ली
19. सामंत जयकुमार – पर्यावरण शास्त्रा शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन कोल्हापूर
20. Resource Geography of Maharashtra (IDS) – Distance Education Department, Shivaji

General Elective – II (IDS)
Semester – IV

(i) Course / Paper No. II

(ii) Title of Paper : Resource Geography of Maharashtra-II

Modules	Teaching Hours	Credits
Module – I Forest Resources in Maharashtra	15	01
1.1 Importance of forest resources		
1.2 Types and Distribution of forest		
1.3 Deforestation causes and effects		
1.4 Conservation of forest resource		
Module – II Animal Husbandry and Fisheries in Maharashtra	15	01
2.1 Types of animals and their distribution		
2.2 Animals production (milk, meet, skin, hide, wool, eggs)		
2.3 Conservation of Animals		
2.4 Types of fisheries and their distribution		
2.5 Conservation of fisheries		
Module – III Human resource in Maharashtra	15	01
3.1 Man as a resource		
3.2 Growth of population		
3.3 Distribution of population		
3.4 Composition of population		
3.5 Population pressure on resources in Maharashtra		
Module – IV Practical (Theory only)	15	01
Resource survey		
4.1 Water		
4.2 Soil		
4.3 Population		
4.4 Animal		

References:

1. B. Arunchalm, Regional Geography of Maharashtra

2. B.D. Nag Choudhary, "Inhoduction to Enviroment Management" Inter Prind Mehata House, New Delhi.
3. Bruclu Mitchell "Geography and resources analysis" John willey and sons, New York.
4. C.D. Deshpande, "Geography of Maharashtra" National book Trust of India, New Delhi.
5. Cutler L, Renwick H.L. Exploitation conservation and preservation : A Geographical perspective and natural resource use, Rowmon and Allanhed, Towata.
6. Govt. of Maharashtra "Economic development of Maharashtra." (Maharashtra Economic Development Council)
7. Karve "Maharashtra – Land and People
8. Dixit K.R., "Maharashtra in Maps"
9. Matthews O.P., "Water resources Geopgraphy and Laow, Scientific Publishers, Jodhapur.
10. Deshpande, S.H. "Economy of Maharashtra"
11. खतीब के. ए., महाराष्ट्राचा भूगोल मेहला पब्लिशिंग हाऊस, पुणे
12. सावंत प्रकाश – महाराष्ट्राचा भूगोल, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर
13. पाटील टी.पी. – महाराष्ट्राचा भूगोल
14. सवदी ए. बी – द मेगा स्टेट महाराष्ट्र, निराली प्रकाशन, पुणे
15. दास्ताने संतोष – महाराष्ट्र दास्ताने रामचंद्र आणि कंपनी, पुणे (2005)
16. देशपांडे चं. धु. – महाराष्ट्राचा भूगोल, अनुवादक मो. द. तावडे
17. सवदी ए.बी. – महाराष्ट्राचा भूगोल निराली प्रकाशन पुणे (1999)
18. दाते एस. पी. – महाराष्ट्राचा साधन संपत्तीचा भूगोल, नॅशनल बुक स्टेट ऑफ इंडिया, नवी दिल्ली
19. सामंत जयकुमार – पर्यावरण शास्त्रा शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन कोल्हापूर
20. Resource Geography of Maharashtra (IDS) – Distance Education Department, Shivaji

**Accredited By NAAC
With 'A' Grade
New/Revised Syllabus For
Bachelor/Master of**

**B.A. Part-II Geography
Generic Elective (IDS) Sem. – III, Course - I
Tourism Geography
Syllabus to be implemented from June - 2019 onwards.**

A] Ordinance and Regulations:-

(As applicable to degree/program)

B] Shivaji University, Kolhapur

New/Revised Syllabus For **Bachelor of -Arts.**

1. TITLE: Subject – CONCEPTS IN TOURISM GEOGRAPHY

Optional/Compulsory/Additional/General Elective under the Faculty of Science

2. YEAR OF IMPLEMENTATION: - New/Revised Syllabi will be implemented
from June 2019 onwards.

3. PREAMBLE:-

All of us are part and parcel of the earth's environment. We will act as responsible citizens and participate proactively in all tourism activity to preserve the natural and cultural environment and leave for future generations in its nativeness.

4. NERAL OBJECTIVES OF THE COURSE/ PAPER/:

(As applicable to the Degree /Subject- Paper concerned)

- 1) To familiarize the students with aspects of tourism which have a relation with the subject matter of Geography
- 2) To orient the students to the logistics of tourism industry and the role of tourism in regional development.
- 3) To understand the impact of tourism on physical and human environments.
- 4) To familiarize the students with local, regional and national tourism.

5. DURATION

- **The course shall be a full time course.**
- **The duration of course shall be of Three years, as applicable to the respective degree.**

6. PATTERN:-

Pattern of Examination will be Semester.

7. FEE STRUCTURE :-

As per Government /University rules.

[Note: - In case of any New degree/Program started at university/college, the respective colleges/ Dept. should submit a separate proposal of fee structure to BOS office. (i. e. Tuition Fee & Laboratory Fee, if any.)]

9. ELIGIBILITY FOR ADMISSION:-

As per eligibility criteria prescribed for respective degree program and the merit in the qualifying examination (i.e. Entrance Examination), if any.

10. MEDIUM OF INSTRUCTION:

The medium of instruction shall be in English or Marathi. (as applicable to the course / programme concerned.)

11. STRUCTURE OF COURSE = 50 marks

(Note – The structure & title of papers of the degree as a whole should be submitted at the time of submission/revision of first year syllabus.)

SEMESTER THIRD

Paper No.	Title Marks
IDS (GE) – Course-I, Concepts of Tourism Geography	50

12. SCHEME OF TEACHING:

The scheme of teaching and examination should be given as applicable to the course / paper concerned.

Sr. No.	Subject or Paper	Teaching Scheme (Hrs./Week)				Examination Scheme (Marks)	
		L	T	P	Total	Theory	Total
1	Concepts in Tourism Geography (Sem. III)	4	4	-	4	50	50

13. SCHEME OF EXAMINATION:

- The examination shall be conducted at the end of each term for semester pattern.
- The Theory paper shall carry 50 marks (as applicable to the course).
- The evaluation of the performance of the students in theory papers shall be on the basis of Semester Examination of 50 marks.
- Question Paper will be set in the view of the /in accordance with the entire Syllabus and preferably covering each unit of syllabi.

14. STANDARD OF PASSING:

As per Prescribed rules and regulation for each degree / programme.

15. NATURE OF QUESTION PAPER AND SCHEME OF MARKING:

Common Nature of Paper as per Social Sciences Faculty

16. EQUIVALENCE IN ACCORDANCE WITH TITLES AND CONTENTS OF PAPERS- (FOR REVISED SYLLABUS)

Sr. No.	Title of Old Paper	Old paper No.	Title of New paper	New Paper No.
1	Introduction of Tourism Geography	I	Concepts in Tourism Geography	Course - I

17. SPECIAL INSTRUCTIONS, IF ANY – Nil

**NEW/REVISED SYLLABUS FOR
B. A. Part-II Geography, IDS (Generic Elective)
(Introduced from June 2019 onwards)
Semester - III**

(i) Course / Paper No. I

(ii) Title of Paper :- CONCEPTS IN TOURISM GEOGRAPHY

(iii) Specific Objectives:- -----

(iv) A brief note :- (On expected level of study from examination and assessment point of view):- -----

Module	No. of Credits
Module I: INTRODUCTION TO TOURISM GEOGRAPHY	01
1.1 Definition of Tourism and Tourist	
1.2 Nature of Tourism Geography	
1.3 Scope of Tourism Geography	
1.4 Historical development of Tourism	
1.5 Significance of Tourism Geography	
Module II: Component of Tourism	01
2.1 Geographical components	
2.2 Social components	
2.3 Cultural components	
2.4 Other components	
Module III: Classification and Recent Trends in Tourism	01
3.1 Classification on the basis of Nationality, Time, Number of tourist, Objectives, Transportation, Season, and Nature of Tourism.	
3.2 Recent trends in Tourism	
Module IV: Impact of Tourism	01
4.1 Economic impact	
4.2 Socio-Cultural impact	
4.3 Impact on Environment	
4.4 Sustainable development of Tourism	

REFERENCES

1. Bhatia A.K. : International Tourism
2. Bhatia A.K. : Tourism Development
3. Dev Manoj : India – A Tourist Paradise
4. Dhar Prammath : Development of Tourism and Travel Industry
5. Gupta V.N. : Tourism in India
6. Negi Jagmohan : Tourism Development and Resource Conservation 28
7. Pearce Douglas : Tourism Development
8. Robinson R. : Geography of Tourism
9. Sharma K.C. : Tourism : Policy, Planning strategy.
10. Seth Pran : Endlessful Tourism Manament
11. Sinha P.C. : Tourism Marketing
12. Singh Shawni : Principles of Indian Tourism
13. Singh S.N. : Geography of Tourism and Recreation
14. Singh Ratandeeep : Tourism Today Vol. 1
Tourism Today Vol. 2
Tourism Today Vol. 3
- 15- शिंदे एस. बी. : पर्यटन भूगोल
- 16- घारपुरे व्ही. टी. : पर्यटन भूगोल, पिंपळापुरे पुब्लीशर्स, नागपूर.
- 17 Geography of Tourism – Distance Education Department, Shivaji University, Kolhapur

NOTE :

- i) The details of field work, seminar, Group Discussion and Oral examination be give wherever necessary.
- ii) neral/Specific instructions for Laboratory safety should be given wherever necessary.

घारपुरे व्ही. टी. : पर्यटन भूगोल, पिंपळापुरे पुब्लीशर्स, नागपूर.

**With 'A' Grade
New/Revised Syllabus For
Bachelor/Master of**

**B.A. Part-II Geography
Generic Elective (IDS) Sem. – IV, Course - II
Tourism Geography (GE)**

Syllabus to be implemented from June - 2019 onwards.

A] Ordinance and Regulations:-

(As applicable to degree/program)

B] Shivaji University, Kolhapur

New/Revised Syllabus For **Bachelor of -Arts.**

1. TITLE: Subject – DEVELOPMENT AND PLANNING OF TOURISM

Optional/Compulsory/Additional/ under the Faculty of Science

2. YEAR OF IMPLEMENTATION: - New/Revised Syllabi will be implemented from June 2019 onwards.

3. PREAMBLE:-

All of us are part and parcel of the earth's environment. We will act as responsible citizens and participate proactively in all tourism activity to preserve the natural and cultural environment and leave for future generations in its nativeness.

4. GENERAL OBJECTIVES OF THE COURSE/ PAPER/:

(As applicable to the Degree /Subject- Paper concerned)

- 1) To familiarize the students with aspects of tourism which have a relation with the subject matter of Geography
- 2) To orient the students to the logistics of tourism industry and the role of tourism in regional development.
- 3) To understand the impact of tourism on physical and human environments.
- 4) To familiarize the students with local, regional and national tourism.

5. DURATION

- **The course shall be a full time course.**
- **The duration of course shall be of Three years, as applicable to the respective degree.**

6. PATTERN:-

Pattern of Examination will be Semester.

7. FEE STRUCTURE :-

As per Government /University rules.

[Note: - In case of any New degree/Program started at university/college, the respective colleges/ Dept. should submit a separate proposal of fee structure to BOS office. (i. e. Tuition Fee & Laboratory Fee, if any.)]

9. ELIGIBILITY FOR ADMISSION:-

As per eligibility criteria prescribed for respective degree program and the merit in the qualifying examination (i.e. Entrance Examination), if any.

10. MEDIUM OF INSTRUCTION:

The medium of instruction shall be in English or Marathi. (as applicable to the course / programme concerned.)

11. STRUCTURE OF COURSE = 50 marks

(Note – The structure & title of papers of the degree as a whole should be submitted at the time of submission/revision of first year syllabus.)

SEMESTER THIRD

Paper No.

Course – II, DEVELOPMENT AND PLANNING OF TOURISM

Title Mark

50

12. SCHEME OF TEACHING:

The scheme of teaching and examination should be given as applicable to the course / paper concerned.

Sr. No.	Subject or Paper	Teaching Scheme (Hrs./Week)				Examination Scheme (Marks)	
		L	T	P	Total	Theory	Total
1	Development and Planning of Tourism (Sem. IV)	4	4	-	4	50	50

13. SCHEME OF EXAMINATION:

- The examination shall be conducted at the end of each term for semester pattern.
- The Theory paper shall carry 50 marks (as applicable to the course).
- The evaluation of the performance of the students in theory papers shall be on the basis of Semester Examination of 50 marks.
- Question Paper will be set in the view of the /in accordance with the entire Syllabus and preferably covering each unit of syllabi.

14. STANDARD OF PASSING:

As per Prescribed rules and regulation for each degree / programme.

15. NATURE OF QUESTION PAPER AND SCHEME OF MARKING:

Common Nature of Paper as per Social Sciences Faculty

16. EQUIVALENCE IN ACCORDANCE WITH TITLES AND CONTENTS OF PAPERS- (FOR REVISED SYLLABUS)

Sr. No.	Title of Old Paper	Old paper No.	Title of New paper	New Paper No.
1	Introduction to Tourism Geography	II	Development and Planning of Tourism	Course -II

17. SPECIAL INSTRUCTIONS, IF ANY – Nil

B. A. Part-II Geography, IDS (Generic Elective)
(Introduced from June 2019 onwards)
Semester - IV

(i) Course / Paper No. II

(ii) Title of Paper :- DEVELOPMENT AND PLANNING OF TOURISM

(iii) Specific Objectives:- -----

(iv) A brief note :- (On expected level of study from examination and assessment point of view):- -----

Module	No. of Credits
Module I: Development and Planning of Tourism in India	01
1.1 Tourism in ancient period	
1.2 Tourism in modern period	
1.3 Role of tourism in national economy	
1.4 Tourism planning in India	
Module II: Tourism Centers in India	01
2.1 Natural tourism centers in India	
2.2 Religious tourism centers in India	
2.3 Cultural tourism centers in India	
2.4 Historical tourism centers in India	
Module III: Development and Planning of Tourism in Maharashtra	01
3.1 Development of tourism in Maharashtra	
3.2 Planning of tourism in Maharashtra	
Module IV: Tourism Centers in Maharashtra	01
4.1 Natural tourism centers in Maharashtra	
4.2 Religious tourism centers in Maharashtra	
4.3 Cultural tourism centers in Maharashtra	
4.4 Historical tourism centers in Maharashtra	

REFERENCES

1. Bhatia A.K. : International Tourism
2. Bhatia A.K. : Tourism Development
3. Dev Manoj : India – A Tourist Paradise
4. Dhar Pramath : Development of Tourism and Travel Industry
5. Gupta V.N. : Tourism in India
6. Negi Jagmohan : Tourism Development and Resource Conservation 28

7. Pearce Douglas : Tourism Development
8. Robinson R. : Geography of Tourism
9. Sharma K.C. : Tourism : Policy, Planning strategy.
10. Seth Pran : Enlessful Tourism Manament
11. Sinha P.C. : Tourism Marketing
12. Singh Shawni : Principles of Indian Tourism
13. Singh S.N. : Geography of Tourism and Recreation
14. Singh Ratandeeep : Tourism Today Vol. 1
Tourism Today Vol. 2
Tourism Today Vol. 3
- 15- शिंदे एस. बी. : पर्यटन भूगोल
- 16- धारपुरे व्ही. टी. : पर्यटन भूगोल, पिंपळापुरे पुब्लीशर्स, नागपूर.
- 17 Geography of Tourism – Distance Education Department, Shivaji University, Kolhapur

NOTE :

- i) The details of field work, seminar, Group Discussion and Oral examination be give wherever necessary.
- ii) neral/Specific instructions for Laboratory safety should be given wherever necessary.

धारपुरे व्ही. टी. : पर्यटन भूगोल, पिंपळापुरे पुब्लीशर्स, नागपूर.

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
 हिंदी अध्ययन मंडल
 द्वितीय वर्ष (कला विद्या शाखा)
Discipline Specific Elective course
 हिंदी (ऐच्छिक)
 (शैक्षिक वर्ष 2019–20, 2020–21, 2021–22)
 (प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल
 पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र – 3 अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी गद्य साहित्य

उद्देश्य –

- कथा साहित्य का स्वरूप, तत्व एवं प्रकारों का अध्ययन कराना।
- समीक्षा मानदंडों के आधार पर कथा साहित्य का अध्ययन कराना।
- कथेतर साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन कराना।
- कथा और कथेतर साहित्य का वर्तमान प्रासंगिकता के साथ अध्ययन कराना।

अध्यापन पद्धति –

- व्याख्यान विश्लेषण।
- संपादकों, उपसंपादकों तथा विद्वानों से साक्षात्कार।
- चर्चा एवं संगोष्ठी।
- आई. सी. टी. का प्रयोग।

पाठ्यपुस्तक – गद्य संचयन – संपादक, हिंदी अध्ययन मंडल, शिवाजी विश्वविद्यालय,
 कोल्हापुर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.

पाठ्य विषय–

- नारी विमर्श।
- दलित एवं अस्मिता मूलक विमर्श।
- विभाजन की त्रासदी।

- महान चरित्रों का परिचय।
- हिंदी विविध विधाओं का परिचय।

इकाई-I कथा साहित्य -

1. जीती बाजी की हार - मन्नू भंडारी
2. गृह- प्रवेश - मिथिलेश्वर
3. घर की तलाश - राजेंद्र यादव

इकाई-II कथा साहित्य -

4. जॉर्ज पंचम की नाक - कमलेश्वर
5. पहाड - निर्मल वर्मा
6. सिक्का बदल गया - कृष्णा सोबती

इकाई-III कथेतर साहित्य -

7. अकेलापन और पार्थक्य (डायरी अंश) - गजानन माधव 'मुक्तिबोध'
8. घर लौटते हुए (आत्मकथा अंश) - हरिवंशराय बच्चन
9. धरती और धान (जीवनी अंश) - पाण्डेय बैचन शर्मा 'उग्र'

इकाई-IV कथेतर साहित्य -

10. अखबारी विज्ञापन(रेडियो नाटक) - चिरंजीत
11. वकील साहब (रेखाचित्र) - विनय मोहन शर्मा
12. महात्मा गांधी (संस्मरण) - रामकुमार वर्मा

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

		अंक
प्रश्न 1	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	कथा साहित्य पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (3 में से 2)	10

प्रश्न 3	पूरे पाठ्यक्रम लघुत्तरी प्रश्न (5 में से 3) (कथा साहित्य 2 और कथेतर साहित्य पर 3 प्रश्न)	15
प्रश्न 4	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (कथा साहित्य 1 और कथेतर साहित्य पर 1 प्रश्न)	15

संदर्भ – ग्रंथ सूची

1. कथा साहित्य के प्रतिमान – डॉ. रोहिताश्व, अमन प्रकाशन, कानपुर।
2. निर्मल वर्मा का कथा साहित्य – डॉ. रघुनाथ शिरगावकर, अमन प्रकाशन, कानपुर।
3. कहानीकार कमलेश्वर : संदर्भ और प्रकृति – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे, विकास प्रकाशन, कानपुर।
4. साठोत्तरी कहानी में परिवार – डॉ. इन्दु विरेन्द्रा, विकास प्रकाशन, कानपुर।
5. साहित्यिक विधाएँ : सैद्धांतिक पक्ष – डॉ. धवन मधु, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. मन्नू भंडारी के साहित्य में चित्रित समस्याएँ – डॉ.सौ. माधवी जाधव, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
7. कहानी स्वरूप और संवेदना— राजेंद्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली।
8. राजेंद्र यादव के कहानियों में चित्रित समस्याएँ— डॉ. अर्जुन चव्हाण, पूजा पब्लिकेशन, कानपुर।
9. मिथिलेश्वर का कहानी जगत— डॉ. संजय चिंदगे, स्वच्छंद प्रकाशन, कोल्हापुर।
10. मिथिलेश्वर की कहानियों में ग्रामीण यथार्थ –डॉ. वर्षा मिश्र, क्वालीटी बुक्स, कानपुर।
11. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – डॉ. हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. डॉ. हरिवंशराय बच्चन का आत्मकथात्मक साहित्य – डॉ. श्रीनिवास, विनय प्रकाशन, कानपुर।

13. गद्य की विविध विधाएँ— डॉ. बापूराव देसाई, विनय प्रकाशन, कानपुर।
 14. राजेंद्र यादव का उखड़े हुए लोग संवेदना एवं शिल्प – डॉ. मोहन सावंत, ए. बी.एस. पब्लिकेशन, वाराणसी।
 15. हिंदी कहानी का समकालीन परिदृश्य – डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ, विनय प्रकाशन, कानपुर।
-

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
 हिंदी अध्ययन मंडल
 द्वितीय वर्ष (कला विद्या शाखा)
Discipline Specific Elective course
 हिंदी (ऐच्छिक)
 (शैक्षिक वर्ष 2019–20, 2020–21, 2021–22)
 (प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली
 की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

तृतीय सत्र
 प्रश्नपत्र – 4 हिंदी संतकाव्य तथा राष्ट्रीय काव्यधारा

उद्देश्य –

- छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।
- छात्रों को मध्यकालीन हिंदी कवियों से परिचित कराना।
- छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण करना।
- छात्रों को आधुनिक हिंदी कविता में चित्रित विविध विमर्शों से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति –

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. सस्वर काव्य पाठ, प्रकट वाचन, संवाद।
3. ग्रंथालयों के माध्यम से संबंधित लेखकों, कवियों की मौलिक कृतियों से छात्रों का परिचय।
4. दृक-श्राव्य साधनों/माध्यमों का प्रयोग।

पाठ्यपुस्तक – काव्यामृत, संपादक– हिंदी अध्ययन मंडल, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

पाठ्य विषय –

1. पठित दोहे एवं पदों की सटीक व्याख्या करना।

2. मध्यकालीन संत कवियों का कार्य उजागर करना ।
3. आधुनिक कविता के सामाजिक संदर्भ स्पष्ट करना ।
4. आधुनिक कविता का समीक्षात्मक विश्लेषण करना ।

इकाई— मध्यकालीन काव्य—

1. कबीर के दोहे – 10
2. सूरदास के पद – 03
3. मीरा के पद – 03

इकाई—II मध्यकालीन काव्य—

4. घनानंद के पद – 03
5. रहीम के दोहे – 10
6. भूषण के पद – 03

इकाई—III आधुनिक हिंदी कविता –

7. तुकडोजी के पद – 02
8. यह तो शर्म की बात है – सुशीला टाकभौरे
9. तीली – उदय प्रकाश

इकाई—IV आधुनिक हिंदी कविता—

10. प्यार – सुधाकर मिश्र
11. गज़ल – हस्तिमल हस्ति
12. लता की शायरी – प्रकाश भोसले

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

		अंक
प्रश्न 1	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	आधुनिक हिंदी कविता पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	पूरे पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (5 में से 3) (मध्यकालीन काव्य पर 03, आधुनिक हिंदी कविता पर 02)	15
प्रश्न 4	समग्र पाठ्यक्रम दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (मध्यकालीन काव्य पर 1 और आधुनिक हिंदी कविता पर 1 प्रश्न)	15

संदर्भ सूची

1. राष्ट्रसंत तुकडोजी के राष्ट्रीय विचार –डॉ. सौ. माधवी जाधव, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
2. प्यार का पहला खत (प्रतिनिधि गजले) – हस्तीमल 'हस्ती', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. मनीप्लांट और फूल– डॉ. सुधाकर मिश्र, नारायण प्रकाशन, वाराणसी।
4. लता की शायरी– प्रकाश रावसाहेब भोसले, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर।
5. 'अनभै' – सं. रतनकुमार पाण्डेय, 31 जुलाई – सितम्बर 2011, (विशेष अंक सुधाकर मिश्र)
6. 'अनभै' – सं. रतनकुमार पाण्डेय जनवरी – जून 2017 (विशेष अंक हस्तीमल 'हस्ती').
7. इक्कीसवीं सदी का हिंदी काव्य – डॉ. सौ. माधवी जाधव, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
8. युगदृष्टा राष्ट्रसंत तुकडोजी का राष्ट्रीय जीवन निर्माण में योगदान – डॉ. दिनकर येवलेकर, विनय प्रकाशन, कानपुर।
9. विवके सरिता – राष्ट्रसंत श्री. तुकडोजी महाराज, श्री. गुरुदेव प्रकाशन, अमरावती।
10. हिंदी के प्रतिनिधि कवि – द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली।
11. सुधाकर मिश्र की काव्य संवेदना – डॉ. अवनीश सिंह, विनय प्रकाशन, कानपुर।
12. कुसुम अंसल के काव्य साहित्य में चित्रित नारी – जीवन के विमर्श–डॉ. आर. पी. भोसले, पूजा प्रकाशन, कानपुर।
13. राष्ट्रीय भजनावली – राष्ट्रसंत श्री. तुकडोजी महाराज, श्री. गुरुदेव प्रकाशन, अमरावती।

,

()

(),

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)

- IV,

- V

(- 2019-20, 2020-21 2021-22)

(CBCS)

:-

•

,

•

•

•

•

•

,

:-

•

,

•

•

. . . .

•

-

-

-
-
-
-

-1.

3т) :

(1)

) (2

)

-2. :

)

) (3

)

-3. :

1.

2.

3.

4.

5.

6.

- 4.

1.

2.

(, , ,
 -
)

:-

1.

2.

3.

4.

5.

6.

7.

8.

9.

10.

,

,

1.)

:

(5)

(

1

)

3A)

(5)

(

2

)

2.)

(5)

)

(5)

(

3

)

3.

-3

-(5

3)

(15)

4.

-4

-(3

2)

(15)

(परिशिष्ट -1)

1-100 तक मानक रूप में हिंदी गिनती

भारत की राजभाषा हिंदी देवनागरी लिपि में लिखी हुई होनी चाहिए, लेकिन गिनती अरेबिक अंक (1, 2, 3 u) में होनी चाहिए, देवनागरी (1 , 2, 3 u) में नहीं ।

(परिशिष्ट - 2)

)

• , , - , ,
 , - ,

1. Auditorium -
2. Ability -
3. Art gallery -
4. Classic drama -
5. Colour photography-
6. Actor -
7. Children's song -
8. Comical song -
9. Casting director -
- 10.Puppet -
- 11.Hero -
- 12.Clown/ Zony - /
- 13.Advantage - ,
- 14.Blue chip company -
- 15.Broker - ,
- 16.Bear -
- 17.Artificial dearness -
- 18.Black marketing -
- 19.Bonus -
- 20.Custom -
- 21.Currency -
- 22.Absolute amount -
- 23.Advance -
- 24.Apex Bank- /
25. Bank cash-

- 3

:-

1. -
2. -
3. -
4. -
5. -
6. -
7. -
8. -
9. -
10. -
11. -
12. -
13. u
14. -
15. -
16. -
17. -
18. -
19. -
20. -
21. , -

22. -

23. -

24. -

25. -

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
 हिंदी अध्ययन मंडल
 द्वितीय वर्ष (कला विद्या शाखा)
Discipline Specific Elective course
 हिंदी (ऐच्छिक)
 (शैक्षिक वर्ष 2019–20, 2020–21, 2021–22)
 (प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली
 की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र – 6 अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी पद्य साहित्य

पाठ्यपुस्तक –

- कितने प्रश्न करूँ (खण्डकाव्य) – ममता कालिया

उद्देश्य –

1. छात्रों को हिंदी कवियों से परिचित कराना।
2. छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमता को विकसित कराना।
3. छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।
4. छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण कराना।

अध्यापन पद्धति –

- व्याख्यान तथा विश्लेषण।
- सस्वर काव्य पाठ, प्रकट वाचन, संवाद।
- ग्रंथालयों के माध्यम से संबंधित कवि की मौलिक कृतियों से छात्रों का परिचय।
- दृक-श्राव्य साधनों/माध्यमों का प्रयोग।

पाठ्य पुस्तक – कितने प्रश्न करूँ (खण्डकाव्य) – ममता कालिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

पाठ्य विषय –

1. पात्रों की चारित्रिक विशेषताओं को समझाना ।
2. आधुनिक बोध से अवगत कराना ।
3. खण्डकाव्य का समीक्षात्मक विवेचन ।
4. समानता की दृष्टि वृद्धिगत करना ।

इकाई-I ममता कालिया का व्यक्तित्व एवं कृतित्व :-

1. ममता कालिया का जीवन परिचय ।
2. ममता कालिया का व्यक्तित्व का परिचय ।
3. ममता कालिया का कृतित्व ।

इकाई-II

1. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य का कथानक ।
2. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य में चित्रित पात्र एवं चरित्र चित्रण ।
3. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य के संवाद ।

इकाई-III

1. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य का देशकाल तथा वातावरण ।
2. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य की भाषा-शैली ।
3. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य का उद्देश्य ।

इकाई-IV

1. ' कितने प्रश्न करूँ' 'खण्डकाव्य में चित्रित समसामायिकता ।
2. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य की शीर्षक की सार्थकता ।
3. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य में चित्रित समस्याएँ ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

		अंक
प्रश्न 1	' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य पर लघुत्तरी प्रश्न(5 में से 3)	15
प्रश्न 4	' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15

संदर्भ सूची

1. कविता के नए प्रतिमान – डॉ. नामवर सिंह
2. कविता का प्रतिसंसार – निर्मला जैन
3. आधुनिक खण्डकाव्यों में युग चेतना – डॉ. एन. डी. पाटील, विनय प्रकाशन, कानपुर।
4. ममता कालिया : व्यक्तित्व एवं कृतित्व – डॉ. फैमिदा बीजापुरे, विनय प्रकाशन, कानपुर।

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
 हिंदी अध्ययन मंडल
 द्वितीय वर्ष (आंतर विद्या शाखा)I.D.S.
 तृतीय सत्र
 प्रयोजनमूलक हिंदी
 प्रश्नपत्र 1
 (शैक्षिक वर्ष 2019–20, 2020–21, 2021–22)
 (प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली
 की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

उद्देश्य –

- हिंदी के व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराना।
- वाणिज्यिक व्यवहार में हिंदी भाषा को प्रज्वलित कराना।
- हिंदी में कार्य करने की रुचि विकसित कराना।
- रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करना।
- राष्ट्रभाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
- कार्यालय और व्यवसाय में हिंदी प्रयोग का कौशल विकास विकसित करना।

अध्ययनार्थ विषय –

इकाई–I कार्यालयीन पत्राचार–

1. नौकरी के लिए आवेदन पत्र।
2. पदाधिकारियों के नाम पत्र।
3. छुट्टी के लिए प्रार्थना पत्र।
4. परिपत्र।

इकाई–II अनुवाद : सैद्धांतिक पक्ष –

1. अनुवाद की परिभाषा।
2. अनुवाद का स्वरूप।
3. अनुवाद की उपयोगिता।
4. अनुवादक के गुण।

इकाई–III समाचार का अनुवाद –

1. समाचार का अनुवाद।

2. अंग्रेजी एवं हिंदी अनुच्छेदों में से किसी एक का अनुवाद।
3. अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद(दो में से एक)
4. हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद (दो में से एक)

इकाई-IV मुद्रित संचार माध्यमों का सामान्य परिचय –

1. दै. समाचार पत्र 2. पत्र-पत्रिकाएँ
3. विज्ञापन 4. उद्घोषणा का सामान्य परिचय।

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

		अंक
प्रश्न 1	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न।	10
प्रश्न 2	इकाई I पर पत्रलेखन प्रश्न(3 में से 2)	10
प्रश्न 3	इकाई IV पर लघुत्तरी प्रश्न(3 में से 2)	15
प्रश्न 4	(अ) इकाई II पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
	(आ) इकाई III पर अनुवाद लेखन। (हिंदी और अंग्रेजी अनुच्छेदों में से किसी एक का अनुवाद।)	05

❖ संदर्भ ग्रंथ सूची –

- हिंदी और उसका व्यवहार – डॉ. व्ही. के. मोरे – फडके प्रकाशन, कोल्हापुर।
- पत्रकारिता के सिद्धांत – डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली।
- अनुवाद चिंतन – डॉ. अर्जुन चव्हाण, अमन प्रकाशन, कानपुर।
- प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आधुनिक जनसंचार और हिंदी – प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रयोजनमूलक हिंदी व्याकरण एवं पत्रलेखन – डॉ. बापूराव देसाई, विनय प्रकाशन, कानपुर।
- रोजगारोन्मुख हिंदी – डॉ. गणेश ठाकुर, विजय प्रकाशन, कानपुर।

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
 हिंदी अध्ययन मंडल
 द्वितीय वर्ष (आंतर विद्या शाखा)I.D.S.
 चतुर्थ सत्र
 प्रयोजनमूलक हिंदी
 प्रश्नपत्र 2
 (शैक्षिक वर्ष 2019–20, 2020–21, 2021–22)
 (प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली
 की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

उद्देश्य –

- हिंदी के व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराना।
- वाणिज्यिक व्यवहार में हिंदी भाषा को प्रज्वलित करना।
- हिंदी में कार्य करने की रुचि विकसित करना।
- रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करना।
- राष्ट्रभाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
- कार्यालय और व्यवसाय में हिंदी प्रयोग का कौशल विकास विकसित करना।

अध्ययनार्थ विषय –

इकाई–Iसंगणक का परिचय।

1. संगणक का सामान्य परिचय।
2. संगणक के उपयोग।
3. इंटरनेट सेवा। (प्रयोग विधि)
4. ई-मेल सेवा(प्रेषण एवं प्राप्ति)

इकाई–IIवृत्तांत लेखन।

1. महाविद्यालयीन समारोह का वृत्तांत लेखन।
2. सामाजिक समारोह का वृत्तांत लेखन।
3. प्राकृतिक आपदाओं का वृत्तांत लेखन।
4. दुर्घटनाओं का वृत्तांत लेखन।

इकाई-III वाणिज्य पत्राचार ।

1. पूछताछ के पत्र ।
2. क्रयादेश के पत्र ।
3. संदर्भ के पत्र ।
4. शिकायती पत्र ।

इकाई-IV इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यम का सामान्य परिचय ।

1. रेडिओ
2. दूरदर्शन
3. टेलीकॉफ़ेंस
4. डाक्यूमेंट्री का सामान्य परिचय । (तकनीकी जानकारी अपेक्षित नहीं है ।)

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

		अंक
प्रश्न 1	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न ।	10
प्रश्न 2	इकाई I विभाग पर प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	इकाई II विभाग पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	15
प्रश्न 4	(अ) इकाई III पर पत्रलेखन (3 में से 2)	08
	(आ) इकाई IV पर प्रश्न (3 में से 2)	07

❖ संदर्भ ग्रंथ सूची –

- हिंदी और उसका व्यवहार – डॉ. व्ही. के. मोरे – फडके प्रकाशन, कोल्हापुर ।
- पत्रकारिता के सिद्धांत – डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली ।
- अनुवाद चिंतन – डॉ. अर्जुन चव्हाण, अमन प्रकाशन, कानपुर ।
- प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
- आधुनिक जनसंचार और हिंदी – प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।
- प्रयोजनमूलक हिंदी विविध परिदृश्य – डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, विनय प्रकाशन, कानपुर ।

.....

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
D.S.E.C.

बी.ए.भाग-2 (हिंदी)

C.B.C.S.

जून 2019 पासून सुरु होणा-या सुधारित अभ्यासक्रम समकक्षता

अ.क्र.	जुना अभ्यासक्रम	नवीन अभ्यासक्रम
1	तीसरे सत्र अभ्यासपत्रिका क्रमांक 3 आधुनिक गद्य साहित्य	तीसरे सत्र अभ्यासपत्रिका क्रमांक 3 अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी गद्य साहित्य
2	तीसरे सत्र अभ्यासपत्रिका क्रमांक 4 मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य	तीसरे सत्र अभ्यासपत्रिका क्रमांक 4 हिंदी संतकाव्य तथा राष्ट्रीय काव्य
3	चौथे सत्र अभ्यासपत्रिका क्रमांक 5 आधुनिक गद्य साहित्य	चौथे सत्र अभ्यासपत्रिका क्रमांक 5 हिंदी में रोजगार के अवसर
4	चौथे सत्र अभ्यासपत्रिका क्रमांक 6 आधुनिक काव्य	चौथे सत्र अभ्यासपत्रिका क्र. 6 अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी पद्य साहित्य
5	प्रश्नपत्र -1,2 I.D.S. प्रयोजनमूलक हिंदी	प्रश्नपत्र -1,2 I.D.S. प्रयोजनमूलक हिंदी

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

REVISED SYLLABUS (SEMESTER PATTERN) FOR B.A. II – HOME SCIENCE

CBCS PATTERN

1. TITLE : B.A. Part II (Home–Science)
Under Faculty of Interdisciplinary
2. YEAR OF IMPLEMENTATION : New Syllabus (CBCS Pattern) (Semester Pattern) will be implemented from June 2019 onwards.
3. DURATION : B.A.II – Two Semester (One Year)
4. PATTERN OF EXAMINATION : Semester (CBCS Pattern)
Practical– Internal Evaluation
5. MEDIUM OF INSTRUCTION : English or Marathi.
6. STRUCTURE OF COURSE : B.A. Part – II
Two Semesters
Four Papers

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM IN B.A. (PROG) HOME SCIENCE

Structure of Course NEW Syllabus

2016-2017

B.A. Home Science under CBCS Pattern

B. A. I

S. N.	Class	Semester	Name of the Course
1	B.A. I	I	DSC - 1 (Paper I) <i>Fundamentals of Food and Nutrition</i>
		II	DSC - 2 (Paper II) Resource Management

B. A. II

S. N.	Class	Semester	Name of the Course
1	B.A. II	III	DSC - 3 : (Paper III) Basics of Interior Design DSC - 4 : (Paper IV) Introduction to Food Safety and Preservation
		IV	DSC - 5 : (Paper V) Fundamentals of Textile Science and Apparel Construction DSC - 6 : (Paper VI) Introduction to Human Development

B.A. III

S. N.	Class	Semester	Name of the Course
1	B.A. III	V	DSC - 7 : (Paper VII) Nutrition for the Family DSC - 2 : Space Planning and Design (Paper VIII) DSC - 9 : Fundamental Textile Science and Apparel Construction - II (Paper IX) DSE - 1 : Life Span Development (Paper X) SEC - 1 : Research Methodology in Home Science (Paper XI)
		VI	DSC- 10 : (Paper XII) Therapeutic Nutrition DSC - 11: Traditional Indian Textiles (Paper XIV) DSE - 2 : (Paper XIII) Entrepreneurship Development DSE -3 : Introduction to Guidance and Counselling (Paper XV) SEC - 2 : Extension for Development (Paper XVI)

DSC - Discipline Specific Course

DSE - Discipline Specific Elective

SEC - Skill Enhancement Course

Sr. No.	Paper No.	Semester	Name of the subject	Distribution of Marks		
				Theory	Practical	Total
1	III	III	Basics of Interior Design	40	10	50
2	III	IV	Introduction to Food Safety and Preservation	40	10	50
3	IV	V	Fundamentals of Textile Science and Apparel Construction	40	10	50
4	IV	VI	Introduction to Human Development	40	10	50

7. SCHEME OF TEACHING :

Sr. No.	Paper No.	Semester	Name of the subject	Teaching Scheme		
				Theory Lectures / week	Practicals/ Lectures/ week/ batch	Total
1	III	III	<i>Basics of Interior Design</i>	2	2	4
2	III	IV	Introduction to Food Safety and Preservation	2	2	4
3	IV	V	Fundamentals of Textile Science and Apparel Construction	2	2	4
4	IV	VI	Introduction to Human Development	2	2	4

8. SCHEME OF EXAMINATION:

- The examination shall be at the end of each semester.
- All papers shall carry 40 marks for Theory and 10 marks for practical.
- The evaluation of the performance of the students in theory shall be on the basis of semester examination as mentioned above.

- Question paper will be set in the view of the entire syllabus preferably covering each unit of the syllabus.
- Nature of question paper (Theory)
 - Q. 1: Objective type question 5 Marks
 - Q. 2: Solve the following questions. (Any two out of Three) 20 Marks
 - Q. 3: Write short notes (Any Three out of five) 15 Marks
- The evaluation of the performance of the students in practical shall be on the basis of internal evaluation at the end of each semester.

Equivalence of Papers

Old (Semester Pattern)		New (Semester Pattern)		
Paper No.	Title of the Paper	Paper No.	Semester	Title of Paper
III	<i>Applied Arts and Housing</i>	III	III	<i>Basics of Interior Design</i>
IV	Food Preservation, Bakery and Confectionary	IV	III	Introduction to Food Safety and Preservation
V	Textile Science and Clothing	V	IV	Fundamentals of Textile Science and Apparel Construction
VI	Prenatal Period to Early Childhood	VI	IV	Introduction to Human Development

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
SYLLABUS
Choice Based Credit System
B.A. Part - II
Home Science Course – 3

June 2018 onwards

Basics of Interior Design

Preamble:

Interior design is the art and science of understanding people's behaviour to create functional spaces within a building. Decoration is the furnishing or adorning of a space with fashionable or beautiful things. It is definitely a good career option for those who are good at creativity and ideas. It has good scope and opportunities. You may pursue your career as an interior designer.

- Objectives:**
1. To acquaint students regarding elements of art and principles of design.
 2. To create awareness among students about furniture and flower arrangement.
 3. To develop skills of students in relation with application of elements and principles of design.

Total Credits: 4

Theory: 3Credits

Practical: 1Credit

Workload:

Theory: 2 Lectures per week

Practical: 2 Lectures per week per batch

(Each batch consisting of 15 to 20 students)

Semester – I

Theory

Teaching Hours: 45

Module 1 : Fundamentals of design

15

1.1 Elements of Arts

1.2 Principles of Design

1.3 Application of elements and principles of design in Interior Decoration

Module 2: Colour

10

2.1 Colour- Definition and Importance

- 2.2 Dimensions of colour
- 2.3 Classification of colour
- 2.4 Colour schemes and Harmonies/ Effects of colour

Module 3: Furniture Arrangement

- 3.1 Importance and Types of Furniture
- 3.2 Selection of Furniture
- 3.4 Care of furniture
- 3.4 Furniture arrangement in different rooms

Module 4: Flower arrangement and Flower Decoration

10

- 4.1 Importance of Flower Arrangement and Flower Decoration
- 4.2 Material used for Flower Arrangement and Flower Decoration
- 4.3 Types of Flower Arrangement and Flower Decoration

Practical

Credit: 1

1. Preparation of Primary, Secondary and Tertiary colour and Colour wheel
2. Preparation of colour scheme
3. Preparation of Colour Hue
4. Demonstration and Preparation of Types of Flower arrangement
5. Demonstration and Preparation of Types of Flower decoration
6. Visit to Furniture shop/Mall/Manufacturing unit

Method of Evaluation: Internal Evaluation of Practical

- Q. 1 Submission of Journal - 5 Marks
- Q. 2 Viva - 5 Marks

RECOMMENDED READINGS :

1. Interior Decoration, Lawrence M., Chartwell Books, New Jersey (1987)
2. The Elements of Design, Riley and Bayen, Mitchell Beazley (2003)
3. Home Management for Indian Families by Mann, M.K.(1984):Kalyani Pub. N.Delhi.

4. Home management by Vagrhese, M.A. Ogale, N.N and Srinivasan, K (1989): Wiley Eastern Ltd.
5. Modern ideal homes for india, by Deshpande, R.S. (1978): United Book corporation, Prons.
6. गृहव्यवस्थापन व गृहकला, डॉ.क्षमा लिमये, विकास प्रकाशन, रुईकर मार्ग, नागपूर
7. आधुनिक गृहव्यवस्थापन, डॉ. वैरागडे, प्रा. लाटकर, प्रा. मुळे, विद्या प्रकाशन, औरंगाबाद.
8. गृहसजावट व गृहकला, डॉ. नुजहत सुलताना, ज्ञान प्रकाशन, औरंगाबाद

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
SYLLABUS
Choice Based Credit System
B.A. Part - II
Home Science Course – 4

June 2019 onwards

Introduction to Food Safety and Preservation

Preamble:

This course aims to create interest in food preservation. It aims to develop better understanding of concept, principles and methods of food preservation as well as food safety. This course helps to develop skills in students for food preservation, thereby opening avenues for entrepreneurship development and improving the employability of the students in the field of food preservation and food safety.

- Objectives:**
1. To impart students with basic knowledge relating to food safety and food preservation
 2. To introduce them the concept of food preservation, safety and hygiene.

Total Credits: 4

Theory: 3 Credits

Practical: 1Credit

Workload:

Theory: 2 Lectures per week

Practical: 2 Lectures per week per batch

(Each batch consisting of 15 to 20 students)

Semester – I

Theory

Teaching Hours: 45

Module 1: Introduction to Food Preservation

10

- 1.1 Definition and concept of food preservation
- 1.2 Objectives of Food Preservation
- 1.3 Scope of Food Preservation industry in India

Module 2: Food Safety

10

- 2.1 Key terms, Factors affecting food safety
- 2.2 Food laws, Standards and Regulations

2.3 Food Additives and Contaminants

2.4 Hygiene and sanitation

2.5 HACCAP

Module 3: Principles OF Food Preservation **10**

3.1 Principles OF Food Preservation

3.2 Common terms used in Food Preservation

3.3 Factors affecting growth of micro organisms

Module 4: Methods of Food Preservation **15**

4.1 Preservation by High Temperature

4.2 Preservation by Low Temperature

4.3 Preservation by Drying

4.4 Preservation by Preservatives

4.5 Preservation by Irradiation

4.6 New Methods of Preservation

Practical

Credit: 1

1. Introduction to Equipments used for Food Preservation

2. Preparation of Jam

3. Preparation of Jelly

4. Preparation of Fruit Squash

5. Preparation of Sauce/Ketchup

6. Preparation of Pickle and Chutney (Any One)

7. Blanching of Vegetables (Any One)

8. Preparation of Frozen peas

9. Visit to Food Preservation Unit/Institute to observe technique and Food Safety measures.

Method of Evaluation: Internal Evaluation of Practical

- Q. 1 Submission of Journal - 5 Marks
- Q. 2 Viva - 5 Marks

RECOMMENDED READINGS :

1. Food Microbiology by Frazier W C and Westhoff DC, Tata McGraw-Hill Publishing Company Limited, 1995.
2. Preservation of Fruits and Vegetables, Siddhapa GS, Lal G and Tondon, Indian Council of Agriculture Research, New Delhi, 1998.
3. Phal Sanrankshan, Srivastava S S, Kitab mahal, Lucknow 2006.
4. Food Processing and Preservation, Subbalakshmi G, Udipi S A, NewAge International Publishers, Delhi 2007.
5. Food Science, Nutrition and safety, Suri S and Malhotra A., Pearson India Limited, 2014.
6. Food Safety and Standards Act along with Rules and Regulations, Delhi Commercial Law Publishers (India) Pvt. Ltd. 2011.
7. Modern cooking for Teaching and Trade by Philip, T.E. (1984) Orient Longman, Bombay
8. अन्नसंरक्षण – डॉ.राजकुमार कांबळे.

Web Resources

Food Safety and Standards Authority of India. www.fssai.gov.in

National Center for Home Food Preservation <http://nchfp.uga.edu/>

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
SYLLABUS
Choice Based Credit System
B.A. Part - II
Home Science Course – 5

June 2019 onwards

Fundamentals of Textile Science and Apparel Construction-I

Preamble:

Course with Textile Science and Apparel Construction aims at preparing students for a wide variety of jobs in the garment industry and also focuses on enabling students to develop and apply their creative mind in the design of apparel and home linen. The course introduces students to properties of fibres, production and finishing processes of a variety of textile fibres, yarns, fabrics and garments. There is equal focus on imparting practical knowledge and understanding. Students are given first hand practical knowledge of elements of clothing construction besides drafting, layout and stitching patterns.

- Objectives:**
1. To impart knowledge relating knowledge about textile fibres, yarns and fabric construction and finishes
 2. To acquaint students with tools and equipments used for sewing
 3. To acquaint students with the importance of taking correct measurements and concept of drafting and paper patterns

Total Credits: 4

Theory: 3 Credits

Practical: 1Credit

students)

Workload:

Theory: 2 Lectures per week

Practical: 2 Lectures per week per batch

(Each batch consisting of 15 to 20

Semester – I

Theory

Teaching Hours: 45

Module 1 : Textile Fibres and Yarns

10

- 1.1 Definition and Classification of Textile Fibres based on their origin and length
- 1.2 Manufacturing and Properties of Cotton, Silk, Wool, Viscose Rayon and Polyester
- 1.3 Classification of yarn - Simple and Novelty yarns, Yarn Twist, Yarn Count

Module 2: Fabric Construction

15

- 2.1 Basic Parts of Loom
- 2.2 Weaves - Basic Weaves: Plain, Twill, Satin
Novelty Weaves: Lino, Jacquard, Pile, Lappet, Spot Weave
- 2.3 Finishes- Definition, Objectives and Classification
- 2.4 Finishing Processes- Singeing, Scouring, Bleaching, Sanforising, Mercerising, Sizing, Water proof, Fire proof finishes

Module 3: Introduction to Apparel Construction **10**

- 3.1 Terms used in Apparel Construction-Seam Allowance, Pattern, Grading, Notch, Stay stitching
- 3.2 Tools and equipment used for measuring, drafting, pinning, marking, cutting, Sewing, Pressing
- 3.3 Preparation of fabrics for clothing construction-Shrinking, Strengthening, Layout, Marking and Cutting of Patterns

Module 4: Pattern Drafting and Elements of Clothing Construction **10**

- 4.1 Body Measurement-Types and Guidelines for taking body measurements
- 4.2 Drafting, Types of Paper Pattern
- 4.3 Layout and Cutting
- 4.4 Basic Elements of Clothing Construction
 - i) Seams-Plain, French, Flatfell
 - ii) Darts-Open, Close, Double
 - iii) Pleats-Simple, Box, Side Pleat

Practical

Credit: 1

1. Preparation of samples of the following.
 - i) Seams-Plain, French, Flatfell (Any Two)
 - ii) Darts-Open, Close, Double (Any Two)
 - iii) Pleats-Simple, Box, Side Pleat (Any Two)
2. Drafting, Cutting, Stitching and Finishing of Apron
3. Drafting, Cutting, Stitching and Finishing of Baby Frock of girl up to 2 years
4. Visit to Textile Mill/Institute/Garment Industry and Report writing.

Practical Examination- External Pattern

(Total Marks-10)

Nature of Question Paper

Q.1: Preparation of following sample.(Any one) 3 Marks

- i) Seams-Plain, French, Flatfell
- ii) Darts-Open, Close, Double
- iii) Pleats-Simple, Box, Side Pleat

Q.2: Preparation of Full Scale Paper pattern of any one of the following. 3 marks

- i) Apron
- ii) Baby Frock

Q.3: Garment submission 2 Marks

Q.4: Journal 2 marks

RECOMMENDED READINGS :

1. Textbook of clothing and textile and laundry. Shushma Gupta, Neeru Gara, Renu Saini
2. Textile: fibre to fabrics, Corbman B P^{5th} Edition, New York McGraw- Hill Book company, 1975
3. Fundamentals of Textile and Their care Dantyagi S. orient longman Ltd. New Delhi 1975
4. Housing Textile and Laundry Works. Deulkar Durga. Atmaram sons Delhi, 1980.
5. Standard Hand Book of Textile, Hall A J New butter worths , London.
6. Dress designing, Manmeet Sodhia. kalyani publication new Delhi.
7. Techniques of Drafting and Pattern Making, Padmavati B. Atlanta publications and Distributors Pvt. Ltd
8. Encyclopedia of Dress Making, A.P.H. Publishing house , New Delhi, 2010.
9. Draping and Pattern Making for Fashion Designing, Kamal Khurana, Sonali Publication New Delhi 2012
- 10 वस्त्रशास्त्राची संकल्पना फॅशन डिजायनिंग, उज्ज्वला वैरागडे, विद्या बुक्स पब्लिशर्स, औरंगाबाद, 2009
- 11 वस्त्रशास्त्राची रुपरेषा, क्षमा लिमये, स्टॅंडर्ड पब्लिकेशन, नागपूर 1997

- 12 वस्त्रशास्त्र परिचय, इंदिरा खडसे हिमालया बुक्स प्रा.लि. मुंबई 2007
- 13 वस्त्रशास्त्र, सुनिता काळे, पवन प्रकाशन, परभणी
14. शास्त्रोक्त षिवणकला भाग 1 व 2, कृ.म.हेगडे, हेगडे टेलरिंग कॉलेज, पुणे.
- 15 झारापकर षिवणशास्त्र आधुनिक कपडे भाग 1 व 2 का.रा.झारापकर
झारापकर प्रकाशन, मुंबई
- 16 सोपे षिवणकाम, पद्मावती भिस` मॅजेस्टीक बुक स्टॉल, मुंबई
- 17 उपयुक्त षिवणकला भाग 1 व 2 सुधा कुलकर्णी

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
SYLLABUS
Choice Based Credit System
B.A. Part - II
Home Science Course – 6

June 2019 onwards

Introduction to Human Development

Preamble:

Human Development is a field of study that deals with the changes that occur in human beings during the entire course of life span. The study of human development focus on developmental trends, principles and processes that influence development. The study enables students to demonstrate a better understanding of human development that includes the period from pre-natal development to post natal development to adulthood and till death.

- Objectives:**
1. To understand the field of Human Development and significance of Human Development
 2. To create an understanding of the various stages if child development beginning with prenatal, neonate, infant and child development

Total Credits: 4

Theory: 3 Credits

Practical: 1Credit

Workload:

Theory: 2 Lectures per week

Practical: 2 Lectures per week per batch

(Each batch consisting of 15 to 20 students)

Semester – I

Theory

Teaching Hours: 45

Module 1: Importance of Human Development

10

- 1.1 Meaning, Definition and Scope of Human Development
- 1.2 Definition of Growth and Development, Stages of development
- 1.3 Principles of development
- 1.4 Factors affecting growth and development

Module 2: Prenatal Development

10

- 2.1 Male and Female reproductive system

- 2.2 Menstrual cycle, Conception, Stages of prenatal development
- 2.3 Signs of pregnancy
- 2.4 Care during pregnancy

Module 3: Neonate and Infant Development **10**

- 3.1 Characteristics of New Born and Reflexes
- 3.2 Adjustment of Neonate and Care of neonate
- 3.3 Infant development milestones

Module 4: Early Childhood Development **15**

- 4.1 Physical Development-Height, Weight, Body proportions, teeth and Bone Development
- 4.2 Motor Development- Sequence of motor development, Gross and Finer Motor Skills, Handedness
- 4.3 Cognitive Development- Mental processes: Perception, Thinking, Reasoning, Memory, Imagination, Curiosity, Concept Formation
- 4.4 Emotions in Childhood- Love and Affection, Fear, Anger, Temper tantrums

Practical

1. Creative activity- Preparation of samples of the following
 - a) Painting- Brush, Finger / Blow/Thread /Blot/Splatter painting (Any three)
 - b) Printing- Finger/Thumb/Block/Vegetable printing (Any Three)
 - c) Paper activity-Tearing/ Scrumbling/Twisting/Pasting/Mosaic/Cutting/Folding (Any Three)
 - d) Clay Moulding
2. Preparation of Educational Aids- Puppets, Flash card
3. Preparation of Resource file by collecting songs, stories, Riddles, Pictures, Information related to Child development.
4. Visit to Nursery school/Anganwadi/Balwadi/ Play centre and report writing
5. Visit to Maternity Clinic/baby Clinic and report writing.

Practical Examination- External Pattern

(Total 10 Marks)

- Q. 1 Submission of Journal - 5 Marks
- Q. 2 Viva - 5 Marks

RECOMMENDED READINGS

1. Child Development, Elizabeth Hurlock, New York Mc Graw Hill Book company
2. Child Growth and Development, Elizabeth Hurlock, New York Mc Graw Hill Book company
2. Child Development, Laura E Berk, prentice hall of India Pvt.Ltd, New Delhi (2007) .
3. Child Development, Sushama Date and Panna Akhani, Sheth publishers Pvt.Ltd Bombay, 1995.
4. Child Development, Sarojini Sararirayan Neelkanth Publication, Bombay, 1986.
5. Child Development and Family Relationship, Sharma Veena, research publication Jaipur.
7. Life Span Development, John W. Santrock, Thirteenth Edition,2011
8. Developmental Psychology and Life Span Approach, Elizabeth Hurlock, New York Mc Graw Hill Book company.
9. Know Your Child , Pankajam G Concept publication company, New Delhi 2005
10. सुमेधा लेले, मनिषा अष्टपुत्रे बालविकास, स्टॅडर्ड पब्लिकेशन, नागपूर, 1995
- 11 **वैकासिक मानसशास्त्र, डॉ. रा. र. बोरुडे, डॉ. मेघा कुमठेकर**



Estd. 1962

NAAC 'A' Grade

Faculty of Humanities

Syllabus for

B. A. Part II (Sem III & IV)

Sociology

(To be implemented from June, 2019-20)

Equivalence Table

B. A. Part – II (Sem-III)

Paper	Old Syllabus	Paper	New Syllabus
Paper – III	Indian Social Structure	DSC – D3 Paper No- III	Social Issues in India
Paper – IV	Social Problem in India	DSC – D4 Paper No- IV	Social Movement in India
IDS Paper - I	Rural Development	CGE Paper I	Rural Development
IDS Paper - I	Social Ecology	CGE Paper I	Social Ecology

B. A. Part – II (Sem-IV)

Paper	Old Syllabus	Paper	New Syllabus
Paper – V	Social Change in Indian Society	DSC – D31 Paper No- V	Gender and Violence
Paper – VI	Social Problem in Cotemporary India	DSC – D32 Paper No- VI	Sociology of Health
IDS Paper - II	Rural Development	CGE Paper II	Rural Development
IDS Paper - II	Social Ecology	CGE Paper II	Social Ecology

SYLLABUS - Choice Based Credit System

B.A. Part – II - DSC – D3

Semester - III, Paper No.III - Social Issues in India

Sociology Course - 3, June 2019 onwards

Course Objective:

This Course introduces students to Sociological study of Social Issues. This paper aim to draw attention of the students for to need to study 'Socio-Cultural, Economic,' and legal issues in India.

	Topic	Teaching Hours	Credits
Model - I	Social Issues A) Nature of Social Issues B) Classification of Social Issues C) Need for study for Social Issues	15	1
Model - II	Socio-Cultural Issues A) Communalism : Meaning, Causes and Remedies B) Female-Foeticide : Meaning, Causes and Remedies	15	1
Model - III	Socio-Economic Issues A) Poverty : Meaning, Causes and Remedies B) Unemployment : Meaning and Remedies	15	1
Model - IV	Socio-Legal Issues A) Human Rights : History, Fundamental Rights in Indian Constitution B) Cyber Crime : Meaning, Causes and Remedies	15	1

References :

1. जी.एल.शर्मा : सामाजिक मुद्दे, 2017, रावत पब्लिकेशन, जयपूर.
2. राम आहूजा : सामाजिक समस्या, 2000, रावत पब्लिकेशन, जयपूर.
3. राम आहूजा : सोशल प्रॉब्लेम्स इन इंडिया, 2014, रावत पब्लिकेशन, जयपूर.
4. भार्गव नरेश : वैश्विकरण : समाजशास्त्रीय परिपेक्ष्य, 2014, रावत पब्लिकेशन, जयपूर.
5. राजविवेक एस. : समकालीन भारतीय मुद्दे (समस्या एवं समाधान), 2013-14, सिव्हील सर्व्हीसेस, टाईम्स न्यू दिल्ली.
6. रावत हरिकृष्ण, उच्चतर समाजशास्त्र विश्वकोश, 2014, रावत पब्लिकेशन, जयपूर.

Equivalence of B.A.II Sociology

Sr.No.	Title of Old Paper	Title of New Paper
1.	Sem-III, Paper No.III Indian Social Structure	Sem-III, Paper No.III Social Issues in India

Shivaji University, Kolhapur
SYLLABUS - Choice Based Credit System

B.A. Part – II – DSC – D4

Semester - III, Paper No.IV - Social Movement in India

Sociology Course - 4, June 2019 onwards

Course Objectives :

This paper aims to draw attention to the variety of ideas and debates about India. Further, it critically engages with the multiple socio-political forces and ideologies which shape the terrain of the nation.

	Topic	Teaching Hours	Credits
Model - I	Social Movement A) Meaning and Characteristics of Social Movement B) Elements of Social Movements C) Importance of Social Movement.	15	1
Model - II	Peasant Movement A) Peasant Problems in India B) Major peasant Movement C) Impact of Peasant Movement	15	1
Model - III	Dalit Movement A) Dalit Problems in India B) Major Dalit Movement. C) Impact of Dalit Movement	15	1
Model - IV	Tribal Movement A) Tribal Problems in India B) Major Tribal Movement C) Impact of Tribal Movement	15	1

References :

1. Gandhi and Ambedkar, Ambedkar, B. R., 1971 [1936], Annihilation of Caste, Jullunder: Bheem Patrika
2. Dalit Politics, Shah, G., 2001, Dalit Identity and Politics, New Delhi: Sage Publications, Pp.17-43
3. Mobility and Change, Srinivas, M.N., 1956, 'A Note on Sanskritization and Westernization', The Far Eastern Quarterly, 15(4), Pp. 481-496
4. Women's Movement : Menon, N., (ed.) 1999, Gender and Politics in India, Delhi: Oxford University Press, pp.342-369.
5. Peasant Movements : Pouchepadass, J., 1980, 'Peasant Classes in Twentieth Century Agrarian Movements in India', in E. Hobsbawm (ed.) Peasants in History, Delhi: Oxford University Press, Pp.136-155
6. भारतातील दलित समाज : सुखदेव थोरात, 2009, सेज (Sage) पब्लिकेशन, न्यू दिल्ली.
7. समाजशास्त्रातील मुलभूत संकल्पना : सर्जेराव साळुंखे, निराली प्रकाशन, पुणे.
8. भारतातील सामाजिक चळवळी : घनश्याम शहा, 2014, सेज (Sage) पब्लिकेशन, न्यू दिल्ली.
9. सामाजिक चळवळी आणि सरकार : घनश्याम शहा, अनुवाद – योगिनी वेंगुर्लेकर, 2009, डायमंड पब्लिकेशन, पुणे.
10. भारतातील सामाजिक चळवळी : खंडेरावजी एस. साळुंखे, 2018, निर्मिती संवाद, कोल्हापूर.

Equivalence of B.A.II Sociology

Sr.No.	Title of Old Paper	Title of New Paper
1.	Sem-III, Paper No.IV Social Problem in India	Sem-III, Paper No.IV Social Movement in India

Shivaji University, Kolhapur
SYLLABUS - Choice Based Credit System

B.A. Part – II - DSC – D31

Semester - IV, Paper No.V - Gender and Violence

Sociology Course - 5, June 2019 onwards

Course Objectives :

Gendered violence is routine and spectacular, structural as well as situated. This course attempts to provide an understanding of the logic of that violence, awareness of its most common forms and tries to equip the students with a sociologically informed basis for making pragmatic, ethical and effective choices while resisting or intervening in the context of gendered violence.

	Topic	Teaching Hours	Credits
Module - I	Gender and Violence A) Meaning of Gender B) Nature of Gender Violence C)Major Gender Issues.	15	1
Module - II	Domestic Violence A) Meaning of Domestic Violence B) Dowry : Causes and Remedies C) Divorce : Causes and Remedies	15	1
Module - III	Violence Against Women A) Tribal Women : Nature and Remedies B) Rural Women :Nature and Remedies C) Urban Women : Nature and Remedies	15	1
Module - IV	Womens' Harassment at workplace A) Nature of Womens' Harassment B) Types of Womens' Harassment C) Remedies and Vishakha Guidelines Acts, 2013	15	1

Reference :

1. Kimmel, Michael S. *The Gendered Society*. New York: Oxford University Press, 2011. Chapter 13. Gender of Violence, Pp. 381-407
2. Wies, Jennifer R. *Anthropology at the Front Lines of Gender-Based Violence*.
3. Nashville, Tenn.: Vanderbilt Univ. Press, 2011. Chapter 1. *Ethnographic Notes from the Frontlines of Gender Based Violence*, Pp. 1-18
4. Kannabiran, Vasanth and Kalpana Kannabiran, *Caste and Gender: Understanding Dynamics of Power and Violence*, *Economic and Political Weekly*, Vol. 26, No. 37 (Sep. 14, 1991), pp. 2130-2133.
5. Irudayam, Aloysius, Jayshree P Mangubhai, and Joel G Lee. *Dalit Women Speak Out*. Chapters. 1, 3, 4, 13 and 14.
6. Karlekar, Malavika. *Domestic Violence*, *Economic and Political Weekly*, Vol. 33, No. 27 (Jul. 4-10, 1998), pp. 1741-1751
7. Agnes, Flavia, *'My Story, Our Story: Building Broken Lives'* Mumbai: Majlis. 1984.
8. Chowdhry, Prem. *Enforcing Cultural Codes: Gender and Violence in Northern India*, *Economic and Political Weekly*, Vol. 32, No. 19 (May 10-16, 1997), pp. 1019-1028
9. Wood, E. J. *'Variation in Sexual Violence during War'*. *Politics & Society* 34.3 (2006): 307-342.
10. Butalia, Urvashi. *The Other Side of Silence*. Durham, NC: Duke University Press, 2000. Chapter 4, Pp. 104 - 171
11. MacKinnon, Catharine A. *Only Words*. Cambridge, Mass.: Harvard University Press, 1993. Chapter II *Racial and Sexual Harassment*. Pp. 43 – 68.
12. Tejani, Sheba. *Sexual Harassment at the Workplace: Emerging Problems and Debates*, *Economic and Political Weekly*, Vol. 39, No. 41 (Oct. 9-15, 2004), pp. 4491-4494

13. Box, Steven. *Power, Crime, and Mystification*. London: Routledge, 1989. Chapter 4. Rape and Sexual Assaults on Women Pp. 120 - 165
14. Scully, Diana and Joseph Marolla. "Riding the Bull at Gilley's": Convicted Rapists Describe the Rewards of Rape, *Social Problems*, Vol. 32, No. 3 (Feb., 1985), pp. 251- 263
15. Menon, Nivedita. *Recovering Subversion: Feminist Politics beyond the Law*. Ranikhet: Permanent Black. 2004. Chapter 3. Sexual Violence: Escaping the Body. Pp. 106 - 156
16. Omvedt, Gail, *Violence Against Women: New Movements and New Theories in India*. Delhi: Kali for Women, 1990. Pp. 1-40
17. Das, Veena & Kim Turcot DiFruscia. Listening to Voices: An Interview with Veena Das, *Altérités*, vol. 7, no 1, 2010 : 136-145.
18. Naquvi, Farah. This Thing called Justice: Engaging Laws on Violence against Women In India, in Bishakha Dutta (ed.), *Nine Degrees of Justice: New Perspectives on Violence Against Women in India*. Delhi: Zuban, 2010.
19. Wall, Liz. 'Gender equality and violence against women what's the connection?' The Australian Center for the study of Sexual Assault Research Summary. 2014.
20. Welchman, Lynn, and Sara Hossain. "Honour". London: Zed Books, 2005. Chapter 2. 'Crimes of Honour': Value and Meaning Pp. 42-64
21. Loy, Pamela Hewitt, and Lea P. Stewart. 'The Extent and Effects of the Sexual Harassment of Working Women'. *Sociological Focus* 17.1 (1984): 31-43.
22. Pickup, Francine, *Ending Violence against Women: A Challenge for Development and Humanitarian Work*, London: Oxfam, 2001. Chapter 5. Direct support to the survivors of violence & Chapter 8. Challenging the State.

23. United Nations Division for the Advancement of Women, 'Good Practices in Legislation on Violence against Women' 2008. Part III, Framework for Legislation on Violence against Women.
24. Puri, Jyoti. 'Sodomy, Civil Liberties, and the Indian Penal Code' in Chatterji, Angana P, and Lubna Nazir Chaudhry. Contesting Nation. Delhi: Zuban. Pp. 100-132.
25. जी.एल.शर्मा : सामाजिक मुद्दे, 2016, रावत पब्लिकेशन, जयपूर.
26. रचना सुचिन्मयी : समसामायिक – राजनितीक मुद्दे, 2016, रावत पब्लिकेशन, जयपूर.

Equivalence of B.A.II Sociology

Sr.No.	Title of Old Paper	Title of New Paper
1.	Sem-IV, Paper No.V Social change in Indian Society	Sem-IV, Paper No.V Gender and Violence

Shivaji University, Kolhapur
SYLLABUS - Choice Based Credit System
 B.A. Part – II - DSC – D32
 Semester - IV, Paper No.VI - Sociology of Health
Sociology Course - 6, June 2019 onwards

Course Objectives :

The course introduces students to the sociology of health, illness and medical practice by highlighting the significance of socio-cultural dimensions in the construction of illness and medical knowledge. Theoretical perspectives examine the dynamics shaping these constructions. Negotiations of health and illness are explored through ethnographies.

	Topic	Teaching Hours	Credits
Model - I	Introduction to Sociology of Health A) Meaning and Nature of Sociology of Health B) Subject Matter of Sociology of Health C) Importance of Sociology of Health	15	1
Model - II	Major Diseases in India A) Diabetes - Causes and Remedies B) Heart Diseases - Causes and Remedies C) Cancer - Causes and Remedies	15	1
Model - III	Lifestyle and Health A) Traditional Lifestyle and Health B) Modern Lifestyle and Health C) Remedies on Health Problems	15	1
Model - IV	Health Policy in India A) Health Policy for Children and Women B) Health Policy for Old Age C) Health Policy for People Below Poverty Line(BPL)	15	1

Reference :

1. Turner, Bryan, S. (1995) *Medical Power and Social Knowledge*. London, Sage, Chapters 1 and 2 and 3. Pages (1-54).
2. Boorse, Christopher (1999) On the distinction between Disease and Illness. In (eds.) James Lindermann Nelson and Hilde Lindermann Nelson, *Meaning and Medicine: A Reader in the Philosophy of Healthcare*, New York: Routledge. (Pages 16-27)
3. Kleinman, Arthur (1988) *The Illness Narratives: Suffering, Healing and the Human Condition*. New York : Basic Books Inc. Publishers. Chapter (Pages 3-30).
4. Fruend, Peter E.S., McGuire, Meredith B. and Podthurst, Linda S. (2003) *Health, Illness and the Social Body*, New Jersey: Prentice Hall. Chapter 9 (Pages 195-223)
5. Morgan, Lynn. Morgan (1987) Dependency Theory and the Political Economy of Health: An Anthropological Critique. *Medical Anthropology Quarterly*, New Series, Vol.1, No.2 (June, 1987) pp. 131-154.
6. Talcott Parsons (1951) *The Social System*, London: Routledge & Kegan Paul Ltd. Chapter 10, (Pages 428-479).
7. Foucault, Michel (1994) *The Birth of the Clinic: An Archaeology of Medical Perception*, New York: Vintage Books. Chapter-1 and Conclusion. (Pages 3-20 and 194-199).
8. Turner, Bryan, S. (1995) *Medical Power and Social Knowledge*, London: Sage. Chapter 5. (Pages.86-108).
9. Patel, Tulsi (2012) Global Standards in Childbirth Practices. In (eds.) V. Sujatha and Leena Abraham *Medical Pluralism in Contemporary India*. New Delhi: Orient BlackSwan. (Pages 232-254).
10. Evans- Pritchard, E.E. (2010) The Notion of Witchcraft Explains Unfortunate Events. In (eds.) Byron J.Good, Micheal M. J. Fischer, Sarah S. Willen and Mary-Jo Del Vecchio *Good A Reader in Medical Anthropology : Theoretical Trajectories , Emergent Realities*, Oxford : Wiley- Blackwell, Chapter-2 (Pages 18-25).

11. Baer, Hans A., Singer, Merrill and Susser, Ida (1994) *Medical Anthropology and the World System*, Westport: Praeger. Chapters 10 and 11 (Pages 307-348)
12. Gould, Harold A. (1965) *Modern Medicine and Folk Cognition in Rural India* in *Human Organization*, No. 24. pp. 201- 208.
13. Leslie, Charles (1976) *Asian Medical Systems: A Comparative Study*, London: University of California Press, Introduction. (Pages 1-12) .
14. Inhorn, Marcia (2000). *Defining Women's health: Lessons from a Dozen Ethnographies*, *Medical Anthropology Quarterly*, Vol. 20(3): 345-378.
15. Nichter, Mark and Mimi Nichter (1996) *Popular Perceptions of Medicine: A South Indian Case Study*. In *Anthropology and International Health*. Amsterdam : OPA. Chapter7 (Pages 203-237)
16. Das, Veena, R.K. Das and Lester Coutinho (2000) *Disease Control and Immunization: A Sociological Enquiry*. In *Economic and Political Weekly*, Feb. 19-26. Pages 625-632.
17. Qadeer, Imrana (2011) *Public Health In India*, Delhi: Danish Publishers, Part III, (Pages 221-252).
18. Good, Byron (1994) *Medicine, Rationality and Experience: An Anthropological Perspective*. Cambridge: Cambridge University Press. Chapter 6. (Pages 135- 165).
19. Annandale, Ellen (1988) *The Sociology of Health and Medicine*, Cambridge: Polity Press.
20. Banerji, Debabar (1984) *The Political Economy of Western Medicine in Third World Countries*. In (ed.) John McKinlay *Issues in the Political Economy of Healthcare*. New York: Tavistock.

Equivalence of B.A.II Sociology

Sr.No.	Title of Old Paper	Title of New Paper
1.	Sem-IV, Paper No.VI Social Problem in Cotemporary India	Sem-IV, Paper No.VI Sociology of Health

Shivaji University, Kolhapur

SYLLABUS

Choice Based Credit System

B.A.II (I.D.S.)

Semester - III

Rural Development (I.D.S.)

Paper No.I - Introduction to Rural Development

Implemented from academic Year 2019-2020.

Objective :

- 1) To understand the importance of Rural Development.
- 2) To create the Rural Development awareness.

	Topic	Teaching Hours	Credits
Model - I	Concept of Rural Development A) Nature B) Characteristics C) Objectives	15	1
Model - II	Role of Government Agencies and NGO's A) Government Agencies : Zilla Parishad, Panchayat Samiti and Grampanchayat B) NGO's	15	1
Model - III	Rural Social Problems A) Poverty B) Problem of Indebtedness C) Problem of Agriculture Labour	15	1
Model - IV	Impact of Stigs Education and Co-operative in Rural Development A) Self Help Groups B) Education C) Co-operatives	15	1

Reference Books :

1. Desai A.R. : Rural Sociology in India, Popular prakashan, Mumbai 1997.
2. Desai Vasant : Rural Development programme and strategies - Vol. I to VI, Himalaya Publishing House, Mumbai, 1988.
3. Dube S.C. : Indian Village
4. Dube S.C. : India's Changing Villages, Allied Publishers Pvt. Ltd., Mumbai 1967.
5. Baviskar B.S. : Politics of Development, Oxford University Press.
6. पंडीत नलिनी : जागतिकीकरण आणि भारत : लोकवाङ्मय, मुंबई.
7. योजना : महाराष्ट्र शासन, मुंबई.
8. लोकराज्य : महाराष्ट्र शासन, मुंबई.
9. कुरुक्षेत्र : भारत सरकार, नवी दिल्ली.
10. खंडागळे चंद्रकांत : ग्रामीण समाजशास्त्र, प्रकाशिका सौ.मायादेवी खंडागळे, सांगली 2005.
11. कट्यारसिंह—अनिल शिशोदिया (2016) ग्रामीण विकास, सेज पब्लिकेशन, न्यू दिल्ली.

Shivaji University, Kolhapur
SYLLABUS
Choice Based Credit System
B.A.II (I.D.S.)
Semester - IV
Rural Development (I.D.S.)
Paper No.II - Rural Development in India
Implemented from academic Year 2019-2020.

Objective :

- 1) To understand the importance of Rural Development.
- 2) To create the Rural Development awareness.

	Topic	Teaching Hours	Credits
Model - I	Government and Rural Development Programmes A) Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act. B) Education and Adult Education. C) Health and Sanitation with Nirmal Gram in Maharashtra.	15	1
Model - II	Role of Jawaharlal Nehru and Yashwantrao Chavan in Rural Development A) Jawaharlal Nehru: Thoughts and Contribution B) Yashwantrao Chavan: Thoughts and Contribution.	15	1
Model - III	Globalization and its impact on Agriculture A) Meaning and Scope B) Advantage and Disadvantages.	15	1

	C) Impact of Globalization in Agriculture.		
Model - IV	Remedies of Rural Development A) Remedies at Rural Development level. B) Uses of Income Distribution C) Concept of Rural Poverty and it's Remedies.	15	1

Reference Books :

1. Desai A.R. : Rural Sociology in India, Popular prakashan, Mumbai 1997.
2. Desai Vasant : Rural Development programme and strategies - Vol. I to VI, Himalaya Publishing House, Mumbai, 1988.
3. Dube S.C. : Indian Village
4. Dube S.C. : India's Changing Villages, Allied Publishers Pvt. Ltd., Mumbai 1967.
5. Baviskar B.S. : Politics of Development, Oxford University Press.
6. पंडीत नलिनी : जागतिकीकरण आणि भारत : लोकवाङ्मय, मुंबई.
7. योजना : महाराष्ट्र शासन, मुंबई.
8. लोकराज्य : महाराष्ट्र शासन, मुंबई.
9. कुरुक्षेत्र : भारत सरकार, नवी दिल्ली.
10. खंडागळे चंद्रकांत : ग्रामीण समाजशास्त्र, प्रकाशिका सौ.मायादेवी खंडागळे, सांगली 2005.
11. कट्यारसिंह-अनिल शिशोदिया (2016) ग्रामीण विकास, सेज पब्लिकेशन, न्यू दिल्ली.

Equivalence of B.A.II Rural Development (I.D.S.)

Sr. No.	B.A.II (Old)	Sr. No.	B.A.II (New)
1)	Introduction to Rural Development Sem.III	1)	Introduction to Rural Development Sem.III
2)	Rural Development in India Sem. IV	2)	Rural Development in India Sem. IV

Shivaji University, Kolhapur

SYLLABUS
Choice Based Credit System
B.A.II (I.D.S.)
Semester - III

SOCIAL ECOLOGY (I.D.S.) PAPER - I
Implemented from academic Year 2019-2020 onwards.

Objective :

- 1) To understand the importance of social ecology.
- 2) To create environmental awareness.
- 3) To control and try to ride over the environmental Problems, facing present generation.

	Topic	Teaching Hours	Credits
Unit - 1	Social Ecology A) Subject Matter of Social Ecology B) Ecosystem C) Importance of Social Ecology	15	1
Unit - 2	Biodiversity and its Conservation A) Meaning of Biodiversity B) Threats to Biodiversity C) Conservation of Biodiversity	15	1
Unit - 3	Environmental Pollution A) Water Pollution B) Air Pollution C) Noise Pollution	15	1
Unit - 4	Environmental Ethics A) Meaning of Environmental Ethics B) Need of Environmental Ethics C) People's Participation and Protection of Environment.	15	1

Reference Books :

1. Marten Gerald G 'Human Ecology'-Basic concepts for sustainable development, Earthscan Publication London, 2001.
2. Mukherji Radhakamal 'A study in social ecology' Popular Prakashan Bombay.
3. Dunlap Riley E and Michelson William 'Handbook of environmental Sociology' Rawat Publication, Jaipur 2008.
4. Agarwal S.K. 'Environmental scenario for 21st century' A P H publishing corporation New Delhi, 2003.
5. Swarup R., Mishra S., Jauhari V.P. 'Encyclopaedia of Ecology environment and pollution control An introduction to man his environment Mittal Publications, New Delhi, 1992.
6. प्रा.प्रकाश सावंत, 'पर्यावरण अभ्यास' फडके प्रकाशन, कोल्हापूर, 2005.

Shivaji University, Kolhapur

SYLLABUS

Choice Based Credit System

B.A.II (I.D.S.)

Semester - IV

SOCIAL ECOLOGY (I.D.S.) PAPER - II

Implemented from academic Year 2019-2020 onwards.

Objective :

- 1) To understand the importance of social ecology.
- 2) To create environmental awareness.
- 3) To control and try to ride over the environmental Problems, facing present generation.

	Topic	Teaching Hours	Credits
Unit - 1	Human Ecology A) Subject Matter of Human Ecology B) Population Growth and Degradation of Environment. C) Relationships Between Man and his Environment	15	1
Unit - 2	Types of Human Settlement A) Tribal Settlement B) Rural Settlement C) Urban Settlement.	15	1
Unit - 3	Problem of Global Warming A) Meaning of Global Warming B) Causes of Global Warming C) Measures to Control Global Warming	15	1
Unit - 4	Environmental Movements A) Types of Environmental Movements. B) Role of NGO's in Protection of Environment. C) Environmental Protection Act's	15	1

Reference Books :

1. Marten Gerald G 'Human Ecology'-Basic concepts for sustainable development, Earthscan Publication London, 2001.
2. Mukherji Radhakamal 'A study in social ecology' Popular Prakashan Bombay.
3. Dunlap Riley E and Michelson William 'Handbook of environmental Sociology' Rawat Publication, Jaipur 2008.
4. Agarwal S.K. 'Environmental scenario for 21st century' A P H publishing corporation New Delhi, 2003.
5. Swarup R., Mishra S., Jauhari V.P. 'Encyclopaedia of Ecology environment and pollution control An introduction to man his environment Mittal Publications, New Delhi, 1992.
6. प्रा.प्रकाश सावंत, 'पर्यावरण अभ्यास' फडके प्रकाशन, कोल्हापूर, 2005.

Equivalence of B.A.II Social Ecology (I.D.S.)

Sr.No.	Title of Old Paper	Title of New Paper
1.	Social Ecology (IDS)	Sem-III Social Ecology Paper - I
		Sem-IV Social Ecology Paper - II

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.



Accredited By NAAC with 'A' Grade
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Syllabus For

B.A. Part - I

PSYCHOLOGY

(Syllabus to be implemented from June, 2018 onwards.)

B.A. (Part I)
(Introduced from June 2018 onwards)
FOUNDATIONS OF PSYCHOLOGY
SEMESTER-I

- (i) **Paper** : I
- (ii) **Title of Paper** : **FOUNDATIONS OF PSYCHOLOGY**
- (iii) **Specific Objectives:**
- 1) To make the students familiar with the field of general Psychology.
 - 2) To acquaint the students with Cognitive Process, States of Consciousness and Learning.
 - 3) To acquaint the students with Memory Processes.

(iv)	Module	No.of Credits
	Unit 1: Introduction	1
	Unit 2: Perceptual Organization and Sleep.	1
	Unit 3: Learning	1
	Unit 4: Memory	1

(v) **Recommended Reading:**

a) Basic Reading:

1. Feldman. Robert. S. (2011). *Understanding Psychology*, Tenth Edition, Indian Edition. Chennai : McGraw Hill Education (India) Pvt. Ltd.

b) References:

1. Ciccarelli , S. K & Meyer, G.E (2008). *Psychology*, (South Asian Edition). New Delhi: Pearson Longman.

B.A. (Part I)
(Introduced from June 2018 onwards)
FOUNDATIONS OF PSYCHOLOGY
SEMESTER-I

- (i) **Paper** : **I**
(ii) **Title of Paper** : **FOUNDATIONS OF PSYCHOLOGY**
(iii) **Discipline** : **PSYCHOLOGY**

Module I) Introduction

- 1.1) What is Psychology?**
1.2) Today's Perspectives.
a) Psychodynamic Perspective
b) Behavioral Perspective
c) Cognitive Perspective
d) Humanistic Perspective
1.3) Conducting Psychological Research
a) Correlational Research
b) Experimental Research

Module II) Perceptual Organization and Sleep.

- 2.1)** a) The Gestalt Laws of Organization
b) Top-Down and Bottom-Up Processing
c) Depth Perception
d) Perceptual Constancy
e) Perceptual Illusions
2.2) Sleep
a) The Stages of Sleep
b) REM Sleep
c) Why Do We Sleep, and How Much Sleep Is Necessary?

Module III) Learning

- 3.1)** a) The Basics of Classical Conditioning
b) Applying Conditioning Principles to Human Behavior
c) Extinction
d) Generalization and Discrimination
3.2) The Basics Operant Conditioning
a) Reinforcement
b) Positive Reinforces, Negative Reinforces, and Punishment
c) Schedule of Reinforcement
d) Discrimination and Generalization in Operant Condition

Module IV) Memory

- 4.1 The Foundations of Memory**
a) Sensory Memory
b) Short-Term Memory
c) Working Memory
4.2 Long-Term Memory
a) Long-Term Memory Modules
b) Semantic Networks
c) The Neuroscience of Memory
4.3 Autobiographical Memory

B.A. (Part I)
(Introduced from June 2018 onwards)
GENERAL PSYCHOLOGY
SEMESTER-II

- (i) **Paper** : II
- (ii) **Title of Paper** : **General Psychology**
- (iii) **Specific Objectives:**
- 1) To make the students familiar with the field of general Psychology.
 - 2) To acquaint the students with intelligence, motivation and emotions.
 - 3) To acquaint the students with Personality.

(iv)	Module	No.of Credits
	Unit 1: Intelligence	1
	Unit 2: Motivation	1
	Unit 3: Emotions	1
	Unit 4: Personality	1

(v) **Recommended Reading:**

a) Basic Reading:

2. Feldman. Robert. S. (2011). *Understanding Psychology*, Tenth Edition, Indian Edition. Chennai : McGraw Hill Education (India) Pvt. Ltd.

b) References:

1. Ciccarelli, S. K & Meyer, G.E (2008). *Psychology*, (South Asian Edition). New Delhi: Pearson Longman.

REVISED SYLLABUS OF B. A. PART – I (PSYCHOLOGY)
(Implemented from June, 2018)
SEMESTER-II
GENERAL PSYCHOLOGY
Paper – II

- (i) Paper : II
- (ii) Title of Paper : GENERAL PSYCHOLOGY
- (iii) Discipline : PSYCHOLOGY

Module I) Intelligence

- 1.4) What is Intelligence?
- 1.5) Theories of Intelligence
 - e) Fluid and Crystallized Intelligence
 - f) Gardner's Multiple Intelligence
- 1.6) Practical and Emotional Intelligence
- 1.7) Assessing Intelligence
 - c) Binet and the Development of IQ Tests
 - d) Contemporary IQ tests

Module II) Motivation

- 2.1) Exploring Motivation
 - a) Instinct Approaches
 - b) Drive-Reduction Approaches
 - c) Arousal Approaches
 - d) Incentive Approaches
 - e) Cognitive Approaches
- 2.2) Human Needs and Motivation
 - a) The Motivation behind Hunger and Eating
 - b) The Need for Achievement
 - c) The Need for Affiliation
 - d) The Need for Power

Module III) Emotions

- 3.1 Understanding Emotional Experiences
 - a) The Functions of Emotions
 - b) Determining the Range of Emotions
- 3.2 The Roots of Emotions
 - a) The James-Lange Theory
 - b) The Cannon-Bard Theory
 - c) The Schachter-Singer Theory
 - d) Contemporary Perspectives on the Neuroscience of Emotions
 - e) Making Sense of the Multiple Perspectives on Emotion

Module IV) Personality

4.1 Psychodynamic Approaches to Personality

- a) Freud's Psychoanalytic Theory
- b) Trait Approaches
- c) Learning Approaches

4.4 Assessing Personality

- a) Self-Report Measures of Personality
- b) Projective Methods
- c) Behavioral Assessment

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

बी.ए.१/बी.कॉम.१ : B.A. I/B.Com I

अभ्यासक्रम : Syllabus

June 2018 onward

Board of Studies in Marathi

Choice Based Credit System

Compulsory Generic Elective (CGE-1) : Marathi (Course - A)

आवश्यक अनुषंगिक निवड (CGE-1) : मराठी (अभ्यासपत्रिका - अ)

सत्र १ : Semester - I

पाठ्यपुस्तक - शब्दसंहिता

१. नापास मुलांची गोष्ट (निवडक लेख)

संपा. अरुण शेवते, ऋतुरंग प्रकाशन, मुंबई.

२. व्यक्तिमत्त्व विकास आणि भाषा

उद्दिष्टे :

१. विद्यार्थ्यांची मराठी भाषा आणि साहित्याविषयी अभिरूची विकसित करणे.
२. मराठी साहित्य परंपरा, लेखक, कवी यांचा परिचय करून देणे.
३. विद्यार्थ्यांमध्ये मातृभाषा, राष्ट्रीय एकात्मता आणि उच्च मानवी मूल्यांविषयी जाणीव निर्माण करणे.
४. विद्यार्थ्यांचा व्यक्तिमत्त्व विकास घडवून विविध परीक्षा आणि स्पर्धा परीक्षांची पूर्वतयारी करून घेणे.
५. निबंधलेखनाच्या माध्यमातून भाषा उपयोजनाची कौशल्ये विकसित करणे.

अ.क्र. Sr.No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	१) निवड - यशवंतराव चव्हाण २) वाटेवरच्या सावल्या - कुसुमाग्रज ३) पन्नास पैकी शून्य मार्कस् - शांताबाई शेळके	१५	१
विभाग २ Module II	४) शब्दांचे मोल - चंद्रशेखर धर्माधिकारी ५) संगमनेरचे दिवस - दया पवार व्यक्तिविशेष लेख : ६) संकल्प सिद्धीला नेणारा महापुरुष : डॉ. बापूजी साळुंखे - बळवंत देशमुख	१५	१
विभाग ३ Module III	● व्यक्तिमत्त्व संकल्पना ● व्यक्तिमत्त्व विकासासाठी आवश्यक घटक ● व्यक्तिमत्त्व विकासात भाषेचे महत्त्व	१५	१
विभाग ४ Module IV	● भाषिक कौशल्ये(श्रवण, वाचन, भाषण आणि लेखन कौशल्ये) ● कार्यक्रमाचे संयोजन - स्वागत, प्रास्ताविक, परिचय, मनोगत, आभार, सूत्रसंचलन आणि कार्यक्रमाचे फलकलेखन	१५	१

संदर्भ ग्रंथसूची:

अ.क्र.	ग्रंथाचे नांव	लेखक / संपादक	प्रकाशन
१	बदलते मराठी साहित्य व संस्कृती	संपा. विलास रणसुभे	श्रमिक प्रतिष्ठान, कोल्हापूर
२	शिक्षण महर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे	संपा. सुरेश पाटील, तुकाराम पाटील	पारख प्रकाशन, बेळगांव
३	निळी पहाट	रा. ग. जाधव	सुरेश एजन्सी, पुणे
४	साहित्यसंवाद	वि. शं. चौघुले	प्रतिमा प्रकाशन, पुणे
५	मराठी साहित्यातील स्पंदने	गो. म. कुलकर्णी	सुपर्ण प्रकाशन, पुणे
६	साहित्यातील विचारधारा	के. रं. शिरवाडकर	पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे
७	चिंतनाच्या वाटा	निर्मलकुमार फडकुले	मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे
८	साहित्य समजून घेताना	दत्ता भगत	मीरा बुक्स अँड पब्लिकेशन, औरंगाबाद
९	साहित्य : मूल्य आणि मूल्यांकन	निशिकांत ठकार	सुविधा प्रकाशन, सोलापूर
१०	साहित्य, भाषा आणि समाज	मिलिंद बोकिल	मौज प्रकाशन, मुंबई
११	व्यावहारिक मराठी	ल.रा. नसिराबादकर	फडके प्रकाशन, कोल्हापूर
१२	भाषिक सर्जन आणि उपयोजन	राजन गवस, अरुण शिंदे, गोमटेश्वर पाटील	दर्या प्रकाशन, पुणे
१३	व्यावहारिक मराठी	स्नेहल तावरे	स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
१४	सूत्रसंचलन : एक प्रयत्नसाध्य कला	श्यामसुंदर मिरजकर	नागनालंदा प्रकाशन, इस्लामपूर

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

Pattern of Question Paper

एकूण गुण - ५० : Total Marks - 50

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	१० गुण
प्रश्न २	विभाग १ वरील अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ३	विभाग २ वरील अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ४	विभाग ३ वरील लघुत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ५	विभाग ४ वरील लघुत्तरी प्रश्न (चार पैकी दोन)	१० गुण

टीप : प्रश्न क्र. १ मधील वस्तुनिष्ठ प्रश्न विभाग १ व २ वरील असतील

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

बी.ए.१/बी.कॉम.१ : B.A. I/B.Com I

अभ्यासक्रम : Syllabus

June 2018 onward

Board of Studies in Marathi

Choice Based Credit System

Compulsory Generic Elective (CGE-2) : Marathi (Course - B)

आवश्यक अनुषंगिक निवड (CGE-2) : मराठी (अभ्यासपत्रिका - ब)

सत्र २ : Semester - II

पाठ्यपुस्तक - शब्दसंहिता

अ.क्र. Sr.No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	१. संत नामदेव १) पतितपावन २) पंढरीस जावे २. अनंत फंदी १) जमाना आला उफराटा २) हे मुखी खूण तर्का ३. महात्मा फुले १) मानवांचा धर्म एक २) धीर ४. बालकवी १) फुलराणी २) अप्सरांचे गाणे	१५	१
विभाग २ Module II	५. विंदा करंदीकर १) माझ्या मना बन दगड २) झपताल ६. वाहरू सोनवणे १) गोधड २) चळवळ म्हणजे ७. प्रज्ञा दया पवार १) माणसासारखा माणूस असूनही २) आग आणि फुफाटा ८. एकनाथ पाटील १) शहर एक उदास पोकळी २) शोधयात्रा	१५	१
विभाग ३ Module III	● निबंधाचे स्वरूप, व्याप्ती ● निबंधाचे घटक ● निबंधाचे प्रकार ● निबंधाची वैशिष्ट्ये	१५	१
विभाग ४ Module IV	● निबंध लेखन (प्रात्यक्षिकासह वर्गात सराव करून घेणे)	१५	१

संदर्भ ग्रंथसूची :

अ.क्र.	ग्रंथाचे नांव	लेखक / संपादक	प्रकाशन
१	नामदेव गाथा	ह. श्री. शेणोलीकर	साहित्य अकादमी, नवी दिल्ली
२	अनंत फंदी यांच्या कविता व लावण्या	संपा. मधुकर मोढे	पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे
३	महात्मा फुले समग्र वाङ्मय	संपा. धनंजय कीर व इतर	महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळ, मुंबई
४	समग्र बालकवी	संपा. नंदा आपटे	पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई
५	संहिता	संपा. मंगेश पाडगावकर	कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे
६	गोधड	वाहरु सोनवणे	रविराज प्रकाशन, पुणे
७	मी भिडवू पाहतेय समग्राशी डोळा	प्रज्ञा पवार	ग्रंथाली, मुंबई
८	खुंट्यांवर टांगलेली दुःखं	एकनाथ पाटील	पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई.
९	संत नामदेव	हे. वि. इनामदार	केसरी प्रकाशन, पुणे
१०	संत नामदेव : समाजशास्त्रीय अभ्यास	श्यामसुंदर मिरजकर	नागनालंदा प्रकाशन, पुणे
११	मराठी शाहिरी वाङ्मयाचे स्वरूप	चंद्रकांत व्यवहारे	विश्वभारती प्रकाशन, नागपूर
१२	मराठी साहित्य प्रेरणा व स्वरूप	संपा. गो. मा. पवार, म.द. हातकणंगलेकर	पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई
१३	साहित्य अध्यापन व प्रकार	संपा. श्री. पु. भागवत व इतर	पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई
१४	मराठी कविता आणि आधुनिकता	यशवंत मनोहर	सुगावा प्रकाशन, पुणे
१५	आदिवासी साहित्य आणि संस्कृती	भुजंग मेश्राम	लोकवाङ्मय गृह, मुंबई
१६	आदिवार्ता (वाहरु सोनवणे विशेषांक)	संपा. दिपककुमार वळवी, उमाकांत वळवी	शिवकमल प्रकाशन, कोल्हापूर
१७	वाहरु सोनवणे : व्यक्तीपासून समष्टीपर्यंतचा सम्यक प्रवास	संपा. प्रशांत नागावकर	सम्यक विद्रोही प्रबोधन प्रकाशन, कोल्हापूर
१८	वर्तमान पिढीचे संदर्भ	संपा. चंद्रकांत पोतदार	द.म.सा.प्रकाशन, कोल्हापूर
१९	काव्याची भूषणे	म.वा. धोंड	पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे
२०	मराठी कवितेच्या नव्या दिशा	महेंद्र भवरे	लोकवाङ्मय गृह, मुंबई
२१	आदिवासी साहित्य	अमर कांबळे	निर्मिती प्रकाशन, कोल्हापूर
२२	मराठी निबंध	रा. ग. जाधव	कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे
२३	मराठी निबंध : उद्गम आणि विकास	गिरीश मोरे	स्वरूप प्रकाशन, औरंगाबाद

प्रश्नपत्रिका स्वरूप

Pattern of Question Paper

एकूण गुण - ५० : Total Marks - 50

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	१० गुण
प्रश्न २	विभाग १ वरील अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ३	विभाग २ वरील अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ४	विभाग ३ वरील लघुत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ५	विभाग ४ वरील निबंधलेखन (चार पैकी एक)	१० गुण

टीप : प्रश्न क्र. १ मधील वस्तुनिष्ठ प्रश्न विभाग १ व २ वरील असतील.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

बी.ए.१ : B.A. I

अभ्यासक्रम : Syllabus

June 2018 onward

Board of Studies in Marathi

Choice Based Credit System

Discipline Specific Core (DSC-A1) : Marathi (Course - I)

विद्याशास्त्रीय विशेष गाभा (DSC-A1) : मराठी (अभ्यासपत्रिका - १)

सत्र १ : Semester - I

पाठ्यपुस्तक - अक्षरबंध

१. कथा - निवडक भास्कर चंदनशिव - लाल चिखल (निवडक कथा)

संपा. इंद्रजित भालेराव, लोकवाङ्मय गृह, मंबई.

२. चित्रपट : आस्वाद प्रक्रिया

उद्दिष्ट्ये :

१. विद्यार्थ्यांची मराठी भाषा आणि साहित्याविषयी अभिरूची विकसित करणे.

२. मराठी साहित्य परंपरा, लेखक, कवी यांचा परिचय करून देणे.

३. विद्यार्थ्यांमध्ये मातृभाषा, राष्ट्रीय एकात्मता आणि उच्च मानवी मूल्यांविषयी जाणीव निर्माण करणे.

४. विद्यार्थ्यांचा व्यक्तिमत्त्व विकास घडवून विविध परीक्षा आणि स्पर्धा परीक्षांची पूर्वतयारी करून घेणे.

५. चित्रपट आणि प्रसारमाध्यमे यांच्या लेखन आणि उपयोजनाच्या आकलनाचा अवकाश वाढविणे.

अ.क्र. Sr.No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	कथा - निवडक भास्कर चंदनशिव • उमाळं • जांभळढव्ह • तडा	१५	१
विभाग २ Module II	• वासना • लाल चिखल • पाणी	१५	१
विभाग ३ Module III	• चित्रपट म्हणजे काय ? • चित्रपट : एक दृक श्राव्य माध्यम • चित्रपट : माध्यमांतर • दिग्दर्शकाचा दृष्टिकोन • छायाचित्रण	१५	१

विभाग ४ Module IV	<ul style="list-style-type: none"> ● चित्रपटाची कथा - पटकथा - संवाद ● चित्रपटाचे संगीत - गीत ● अभिनय ● ध्वनी - प्रकाशयोजना - वेशभुषा ● संकलन - संपादन ● चित्रपटाचा आश्वाद 	१५	१
----------------------	---	----	---

संदर्भ ग्रंथसूची :

अ.क्र.	ग्रंथाचे नांव	लेखक / संपादक	प्रकाशन
१	मराठी कथा : रूप आणि परिसर	म. द. हातकणंगलेकर	सुपर्ण प्रकाशन, पुणे
२	भास्कर चंदनशिव यांची कथा आणि स्वरूप	सुनील चंदनशिवे	शब्दाली प्रकाशन, पुणे
३	कथाकार भास्कर चंदनशिव	मथू सावंत	सुविधा प्रकाशन, सोलापूर
४	मराठी साहित्य : आकलन आणि आस्वाद	विश्वनाथ शिंदे	शब्दालय प्रकाशन, श्रीरामपूर
५	माती आणि नाती	भास्कर चंदनशिव	निर्मल प्रकाशन, नांदेड
६	ग्रामीण साहित्य आणि संस्कृती	मोहन पाटील	स्वरूप प्रकाशन, औरंगाबाद
७	शूटिंग	श्री. दा. पानवलकर	मौज प्रकाशन, मुंबई
८	सय	सई परांजपे	पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई
९	लमाण	डॉ. श्रीराम लागू	पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई
१०	सामना (चित्रपटाची पटकथा)	विजय तेंडूलकर	नीलकंठ प्रकाशन, पुणे
११	चौकटीबाहेरचा सिनेमा	गणेश मतकरी	पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई
१२	चलतचित्र	अरुण खोपकर	राजहंस प्रकाशन, पुणे
१३	अभिनयाचे प्राथमिक सहा पाठ	सदाशिव अमरापूरकर, विनायक दातेगावकर	लोकवाडमयगृह प्रकाशन, मुंबई.

प्रश्नपत्रिका स्वरूप

Pattern of Question Paper

एकूण गुण - ५० : Total Marks - 50

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	१० गुण
प्रश्न २	विभाग १ वरील अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ३	विभाग २ वरील अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ४	विभाग ३ वरील लघुत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ५	विभाग ४ वरील लघुत्तरी प्रश्न (चार पैकी दोन)	१० गुण

टीप : प्रश्न क्र. १ मधील वस्तुनिष्ठ प्रश्न विभाग १ व २ वरील असतील.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

बी.ए.१ : B.A. I

अभ्यासक्रम : Syllabus

June 2018 onward

Board of Studies in Marathi

Choice Based Credit System

Discipline Specific Core (DSC-A13) : Marathi (Course - II)

विद्याशाखीय विशेष गाभा (DSC-A13) : मराठी (अभ्यासपत्रिका - २)

सत्र २ : Semester - II

पाठ्यपुस्तक - अक्षरबंध

१. कविता : ... बाकी सर्व ठीक आहे - लोकनाथ यशवंत (निवडक कविता)

प्रकाशक - समुद्र पब्लिकेशन, नागपूर

२. वृत्तपत्रीय व स्पर्धा परीक्षेसाठी लेखन

अ.क्र. Sr.No.	घटक Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hours	श्रेयांक Credit
विभाग १ Module I	...बाकी सर्व ठीक आहे - लोकनाथ यशवंत (निवडक कविता) १) जीवाचा आटापिटा २) मुख्यप्रवाह ३) एका वृक्षाची गोष्ट ४) राग ५) जीवन सुंदर आहे ६) भविष्य ७) तडजोड ८) पर्सनल मुलाखत	१५	१
विभाग २ Module II	९) गौडबंगाल १०) पर्यावरण ११) सोन्याचा दात १२) मांजर १३) स्पर्श १४) युद्ध असे सुरू होते १५) जन्म आईचा १६) शेतमजूर	१५	१
विभाग ३ Module III	वृत्तपत्रीय लेखन ● बातमी ● अग्रलेख ● वाचकांचा पत्रव्यवहार ● नाटक/चित्रपट परीक्षण	१५	१

विभाग ४ Module IV	उपयोजित व स्पर्धा परीक्षेसाठी लेखन अ) पत्रलेखन : पत्रलेखनाचे स्वरूप व प्रकार, पत्रलेखनाचे बदलते स्वरूप - ई. पत्रव्यवहार, प्रात्यक्षिकासह पत्रलेखन ब) आकलन : <ul style="list-style-type: none"> ● आकलनाचे स्वरूप ● उताऱ्याचे आकलन ● कवितेचे आकलन ● प्रात्यक्षिकासह उतारा व कवितेवरील आकलन 	१५	१
----------------------	---	----	---

संदर्भ ग्रंथसूची :

अ.क्र.	ग्रंथाचे नांव	लेखक/संपादक	प्रकाशन
१	दलित साहित्याची वैचारिक पार्श्वभूमी	जनार्दन वाघमारे	स्वरूप प्रकाशन, औरंगाबाद
२	दलित साहित्य : एक अभ्यास	संपा. अर्जुन डांगळे	सुगावा प्रकाशन, पुणे
३	दलित कवितेचे नवे प्रवाह	महेंद्र भवरे	शब्दालय प्रकाशन, श्रीरामपूर
४	दलित कविता व दलित साहित्याचे सौंदर्यशास्त्र	म. सु. पाटील	पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे
५	बदलते मराठी साहित्य व संस्कृती	संपा. विलास रणसुभे	श्रमिक प्रतिष्ठान, कोल्हापूर
६	साहित्य, भाषा आणि समाज	मिर्लिंद बोकिल	मौज प्रकाशन, मुंबई
७	मराठी कविता : आकलन आणि आस्वाद	नागनाथ कोत्तापल्ले	स्वरूप प्रकाशन, औरंगाबाद
८	आंबेडकरी साहित्य : स्थिती आणि स्थित्यंतरे	भगवान ठाकूर	आकांक्षा प्रकाशन, पुणे
९	सदाचार अर्थात नैतिक मूल्यांचे शिक्षण	संपा. रघुनाथ केंगार, दादासाहेब यादव	क्रांतिबा प्रकाशन, कराड
१०	व्यावहारिक मराठी	संपा. सयाजीराजे मोकाशी, रंजना नेमाडे	नागनालंदा प्रकाशन, इस्लामपूर
११	भाषिक सर्जन व उपयोजन	राजन गवस, अरूण शिंदे, गोमटेश्वर पाटील	दर्या प्रकाशन, पुणे
१२	व्यावहारिक मराठी	स्नेहल तावरे	स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
१३	प्रबोधनाची निवडक पत्रे	डॉ. श्यामसुंदर मिरजकर	नागनालंदा प्रकाशन, इस्लामपूर

प्रश्नपत्रिका स्वरूप

Pattern of Question Paper

एकूण गुण - ५० : Total Marks - 50

प्रश्न १	योग्य पर्याय निवडा	१० गुण
प्रश्न २	विभाग १ वरील दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ३	विभाग २ वरील दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक)	१० गुण
प्रश्न ४	विभाग ३ वरील लघुत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन)	१० गुण
प्रश्न ५	विभाग ४ वरील लघुत्तरी प्रश्न (चार पैकी दोन)	१० गुण

टीप : प्रश्न क्र. १ मधील वस्तुनिष्ठ प्रश्न विभाग १ व २ वरील असतील.

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.



Accredited By NAAC with 'A' Grade

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Syllabus For

B.A. Part - I

Economics

(Syllabus to be implemented from June, 2018 onwards.)

**Course Structure for B.A. Economics
Three Years (6 Semester) Programme**

B.A. I

Sr.No.	Semester	Name of the Course	Discipline Specific Elective
1	I	Indian Economy-I	Economics Course-1
2	II	Indian Economy-II	Economics Course-2

B.A. II

Sr.No.	Semester	Name of the Course	Discipline Specific Elective
1	III	Principles of Macro Economics-I	Economics Course-3
2	III	Money and Banking	Economics Course-4
3	IV	Principles of Macro Economics-II	Economics Course-5
4	IV	Banks and Financial Markets	Economics Course-6

B.A. III

Sr.No.	Semester	Name of the Course	Discipline Specific Elective
1	V	Principles of Micro Economics-I	Economics Course-7
2	V	Economics of Development	Economics Course-8
3	V	International Economics-I	Economics Course-9
4	V	Research Methodology in Economics-I	Economics Course-10
5	V	History of Economic Thoughts-I	Economics Course-11
6	VI	Principles of Micro Economics-II	Economics Course-12
7	VI	Economics of Planning	Economics Course-13
8	VI	International Economics-II	Economics Course-14
9	VI	Research Methodology in Economics-II	Economics Course-15
10	VI	History of Economic Thoughts-II	Economics Course-16

Choice Based Credit System
B.A. Part - I
Economics Course – 1

June 2018 onwards

Indian Economy - I

Preamble : This paper intends to acquaint the students with various dimensions of, as also the challenges, confronting the Indian economy. It endeavors to provide useful insights to the students about the present economic standing and composition of the Indian economy, the major sectors and their relative importance in the Indian economy and the major challenges faced by it.

Objectives :

1. To introduce the students to the Indian economy.
2. To develop an understanding of challenges facing the Indian economy.
3. To acquaint the students with Structure of the Indian economy and Changes Taking Place therein.

Semester - I

	Teaching Hours	Credits
Module – I Economic Development Since Independence	15	01
1.1 Major Features of the Indian Economy at Independence		
1.2 Structural Changes in Indian Economy		
1.3 Indian Economy and Inclusive growth		
1.4 Sustainable Development		
Module – II Challenges before Indian Economy - I	15	01
2.1 Poverty - Meaning and concept		
2.2 Poverty - Causes and measures		
2.3 Unemployment - Meaning and Types		
2.4 Unemployment - Causes and Measures		
Module – III Challenges before Indian Economy - II	15	01
3.1 Problem of rising economic and social inequality		
3.2 Measures to correct economic and social inequality		
3.3 Problems and Remedies of regional imbalances in India.		
3.4 International Comparison : National Income, Per Capita Income, Human Development Index.		
Module – IV Population in India	15	01
4.1 Size and Causes of growth of population India		
4.2 Broad features of Indian Population		
4.3 Impact of population growth on Economic development		
4.4 Population Policy 2000		

REFERENCE BOOKS

1. Puri V.K., Misra S.K.(Latest Edition) Indian Economy, Himalaya Publishing House, Mumbai.
 2. Agrawal A.N. (Latest Edition) Indian Economy, New Age International Publishers, New Delhi.
 3. Datt and K.P.M.Sundharam, (Latest Edition) Indian Economy, S.Chand and Company Ltd., New Delhi.
 4. Chatterjee and Mani N. (2012-13), Economic Survey of India its states, New Century Publications, New Delhi.
 5. Desai Mutalik and Bhalerao Nirmal (Latest Edition) *Bharatiya Arthvyavasta*, Nirali Prakashan, Pune.(In Marathi Language)
 6. Dr.Wavare and Dr. Ghatage (2010), *Bharatiya Arthvyavasta*, Nirali Prakashan, Pune.(In Marathi Language)
 7. India 2014-15.
 8. Handbook of Indian Statistics - 2015.
 9. Economic Survey of India - Various issues
 10. World Development Report - Various issues
-

B.A.-I
Economics Course – 2

June 2018 onwards

Indian Economy - II

Preamble : This paper intends to acquaint the students with various dimensions of, as also the challenges, confronting the Indian economy. It endeavors to provide useful insights to the students about the present economic standing and composition of the Indian economy, the major sectors and their relative importance in the Indian economy and the major challenges faced by it

Objectives : 1.To acquaint the students with the policies and performance of major sectors in Indian Economy.
2.To explain the economic reforms introduced in India since 1991.

Semester – II

	Teaching Hours	Credits
Module – I Policies and Performance in Agriculture	15	01
1.1 Changing role of agriculture in Indian Economy		
1.2 Agricultural productivity : concepts, causes of low agricultural productivity and its measures.		
1.3 Green Revolution : Causes, Success and failure, Need of 2nd Green Revolution.		
1.4 Agricultural Pricing and Procurement		
Module - II Policies and Performance in Industry	15	01
2.1 Need of Industrialization		
2.2 Industrial Policy since 1991		
2.3 Problems and prospects of Cottage and Small scale Industries		
2.4 Foreign Investment Policies since 1991		
Module – III Service Sector in India	15	
3.1 Growing importance of service sector		
3.2 Significance of Banks, financial Institutions and Insurance		
3.3 Importance of IT, Transport, Communication.		
3.4 Importance of Tourism.		
Module – IV Economic Reforms	15	01
4.1 Liberalization : Concept, Implementation and Impact on Indian Economy.		
4.2 Privatization : Concept, Implementation and Impact on Indian Economy.		
4.3 Globalization : Concept, Implementation and Impact on Indian Economy.		
4.4 Recent export promotion policy.		

REFERENCE BOOKS

1. Puri V.K., Misra S.K.(Latest Edition) Indian Economy, Himalaya Publishing House, Mumbai.
 2. Agrawal A.N. (Latest Edition) Indian Economy, New Age International Publishers, New Delhi.
 3. Datt and K.P.M.Sundharam, (Latest Edition) Indian Economy, S.Chand and Company Ltd., New Delhi.
 4. Chatterjee and Mani N. (2012-13), Economic Survey of India its states, New Century Publications, New Delhi.
 5. Desai Mutalik and Bhalerao Nirmal (Latest Edition) *Bharatiya Arthvyavasta*, Nirali Prakashan, Pune.(In Marathi Language)
 6. Dr.Wavare and Dr. Ghatage (2010), *Bharatiya Arthvyavasta*, Nirali Prakashan, Pune.(In Marathi Language)
 7. India 2014-15.
 8. Handbook of Indian Statistics - 2015.
 9. Economic Survey of India - Various issues
 10. World Development Report - Various issues
-

EQUIVALENCE

Sr.No.	Semester	Old Name	New Name
1.	I	Indian Economy Part – I	Indian Economy - I Economics Course 1
2.	II	Indian Economy Part – II	Indian Economy - II Economics Course 2

**Course Structure for B.A Economics
Three Years (6 Semester) Program
B.A. Part - I : ECONOMICS**

Sr. No.	Semester	Title of the Paper	Disipline	Distribution of Credit	Workload	Total Credit	Theory Marks
1.	I	Indian Economy – I	Economics Course-1	4	4 Lectures/ week	08	50
2.	II	Indian Economy – II	Economics Course-1	4	4 Lectures/ week		50

B.A. Part - II : ECONOMICS

Sr. No.	Semester	Title of the Paper	Disipline	Distribution of Credit	Workload	Total Credit	Theory Marks
1.	III	Principles of Macro Economics- I	Economics Course-3	4	4 Lectures/ week	16	50
2.	III	Money and Banking	Economics Course-4	4	4 Lectures/ week		50
3.	IV	Principles of Macro Economics- II	Economics Course-5	4	4 Lectures/ week		50
4.	IV	Banks and Financial Markets	Economics Course-6	4	4 Lectures/ week		50

B.A. Part - II : GENERIC ELECTIVE

Sr. No.	Semester	Title of the Paper	Category	Course	Distribution of Credit	Workload	Total Credit	Theory Marks
1.	III	Principles of Co-operation	Generic Elective	I	4	4 Lectures/ week	8	50
2.	IV	Co-operatives in India	Generic Elective	II	4	4 Lectures/ week		50

Sr. No.	Semester	Title of the Paper	Category	Course	Distribution of Credit	Workload	Total Credit	Theory Marks
1.	III	LabourWelfare Course I	Generic Elective	I	4	4 Lectures/ week	8	50
2.	IV	Labour Welfare Course II	Generic Elective	II	4	4 Lectures/ week		50

B.A. Part - III : ECONOMICS

Sr. No.	Semester	Title of the Paper	Discipline	Distribution of Credit	Workload	Total Credit	Theory Marks	Term work seminar
1.	V	Principles of Micro Economics –I	Economics Course-7	4	4 Lectures/ week	20	40	10
2.	V	Economics of Development-I	Economics Course-8	4	4 Lectures/ week		40	10
3.	V	International Economics-I	Economics Course-9	4	4 Lectures/ week		40	10
4.	V	Research Methodology in Economics-I	Economics Course-10	4	4 Lectures/ week		40	10
5.	V	History of Economic Thoughts-I	Economics Course-11	4	4 Lectures/ week		40	10
Sr. No.	Semester	Title of the Paper	Discipline	Distribution of Credit	Workload	Total Credit	Theory marks	Term work Group project
6.	VI	Principles of Micro Economics-II	Economics Course-12	4	4 Lectures/ week	20	40	10
7.	VI	Economics of Planning	Economics Course13	4	4 Lectures/ week		40	10
8.	VI	International in Economics-II	Economics Course14	4	4 Lectures/ week		40	10
9.	VI	Research Methodology in Economics-II	Economics Course15	4	4 Lectures/ week		40	10
10.	VI	History of Economic Thoughts-II	Economics Course16	4	4 Lectures/ week		40	10

**B.A. ECONOMICS
EQUIVALENCE**

Sr. No.	Class	Semester	Title of the Paper Old	Paper No. Old	Title of the Course (New)
1.	B.A. I	I	Indian Economy Part-I	I	Indian Economy-I Economics course-1
2.	B.A. I	II	Indian Economy Part-II	II	Indian Economy-II Economics course-2
3.	B.A. II	III	Macro Economics Part-I	III	Principles of Macro Economics-I Economics course-3
4.	B.A. II	III	Banks and Financial Institutions Part-I	IV	Money and Banking. Economics course-4
5.	B.A. II	IV	Macro Economics Part-II	V	Principles of Macro Economics-II Economics course-5
6.	B.A. II	IV	Banks and Financial Institutions Part-II	VI	Banks and Financial Markets Economics course-6
7.	B.A. III	V	Micro Economics	VII	Principles of Micro Economics-I Economics course-7
8.	B.A. III	V	Economics of Development	X	Economics of Development-I Economics course-8
9.	B.A. III	V	International Economics-Part-I	XI	International Economics-I Economics course-9
10.	B.A. III	V	Research Methodology in Economics Part-I	VIII	Research Methodology in Economics-I. Economics course-10
11.	B.A. III	V	History of Economic Thoughts Part-I	IX	History of Economic Thoughts Economics course-11
12.	B.A. III	VI	Market and Pricing	XII	Principles of Micro Economics-II Economics course-12
13.	B.A. III	VI	Economics of Planning	XV	Economics of Planning Economics course-13
14.	B.A. III	VI	International Economics-Part-II	XVI	International Economics-II Economics course-14
15.	B.A. III	VI	Research Methodology in Economics Part-II	XIII	Research Methodology in Economics Economics course-15
16.	B.A. III	VI	History of Economic Thoughts Part-II	XIV	History of Economic Thoughts Economics course-16

B.A.II ECONOMICS

GENERIC ELECTIVE

Sr. No.	Class	Semester	Title of the Paper Old	Title of the Course New
1.	B.A. II	III	Principles of Co-operation(IDS) Paper-I	Principles of co-operation Course-I GE
2.	B.A. II	IV	Co-operatives in India (IDS) Paper-II	Co-operatives in India Course-II GE
3.	B.A. II	III	Labour Welfare Part-I (IDS)	Labour Welfare Course-I GE
4.	B.A. II	IV	Labour Welfare Part-II (IDS)	Labour Welfare Course-II GE

Abrivasion: G.E.-Generic Elective

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.



Accredited By NAAC with 'A' Grade
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Syllabus For

B.A. Part - I

Geography

(Syllabus to be implemented from June, 2018 onwards.)

**Course Structure for B.A. Geography
Three Years (6 Semester) Programme**

B.A. I

Sr. No.	Semester	Name of the Course	Category
1	Semester I	Physical Geography	Geography DSE - 1
2	Semester – II	Human Geography	Geography DSE - 2

B.A. II

Sr. No.	Semester	Name of the Course	Category
1	Semester III	Soil Geography	Geography DSE - 3
2	Semester – III	Environmental Geography	Geography DSE - 4
3	Semester- IV	Oceanography	Geography DSE - 5
4	Semester- IV	Geography of Maharashtra	Geography DSE - 6

B.A. III

Sr. No.	Semester	Name of the Course	Category
1	Semester V	Geography of India	Geography DSE - 7
2	Semester – V	Economic Geography	Geography DSE - 8
3	Semester- V	Research Methodology in Geography	Geography DSE - 9
4	Semester- VI	Disaster Management	Geography DSE - 10
5	Semester- VI	Regional Planning and Development	Geography DSE - 11
6	Semester- VI	Geography of Tourism	Geography DSE - 12
7	Semester- V & VI Practical	Map Work & Map Interpretation	Geography DSE - 13 (Practical Paper No. – I)
8	Semester- V & VI Practical	Advanced Tools and Techniques & Fieldwork	Geography DSE - 14 (Practical Paper No. – II)

**B.A. Geography
EQUIVALENCE**

Sr. No.	Class	Semester	Old Title	P. No.	New Title
1	B.A. I	I	Geomorphology	I	Physical Geography Geography DSE-1
2	B.A. I	II	Climatology	II	Human Geography Geography DSE-2
3	B.A.II	III	Soil Geography	III	Soil Geography Geography DSE-3
4	B.A.II	III	Human Geography	IV	Environmental Geography Geography DSE-4
5	B.A.II	IV	Oceanography	V	Oceanography Geography DSE-5
6	B.A.II	IV	Agricultural Geography	VI	Geography of Maharashtra Geography DSE-6
7	B.A.III	V	Physical Geography of India	VII	Geography of India Geography DSE-7
8	B.A.III	V	Economic Geography	VIII	Economic Geography Geography DSE-8
9	B.A.III	V	Research Methodology	IX	Research Methodology in Geography Geography DSE-9
10	B.A.III	VI	Economic Geography of India	X	Disaster Management Geography DSE-10
11	B.A.III	VI	Urban Geography	XI	Regional Planning and Development Geography DSE-11
12	B.A.III	VI	Political Geography	XII	Geography of Tourism Geography DSE-12
13	B.A.III	V & VI	Map Work & Map Interpretation	XIII	Geography DSE-13
14	B.A.III	V & VI	Advanced Tools and Techniques & Fieldwork	XIV	Geography DSE-14

**B.A.II Geography
GENERIC ELECTIVE**

Sr. No.	Class	Semester	Old Title	Title of the Course New
1	B.A. II	III	Tourism Geography-I (IDS)	Disaster Risk Reduction / Resource Geography of Maharashtra Course-I GE
2	B.A. II	IV	Tourism Geography-II (IDS)	Disaster Risk Reduction / Resource Geography of Maharashtra Course – II GE
3	B.A. II	III	Cartography –I (IDS)	Sustainability and Development/ Cartography Course –I GE
4	B.A. II	IV	Cartography- II (IDS)	Sustainability and Development / Cartography Course –II GE

Abbreviation: G.E. – Generic Elective

B. A. Part - I
DSE (Discipline Specific Elective) - I Geography
June 2018 onwards

Physical Geography

Preamble: This paper intends to acquaint the students with various dimensions of, as also the challenges, confronting the physical geography. The Geography students of B. A. Part-I can betterly understand all latest concepts in Physical Geography and Human Geography in brief but in adequate manner.

The objective of this course is to introduce the latest concepts in Physical Geography and Human Geography, Specifically in Atmosphere, Lithosphere, Fluvial Cycle, Hydrosphere, Human races, Population growth, Characteristics of Population and Settlements.

Semester - I

	Teaching Hours	Credits
Module – I Introduction to Physical Geography	15	01
1.1 Meaning and Definitions		
1.2 Scope of Physical Geography		
1.3 Branches of Physical Geography		
1.4 Importance of Physical Geography		
Module- II Atmosphere	15	01
2.1 Composition and Structure of Atmosphere		
2.2 Insolation: Factors affecting on Insolation		
2.3 Temperature: Distribution of temperature (Vertical and Horizontal)		
2.4 Atmospheric Pressure: Belts and Planetary Winds.		
Module – III Lithosphere	15	01
3.1 Interior of the earth		
3.2 Wagner’s Continental Drift Theory		
3.3 Earthquakes – Causes and Effects		
3.4 Volcano – Causes and Effects		
Module – IV Denudation	15	01
4.1 Weathering: Concept and Types		

4.2 Davis Concept of Cycle of erosion

4.3 Erosional Landforms of river.

4.4 Depositional Landforms of river.

Reference Books

- 1) Clyton K., (1986), Earth Crust, AdusBook , London.
- 2) Davis W. M., (1909), Geographical Essay, Ginnia Co.
- 3) Dayal P., (1996), Text Book of Geomorphology, Shukla Book Depot, Patna.
- 4) Kale V.S. and Gupta A., (2001), Elements of Geomorphology, Oxford University Press, Kolkata.
- 5) Kale V.S. and Gupta A., (2001), Elements of Geomorphology, Oxford Univ. Press. Monkhouse, (1951), Principle of Physical Geography, McGraw Hill Pub – New York.
- 6) Pitty A. F., (1974), Introduction to Geomorphology, Methuen London.
- 7) Singh Savindra, (2000), Physical Geography, PrayagPustakBhavan, 20-A, University Road, Allahabad – 211002.
- 8) Steers J. A., (1964), The Unstable Earth Some Recent Views in Geography, Kalyani Publishers, New Delhi.
- 9) Swaroop Shanti, (2006), Physical Geography, King Books, NaiSarak, Delhi – 110006.
- 10) Wooldridge S. W. and Morgan R. S., (1959), The Physical Basis of Geography and Outline of Geomorphology, Longman Green and Co. London.

B. A. Part - I
DSE (Discipline Specific Elective) - II Geography
Semester-II

Human Geography

Preamble : This paper intends to acquaint the students with various dimensions of, as also the challenges, confronting the Indian economy. It endeavors to provide useful insights to the students about the present economic standing and composition of the Indian economy, the major sectors and their relative importance in the Indian economy and the major challenges faced by it.

Semester – II

	Teaching Hours	Credits
Module- I Human Geography	15	01
1.1 Definitions of Human Geography		
1.2 Scope of Human Geography		
1.3 Branches of Human Geography		
1.4 Importance of Human Geography		
 Module –II Population	 15	 01
2.1 Factors affecting on distribution of population		
2.2 Malthus’ theory of Population Growth		
2.3 Demographic Transition Theory		
2.4 Migration: Types and Effects		
 Module –III Settlement	 15	 01
3.1 Types and patterns of rural settlements		
3.2 Functions of Rural Settlements		
3.3 Factors affecting on urbanization		
3.4 Functions of Urban Centers		
 Module – IV Agriculture	 15	 01
4.1 Origin and History of Agriculture		
4.2 Types of Agriculture		
4.3 Factors affecting on agriculture		
4.4 Problems of Agriculture		

Reference Books

1. Chandna, R.C. (2010) Population Geography, Kalyani Publisher.
2. Hassan, M.I. (2005) Population Geography, Rawat Publications, Jaipur

3. Daniel, P.A. and Hopkinson, M.F. (1989) The Geography of Settlement, Oliver & Boyd, London.
 4. Johnston R; Gregory D, Pratt G. et al. (2008) The Dictionary of Human Geography, Blackwell Publication.
 5. Jordan-Bychkov et al. (2006) The Human Mosaic: A Thematic Introduction to Cultural Geography. W. H. Freeman and Company, New York.
 6. Kaushik, S.D. (2010) ManavBhugol, Rastogi Publication, Meerut.
 7. Maurya, S.D. (2012) ManavBhugol, ShardaPustakBhawan. Allahabad.
 8. Hussain, Majid (2012) ManavBhugol. Rawat Publications, Jaipur
 9. BeaujeuGamier : Geography of Population, Longman, London-1978
 10. Clarke J.I. : Population Geography, Pergamon Press Oxford – 1972
 12. HaggetPetter : Human Geography
 13. Ghosh B.N. : Fundamentals of Population Geography
 14. Hussin M. : Human Geography 1994
 15. Money D.S. : Human Geography
 16. Perpillon A.V. : Human Geography, Longman, London- 1986
 17. Robinson H. : Human Geography, 1976
 18. Mishra &Puri : Indian Economy 2004
 19. India- 2008 : Govt. of India
 20. Hassan Mohammed I. : Population Geography, 2005
 21. BhendeAsha&KanitkarTara :Principals of Population studies
 22. Perillonav : Human Geography, 1986
 23. Singh, R.Y. : Geography of Settlement, 1998
 24. Singh, Gopal :Mapwork& Practical Geography, 1999
 25. Sawant S.B. &Athavale A.S. Population Geography, Mehata publishing house, Pune
 26. Chandana R.C. : Geography of Population, Kalyani Pub. Ludharyana 1988
 27. सवदी.ए.बी. आणि कोळेकर .पी.एस.व लोक संख्या भूगोल निराली प्रकाशन पुणे.
 28. ताचोळे द.धो.–लोकसंख्याशास्त्र.
 29. पवार, अडसुळ, फुले ,पाटील–मानवी भूगोल सप्रेम प्रकाशन कोल्हापूर.
 30. प्रकाश सावंत–भूरूपशास्त्र व हवामानशास्त्र, फडके प्रकाशन
-

EQUIVALENCE

Sr. No.	Semester	Old Name	New Name
1	I	Geomorphology	Physical Geography Geography DSE1
2	II	Climatology	Human Geography Geography DSE2

Course Structure for B.A Geography Three Years (6 Semester) Program

B.A. Part - I : Geography

Sr. No	Semester	Title of the Paper	Category	Distribution of Credit	Workload	Total Credits	Total Marks
1	I	Physical Geography	Geography DSE1	4	4 Hours /Week	08	50
2	II	Human Geography	Geography DSE1	4	4 Hours /Week		50

B.A. II Geography

Sr. No	Semester	Title of the Paper	Category	Distribution of Credit	Workload	Total Credits	Total Marks
1	III	Soil Geography	Geography DSE3	4	4 Hours /Week	16	50

2	III	Environmental Geography	Geography DSE4	4	4 Hours /Week		50
3	IV	Oceanography	Geography DSE5	4	4 Hours /Week		50
4	IV	Geography of Maharashtra	Geography DSE6	4	4 Hours /Week		50

B.A. Part - II : GENERIC ELECTIVE

Sr. No	Semester	Title of the Paper	Category	Distribution of Credit	Workload	Total Credits	Total Marks
1	III	Disaster Risk Reduction / Resource Geography of Maharashtra Course-I GE Sustainability and Development/ Cartography Course –I GE	Generic Elective	4	4 Hours /Week	16	50
2	IV	and Disaster Risk Reduction / Resource Geography of Maharashtra Course –II GE Sustainability and Development / Cartography Course –II GE	Generic Elective	4	4 Hours /Week		50

B.A. III Geography

Sr. No.	Semester	Title of the Paper	Category	Distribution of Credit	Workload	Total Credits	Theory Marks	Term Work Seminar
1	V	Geography of India	Geography DSE	4	4 Hours /Week	44	40	10
2	V	Economic Geography	Geography DSE	4	4 Hours /Week		40	10

3	V	Research Methodology in Geography	Geography DSE	4	4 Hours /Week		40	10
Sr. No.	Semester	Title of the Paper	Category	Distribution of Credit	Workload		Theory Marks	Term Work Group Project
4	VI	Disaster Management	Geography DSE	4	4 Hours /Week		40	10
5	VI	Regional Planning and Development	Geography DSE	4	4 Hours /Week		40	10
6	VI	Geography of Tourism	Geography DSE	4	4 Hours /Week		40	10
7	V & VI	Map Work & Map Interpretation	Geography DSE	10	10 Hours /Week		100	Nil
8	V & VI	Advanced Tools and Techniques & Fieldwork	Geography DSE	10	10 Hours /Week		100	Nil

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.



Accredited By NAAC with 'A' Grade

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Syllabus For

B.A. Part - I

Hindi

(Syllabus to be implemented from June, 2018 onwards.)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

हिंदी अध्ययन मंडल

प्रथम वर्ष (कला, वाणिज्य एवं अन्य विद्या शाखा)

GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)

हिंदी (अनिवार्य)

(शैक्षिक वर्ष : 2018–19, 2019–20 तथा 2020–21)

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र – A : सृजनात्मक लेखन

उद्देश्य :

- हिंदी भाषा तथा व्याकरण का अध्ययन कराना।
- सृजनात्मक लेखन की विविध विधाओं (कविता, कहानी, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, दृश्य-साहित्य, पत्रकारिता) से परिचित कराना।
- सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों का परिचय कराना।
- सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों के महत्त्व तथा उपयोगिता से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :-

- व्याख्यान विश्लेषण।
- चर्चा-संगोष्ठी।
- संपादकों, उपसंपादकों तथा विद्वानों से साक्षात्कार।
- आई.सी.टी. का प्रयोग।

अध्ययनार्थ विषय :

इकाई –I हिंदी भाषा तथा व्याकरण : सामान्य परिचय

व्याकरण : लिंग, वचन, कारक, विराम चिह्न, वाक्य के प्रकार,
मानक वर्तनी

इकाई –II कविता, कहानी तथा यात्रावृत्त लेखन: स्वरूप, महत्त्व तथा
उपयोगिता ।

कविता, कहानी तथा यात्रावृत्त के क्षेत्र— सामाजिक, राजनीतिक,
सांस्कृतिक ।

इकाई –III रिपोर्ताज और साक्षात्कार लेखन: स्वरूप, महत्त्व तथा उपयोगिता ।

रिपोर्ताज के क्षेत्र— वाणिज्य, विज्ञान, तकनीकी ।

रिपोर्ताज के क्षेत्र— साहित्य तथा सामाजिक ।

इकाई –IV दृश्य साहित्य लेखन तथा पत्रकारिता : स्वरूप, महत्त्व तथा
उपयोगिता ।

दृश्य साहित्य लेखन के क्षेत्र— छायाचित्र, कार्टून (प्रश्नपत्र में
संबंधित मद्दों पर चित्र दिया जाएगा) ।

पत्रकारिता के प्रकार : खेल पत्रकारिता, सिनेमा पत्रकारिता,
ग्रामीण पत्रकारिता ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन –	अंक
प्रश्न 1 – समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2 – समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ (तीन में से दो)	10
प्रश्न 3 – समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (पाँच में से तीन)	15
प्रश्न 4 – समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न: अ तथा ब – दोनों अनिवार्य (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15

संदर्भ ग्रंथ :

- हिंदी भाषा – महावीर प्रसाद द्विवेदी
- हिंदी भाषा – इतिहास और स्वरूप– राजमाठी शर्मा
- मानक हिंदी – ब्रजमोहन
- संक्षिप्त हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु
- व्यावहारिक हिंदी व्याकरण– डॉ.हरदेव बाहरी
- आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास– बच्चनसिंह
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – डॉ.हरिमोहन
- साहित्यिक विधाएँ : सैद्धांतिक पक्ष – डॉ.मधु धवन
- सुगम हिंदी व्याकरण – धर्मपाल शास्त्री
- हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप एवं संदर्भ– डॉ.विनोद गोदरे
- व्यावहारिक हिंदी शुद्ध प्रयोग– डॉ.ओमप्रकाश
- व्यावहारिक हिंदी – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी
- खेल पत्रकारिता – सुशील दोशी, सुरेश कौशिक

द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र – B : व्यावहारिक लेखन

उद्देश्य :

- हिंदी के विविध रूपों का परिचय कराना ।
 - प्रयोजनमूलक हिंदी का परिचय कराना ।
 - पत्राचार का स्वरूप तथा प्रकारों का परिचय कराना ।
 - अनुवाद, विज्ञापन और समाचार लेखन से परिचित कराना ।
 - व्यावहारिक लेखन का महत्त्व तथा उपयोगिता से परिचित कराना ।
-

अध्ययनार्थ विषय :

इकाई –I हिंदी के विविध रूप तथा प्रयोजनमूलक हिंदी : मातृभाषा, संपर्क भाषा, राजभाषा, सर्जनात्मक भाषा ।

कार्यालयीन हिंदी, वाणिज्यिक हिंदी, विज्ञापन की हिंदी, वैज्ञानिक तथा तकनीकी साहित्य की हिंदी ।

इकाई –II पत्राचार : सामान्य परिचय

रोजगार प्राप्ति हेतु आवेदन पत्र (सरकारी, अर्ध सरकारी तथा गैर सरकारी) ।

इकाई –III अनुवाद और विज्ञापन : स्वरूप, प्रकार, महत्त्व, उपयोगिता।

अनुवाद कार्य तथा विज्ञापन लेखन (विज्ञापन से संबंधित)

इकाई –IV समाचार लेखन तथा पत्रकारिता: स्वरूप, उद्देश्य तथा तत्त्व।

समाचार लेखन और पत्रकारिता : संपादन तथा साजसज्जा।

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन –	अंक
प्रश्न 1 – समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2 – समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ (तीन में से दो)	10
प्रश्न 3 – समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (पाँच में से तीन)	15
प्रश्न 4 – समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अ तथा ब – दोनों अनिवार्य	15
– संदर्भ ग्रंथ	

- समाचार एवं प्रारूप लेखन – डॉ.रामप्रकाश, डॉ.दिनेश गुप्त
- प्रशासनिक एवं कार्यालयीन हिंदी – डॉ.रामप्रकाश, डॉ.दिनेश गुप्त
- समाचार संपादन – कमल दीक्षित, महेश दर्पण
- अनुवाद एवं संचार – डॉ. पूरनचंद टंडन
- विज्ञापन कला– डॉ.मधु धवन
- आधुनिक विज्ञापन – प्रेमचंद पातंजलि
- आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क – डॉ.तारेश भाटिया

- व्यावहारिक हिंदी और रचना – डॉ.कृष्णकुमार गोस्वामी
- प्रयोजनमूलक हिंदी विविध आयाम– डॉ.मनोज पांडेय
- व्यावसायिक संप्रेषण – डॉ.अनुपचंद्र पु. भयाणी
- प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ.नरेश मिश्र
- भाषा विज्ञान एवं हिंदी – डॉ.नरेश मिश्र
- प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण – प्रो.एम. ए. विराज

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

हिंदी अध्ययन मंडल

प्रथम वर्ष कला- हिंदी (विशेष ऐच्छिक)

DISIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)

(शैक्षिक वर्ष : 2018-19, 2019-20 तथा 2020-21)

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

उद्देश्य :

1. छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।
2. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से परिचित कराना।
3. छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना।
4. निबंध, कहानी, रेखाचित्र, एकांकी, रिपोर्ताज, संस्मरण, व्यंग्य आदि विधाओं के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास कराना।
5. छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण करना।
6. छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम, राष्ट्रीय ऐक्य स्थापना एवं सामाजिक प्रतिबद्धता हेतु राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार करना।
7. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
 2. सस्वर काव्य पाठ, प्रकट वाचन, संवाद।
 3. ग्रंथालयों के माध्यम से संबंधित लेखकों, कवियों की मौलिक कृतियों से छात्रों का परिचय।
 4. दृक-श्राव्य साधनों/माध्यमों का प्रयोग।
 5. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
 6. पी.पी.टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
 7. विशेषज्ञों के व्याख्यान, साक्षात्कार तथा प्रश्नावली।
-

पाठ्यपुस्तक – साहित्य जगत्

संपादक एवं प्रकाशक,

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर।

प्रथम सत्र : विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र—I

हिंदी कविता

अध्ययनार्थ पद्यपाठ :

- इकाई –I
1. भिक्षुक – निराला
 2. बालिका का परिचय— सुभद्राकुमारी चौहान
 3. तेरी खोपडी के अंदर – नागार्जुन
 4. वसंत आ गया— अज्ञेय

इकाई –II 5. अजीब–सी मुश्किल – कुंवर नारायण

6. पैदल आदमी– रघुवीर सहाय

7. बीस साल बाद – धूमिल

8. घर की याद – राजेश जोशी

इकाई –III 9. हो गई है पीर – दुष्यंतकुमार

10. माँ जब खाना परोसती थी – चंद्रकांत देवताले

11. एकलव्य – किर्ति चौधरी

12. बेजगह – अनामिका

इकाई –IV 13. नया बैंक – मंगलेश डबराल

14. सत्ता – उदय प्रकाश

15. स्त्री मुक्ति की मशाल – रजनी तिलक

16. बाजार – जया जादवानी

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन :	अंक
प्रश्न 1 – समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2 – समग्र पाठ्यक्रम पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (तीन में से दो)	10
प्रश्न 3 – समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (पाँच में से तीन)	15
प्रश्न 4 – समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अ तथा ब – दोनों अनिवार्य (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15

द्वितीय सत्र : विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र –II

हिंदी गद्य साहित्य

अध्ययनार्थ गद्य पाठ :

- इकाई –I
1. जीवन और शिक्षण (निबंध) – विनोबा भावे
 2. सूरदास (निबंध) – बाबू श्यामसुंदर दास
 3. विज्ञापन युग (निबंध) – मोहन राकेश
- इकाई –II
4. भगत की गत (व्यंग्य) – हरिशंकर परसाई
 5. फुटपाथ के कलाकार (व्यंग्य) – शरद जोशी
 6. गोशाला चारा और सरपंच (व्यंग्य) – शंकर पुणतांबेकर
- इकाई –III
7. पंचलाईट (कहानी) – फणीश्वरनाथ 'रेणु'
 8. चीफ की दावत (कहानी) – भीष्म सहानी
 9. अकेली (कहानी) – मन्नू भंडारी
- इकाई –IV
10. संस्कार और भावना (एकांकी) – विष्णु प्रभाकर
 11. रजिया (रेखाचित्र) – रामवृक्ष बेनीपुरी
 12. किसान के घर से (यात्रा संवाद) – मधु कांकरिया

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन :	अंक
प्रश्न 1 – समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2 – समग्र पाठ्यक्रम पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (तीन में से दो)	10
प्रश्न 3 – समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ (पाँच में से तीन)	15
प्रश्न 4 – समग्र पाठ्यक्रम पर प्रश्न अ तथा ब – दोनों अनिवार्य (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15

संदर्भ ग्रंथ—

1. हिंदी निबंधों का शैलीगत अध्ययन – डॉ.मु.ब.शहा
2. कहानी स्वरूप और संवेदना – राजेंद्र यादव
3. शरद जोशी का व्यंग्य साहित्य – डॉ.सूर्यकांत शिंदे
4. रेणु का कथा साहित्य – सुरेश चंद्र मेहरोत्रा
5. कथाकार भीष्म सहानी – डॉ.कृष्णा पटेल
6. मोहन राकेश और उनका साहित्य – डॉ.कविता शनवारे
7. एकांकीकार विष्णु प्रभाकर – डॉ.संजय चोपडे
8. हिंदी व्यंग्य परंपरा में शंकर पुणतांबेकर का योगदान – डॉ.अनुपमा प्रभुणे
9. रामवृक्ष बेनीपुरी और उनका साहित्य – डॉ.गजानन चव्हाण
10. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
11. नागार्जुन की कविता – अजय तिवारी
12. क्रांतिकारी कवि निराला – डॉ.बच्चनसिंह
13. धूमिल की काव्य यात्रा – मंजू अग्रवाल
14. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर – डॉ.संतोषकुमार तिवारी
15. अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन – डॉ.चंद्रकांत बांदिवडेकर

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

हिंदी अध्ययन मंडल

जून, 2018 से पुनर्रचित पाठ्यक्रम की समकक्षता			
प्रथम वर्ष (कला, वाणिज्य, विज्ञान एवं अन्य विद्याशाखा)			
	हिंदी (आवश्यक)		हिंदी (अनिवार्य) (GEC)
अ.क्र.	पुराना पाठ्यक्रम	अ.क्र.	नया पाठ्यक्रम
1	सत्र - 1 अभ्यासपत्रिका क्र. A प्रयोजनमूलक हिंदी और कहानी साहित्य	1	सत्र - 1 अभ्यासपत्रिका क्र. A सर्जनात्मक लेखन
2	सत्र - 2 अभ्यासपत्रिका क्र. B प्रयोजनमूलक हिंदी और कहानी साहित्य	2	सत्र - 2 अभ्यासपत्रिका क्र. B व्यावहारिक लेखन
बी.ए. भाग - 1			
	हिंदी (ऐच्छिक)		हिंदी (विशेष ऐच्छिक) (DSEC)
1	सत्र - 1 अभ्यासपत्रिका क्र. 1 आधुनिक हिंदी साहित्य	1	सत्र - 1 अभ्यासपत्रिका क्र. 1 हिंदी कविता
2	सत्र - 2 अभ्यासपत्रिका क्र. 2 आधुनिक हिंदी साहित्य	2	सत्र - 2 अभ्यासपत्रिका क्र. 2 हिंदी गद्य साहित्य

Shivaji University, Kolhapur

CBCS Syllabus for B.A.I HISTORY (from June 2018)

Semester I, Paper I: Rise of the Maratha Power (1600-1707)

(Objectives: The period from 1600 to 1707 was an important epoch in the history of Marathas. Chhatrapati Shivaji Maharaj established the Maratha state. Later, Chhatrapati Sambhaji, Chhatrapati Rajaram and Maharani Tarabai led the Maratha struggle of independence against the Mughal rule. The primary aim of this course is to introduce students to the history of the rise of Maratha power with main emphasis on life and work of Chhatrapati Shivaji Maharaj. The course is also expected to apprise the students with the sacrifices made by Maratha leaders and people to protect freedom and sovereignty of the region)

Module 1- Chhatrapati Shivaji Maharaja's achievement till 1664

- a. Background of the Rise of Maratha Power
- b. Early activities upto 1659; Afzalkhan Episode and Siege of Panhala
- c. Shahistekhan Episode and Attack on Surat

Module 2-Chhatrapati Shivaji Maharaja's achievement till 1680

- a. Treaty of Purandar and Visit to Agra
- b. Coronation
- c. Expedition to Karnataka

Module 3- Maratha War of Independence (1681-1707)

- a. Chhatrapati Sambhaji Maharaj
- b. Chhatrapati Rajaram Maharaj
- c. Maharani Tarabai

Module 4-Importance of Sources for understanding Maratha history

- a. Sources (Sanskrit and Marathi): *Shivbharat*, *Adnyapatra*
- b. Persian sources: *Tarikh-i-Dilkusha*, *Muntakhab-ul-Lubab*
- c. Foreign records and accounts: English and Portuguese

List of References:

Khafi Khan Muhammad Hashim, Muntakhab-ul-lubab in *The History of India as Told by Its Own Historians*, Vol. 7, Elliot and Dowson (eds.), Second Edition, Calcutta, 1952.
English Records on Shivaji (1659-1682), Shiva Charatira Karyalaya, Poona, 1931.
Patwardhan R. P., and H.G. Rawlinson, *Source Book of Maratha History- to the Death of Shivaji*, Vol.1, Bombay, 1929

Gordon, Stewart, *The Marathas 1600-1818*, Cambridge University Press, 1993.
Kulkarni, A. R. *Medieval Maratha Country*, Diamond Publications, 2008.
Kulakarni, A. R., *The Marathas*, Diamond Publications, 2008.
Pagdi, Setumadhava Rao, *Shivaji*, National Book Trust, India, 1993.
Ranade, M. G. *Rise of the Maratha Power* (Classic Reprint), Publications Division Ministry of Information & Broadcasting (ebook), 2017
Sarkar, Jadunath, *Shivaji and His Times*, Orient Blackswan, 1992.

मराठी संदर्भग्रंथ

सरदेसाई, गो. स., *मराठी रियासत, खंड १ ते ८*, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई, १९८८ ते १९९२
कुलकर्णी, अ. रा., खरे ग. ह., *मराठ्यांचा इतिहास, खंड १ ते ३*, कॉन्टिनेंटल प्रकाशन, पुणे, १९८४, १९८५, १९९३
काळे द. वि., *छत्रपती शिवाजी महाराज*, पुणे विद्यापीठ, पुणे, १९५९
दिवेकर स. म., (संपा.) *कवींद्र परमानंदकृत श्री शिवभारत*, भारत इतिहास संशोधक मंडळ, पुणे, १९२७
आठवले सदाशिव, *शिवाजी व शिवयुग*, मेहता पब्लिशिंग हाउस, पुणे, १९९२
जोशी प्र. न., (संपा) *आज्ञापत्र*, व्हीनस प्रकाशन, पुणे, १९९७
बेंद्रे वा. सी., श्री *छत्रपती शिवाजी महाराज यांचे चिकित्सक चरित्र*, साहित्य सहकार मुद्रणालय, कुलाबा, १९७२
कुलकर्णी अ. रा., (संपा) *आज्ञापत्र*, डायमंड पब्लिकेशन, पुणे, २००७
पवार जयसिंगराव , *शिवाजी व शिवकाळ*, फडके प्रकाशन, १९९३
पवार जयसिंगराव, *मराठेशाहीचा उदय आणि अस्त*, मंजुश्री प्रकाशन, कोल्हापूर, १९९३
पवार जयसिंगराव, *मराठेशाहीचा उदय*, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर, २००५
पगडी सेतुमाधवराव, *मराठ्यांचे स्वातंत्र्ययुद्ध* (खाफीखानाचा साधनग्रंथ), पुणे, १९६२
पगडी,सेतुमाधवराव, *मोगल आणि मराठे* (तारीके दिलकुशा) , पहिली आवृत्ती, पुणे, १९६२
पगडी सेतुमाधवराव, *शिवचरित्र - एक अभ्यास*, शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन, कोल्हापूर, २०१२
पगडी सेतु माधवराव, *छत्रपती शिवाजी*, नॅशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया नवी दिल्ली, २००४
पवार जयसिंगराव (प्रमुख संपादक), *छत्रपती शिवाजीमहाराज स्मृतिग्रंथ*, महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे, २०११.
जयसिंगराव पवार, *छत्रपती संभाजी स्मारक ग्रंथ*, रिया पब्लिकेशन्स, कोल्हापूर, १९९०
पवार जयसिंगराव, *शिवपुत्र छत्रपती राजाराम*, महाराष्ट्र इतिहास प्रबोधिनी, कोल्हापूर, २०१७
पवार जयसिंगराव, *शिवछत्रपती एक मागोवा*, सुमेरू प्रकाशन, डोंबिवली, २००५
खोबरेकर वि.गो., *मराठा अंमलाचे स्वरूप*, शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन, कोल्हापूर, १९८८
पित्रे का.ग., *मराठ्यांचा युद्धेतिहास १६०० - १८१८*, कॉन्टिनेंटल प्रकाशन, पुणे, २००४
कुलकर्णी अ. रा, *अशी होती शिवशाही*, राजहंस प्रकाशन, पुणे, २००७

Shivaji University, Kolhapur

CBCS Syllabus for B.A.I HISTORY (from June 2018)

Semester II, Paper II: Polity, Society and Economy under the Marathas (1600-1707)

(Objectives: 1600 to 1707 was a period of rapid change in the history of Marathas. Chhatrapati Shivaji Maharaj established the Maratha state and initiated fundamental changes in the political, socio-economic and cultural life of the people. The course is designed to acquaint the students with the political, socio-economic and religious life of the people during the 1600-1707 period. It will educate the students about the policy and contribution of Chhatrapati Shivaji Maharaj)

Module 1- Polity

- a. Civil administration: administrative structure, Ashtapradhan
- b. Judicial administration: judicial structure, gotsabha, divya
- c. Military administration: forts and navy

Module 2- Economy

- a. Agriculture: types of land and crops, revenue settlement, irrigation
- b. Industry: local craftsmen and major Industries
- c. Trade: trade centers, trade routes, transport and communications

Module 3- Society and Religion

- a. Village communities: Vatandar, Mirasdar, Balutedar-Alutedar and Upare
- b. Pandharpur movement
- c. Pilgrimage Centers: Kolhapur, Shikhar Shinganapur, Tuljapur

Module 4-Chhatrapati Shivaji Maharaj: Policy and Contribution

- a. Administration and Management
- b. Trade and Agriculture
- c. Religion

List of References:

- Apte, Bhalchandra Krishna., *A History of the Maratha Navy and Merchantships*, State Board for Literature and Culture, 1973.
- Gordon, Stewart, *The Marathas 1600-1818*, Cambridge University Press, 1993.
- Gune, Vithal Trimbak, *The Judicial System of the Marathas: A Detailed Study of the Judicial Institutions in Maharashtra, from 1600-1818 A.D.* Deccan College Postgraduate and Research Institute, 1953.
- Kulkarni A. R., *Maharashtra in the Age of Shivaji*, R.J. Deshmukh, 1969.
- Kulkarni A. R., *Maharashtra: Society and Culture*, Books & Books, 2000.
- Kulkarni A. R. *Medieval Maratha Country*, Diamond Publications, 2008.
- Kulkarni A. R., *The Marathas*, Diamond Publications, 2008.

Mahajan, T. T., *Aspects Of Agrarian And Urban History Of The Marathas*, Commonwealth Publishers, 1991.

Mahajan, T. T., *Courts and Administration of Justice Under Chhatrapati Shivaji*, Commonwealth Publishers, 1992.

Pagdi, Setumadhava Rao, *Shivaji*, National Book Trust, New Delhi, 1993.

Ranade, M. G. *Rise of the Maratha Power* (Classic Reprint), Publications Division Ministry of Information & Broadcasting (ebook), 2017

Sarkar, Jadunath, *Shivaji and His Times*, Orient Blackswan, 1992.

Sen S.N. *Military System of the Marathas with a Brief Account of Their Maritime Activities*, Calcutta, 1928.

मराठी संदर्भग्रंथ

सरदेसाई, गो. स., *मराठी रियासत, खंड १ ते ८*, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई, १९८८ ते १९९२

कुलकर्णी, अ. रा., खरे ग. ह., *मराठ्यांचा इतिहास, खंड १ ते ३*, कॉन्टिनेंटल प्रकाशन, पुणे, १९८४, १९८५, १९९३

काळे द. वि., *छत्रपती शिवाजी महाराज*, पुणे विद्यापीठ, पुणे, १९५९

आठवले सदाशिव, *शिवाजी व शिवयुग*, मेहता पब्लिशिंग हाउस, पुणे, १९९२

कुलकर्णी अ. रा., *शिवकालीन महाराष्ट्र*, राजहंस प्रकाशन, पुणे, १९९७

सरदेसाई बी. एन., *मराठ्यांचा सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक इतिहास*, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर, २००१

चिटणीस के. एन., *मध्ययुगीन भारतीय संकल्पना व संस्था*, पुणे, २००३

बेंद्रे वा. सी., *श्री छत्रपती शिवाजी महाराज यांचे चिकित्सक चरित्र*, साहित्य सहकार मुद्रणालय, कुलाबा, १९७२

कुलकर्णी श्री. र., *शिवकालीन राजनीती आणि रणनीती*, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई, १९९४

मेहेंदळे ग. भा., व शिंगे संतोष, *शिवछत्रपतींचे आरमार*, परमित्र पब्लिकेशन, पुणे, २०११

पगडी सेतूमाधवराव, *शिवचरित्र - एक अभ्यास*, शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन, कोल्हापूर, २०१२

पगडी सेतु माधवराव, *छत्रपती शिवाजी*, नॅशनल बुक ट्रस्ट, नवी दिल्ली, २००४

पवार जयसिंगराव (प्रमुख संपादक), *छत्रपती शिवाजीमहाराज स्मृतिग्रंथ*, महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे, २०११

पवार जयसिंगराव, *शिवाजी व शिवकाळ*, फडके प्रकाशन, १९९३

पवार जयसिंगराव, *छत्रपती संभाजी स्मारक ग्रंथ*, रिया पब्लिकेशन्स, कोल्हापूर १९९०

पवार जयसिंगराव, *शिवपुत्र छत्रपती राजाराम*, महाराष्ट्र इतिहास प्रबोधिनी, कोल्हापूर, २०१७

पवार जयसिंगराव, *शिवछत्रपती एक मागोवा*, सुमेरू प्रकाशन, डोंबिवली, २००५

लोहार एम. ए., *मराठाकालीन समाजजीवन*, शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन, २००७

लोहार एम. ए., *मराठ्यांच्या इतिहासाचे पैलू*, शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन, २०१२

खोबरेकर वि.गो., *मराठा अंमलाचे स्वरूप*, शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन, कोल्हापूर, १९८८

पित्रे का.ग., *मराठ्यांचा युद्धेतिहास १६०० - १८१८*, कॉन्टिनेंटल प्रकाशन, पुणे, २००४

कुलकर्णी अ. रा., *अशी होती शिवशाही*, राजहंस प्रकाशन, पुणे, २००७

कदम विकास, *वारकरी संप्रदायाचा इतिहास आणि पंढरपुरातील सांप्रदायिक फड व मठांचे कार्य*, अरुणा प्रकाशन, लातूर, २०१४

महाजन टी. टी., *शिवछत्रपतींची न्यायनीती*, सुभदा-सारस्वता प्रकाशन, १९९९

The following marking structure was unanimously decided by the committee for Paper I and Paper II (Semester I and II)

Q1. A) Multiple Choice Questions- 05- (05 marks)

B) Answer in one sentence -05 – (05 marks)

Q.2 A) Write short notes on any four (out of six) – (20 marks)

Q.3. Essay Question – (10 marks)

OR

Essay Question

Q. 4 Essay Question – (10 marks)

OR

Essay Question

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.



Accredited By NAAC with 'A' Grade

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Syllabus For

B.A. Part - I

English

(Ability Enhancement Compulsory Course)

(Syllabus to be implemented from June, 2018 onwards.)

**B.A. Part I – Ability Enhancement Compulsory Course (AECC 1)
(Compulsory English) (CBCS)
English for Communication
Detailed Syllabus
June 2018 onwards**

Course Objectives:

- 1. To acquaint students with communication skills.**
- 2. To inculcate human values among the students through poems and prose.**
- 3. To improve the language competence of the students**

Semester –I AECC 1 (Paper-A)

Module I

- A) Developing Vocabulary
- B) On Saying Please** - A. G. Gardiner

Module II

- A) Narration
- B) In Passion’s Shadow** - Mohan Rakesh

Module III

- A. English for General Purposes
- B. The Solitary Reaper** -William Wordsworth

Module IV

- A. **My School**, by Rabindranath Tagore
- B. **All the World is a Stage** - William Shakespeare
- C. **The Street** - Kusumagraj

Division of Teaching hours (Total 60 Periods)

1. Communication Skills: 3 X 12 = 36 periods
2. Reading Comprehension: 6X4 = 24 periods

Pattern of Question Paper

SEMESTER I (AECC 1) (Paper – A)
Total Marks: 50

Q.No	Sub. Q.	Type of Question	Based on Unit	Marks
Q.1	A	Four multiple choice questions with four alternatives to be set.	Prose and poetry units.	04
	B	Answer in one word/phrase/sentence each.	Prose and poetry units.	04
Q.2	A	Answer the following questions in three to four sentences each (4 out of 6)	Prose and poetry units	08
	B	Write short notes on the following in about seven to eight sentences each (3 out of 5)	Prose and poetry units	09
Q.3	---	Do as directed: (Based on Module I A Developing Vocabulary) Four different exercises to be set for 2 marks each.	Module I A	08
Q.4	A	Question to be set on English for General Purposes	Module III A	08
	B	Question to be set on Narration	Module IIA	09

B.A. Part I – Ability Enhancement Compulsory Course(AECC 2)**(Compulsory English) (CBCS)****English for Communication****Detailed Syllabus****June 2018 onwards****Semester –II****(AECC 2)****(Paper – B)****Module V**

- A. Making Inquiries
- B. **The Lost Child** - Mulk Raj Anand

Module VI

- A. Telephonic Communication
- B. **To My Countrymen** - APJ Abdul Kalam

Module VII

- A. Description
- B. **A Village Girl** - Mohan Singh

Module VIII

- A. **My Elder Brother** - Premchand
- B. **The Tiger**- William Blake
- C. **A Poet** -Chandrakant Patil

Division of Teaching hours (Total 60 Periods)

1. Communication Skills: 3 X 12 = 36 periods
2. Reading Comprehension: 6X4 = 24 periods

Pattern of Question Paper
SEMESTER II (AECC 2) (Paper – B)
Total Marks: 50

Q.No	Sub. Q.	Type of Question	Based on Unit	Marks
Q.1	A	Four multiple choice questions with four alternatives to be set.	Prose and poetry units.	04
	B	Answer in one word/phrase/sentence each.	Prose and poetry units.	04
Q.2	A	Answer the following questions in three to four sentences each (4 out of 6)	Prose and poetry units	08
	B	Write short notes on the following in about seven to eight sentences each (3 out of 5)	Prose and poetry units	09
Q.3	A	Question to be set on Making Inquiries	Module V A	8
	B	Question to be set on Telephonic Communication	Module VI A	7
Q.4	A	Question to be set on Description Describing objects or persons	Module VIIA	5
	B	Question to be set on Description Describing places or Daily Routine	Module VIIA	5

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.



Accredited By NAAC with 'A' Grade

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Syllabus For

B.A. Part - I

English

(Core Generic Elective-15)

(Syllabus to be implemented from June, 2018 onwards.)

B.A. Part I Core Generic Elective (CGE-15)
(Additional English)
(Semester – I) (Paper –I)
An Introduction to Literature: Poetry
Detailed Syllabus (CBCS)
June 2018 onwards

Module - I

A : Definitions, Nature ,Origin and function of Poetry

B : Poetical Types: Lyric, Ode, Sonnet, Elegy, Ballad, Idyll

Module - II

1. One Day I Wrote Her Name – **Edmund Spenser**
2. Let Me Not to the Marriage of True Minds – **William Shakespeare**
3. On His Blindness – **John Milton**
4. Ozymandias – **P. B. Shelley**

Module - III

1. Daffodils – **William Wordsworth**
2. Stopping By Woods on a Snowy Evening – **Robert Frost**
3. Leisure – **W.H. Davis**
4. Grandma's Ways – **Anna McLean**

Module - IV

1. O Captain ! My Captain – **Walt Whitman**
2. Break, Break, Break – **A. L. Tennyson**
3. O What is that Sound – **W. H. Auden**
4. Ode on Solitude – **Alexander Pope**

B.A. Part I Core Generic Elective(CGE-15)
(Additional English)
(Semester – I) (Paper –I)
An Introduction to Literature: Poetry
Detailed Syllabus (CBCS)
June 2018 onwards

Pattern of Question Paper

Marks: 50

Que.1 : Rewrite the following sentences by choosing the correct alternatives (10)

10 items with 4 alternatives based on Module No. 2,3,4

Que.2: Answer any two of the following questions in about 250 to 300 words each: (20)

Three questions one each on Module No.2,3,4 out of which **two** to be attempted

Que3 A : Write short notes on the following in about 100 to 150 words each : (10)

Three items one each on Module No. 2,3,4 out of which **two** to be attempted

(Not covered in Question No. 2)

B : Write short notes on the following in about 100 to 150 words each : (10)

Three items on Module No.1 (i.e. Poetry as a form of literature) out of which

two to be attempted

B.A. Part I Core Generic Elective(CGE-16)
(Additional English)
(Semester – II) (Paper –II)
An Introduction to Literature: Short Story
Detailed Syllabus
(CBCS)
June 2018 onwards

Module - V

A : Definitions, Origin and Characteristics of Short Story

B : Elements of Short Story

Module - VI

1. A Day's Wait – **Earnest Hemingway**

2. A Grain as Big as a Hen's Egg - **Leo Tolstoy**

Module - VII

1. Wrong Man in Workers Paradise - **Rabindranath Tagore**

2. Carpet – **Jyotika Elhance**

Module - VIII

1. The Childless One – **Jai Nimkar**

2. The Only American from our Village – **Arun Joshi**

B.A. Part I Core Generic Elective (CGE-16)
(Additional English)
(Semester – II) (Paper –II)
An Introduction to Literature: Short Story
Detailed Syllabus
(CBCS)
June 2018 onwards

Pattern of Question Paper

Marks : 50

Que.1 : Rewrite the following sentences by choosing the correct alternatives (10)

10 items with 4 alternatives based on Module No. 6,7,8

Que.2: Answer any two of the following questions in about 250 to 300 words each: (20)

Three questions one each on Module No.6,7,8 out of which **two** to be attempted

Que3 A : Write short notes on the following in about 100 to 150 words each : (10)

Three items one each on Module No. 6,7,8 out of which **two** to be attempted

(Not covered in Question No. 2)

B : Write short notes on the following in about 100 to 150 words each : (10)

Three items on Module No.5 (i.e. Short Story as a form of literature) out of

which **two** to be attempted

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.

Modified & Revised Syllabus (CBCS)

of

B. A. Part - I

PHYSICAL EDUCATION

(Sem.-I & Sem.-II)

(Introduction from June-2018 onwards)

(Subject to the modification made from time to time)

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.
PHYSICAL EDUCATION (Option)

B. A. Part - I
(Sem.-I & Sem.-II)

INTRODUCTION OF PHYSICAL EDUCATION AND SPORTS

Total Credit - 2

Total Marks - 50

Theory Examination - 25 marks

Total hours - 60 period

Practical Examination - 25 marks

(Per week 4 hrs.)

-
- 15 periods for one module, 30 periods for two modules.
 - 12 period for theory, 18 periods for practical.
 - 12.5 marks per modules.
 - Total passing in theory examination is minimum 9 marks.
 - Total passing in Practical examination is minimum 9 marks.

- **Objectives**

- Student knows the physical education subject.
- Know the important of health in life.
- Awareness of physical health.

Module - I : THE MEANING OF PHYSICAL EDUCATION
AND SPORTS. 12.5 marks

- A] 1. Meaning,
2. Definition of physical education,
3. concept of physical education
- B] Changing concepts of physical education
1. Exercise
 2. Gymnastics
 3. Recreation
 4. Games And Sports
 5. Physical Education
 6. Health And Physical Education

Module - II : AIM AND OBJECTIVES OF
PHYSICAL EDUCATION. 12.5 marks

- A] General aim
- B] Objectives
1. Organic power
 2. Physical skills
 3. Mental and emotional health
 4. Social development
 5. Professional development
 6. National integration

PRACTICAL
(Sem.-I, Paper - I)

INTRODUCTION OF PHYSICAL EDUCATION AND SPORTS

Practical - 25 marks

A batch of 20 students for practical period

Per unit 15 periods

I) Athletics - 10 marks

1. Sprint - 100M - 5 marks
- a) the candidates running 100 mts. Performance
- 100 mts. (Men) - 14.00 to 14.50 sec.-3 marks
 - 14.50 to 15.50 sec.-2 marks
 - 15.50 to 16.50 sec.-1 marks
 - 100 mts. (Women) - 16.00 to 16.50 sec.-3 marks
 - 16.50 to 17.50 sec.-2 marks
 - 17.50 to 18.50 sec.-1 marks
- b) For Technique and modern style - 2 marks

II) Shot-put - 5 marks

- a) Performance - 5.50 mts. - 3 marks
- (Men) - 5.00 mts. - 2 marks
 - 4.50 mts. - 1 marks
 - Performance - 5.00 mts. - 3 marks
 - (Women) - 4.50 mts. - 2 marks
 - 4.00 mts. - 1 marks
- b) For Technique and modern style - 2 marks

III) Indian Game : Kabaddi - 10 marks

a) Fundamental skills - 6 marks

b) Knowledge of rules and regulation - 4 marks

IV) Indian Exercises : - 5 marks

a) Suryanamaskar (Boys - 20, Girls - 15)

THEORY
(Sem.-II, Paper - II)

INTRODUCTION OF PHYSICAL EDUCATION AND SPORTS

Module - I : **FOUNDATION OF PHYSICAL EDUCATION**

A)

- a) Concept of body posture
- b) Meaning, definition and
- c) Kinds of body posture
- d) Characteristics of good body posture

B) Physical difference between genders

- a) strength
- b) speed
- c) endurance
- d) agility
- e) flexibility

Module - II : **FACTORS INFLUENCE PHYSICAL FITNESS
AND THEORIES OF PLAY**

A) Physical fitness and health

- i) physical fitness
- ii) factors of physical fitness
- iii) balance diet
- iv) addiction (Tobacco, alcohol and its adverse effect)
- v) walking

B) Play and its theories

- a) Meaning, definition and concept of play
- b) Difference Work and play
- c) Theories of play
 - i) surplus energy theory (जादाशक्तीचा सिंध्दात)
 - ii) anticipatory theory (पूर्व तयारीचा सिंध्दात)
 - iii) Re-capulatory theory (पुनरावृत्तीचा सिंध्दात)
- d) Human beings and importance of play

PRACTICAL
(Sem.-II, Paper - II)

INTRODUCTION OF PHYSICAL EDUCATION AND SPORTS

Practical - 25 marks

A batch of 20 students for practical period

Per Module 15 periods

I) Athletics - 05 marks

II) Long Jump - 5 marks

a) Performance - 4.50 mts. - 3 marks

(Men) - 4.25 mts. - 2 marks

Performance - 3.00 mts. - 3 marks

(Women) - 2.75 mts. - 2 marks

b) For Technique and modern style - 2 marks

III) Ball Game : Volley Ball - 10 marks

a) Fundamental skills - 6 marks

b) Knowledge of rules and regulation - 4 marks

IV) Indian Exercises : - 05 marks

Asnas

Pashimotanasan, Bhujangasan, Vajrasan, Halasan,

Sarvangasan.

V) Record Book - 05 marks

Books Recommended :

1. शारीरिक शिक्षण : तत्त्वे व स्वरूप - भा.रा.गोगटे, अखिल महाराष्ट्र शारीरिक शिक्षण मंडळ प्रकाशन, पुणे.
2. शारीरिक शिक्षण : तत्त्वे व व्यवस्था, हिराजी पाटील, ठोकळ प्रकाशन, पुणे.
3. शारीरिक शिक्षणाचे स्वरूप : प्रा.श्रीपाल जर्दे व सौ.सुनिता जर्दे, चंद्रमा प्रकाशन, कोल्हापूर.
4. शारीरिक शिक्षणाचा ओनामा : भा.रा.गोगटे, व्हीनस प्रकाशन, पुणे.
5. क्रीडा मानसशास्त्र : डॉ.प.म.आलेगांवकर, श्री.गजानन बुक डेपो, पुणे-३०.
6. शारीरिक शिक्षणाचे आधुनिक स्वरूप : दि.गो.वाखारकर, नीलखंड प्रकाशन व अध्यापन पद्धती, पुणे.
7. Principles of Physical Education : J.F.Williams, W.B.Sanders Company, Philadelphia, London.
8. Scientific Foundations of Physical Education : C.C.Cowell, Happer and Brothers, New York.
9. Foundation of Physical Education : C.A.Bucher, W.B.Sanders Company, Philadelphia, London.
10. Recreation and Physical Fitness for Youths and Men : Board of Education, London.
11. Physical Education : Interpretations and objectives - J.B.Nash, The Ronald Press Company, New York.
12. Introduction to Physical Education : L.R.Sarman, A.S.Barnes and Company, New York.
13. कबड्डी : नरेंद्र दाभोळकर, म.वि.ग्रं.नि.मंडळ, नागपूर.
14. कबड्डी : प्रा.श्रीपाल जर्दे व प्रा.विजय पाटील, अंबा प्रकाशन, कोल्हापूर.
15. कबड्डी : प्रा.एन.एम.भैरट.
16. आधुनिक हॉलिबॉल - व्यंकटेश वांगवड, गजानन बुक डेपो, पुणे-३०.

17. अथलेटिक्स - राम भागवत, ट्रॅक अँड फोल्ड पब्लिकेशन, पुणे-९.
18. मैदानी स्पर्धा व नियम, आयोजन - उमेश तावडे, राम भागवत ट्रॅक अँड फील्ड प्रकाशन, पुणे.
19. Introduction to Physical Education : Dr.S.D.Chavan.

Record Book -

The Record Book will cover the following -

- i) Brief history
- ii) Various diagrams
- iii) Name of different
Fundamental skills in team events and different style in
Athletics events.
- iv) Rules and regulations (This should be written as per
federation rule book)

The Record Book will be assessed internally and marks
should be submitted to the External Examiner.

(N.B. a-Total passing in practical minimum 09 marks out
of 25)

(N.B.2-practical examination conducted)

- a) a batch of 20 students for practical period &
examination
- b) One organizer (Internal subject teacher)
- c) Two examiner appointed by University.
- d) Peons - Two peons for ground marking, water supply
equipment supply and collecting etc.

RESULT SHEET for Practical examination Sem.-I

Exam. No.	Roll No.	Name	Athletics	Ball Game	Indian Exercises	Record Book	Total
			05	10	05	05	25

NATURE OF QUESTION PAPER

B.A.-I

Introduction of Physical Education Sports

Semester - I and II, Paper - I and II

All questions are compulsory

Q.1 compulsory

10 mark descriptive type

Q.2 compulsory

10 mark short notes types (2/3)

Q.3 compulsory

05 mark choose correct answers

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.



Accredited By NAAC with 'A' Grade
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Syllabus For

B.A. Part - I

Political Science

(Syllabus to be implemented from June, 2018 onwards.)

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
SYLLABUS
B.A.I Political Science
Discipline Specific Course (B4)
DSC (B4) Paper-I --Introduction to Political Science
Sem-I

Sr. No.	Topic No. and Title of the Topic	Teaching Hours	Credits
1.	Topic I- Introduction to Political Science a) Meaning, Definition, Nature, and Scope b) Difference Between Political Science and Politics c) Importance of Political Science	15	01
2.	Topic II- Introduction to Sub-disciplines of Political Science a) Political Theory: Meaning, Nature and Scope b) Political Process: Meaning, Nature and Scope c) Public Administration: Meaning, Nature and Scope d) International Politics: Meaning, Nature and Scope	15	01
3.	Topic III-State and Democracy a) State : Meaning, Definition, Organs of State b) Democracy: Meaning, Types(Direct and Indirect or Representative Democracy), Features of Democracy c) Democracy: Importance and Challenges before Democracy	15	01
4.	Topic IV- Key Concepts of Political Science a) Rights: Meaning, and Types b) Liberty: Meaning, and Types c) Equality: Meaning, and Types d) Justice: Meaning, and Types	15	01

Reading Book List

Sr. No	Name of Book	Author	Publications
1	What is Political Theory Political Theory – an Introduction	Bhargav .R. 2008	Pearson Longman New Delhi
2	'Liberty'	Sriranjani .V. 2008	Pearson Longman New Delhi
3	राजकीय सिद्धांताची मुलतत्त्वे	प्रा.बी.बी.पाटील प्रा.सौ.उर्मिला चव्हाण	फडके प्रकाशन, जुलै 2003
4	राज्यशास्त्रातील मुलभूत संकल्पना	प्रा.बी.बी.पाटील प्रा.सौ.उर्मिला चव्हाण	फडके प्रकाशन, जून2014
5	राजकीय सिद्धांत	प्रा.ज.रा.शिंदे प्रा.ए.डी.शेळके	कैलास प्रकाशन, जून 1991
6	आधुनिक राजकीय विश्लेषण	दि.का.गर्दे वि.मा.बाचळ	कॉन्टिनेंटल प्रकाशन 1979
7	आधुनिक राजकीय विश्लेषण	प्रा.चि.ग.घांगरेकर	विद्या प्रकाशन, रुईकर रोड, नागपूर, 1991
8	Political Science	B.K. Gokhale	A.R.Sheth & Co.,Mumbai
9	Principles of Political Science	A.C. Kapoor	Premier Publication
10	A Theory of Justice	Rawls John	Oxford, New Delhi

B.A.I Political Science
Discipline Specific Course (B18)
DSC (B18) Paper-II --Indian Constitution
Sem-II

Sr. No.	Topic No. and Title of the Topic	Teaching Hours	Credits
1.	Topic I- Introduction to Indian Constitution a) Historical Background of Indian Constitution (Acts of 1909,1919,1935) b) Making of Indian Constitution :Constituent Assembly c) Basic Features of Indian Constitution	15	01
2.	Topic II- Philosophy of Indian Constitution a) Preamble b) Fundamental Rights c) Directive Principles of State Policy and Fundamental Duties	15	01
3.	Topic III- Legislature and Executive in Indian Constitution a) Parliament b) Prime Minister and his Cabinet c) President	15	01
4.	Topic IV- Judiciary a) Supreme Court: Composition, Powers and Functions b) Judicial Review	15	01

Reading Book List

Sr.No.	Name of Book	Author	Publication
1	Introduction to Indian Constitution	D.D.Basu	Lexis Nexis
2	Indian Polity	M.Laxmikanth	McGraw Hill Education, New Delhi
3	Governments & Politics	Dwllon Micheal	Routledge New York
4	Indian Government & Politics	Abbas H. Kumar	Pearson New Delhi 2011
5	Contemporary India	Chandhoke N. Priyadarshi	Pearson New Delhi 2011
6	India after Independence	Chandra D. Mukharji	Penguin New Delhi
7	Indian Politics- Contemporary issue and Concerns	Sing m.p & Saxena R	PHI-New Delhi
8	भारताचे शासन व राजकारण	भोळे देशपांडे	पायल प्रकाशन नागपूर 1974
9	भारतीय शासन व राजकारण	एस.एन. नवलगुंदकर	नरेंद्र प्रकाशन पुणे जुलै 1977
10	भारतीय शासन	प्रा.बी.बी. पाटील, प्रा.उर्मिला चव्हाण	फडके प्रकाशन जुलै 2013
11	भारतीय प्रशासन	डॉ.पा.श्री. घारे	महाराष्ट्र विद्यापीठ ग्रंथनिर्मिती मंडळ गो.य. राने 1973
12	भारतीय शासन व प्रशासन	डॉ.प.ल.जोशी, डॉ.दवे	विद्या प्रकाशन नागपूर 1991
13	भारतीय प्रशासनाची रूपरेषा	प्रा. रमेश चौधरी	राधेय प्रकाशन नागपूर 1977

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.



Accredited By NAAC with 'A' Grade

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Syllabus For

B.A. Part - I

Sociology

(Syllabus to be implemented from June, 2018 onwards.)

**Course Structure for B.A. Sociology
Three Years (6 Semester) Programme**

B.A. I

Sr.No.	Semester	Name of the Course	Disipline
1	I	Introduction to Sociology I	Sociology Course-1
2	II	Applied Sociology II	Sociology Course-2

B.A. II

Sr.No.	Semester	Name of the Course	Disipline
1	III	Sociology of India I	Sociology Course-3
2	III	Sociology of Kinship I	Sociology Course-4
3	IV	Sociology of India II	Sociology Course-5
4	IV	Sociology of Gender II	Sociology Course-6

B.A. III

Sr.No.	Semester	Name of the Course	Disipline
1	V	Sociological Thinkers I	Sociology Course-7
2	V	Sociological Research Methods I	Sociology Course-8
3	V	Urban Sociology OR Sociology of Education	Sociology Course-9
4	V	Environmental Sociology OR Sociology of Work	Sociology Course-10
5	V	Political Sociology OR Gender and Violence	Sociology Course-11
6	VI	Sociological Thinkers II	Sociology Course-12
7	VI	Sociological Research Methods II	Sociology Course-13
8	VI	Agrarian Sociology OR Population and Society	Sociology Course-14
9	VI	Sociology of Health and Medicine OR Indian Society 'Images and Realities'	Sociology Course-15
10	VI	Social Stratification OR Sociology of Media	Sociology Course-16

B.A.PART - I
SEM – I
DSC-B2, SOCIOLOGY-I (50 Marks 4 Credits)
INTRODUCTION TO SOCIOLOGY

Books Recommended:

Davis, Knigsley : Human Society, Macmillan, New York, 1948.

		Teaching Hours	Credits
Module I	Nature of Sociology A) Sociology: Meaning and Subject matter B) Brief outline of Development of Sociology: C) Brief outline of Development of Sociology in India	15	1
Module II	Social Interaction and Social Structure A) Social Interaction: Definition, Stages and Types B) Social Structure: Status and Role, Norms and Values	15	1
Module III	Society and Social Institution A) Society: Meaning, Characteristics and Types B) Social Institution: Meaning and Characteristics	15	1
Module IV	Culture and Socialization A) Culture: Meaning, Characteristics and Elements B) Socialization: Meaning, Stages and Agencies	15	1

Brom, Leonard and Selznick Phillip : Sociology, Raw, Peterson and company, New York,1957

Chinoy, Ely : Society - An Introduction to sociology, Random House, 1961.

Inkeles,Alex : What is Sociology? : Intlewood Cliffs, Inc., prentice Hall, New Delhi 1964

Johnson, Harry M : Society - An Introductory Analysis, Mac Millan & Co. Ltd., London, 1965.

David Dressler and Wills, W.M. : Sociology - The study of Human Interaction, Alfred A Knof, New York, 1976.

Horton and Hunt : Sociology, MacGraw Hill, Tokyo, 1976.

Tischler, H.L. Whitten, Phillip & Hunter, David E.K. : Introduction to sociology, Holt, Rinehart and Winston, 1983.

Harlambos, M. and R.M. Heald : Sociology - Themes and perspectives, Oxford University Press, New Delhi, 1994.

Ram Ahuja; Indian social system, Rawat publications, New Delhi, 2002

Rawat, H. K. : Sociology, Rawat Publications Jaipur, 2007.

Ram Ahuja; Society in India, Rawat publications, New Delhi,2014

Books Recommended (Marathi)

Jadav, Ramesh :Samajshastra (in Marathi) , C.Jamanadas and Co. Mumbai, 1988.

Salunkhe, Sarjero :SamajshstrateelMulbhootSankapana, , Narendra

Publication, AppaBalawant Chowk, Pune, 2006

B.A.PART - I
SEM - II
DSC-B16, SOCIOLOGY – II

(50 Marks 4 Credits)

APPLIED SOCIOLOGY

Books Recommended:

		Teaching Hours	Credits
Module I	Theoretical Approaches in Sociology A) Structural- Functional: August Comte, M. N. Srinivas B) Conflict: Karl Marx , A. R. Desai	15	1
Module II	Society and Mass Media A) Mass Media : Meaning and Characteristics B) Types of Mass Media: Folk Media and Modern Media C) Impact of Mass Media on Society : Print, Electronic and Social Media	15	1
Module III	Social Change in Modern Society A) Meaning of Social Change B) Modernization And Globalization. C)Social Movements: Meaning and Types	15	1
Module IV	Applications of Sociology A)Sociology as a Profession: Policy, Planning, Teaching and Research. B)Career Opportunities: Social Sector(NGO's, Social Welfare Departments)	15	1

Davis,Knigsley : Human Society, Macmillan, New York, 1948.

Brom, Leonard and Selznick Phillip : Sociology, Raw, Peterson and company, New York,1957

Chinoy, Ely : Society - An Introduction to sociology, Random House, 1961.

InkelesAlex : What is Sociology? : Intlewood Cliffs, Inc., prentice Hall, New Delhi 1964

Johnson, Harry M : Society - An Introductory Analysis, Mac Millan & Co. Ltd., London, 1965.

David Dressler and Wills, W.M. : Sociology - The study of Human Interaction, Alfred A Knof, New York, 1976.

Horton and Hunt : Sociology, MacGraw Hill, Tokyo, 1976.

Tischler, H.L. Whitten, Phillip & Hunter, David E.K. : Introduction to sociology, Holt, Rinehart and Winston, 1983.

Harlambos, M. and R.M. Heald : Sociology - Themes and perspectives, Oxford University Press, New Delhi, 1994.

Ram Ahuja; Indian social system, Rawat publications, New Delhi, 2002

Christians, C. and Nordenstreng, K. 'Media Responsibility Worldwide'. (2004) Journal of Mass Media Ethics, 2004

Michael Gurevitch, Tony Bennett,James Curran And Janet Woollacott,Culture, society and the media,London And New York 2005

Rawat, H. K. : Sociology, Rawat Publications Jaipur, 2007.

Ram Ahuja; Society in India, Rawat publications, New Delhi,2014

Books Recommended (Marathi)

Bhandarkar, P.L. and Vaidya N.S. :SamajshastriyaSiddhant, Maharashtra Granth Nirmiti Mandal, Nagpur, 1986.

Jadav, Ramesh :Samajshastra (in Marathi) , C.Jamanadas and Co. Mumbai, 1988.

SalunkheSarjero :SamajshstrateelMulbhootSankapana, (in Marathi), Narendra Publication, AppaBalawant Chowk, Pune, 2006

GajananKhatu; Jagatikikaran:ParinamaniParyay,Akshar Prakashan,Mumbai,2001.

C.P.khrer; Jagatikikaran:Samsya,AshayaniAnubhav.Dilipraj Prakashan,Pune,2004

JaganKarade; Jagatikikaran:BharatasamorilAvhane, Diamond publications,pune,2008.

Internet Source :

sockom.helsinki.fi/commedia/Nordenstreng

didik.mercubuana-yogya.ac.id/wp-content/uploads/.../Culture-Society-and-the-Media

[www.ijhssi.org/papers/v3\(6\)/Version-4/L0364056064.pdf](http://www.ijhssi.org/papers/v3(6)/Version-4/L0364056064.pdf)

www.yourarticlelibrary.com/sociology/sociology-uses-careers-and...sociology/31257

<https://study.com/.../why-is-sociology-important-applications-in-public-policy-social-c...>

www.sociologyatwork.org/about/what-is-applied-sociology

EQUIVALENCE

Sr.No.	Semester	Old Name	New Name
1.	I	Introduction to Sociology Sem. I, Paper I	Introduction to Sociology I Sociology Course 1
2.	II	Principle of Sociology Sem. II, Paper II	Applied Sociology II Sociology Course 2

**Course Structure for B.A Sociology
Three Years (6 Semester) Program**

B.A. Part - I : Sociology

Sr. No.	Semester	Title of the Paper	Discipline	Distribution of Credit	Workload	Total Credit	Theory Marks
1.	I	Introduction to Sociology I	Sociology Course-1	4	4 Lectures/ week	08	50
2.	II	Applied Sociology II	Sociology Course-2	4	4 Lectures/ week		50

B.A. Part - II : Sociology

Sr. No.	Semester	Title of the Paper	Discipline	Distribution of Credit	Workload	Total Credit	Theory Marks
1.	III	Sociology of India I	Sociology Course-3	4	4 Lectures/ week	16	50
2.	III	Sociology of Kinship I	Sociology Course-4	4	4 Lectures/ week		50
3.	IV	Sociology of India II	Sociology Course-5	4	4 Lectures/ week		50
4.	IV	Sociology of Gender II	Sociology Course-6	4	4 Lectures/ week		50

B.A. Part - III : Sociology

Sr. No.	Semester	Title of the Paper	Discipline	Distribution of Credit	Workload	Total Credit	Theory Marks	Term work seminar
1.	V	Sociological Thinkers I	Sociology Course-7	4	4 Lectures/ week	20	40	10
2.	V	Sociological Research Methods I	Sociology Course-8	4	4 Lectures/ week		40	10
3.	V	Urban Sociology OR Sociology of Education	Sociology Course-9	4	4 Lectures/ week		40	10
4.	V	Environmental Sociology OR Sociology of Work	Sociology Course-10	4	4 Lectures/ week		40	10
5.	V	Political Sociology OR Gender and Violence	Sociology Course-11	4	4 Lectures/ week		40	10
Sr. No.	Semester	Title of the Paper	Discipline	Distribution of Credit	Workload	Total Credit	Theory marks	Term work Group project
6.	VI	Sociological Thinkers II	Sociology Course-12	4	4 Lectures/ week	20	40	10
7.	VI	Sociological Research Methods II	Sociology Course13	4	4 Lectures/ week		40	10
8.	VI	Agrarian Sociology OR Population and Society	Sociology Course14	4	4 Lectures/ week		40	10
9.	VI	Sociology of Health and Medicine OR Indian Society 'Images and Realities'	Sociology Course15	4	4 Lectures/ week		40	10
10.	VI	Social Stratification OR Sociology of Media	Sociology Course16	4	4 Lectures/ week		40	10

**B.A. SOCIOLOGY
EQUIVALENCE**

Sr. No.	Class	Semester	Title of the Paper Old	Paper No. Old	Title of the Course (New)
1.	B.A. I	I	Introduction to Sociology Sem. I, Paper I	I	Introduction to Sociology I Sociology Course 1
2.	B.A. I	II	Introduction to Sociology Sem. II, Paper II	II	Applied Sociology II Sociology Course 2
3.	B.A. II	III	Structure of Indian Society Paper III, Sem. III	III	Sociology of India I Sociology Course 3
4.	B.A. II	III	Social Problems in India Part I Paper IV, Sem. III	IV	Sociology of Kinship I Sociology Course 4
5.	B.A. II	IV	Social Change in Indian Society Paper No 5, Sem IV	V	Sociology of India II Sociology Course 5
6.	B.A. II	IV	Social Problems in India Part II Paper IV, Sem. IV	VI	Sociology of Gender II Sociology Course 6
7.	B.A. III	V	Western Sociological Thinkers Paper VII Sem V	VII	Sociological Thinkers I Sociology Course 7
8.	B.A. III	V	Methods of Social Research Paper VIII (Part I), Sem V	X	Sociological Research Methods I Sociology Course 8
9.	B.A. III	V	Rural Sociology Paper IX (A), Sem V	XI	Urban Sociology (A) Sociology Course 9
10.	B.A. III	V	Urban Sociology Paper IX (B), Sem V	VIII	Sociology of Education (B) Sociology Course 9
11.	B.A. III	V	Industrial Sociology Paper X (A), Sem V	IX	Environmental Sociology (A) Sociology Course 10
12.	B.A. III	V	Criminology Paper X (B) Sem V		Sociology of Work (B) Sociology Course 10
13.	B.A. III	V	Social Anthropology Paper XI (A) Sem V	XII	Political Sociology (A) Sociology Course 11
14.	B.A. III	V	Human Rights Paper XI (B) Sem V	XV	Gender and Violence (B) Sociology Course 11
15.	B.A. III	VI	Sociological Thinkers Paper	XVI	Sociological Thinkers II

			XII Sem VI		Sociology Course 12
16.	B.A. III	VI	Methods of Social Research Paper XIII , Sem VI	XIII	Sociological Research Methods II Sociology Course 13
17.	B.A. III	VI	Rural Sociology In India Paper XIV (A), Sem VI	XIV	Agrarian Sociology (A) Sociology Course 14
18.	B.A. III	VI	Urban Sociology In India Paper XIV (B), Sem VI	XIV	Population and S Sociology (B) Course 14ociety
19.	B.A. III	VI	Industrial Sociology Paper XV (A), Sem VI	XIV	Sociology of Health and Medicine (A) Sociology Course 15
20.	B.A. III	VI	Penology Paper XV (B) Sem VI	XIV	Indian Society 'Images and Realities' (B) Sociology Course 15
21.	B.A. III	VI	Social Anthropology Paper XVI (A) Sem VI	XIV	Social Stratification (A) Sociology Course 16
22.	B.A. III	VI	Social Welfare Paper XVI (B) Sem VI		Sociology of Media (B) Sociology Course 16

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.



CBCS Revised Syllabus For B.A. Part-I Home Science

Syllabus to be implemented from June 2018 onwards.

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
2018
Choice Based Credit System
Proposed Course Structure for B.A. Home Science
Three Years (6 Semester) Programme

B.A. I

Sr.No.	Semester	Name of the Course	Disipline
1	I	Fundamentals of Nutrition and Food Science	Home Science-1
2	II	Resource Management	Home Science-2

B.A. II

Sr.No.	Semester	Name of the Course	Disipline
1	III	Basics of Interior Design	Home Science-3
2	III	Introduction to Food Safety and Preservation	Home Science-4
3	IV	Fundamentals of Textile Science and Apparel Construction - I	Home Science-5
4	IV	Introduction to Human Development	Home Science-6

B.A. III

Sr.No.	Semester	Name of the Course	Disipline
1	V	Nutrition for the Family	Home Science -7
2	V	Space Planning and Design	Home Science-8
3	V	Fundamentals of Textile Science and Apparel Construction - II	Home Science-9
4	V	Life Span Development	Home Science-10
5	V	Research Methodology in Home Science	Home Science-11
6	VI	Therapeutic Nutrition	Home Science-12
7	VI	Traditional Indian Textiles	Home Science-13
8	VI	Entrepreneurship Development	Home Science-14
9	VI	Introduction to Guidance and Counseling	Home Science-15
10	VI	Extension for Development	Home Science-16

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
SYLLABUS
Choice Based Credit System
B.A. Part - I
Home Science Course – 1

June 2018 onwards

Fundamentals of Nutrition and Food Science

Preamble: Nutrition has been recognized and given a special role in national development. Nutrition is the key to facilitate the study and enhance the quality of human life. This paper covers basic aspects of nutrients, food science, as well as open a vast understanding of the current spectrum of malnutrition,. This course equips the students for skill development, academic understanding, entrepreneurship, community role and employment in various fields of food industry, health clinics, NGOs, etc.

- Objectives:**
1. To familiarize students with fundamentals of food, nutrients and their relationship to Health
 2. To create awareness with respect to deriving maximum benefit from available food resources

Total Credits: 4

Theory: 3Credits

Practical: 1Credit

Workload:

Theory: 2 Lectures per week

Practical: 2 Lectures per week per batch

(Each batch consisting of 15 to 20 students)

Semester – I

Theory

Module 1 : Basic concepts in food and nutrition

5

- 1.1 Basic concepts used in study of food and nutrition: Food, Nutrients, Nutrition, Health, Malnutrition and Balanced Diet
- 1.2 Understanding relationship between food, nutrition and health
- 1.3 Functions of food – Physiological, psychological, social and cultural.

Module 2: Food Groups

10

Selection and nutritional contribution of the following food groups:

- 2.1 Cereals
- 2.2 Pulses
- 2.3 Fruits and vegetables
- 2.4 Milk & milk products
- 2.5 Eggs
- 2.6 Meat, poultry and fish
- 2.7 Fats and Oils

Module 3: Methods of Cooking with advantages and disadvantages

10

3.1 Moist heat : Boiling, Steaming, Pressure cooking

3.2 Dry heat : Roasting, baking

3.3 Frying : Deep and Shallow frying

3.4 Microwave cooking

Module 4: Nutrients

20

Functions, dietary sources and clinical manifestations of deficiency of the following nutrients:

4.1 Carbohydrates, lipids and proteins

4.2 Fat soluble vitamins-A, D, E and K

4.3 Water soluble vitamins – Thiamine, Riboflavin, and vitamin C

4.4 Minerals – Calcium and Iron

Practical

Credit: 1

1. Weights and measures of food stuff.
2. Food preparation, understanding the principles involved, nutritional quality and portion size
 - Beverages: Hot tea/coffee/ Milk shake/ lassi / fruit based beverages (Any One)
 - Cereals: Boiled rice / pulao/ chapatti / paratha / puri / pastas (Any One)
 - Pulses: Whole / dehusked (Any One)
 - Vegetables: curries / dry preparations
 - Milk and milk products : Kheer / custard or Meat, Fish and poultry preparations / Egg preparations: Boiled / poached / fried / scrambled / omelettes / egg pudding
3. Plan and prepare nutrient rich recipe of the following with nutritive value calculation.
 - Calorie / Protein (Any One)
 - Vitamin A / Vitamin C (Any One)
 - Vitamin B₁ / Vitamin B₂ (Any One)
 - Iron / Calcium

Method of Evaluation : Internal Evaluation of Practical

- Q. 1 Submission of Journal - 5 Marks
- Q. 2 Viva - 5 Marks

RECOMMENDED READINGS

- Mudambi, SR and Rajagopal, MV. Fundamentals of Foods, Nutrition and Diet• Therapy; Fifth Ed; 2012; New Age International Publishers
- Mudambi, SR, Rao SM and Rajagopal, MV. Food Science; Second Ed; 2006; New• Age International Publishers
- Srilakshmi B. Nutrition Science; 2012; New Age International (P) Ltd.
- Srilakshmi B. Food Science; Fourth Ed; 2010; New Age International (P) Ltd.
- Swaminathan M. Handbook of Foods and Nutrition; Fifth Ed; 1986; BAPPCO
- Bamji MS, Rao NP, and Reddy V. Text Book of Human Nutrition; 2009; Oxford• & IBH Publishing Co. Pvt Ltd.
- Wardlaw GM, Hampl JS. Perspectives in Nutrition; Seventh Ed; 2007; McGraw• Hill.
- Lakra P, Singh MD. Textbook of Nutrition and Health; First Ed; 2008; Academic• Excellence.
- Manay MS, Shadaksharaswamy. Food-Facts and Principles; 2004; New Age• International (P) Ltd.
- Potter NN, Hotchkiss JH. Food Science; Fifth Ed; 2006; CBS Publishers and• Distributors.
- Sethi P and Lakra P Aahaar Vigyaan, Poshan Evam Suruksha, Elite Publishing• House, 2015
- Jain P et al. Poshan va swasthya ke mool siddhant (Hindi); First Ed; 2007;• Academic
- Pratibha. Vrinda S. Aahar Vigyan (Hindi); 2003; Shyam Prakashan
- Suri S. and Malhotra A. Food Science, Nutrition & Food Safety Pearson India Ltd. 2014.
- Raina U, Kashyap S, Narula V, Thomas S, Suvira, Vir S, Chopra S. Basic Food Preparation – A Complete Manual. Orient Longman, 2005.
- Khanna K, Gupta S, Seth R, Mahana R, Rekhi T. The Art and Science of Cooking. • Phoenix Publishing House Private Limited, Delhi 1998. DSC-NHE IB: NUTRITION FOR THE FAMI

=====

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
SYLLABUS
Choice Based Credit System
B.A.-I
Home Science Course – 2

June 2018 onwards

RESOURCE MANAGEMENT

Preamble: We are living in a world of scarce and finite resources and hence, management of resources becomes imperative for the society as a whole. The stream of Resource Management focuses on optimization of resource utilization in life. This paper intends to acquaint students about managerial process and resource management.

- Objectives :**
1. To acquaint the students about process of management
 2. To know about resources and its availability and management.

Semester – II

Total Credits : 4

Theory : 3Credits

Practical : 1Credit

Workload :

Theory : 2 Lectures per week

Practical : 2 Lectures per week per
batch

(Each batch consisting of 15 to 20 students)

THEORY

Module I: Introduction to Resource Management **10**

- 1.1 Concept, Meaning and Scope of Management
- 1.2 Need of Management in day-to-day life
- 1.3 Management in changing world

Module II: Resources **10**

- 2.1 Understanding meaning and concept of resources
- 2.2 Classification of resources
- 2.3 Characteristics of resources
- 2.4 Factors affecting utilization of resources

Module III: Availability and Management of Specific resources by an individual / family **10**

- 3.1 Money - Meaning, sources, ways of improving money income
- 3.1 Time : Concept, classification, importance and characteristic
- 3.2 Energy : Concept, classification and importance

Module IV: Functions of Management: An overview **15**

- 4.1 Decision Making – Meaning, steps and importance
- 4.2 Planning – Meaning, steps, Characteristics and advantages
- 4.3 Controlling – Meaning, steps and importance
- 4.4 Evaluation – Meaning, types and advantages

Practical

- 1. Observation, listing and classification of resources available to family.
- 2. Identification and development of self of as a resource.
 - SWOC analysis
 - Building Decision making abilities through management game / role play
- 3. Preparation of time plan for self and family
- 4. Event planning, management and evaluation with reference to Managerial process

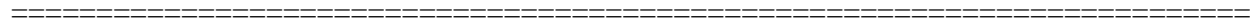
Method of Evaluation: internal Evaluation **Marks: 10**

Q.1 Submission of journal – 5 Marks

Q. 2 Viva – 5 Marks

RECOMMENDED READINGS

- Koontz.H. and O’Donnel C., 2005, Management – A systems and contingency analysis of managerial functions. New York: McGraw-Hill Book Company
- Kreitner. 2009, Management Theory and Applications, Cengage Learning: India
- Rao V.S. and Narayana P.S., Principles and Practices of Management, 2007, Konark Publishers Pvt. Ltd.



NATURE OF THE QUESTION PAPER

Theory

Total Marks 40

- Q.1 Long answer type question with internal choice 10
- Q.2 Long answer type question with internal choice 10
- Q.3 Short Note (any 4 out of 6) 20

Practical

The evaluation of the performance of the students in practical shall be on the basis of internal evaluation at the end of each semester.

=====

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

Choice Based Credit System
Proposed Course Structure for B.A Home Science
Three Years (6 Semester) Program
B.A. Part - I : HOME SCIENCE

Sr. No.	Semester	Title of the Paper	Disipline	Distribution of Credit			Workload			Total Credit	Marks	
				Theory	Practical	Total	Theory	Practical	Total		Theory	Practical
1.	I	Fundamentals of Nutrition and Food Science	Home Science Course-1	3	1	4	2	2	4	4	40	10
2.	II	Resource Management	Home Science Course-2	3	1	4	2	2	4		40	10

B.A. Part - II : HOME SCIENCE

Sr. No.	Semester	Title of the Paper	Discipline	Distribution of Credit			Workload			Total Credit	Marks	
				Theory	Practical	Total	Theory lectures/week	Practical lectures/week	Total lectures/week		Theory	Practical
1.	III	Basics of Interior Design	Home Science Course-3	3	1	4	2	2	4	8	40	10
2.	III	Introduction to Food Safety and Preservation	Home Science Course-4	3	1	4	2	2	4		40	10
3.	IV	Fundamentals of Textile Science and Apparel Construction	Home Science Course-5	3	1	4	2	2	4		40	10
4.	IV	Introduction to Human Development	Home Science Course-6	3	1	4	2	2	4		40	10

B.A. Part - III : HOME SCIENCE

Sr. No.	Semester	Title of the Paper	Discipline	Distribution of Credit			Workload			Total Credit	Theory Marks	Practical/Sessional work
				Theory	Practical	Total	Theory (Lectures/week)	Practical Lectures/week	Total (Lectures/week)			
1.	V	Nutrition for the Family	Home Science Course-7	2	2	4	3	4	7	30	40	10
2.	V	Space Planning and Design	Home Science Course-8	2	2	4	3	4	7		40	10
3.	V	Fundamental Textile Science and	Home Science	2	2	4	4	4	8		40	10

		Apparel Construction - II	Course-9									
4.	V	Life Span Development	Home Science Course-10	4	--	4	4	-	4		40	10
	V	Research Methodology in Home Science	Home Science Course-11	4	--	4	4	--	4		40	10
Sr. No.	Semester	Title of the Paper	Discipline	Distribution of Credits			Workload			Total Credit	Marks	
				Theory	Practical	Total	Theory Lectures/week	Practical Lectures/week	Total		Theory	Practical/Sessional work
5.	VI	Therapeutic Nutrition	Home Science Course-12	2	2	4	3	4	7	30	40	10
6.	VI	Entrepreneurship Development	Home Science Course13	2	2	4	3	4	7		40	10
7.	VI	Traditional Indian Textiles	Home Science Course14	2	2	4	4	4	8		40	10
8.	VI	Introduction to Guidance and Counseling	Home Science Course15	4	--	4	4	--	4		40	10
9.	VI	Extension for Development	Home Science Course16	4	--	4	4	--	4		40	10

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

**Choice Based Credit System
B.A. HOME SCIENCE
EQUIVALENCE**

Sr. No.	Class	Semester	Title of the Paper(Old)	Paper No. Old	Title of the Course (New)
1.	B.A. I	I	Introduction to Home Science	I	Introduction to Nutrition and Food Science
2.	B.A. I	II	Fundamentals of Food and Nutrition	II	Resource Management
3.	B.A. II	III	Applied Arts and Housing	III	Basics of Interior Design
4.	B.A. II	III	Food Preservation, Bakery and Confectionary	IV	Introduction to Food Safety and Preservation
5.	B.A. II	IV	Textile Science and Clothing	V	Fundamentals of Textile Science and Apparel Construction
6.	B.A. II	IV	Prenatal Period To Early Childhood	VI	Introduction to Human Development
7.	B.A. III	V	Advanced Food Science	VII	Nutrition for the Family
8.	B.A. III	V	Entrepreneurship Development	VII	Space Planning and Design
9.	B.A. III	V	Fabric Ornamentation and Accessory Designing	IX	Fundamental Textile Science and Apparel Construction - II
10.	B.A. III	V	Late Childhood to Adolescence	X	Life Span Development
11.	B.A. III	V	Research Methodology	XI	Research Methodology in Home Science
12.	B.A. III	VI	Meal Management and Diet Therapy	XII	Therapeutic Nutrition
13.	B.A. III	VI	Interior Decoration	XIII	Entrepreneurship Development
14.	B.A. III	VI	Fashion and Apparel Designing	XIV	Traditional Indian Textiles
15.	B.A. III	VI	Dynamics of Marriage and Family	XV	Introduction to Guidance and Counseling
16.	B.A. III	VI	Home Science Extension Education	XVI	Extension for Development